3 | राजधानी
बालू अड्डे में डायरिया से अब तक 138 बीमार

6 | अभिमत
अवसरवादी हो गया है विपक्ष

10 | स्पोर्ट्स
केएल राहुल अपनी योजना में स्पष्ट थेः रोहित शर्मा

11 | विदेश
प्लाईमाउथ शहर में गोलीबारी, छह की मौत

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 292
लखनऊ, शनिवार, 14 अगस्त, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैं बुरी कुक नहीं हूं: भूमि पेडनेकर

विविध-12

तालिबान के कब्जे में दक्षिणी अफगानिस्तान

● चार और प्रांतों की राजधानियों पर काबिज लश्करगाह भी जीता, दो दशक की जंग में यहां मारे गए थे सैकड़ों विदेशी सैनिक

● अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा अपने दूतावास के कर्मियों को निकालने में जुटे

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली/काबुल

अफगानिस्तान में दो दशक से जारी जंग से अमेरिकी और नाटो बलों की औपचारिक रूप से वापसी के महज कुछ सप्ताह पहले तालिबान ने शुक्रवार को चार और प्रांतों की राजधानियों पर कब्जा करते हुए देश के समूचे दक्षिणी भाग पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया और धीरे-धीरे काबुल की तरफ बढ़ रहा है। तालिबान ने हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्करगाह पर कब्जा कर लिया है।

अफीम के बड़े केंद्र हेलमंद की प्रांतीय राजधानी लश्करगाह अफगानिस्तान सरकार के हाथों से फिसल गयी है। लगभग दो दशक के युद्ध के दौरान यहां सैकड़ों की संख्या में विदेशी सैनिक वहां मारे गए थे। तालिबान लड़ाकों ने 34 प्रांतों में से हाल के दिनों में एक दर्जन से अधिक प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। ऐसे में जब अमेरिका कुछ सप्ताह बाद अपने आखिरी सैनिकों को वापस बुलाने वाला है तालिबान ने देश के दो-तिहाई से अधिक क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। हालांकि काबुल अभी सीधे तौर पर खतरे में नहीं है, लेकिन अन्य जगहों पर नुकसान और लड़ाइयों ने तालिबान की पकड़ को और मजबूत कर दिया है। नवीनतम अमेरिकी सैन्य खुफिया आकलन से पता चलता है कि काबुल 30 दिनों के भीतर विद्रोहियों के दबाव में आ सकता है और अगर मौजूदा रुख जारी रहा तो तालिबान कुछ महीनों के भीतर देश पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर सकता है। यदि तालिबान यही गति बनाए रखता है तो अफगान सरकार को आने वाले दिनों में पीछे हटने और राजधानी और केवल कुछ अन्य शहरों की रक्षा के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। चरमपंथी समूह ने दक्षिण में हेलमंद के अलावा उरुजगान और जाबुल प्रांतों की राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। हेलमंद में प्रांतीय परिषद के प्रमुख अताउल्लाह अफगान का कहना है कि तालिबान ने भारी लड़ाई के बाद प्रांतीय राजधानी लश्करगाह पर कब्जा कर लिया और सरकारी प्रतिष्ठानों पर अपना सफेद झंडा फहरा दिया है।

उन्होंने कहा कि लश्करगाह के बाहर स्थित राष्ट्रीय सेना के तीन ठिकाने सरकार के नियंत्रण में हैं। जाबुल प्रांत में प्रांतीय परिषद के प्रमुख अत्ता जान हकबायन ने कहा कि राजधानी कलात तालिबान के नियंत्रण में चली गई है और अधिकारी पास के एक सैन्य शिविर में हैं और वे वहां से निकलने की तैयारी कर रहे हैं। अफगानिस्तान के दक्षिणी उरुजगन प्रांत के दो जनप्रतिनिधियों ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने प्रांतीय राजधानी तिरिन कोट की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे तालिबान के हवाले कर दिया है। बिस्मिल्लाह जान मोहम्मद और कुदरतुल्ला रहीमी ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। पश्चिमी हिस्से में गोर प्रांत में प्रांतीय परिषद के प्रमुख फ़ज़ल हक एहसन ने कहा कि तालिबान ने प्रांतीय राजधानी फीरोज़ कोह पर भी कब्जा कर लिया है। ऐसे में जब सुरक्षा स्थिति तेजी से बिगड़ रही है अमेरिका ने काबुल में अमेरिकी दूतावास से कुछ कर्मियों को निकालने में मदद करने के लिए 3,000 सैनिकों को भेजने की योजना बनाई है। वहीं ब्रिटेन ने कहा है कि देश छोड़ने वाले ब्रिटेन के नागरिकों की मदद करने के लिए लगभग 600 सैनिकों को अल्पकालिक आधार पर तैनात किया जाएगा। कनाडा भी अपने दूतावास को खाली करने में मदद करने के लिए विशेष बल भेज रहा है। तालिबान द्वारा फिर से एक क्रूर, दमनकारी सरकार स्थापित करने के भय के बीच हजारों अफगान अपने घरों से भाग गए हैं। कतर में शांति वार्ता रुकी हुई है, हालांकि राजनयिक अभी भी मुलाकात कर रहे हैं। अमेरिका, यूरोपीय और एशियाई देशों ने चेतावनी (शेष पेज 9)

सीएम ने बलिया-गाजीपुर में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया दौरा

पीड़ितों को हर जरूरी मदद मिले:योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पहले कोरोना की जंग और अब बाढ की तबाही से निपटने को सीएम योगी ने सीधे मैदान में उतर कर मोर्चा संभाल लिया है। पिछले तीन दिनों में करीब आधा दर्जन जिलों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम योगी ने आज गाजीपुर और बलिया के बाढ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया और पीडितों से मिलकर उनके आंसू पोछे। उन्होने बचाव तथा राहत कार्य को अपनी आंखों से देखा और आपदा की इस घडी में हर समय चुस्त और दुरस्त व्यवस्था रखने के अधिकारियों को कडे निर्देश दिये। उन्होने साफ कहा कि पीडितों को समय पर मदद और बाढ से नुकसान को कम से कम होने दिया जाये।

गाजीपुर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम योगी ने गहमर इण्टर कॉलेज में बाढ़ प्रभावित 186 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की और उनसे बाढ़ राहत व बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के प्रत्येक गांव का निरीक्षण करने तथा वहां राहत व बचाव कार्य प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 24 जनपदों के 600 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। राजस्थानए मध्य प्रदेश और हरियाणा से अतिरिक्त जल छोड़ा गयाए जिससे यमुनाए चम्बल व बेतवा नदी में अधिक जल का स्तर बढ़ गया है।

इससे प्रदेश में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में गंगा नदी के तटवर्ती इलाकों में 32 राजस्व ग्राम बाढ़ से प्रभावित हैं। इन राजस्व ग्राम की लगभग 1.5 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बलिया के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम ने नागाजी सरस्वती विद्या मन्दिर विद्यालय में 50 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया। उन्होंने विद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी पीड़ित एवं प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध करायी जाए। राहत सामग्री के वितरण में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए।

आवश्यकतानुसार तिरपाल की आपूर्ति बढ़ाकर प्रत्येक जरूरतमन्द को इसका वितरण किया जाए। ऐसे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जहां विद्युत आपूर्ति बाधित (शेष पेज 9)

शुरू हुई वाहन स्क्रैपिंग नीति, 10 हजार करोड़ का आएगा निवेश

● मोदी ने किया लांच कहा-यह प्रदूषण घटाने पर्यावरण बचाने, तेज विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय वाहन स्क्रैपिंग नीति की शुरूआत करते हुए कहा कि इससे अनफिट और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से सड़कों से हटाने में मदद मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने इसे 'कचरे से कंचन के अभियान' और चक्रीय अर्थव्यवस्था की एक 'अहम कड़ी' करार दिया तथा कहा कि यह नीति देश के शहरों से प्रदूषण कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ तेज विकास की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि यह नीति देश में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश लाएगी और हजारों रोजगार का सृजन करेगी। गुजरात में निवेशक सम्मेलन को संबोधित कर रहे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 75वें स्वतंत्रता दिवस से पहले आज का यह कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सिद्ध करने की दिशा में एक और अहम कदम है। यह सम्मेलन वाहन स्क्रैपिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर निवेश आमंत्रित करने के लिए आयोजित किया गया है।

इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश वाहन स्क्रैपिंग नीति लॉन्च कर रहा है। यह नीति नए भारत की गतिशीलता को और ऑटो क्षेत्र को नई पहचान देने वाली है। देश में अनफिट वाहनों को वैज्ञानिक तरीके से सड़कों से हटाने में यह नीति बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि देश के करीब करीब हर नागरिक, उद्योग और हर क्षेत्र में इससे सकारात्मक परिवर्तन आएगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए गतिशीलता को बहुत बड़ा कारक बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गतिशीलता में आई आधुनिकता यात्रा और परिवहन का बोझ तो कम करती ही है, आर्थिक विकास के लिए भी मददगार साबित होती है।

उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत स्वच्छ, भीड़-भाड़ रहित और सुविधाजनक गतिशीलता का लक्ष्य लेकर चले, यह आज समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम में अब उद्योग जगत और सभी हितधारकों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि नयी नीति कचरे से कंचन के अभियान (वेस्ट टू वेल्थ) और चक्रीय अर्थव्यवस्था की एक अहम कड़ी है। यह नीति देश के शहरों से प्रदूषण कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ तेज विकास की हमारी प्रतिबद्धता को (शेष पेज 9)

एक फ्लैट वाले को चार व पांच कारें रखने की इजाजत न मिले: हाईकोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई

महाराष्ट्र में वाहनों की पार्किंग के लिए निर्दिष्ट स्थान के संबंध में एक समान नीति के अभाव पर दुख जताते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि अधिकारियों को ऐसे नागरिकों को एक से अधिक निजी वाहन रखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए जिनके पास पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं हो। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की पीठ ने बृहस्पतिवार को कहा कि अधिकारियों को ऐसे परिवार को चार या पांच कार रखने की अनुमति नहीं देनी चाहिए जिनके पास केवल एक ही फ्लैट है और जिनकी आवासीय सोसाइटी में उनके पास वाहन की पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। पीठ नवी मुंबई के निवासी एवं कार्यकर्ता संदीप ठाकुर की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उस सरकारी अधिसूचना को चुनौती दी गई है जिसमें डेवलपर को कार पार्किंग के लिए स्थान घटाने की इजाजत देने के लिए एकीकृत विकास नियंत्रण एवं संवर्धन नियामक कानून में संशोधन किया गया है। ठाकुर ने याचिका में कहा कि डेवलपर नई गगनचुंबी इमारतों में पर्याप्त पार्किंग स्पेस नहीं दे रहे हैं जिसके कारण निवासी आवासीय सोसाइटी के परिसरों के बाहर वाहन खड़े करने पर मजबूर हैं। उच्च न्यायालय ने कहा, नई कारों की खरीद में कमी लाने की जरूरत है। एक परिवार को चार या पांच वाहन रखने की इजाजत सिर्फ इसलिए देना गलत है कि वे उन्हें खरीदने में सक्षम है। आपको देखना होगा कि उनके पास पार्किंग की जगह है या नहीं। अदालत ने कहा, सभी सड़कों पर वाहनों की बाढ़ सी है और हर ओर सड़कों का 30 फीसदी हिस्सा दोनों ओर पार्किंग के कारण घिरा हुआ है। यह आम हो चला है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य के अधिवक्ता मनीष पाबले को दो हफ्तों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया।

स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को यूपी सरकार देगी दो करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

लखनऊ के भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में 19 अगस्त को खिलाड़ियों का महाकुंभ आयोजित होगा। प्रदेशभर के खिलाड़ियों की मौजूदगी में इस महाकुंभ में टोक्यो ओलिंपिक के सभी पदक विजेताओं को प्रदेश सरकार सम्मानित करेगी। आयोजन में विभिन्न खेलों के कोच को भी सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह घोषणा गोरखनाथ मंदिर के ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में मंदिर प्रबंधन और पूर्वांचल खेल विकास मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित खिलाड़ी सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि की। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस आयोजन में प्रदेश सरकार की ओर से ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले को दो करोड़ रुपये सम्मान स्वरूप दिए जाएंगे। रजत पदक विजेताओं को डेढ़-डेढ़ करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को एक-एक करोड़ रुपये की धनराशि दी जाएगी। कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष हाकी टीम के प्रत्येक सदस्य (शेष पेज 9)

नाक से लेने वाली वैक्सीन के फेज दो और तीन के ट्रायल की अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोविड-19 के नाक से दिए जा सकने वाले पहले टीके को दूसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। डीबीटी ने कहा कि 18 साल से 60 साल के आयुवर्ग के समूह में पहले चरण का क्लिनिकल परीक्षण पूरा हो गया है।

उसने कहा, भारत बायोटेक का नाक से दिया जाने वाला (इन्ट्रानेजल) टीका पहला नेजल टीका है जिसे दूसरे चरण के परीक्षण के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। पहले जारी एक बयान में डीबीटी ने कहा था कि दूसरे और तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण की मंजूरी मिल गई है। नियामक की मंजूरी सार्स- कोव-टू टीके के दूसरे चरण की यादृच्छिक, बहु केंद्रित परीक्षण की मंजूरी दी गई है ताकि बीबीवी152 (कोवैक्सीन) की बीबीवी154 (इंट्रानेजल कोविड-19 टीका) के साथ स्वस्थ प्रतिभागियों पर सुरक्षित और रोग प्रतिरोधी आकलन किया जा सके। यह इस तरह का पहला कोविड-19 टीका है जिसका भारत में मनुष्य पर क्लिनिकल परीक्षण होगा। यह टीका बीबीवी154 है जिसकी प्रौद्योगिकी भारत बायोटेक ने सेंट लुईस स्थित वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से प्राप्त की थी।

डीबीटी ने कहा, कंपनी ने जानकारी दी है कि पहले चरण के क्लिनिकल परीक्षण में स्वस्थ प्रतिभागियों को लगाई गई टीके की खुराकों को शरीर द्वारा अच्छी तरह स्वीकार किया गया है। किसी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी नहीं है। क्लिनिकल पूर्व अध्ययनों में भी टीका सुरक्षित पाया गया था। पशुओं पर हुए अध्ययन में टीका एंटीबॉडी का उच्च स्तर बनाने में सफल रहा। कोविड-19 टीके के विकास के लिए मिशन कोविड सुरक्षा की शुरुआत की गई थी।

बाजार

सेंसेक्स	54,437	593	
निफ्टी	16,529	164	
सोना	45,586	222	/10g
चांदी	61,045	100	/kg

क्विक न्यूज

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट हैक करने वाला गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र)/नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग की वेबसाइट हैक करने और दस हजार से अधिक फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाने के आरोप में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को अधिकारियों ने दी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसका डाटाबेस पूरी तरह सुरक्षित है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस. चेन्नप्पा ने बताया कि आरोपी विपुल सैनी ने यहां के नकुड़ इलाके में अपनी कम्प्यूटर की दुकान में कथित तौर पर हजारों की संख्या में मतदाता पहचान पत्र बनाए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सैनी आयोग की वेबसाइट में उसी पासवर्ड के जरिए लॉगइन करता था, जिसका इस्तेमाल आयोग के अधिकारी करते थे।

देश की राजनीतिक प्रक्रिया में दखल दे रहा है ट्विटर: राहुल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपना ट्विटर अकाउंट बंद (लॉक) किए जाने को लेकर शुक्रवार को इस माइक्रोब्लॉगिंग मंच पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह अमेरिकी कंपनी पक्षपातपूर्ण है, यह भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में दखल दे रही है तथा सरकार के कहे मुताबिक चल रही है। उन्होंने यह दावा भी किया कि ट्विटर की ओर से जो किया गया है वह भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है।

उल्लेखनीय है कि ट्विटर ने राहुल गांधी, कांग्रेस और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के ट्विटर अकाउंट बंद कर दिए हैं। कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में कथित दुष्कर्म एवं हत्या की पीड़िता नौ वर्षीय बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का ट्विटर अकाउंट बंद किया गया था। दूसरी तरफ, ट्विटर ने कहा है कि उसने ए कदम नियमों के तहत उठाए हैं। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा, मेरा ट्विटर अकाउंट बंद करके वे हमारी राजनीतिक प्रक्रिया में दखल दे रहे हैं। एक कंपनी हमारी राजनीति का दायरा तय करने के लिए अपने कारोबार का उपयोग कर रही है। एक नेता के तौर पर मैं इसे पसंद नहीं करता। उन्होंने दावा किया, यह हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। यह राहुल गांधी पर हमला नहीं है। सिर्फ यह नहीं है कि राहुल गांधी का अकाउंट बंद कर दिया गया। मेरे पास 1.9 करोड़ से दो करोड़ के बीच फॉलोवर हैं। आप उन्हें अपने विचार रखने के अधिकार से वंचित कर रहे हैं। आप यही कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, यह सिर्फ अनुचित ही नहीं, बल्कि उस विचार की अहवेलना है कि ट्विटर एक तटस्थ मंच है। यह निवेशकों के लिए बहुत खतरनाक है क्योंकि राजनीतिक मुकाबले में किसी एक का पक्ष लेने पर ट्विटर के लिए प्रतिक्रियां भी होंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह दावा भी किया, हमारे लोकतंत्र पर हमला किया गया है। हम संसद के अंदर बोल नहीं सकते। मीडिया नियंत्रित है। मैंने (शेष पेज 9)

ट्विटर ने इंडिया हेड मनीष माहेश्वरी का अमेरिका किया तबादला

नई दिल्ली। ट्विटर ने अपने भारतीय कारोबार प्रमुख मनीष माहेश्वरी का अमेरिका स्थानांतरण कर दिया है। कंपनी ने इसकी कोई वजह नहीं बताई। माहेश्वरी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में एक कथित नफरत फैलाने वाले वीडियो से संबंधित जांच के सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज है। हालांकि, कंपनी ने माहेश्वरी के स्थानांतरण की वजह नहीं बताई है। कंपनी ने कहा है कि माहेश्वरी को अमेरिका में वरिष्ठ निदेशक (राजस्व रणनीति एवं परिचालन) बनाया गया है। अपनी नई भूमिका में वह नए बाजारों पर ध्यान देंगे। ट्विटर के जापान और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष यू सासामोतो ने एक ट्वीट के जरिए इस घटनाक्रम की जानकारी दी। इस बारे में संपर्क करने पर ट्विटर ने इसकी पुष्टि की। कंपनी ने कहा कि माहेश्वरी सान फ्रांसिस्को में नई भूमिका संभालने जा रहे हैं। कंपनी ने हालांकि (शेष पेज 9)

पांच सौ वर्ष बाद रामलला भाइयों के साथ चांदी हिंडोले पर हुए विराजमान

● अपने आराध्य को पहली बार रजत के झूले पर देख भाव विभोर हुई अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

श्री राम जन्मभूमि परिसर रामलला के जन्म स्थान पर विराजित अस्थाई मंदिर में 500 वर्ष वाद प्रभु श्री राम लला ब्रह्म मुहूर्त में श्रावण शुक्ल पक्ष की नाग पंचमी तिथि को चांदी के झूले पर विराजे विशेष आरती पूजन के बाद रामलला का दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खुला अपने आराध्य को पहली बार रजत के झूले पर देख श्रद्धालु भाव विभोर हो गए।

प्रभु श्रीराम लाला के लिए 21 किलो चांदी का झूला श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को ही समर्पित कर चुके थे। जिसका विधिवत पूजन अर्चन के बाद नाग पंचमी तिथि को जगत के आराध्य रामलला को उस पर विराजित किया गया। पहली बार प्रभु श्री राम लला के भक्त अपने आराध्य को चांदी के हिंडोले पर देखकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु 500 वर्ष में पहली बार श्री राम जन्मभूमि परिसर के स्थई मंदिर में नाग पंचमी तिथि से श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रक्षाबंधन तक दर्शन पूजन कर पाएंगे।

श्री राम जन्म भूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि सुबह विधिवत पूजन अर्चन एवं श्रृंगार के बाद राम लला की फूलों की भव्य झांकी भी सजाई गई। इसके बाद चांदी के भव्य झूले पर श्री रामलला, लक्ष्मण, भरत (शेष पेज 9)

हर आपदा में संकटमोचक की भूमिका में नजर आए योगी

● खुद खतरों से खेलकर पीड़ितों की मदद का जुनून

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संकट कोई भी हो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर जगह ग्राउंड जीरो पर मौजूद दिखते है। वह भी अपनी सेहत और जोखिम की परवाह किए बगैर। चाहे कोरोना का संकट हो या भीषण ठंड से लोगों को बचाने का मामला। मुख्यमंत्री अस्पताल और रैनबसेरों में लोगों के बीच जाना पसंद करते हैं। बाढ़ में भी यह सिलसिला जारी है। बाढ़ आते ही वह ग्राउड जीरों पर उतर पडे हैं। बुंदेलखंड से पूर्वांचल तक की दूरी वह करीब हफ्ते भर में नाप चुके हैं।

विदित हो कि देश की दो सबसे प्रमुख नदियों के नाते पूर्वांचल और बुंदेलखण्ड के इलाके बाढ़ के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील हैं। यमुना और उसकी सहायक नदियों के अधिग्रहण क्षेत्र में आने के नाते बुंदेलखंड और गंगा और उसकी सहायक नदियों के अधिग्रहण क्षेत्र में आने के नाते पूर्वांचल का पूरा इलाका बाढ़ के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील हो जाता है। जिसे देखते हुये मुख्यमंत्री का दौरा खुद में बेहद नियोजित होता है। वह अब तक बुंदेलखंड के जालौन, हमीरपुर, इटावा और औरैया का दौरा कर चुके हैं। कल वह पूर्वांचल के वाराणसी में थे। इस दौरान जोखिम की परवाह किये बिना बाढ़ की जमीनी हकीकत जानने के लिए उफनाती गंगा में नाव से चल दिए। आज उन्होंने बलिया और गाजीपुर में बाढ़ का जायजा लिया। हर दौरे में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण बाढ़ पीड़ितों के लिए किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का जमीनी सत्यापन स्थानीय प्रशासन के साथ बाढ़ के हालात, राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा के साथ जरूरी निर्देश भी देते हैं। वाराणसी दौरे के दौरान तो उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मिर्जापुर, भदोही और चंदौली के बाढ़ की स्थिति एवं राहत कार्यों की भी समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से अब तक प्रदेश के करीब दो दर्जन जिलों के 1200 गांव प्रभावित हैं। इनके लिए सरकार की ओर से 982 राहत शिविर बनाए गए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुचाने के लिए 2200 नावों लगाई गई हैं। 600 से अधिक मेडिकल टीमें लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दी रहीं हैं। 614 बाढ़ चौकियां हालात पर लगातार नजर रखे हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में अब तक करीब 2 लाख लंच पैकेट, 22 हजार राशन किट बांटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री का ताल्लुक पूर्वांचल के गोरखपुर से है। रोहिन और राप्ती के संगम पर स्थित होने के कारण यह इलाका बाढ़ के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। 1998 में यहां आई बाढ़ को तबके प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जलप्रलय कहा था। लिहाजा वह बाढ़ और उससे उतरने के बाद कि जरूरतों और समस्याओं से पूरी तरह वाकिफहैं।

कार्यकर्ता का निर्माण करना पार्टी का मकसदः स्वतंत्र देव

लखनऊ। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संपर्कए संवाद व सहयोग के द्वारा बूथ स्तर तक एक.एक व्यक्ति से जुड़ें क्योंकि यही भाजपा की शक्ति का आधार है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य ही कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है और संगठन को मजबूत बनाना है। क्षेत्र के सभी वर्ग व समाज के लोगो को जोड़ना है। उनको कार्यकर्ता बना कर भाजपा का विस्तार करना है। ऐसे कार्यकर्ताओं का निर्माण करना, जिसमें एक बूथ अध्यक्ष भी प्रदेश अध्यक्ष और सीएम बन पाएण हमारी पार्टी में घर से निकला एक साधारण कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे पद पर पहुंच सकता है। श्री सिंह ने कहा जिस पार्टी में कार्यकर्ताओं की इज्जत नहीं होगी वो पार्टी कभी अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती, उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सामाजिक समीकरण को मजबूत करें।

योगी सरकार नोएडा में बनाएगी यूपी का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश आने वालों समय मे देश के दवा उत्पादन या चिकित्सकीय काम में प्रयोग आने वाले उपकरणों का हब बनेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर प्रदेश का पहला और उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण (यीडा) के एरिया में बनाया जाएगा। यीडा ने इसके लिए गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) के सेक्टर 28 में 350 एकड़ जमीन तय कर दी है। इस मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। यह सेंटर पांच एकड़ में बनेगा। इस सेंटर से स्टार्टअप कंपनियों को फायदा मिलेगा।

● 5,250 करोड़ रुपए का होगा निवेश होगा

इनक्यूबेशन सेंटर के लिए यीडा ने आईआईटी कानपुर से अनुबंध किया है। दो चरणों में बनाए जाने वाले मेडिकल डिवाइस पार्क के जरिए 5,250 करोड़ रुपए का निवेश होगा और 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय दवा उद्योग का दुनिया में तीसरा नंबर है। इसके बावजूद तमाम दवाओं के कच्चे माल के लिए भारत चीन पर निर्भर है। कुछ दवाओं के कच्चे माल के संदर्भ में तो यह निर्भरता 80 से 100 फीसद तक है। कोरोना के संक्रमण की शुरूआत हुई तो स्वाभाविक रूप से कच्चे माल का संकट भी हुआ। लिहाजा नीति आयोगए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने निर्णय लिया कि देश को दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए देश में ही फार्मा और फार्मा उपकरण बनाने वाले पार्क बनाए जाएं। इस सोच के तहत ही केंद्र सरकार ने देश में चार मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का निर्णय लिया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर नोएडा के सेक्टर.28 में 350 एकड़ भूमि मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने ले लिए चिन्हित की गई है। इस भूमि पर मेडिकल डिवाइस पार्क दो चरणों में विकसित किया जाएगा। यहां प्लॉट के बजाय तैयार शेड उद्योगों को आवंटित किए जाएंगे। ताकि शीघ्र इकाई लगाकर मेडिकल उपकरणों का उत्पादन किया जा सके। पहले चरण में 125 एकड़ में शेड बनाकर उद्योगों को आवंटित किए जाएंगे। दूसरे चरण में भी 225 एकड़ एरिया में यही योजना आएगी। इस पार्क की एक ख़ास बात यह भी है कि नोएडा के मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर बनाएगा। प्राधिकरण ने कानपुर आईआईटी को इसके लिए अनुबंध किया है। ताकि नई तकनीक का आदान.प्रदान हो सके। मेडिकल डिवाइस पार्क में आने वाली स्टार्टअप कंपनियों को भी फायदा मिलेगा। इससे दो फायदे होंगे। पहला इनक्यूबेशन सेंटर और समृद्ध होगा। दूसरा स्टार्टअप कंपनियों को कानपुर आईआईटी से सहयोग मिल सकेगा। प्राधिकरण ने इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली है। इसके अलावा यीडा मेडिकल डिवाइस पार्क में कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी विकसित करेगा। इसमें यहां आने वाली कंपनियों के लिए तमाम सुविधाएं दी जाएंगी। एक ही छत के नीचे कंपनियों को उनकी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मिलेंगी। स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में मदद करने वाले संस्थानों को इन्क्यूबेशन सेंटर कहा जाता है। इन्क्यूबेशन सेंटर प्रारंभिक चरण में स्टार्टअप्स के लिए संजीवनी के सामान होते हैं। ये संस्थान आम तौर पर स्टार्टअप्स को व्यापारिक एवं तकनीकि सुविधाओंए सलाहए प्रारंभिक विकास निधिए नेटवर्क और सम्बन्ध, सहकारी रिक्त स्थान, प्रयोगशाला की सुविधाए सलाह और सलाहकार समर्थन जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं।

स्थायी रूप से अपंग घोषित पुलिस एवं आर्म्ड फोर्सेज कर्मियों की अनुग्रह धनराशि होगी 7 लाख

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्थायी रूप से अपंग घोषित कर्मियों को संस्थान द्वारा अब तक प्रदान की जाने वाली एकमुश्त अनुग्रह राशि 6 लाख को बढ़ाकर 7 लाख करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने लाभार्थियों की लड़कियों की शादी के लिए संस्थान द्वारा दी जाने वाली राशि ल 2 लाख में भी बढ़ोत्तरी करके 2.5 लाख करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को राजभवन स्थित सभाकक्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस एवं आर्म्ड फोर्सेज सहायता संस्थान लखनऊ की प्रबंध समिति की 38वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल जी ने समिति की 37वीं बैठक में लिए गए निणर्यों के क्रियान्वयन का अनुश्रवण भी किया। उन्होंने समिति को निर्देश दिया कि शहीद कर्मी का सम्पूर्ण डाटा रखा जाए। उन्होंने कहा कि शहीद कर्मियों के परिवारों को निराश्रित स्थिति में न छोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मियों के परिवार के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में पूरी मदद की जाये। शहीदों के बच्चों हेतु शिक्षा सहायता की समीक्षा करते हुए श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने निर्देश दिया कि उनकी शैक्षिक प्रगति का विवरण रखा जाए तथा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उनके व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु मद निर्धारण पर भी विचार किया जाय।

बाढ़ग्रस्त इलाकों के 1171 गांवों में 982 राहत शिविर स्थापित

लखनऊ। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को राहत देने और उनको बचाने के कार्य में जुटी है। बाढ प्रभावित जिलों के 1171 गांवों में 982 बाढ़ शरणालय स्थापित किये हैं। इनमे सभी बुनियादी सुवाओं जैसे शौचालय, पेजयल, कपड़े, बर्तन, बिस्तर आदि की व्यवस्था की गई है। अभी तक सरकार राहत कार्य के दौरान 179262 लोगों को लंच पेकेट और 22279 लोगों को ड्राई राशन किट वितरित कर चुकी है। पिछले 24 घंटे में सरकार ने 12049 लोगों को लंच पैकेट और ड्राई राशन किट 1511 पैकेट बांटे गये हैं। सरकार ने राहत कार्य में 2170 नांव लगा रही है और 1236 बाढ़ चौकियां बनाकर फंसे लोगों को निकालने का काम किया जा रहा है। बाढ़ वाले इलाकों में फंसे लोगों को बीमारियों से बचाव के लिये 614 मेडिकल टीमें गठित कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर पूरे प्रदेश में किए जाएं सुरक्षा के प्रभावी इंतजामः डीजीपी

● ग्लाइडर, ड्रोन व मानव रहित वायुयान की उड़ानों पर सतर्क दृष्टि रखने के पुलिस को निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी मुकुल गोयल ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्वतंत्रा दिवस पर सुरक्षा के प्रभावी प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य ने गृह मंत्रालय भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड.19 के दृष्टिगत दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन कराया जाए।

इस संबंध में उन्होंने राज्य के सभी एडीजी जोन, आईजी, डीआईजी, सभी पुलिस कमिश्नर, सभी जिलों के पुलिस कप्तानों और रेलवे पुलिस के अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है।

जारी निर्देशों में डीजीपी ने कहा है कि रेलवे स्टेशनए मेट्रो स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, बाजार, मॉल जैसे स्थलों आदि पर विशेष रूप से सुरक्षा प्रबन्ध किए जाएं तथा सुरक्षा कर्मियों को विधिवत ब्रीफ करने के उपरान्त ड्यूटी पर लगाया जाए। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा योजना के अनुरूप सुनिश्चित की जाए । चेक पोस्टों को विशेष रूप से सतर्क एवं सक्रिय किया जाए । समारोह स्थलों आदि स्थानों पर पूर्व में ही एण्टी सेबोटाज चेकिंग की जाए। यथा सम्भव प्रशिक्षित वाचर्स की सेवाओं का भी उपयोग किया जाय । अवैध शस्त्रों, कारतूसों, शराब एवं विस्फोटक पदार्थों की तस्करी रोकने एवं संदिग्ध व्यक्तियों के आवागमन पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए स्थायी चेक पोस्ट के अतिरिक्त अस्थायी चेक पोस्ट लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की आकस्मिक चेकिंग करायी जाए । ग्लाइडर, ड्रोन एवं मानव रहित वायुयान आदि की उड़ानों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। गेस्ट हाउस ए होटल ए धर्मशालाओं, सरायों एवं शापिंग मॉल की प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित की जाए । नये किरायेदारों के सत्यापन की कार्यवाही अवश्य करा ली जाए।

एसटीएफ से मुठभेड़ में एक लाख के इनामी अपराधी को लगी गोली, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हत्या, डकैती, लूट और रंगदारी वसूलने जैसी 3 दर्जन से अधिक घटनाओं में वांछित एक लाख के इनामी कुख्यात अपराधी आस मोहम्मद उर्फ आसू उर्फ लम्बू उर्फ खालिद मुजफ्फरनगर में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से जख्मी हो गया। पुलिस ने लंबू को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। एसटीएफ को सूचना मिली कि कुख्यात बदमाश आस मोहम्मद उर्फ आशू उर्फलम्बू उर्फखालिद अपने साथी के साथ कोई बड़ी घटना करने के लिए बुढाना में आने वाला हैं। इस सूचना पर एसटीएफ मेरठ की टीम बुढाना क्षेत्र रवाना हुई। थाना बुढ़ाना की पुलिस और एसटीएफने चौकी बायवाला पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी बीच एक मोटरसाइकिल जिस पर दो व्यक्ति बैठे थेए बडौत की तरफ से आती दिखायी दी। जिसे रुकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल को वापस मोड़ कर भागने का प्रयास किया गया। एसटीएफ ने उनका पीछा किया तो मोटरसाइकिल स्लिप होकर गिर गई। पीछे बैठे बदमाश ने असलहा निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश को गोली लगी जबकि उसका साथी पैदल ही फरार हो गया।

युवा मोर्चा मनायेगा अमृत महोत्सवः द्विवेदी

लखनऊ। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने आज भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में व सभी राज्यों में मण्डल स्तर पर भाजयुमों अमृत महोत्सव कार्यक्रम मना रही है। भाजयमों के प्रदेश अध्यक्ष ने बतया कि युवा मोर्चा 14 अगस्त को पूरे प्रदेश के युवा कार्यकर्ता राष्ट्रगान का विडियों अपलोड करेगें जो कि राष्ट्रप्रेम व राष्ट्र के प्रति सम्मान का भाव को दिखाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एक.एक मण्डल पर 15 अगस्त को सुबह अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रगान कार्यक्रम में शामिल हो।

सीएम योगी का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठाःअखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रोजगार के मामले पर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की रोजगार देने की कोई मंशा नहीं है। मुख्यमंत्री का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। भाजपा सरकार में युवाओं की दुर्दशा हो रही है। हताश युवा अब अपनी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए किसी भी हद तक जोखिम उठाने के लिए मजबूर है।

अखिलेश ने कहा कि परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 69 हजार सहायक भर्ती प्रक्रिया में 22 हजार रिक्तियों को जोड़े जाने की मांग लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले 50 दिनों से अभ्यर्थी आंदोलनरत है लेकिन सरकार उनसे कोई संवाद ही नहीं कर रही बल्कि एनसीईआरटी् कार्यालय में रोजगार के लिए संघर्षरत लड़कियों का दमन किया जा रहा है। जनमत द्वारा निर्वाचित सरकार का यह चरित्र शर्मनाक है। अखिलेश ने दोहराया कि भाजपा को अपना संकल्प पत्र फिर से पढ़ना चाहिए। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवाओं से 70 लाख रोजगार का वादा किया था। इसके साथ ही छात्रों को मुफ्त लैपटॉप और मुफ्त इंटरनेट का झांसा दिया गया। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार साल से सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार को अपने झूठे वादों के लिए युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। नयी पीढ़ी का भविष्य खराब करने की जिम्मेदार मौजूदा उत्तर प्रदेश सरकार ही है। जिसने न तो विश्वविद्यालयों में अकादमिक वातावरण को सुधारा और न ही बेरोजगारी की समस्या दूर करने की दिशा में कोई ठोस प्रयास किया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की जुमलेबाजी को देश का युवा वर्ग बखूबी समझ चुका है। नौकरियों के लम्बित परिणामए परीक्षा के पहले पेपर आउट होनाए वैकेंसियों में व्याप्त भ्रष्टाचार से नयी पीढ़ी निराश हो रही है। शिक्षा और रोजगार हमेशा समाजवादियों की प्राथमिकता में रहा है। समाजवादी सरकार में ही नौजवानों की बेरोजगारी दूर हो सकती है। 2022 में युवा ही बदलाव के वाहक होंगे।

देश गंभीर त्रासदी के दौर से गुजर रहा हैः धीरज गुर्जर

● जिला पंचायत सदस्य नीलम खुशबू व पूर्व ब्लाक प्रमुख हनीफ ने समर्थकों सहित थामा कांग्रेस का दामन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिजनौर की जिलापंचायत सदस्य नीलम खुशबू व लखनऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख मोहम्मद हनीफउर्फबबलू ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जरए रोहित चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित सदस्यता ग्रहण के मौके पर नए साथियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश के सहप्रभारी धीरज गुर्जर ने कहा महंगाईए बेरोजगारीए ध्वस्त कानून व्यवस्था के विरुद्ध कांग्रेस का संघर्ष जनता की भावनाओ के अनुरूप है। देश गम्भीर त्रासदी के दौर से गुजर रहा है। हर तरफ हाहाकार है। राष्ट्रीय सम्पदा व संसाधनों पर कॉरपोरेट घरानों द्वारा भाजपा सरकार के माध्यम से हथियांने की नीति ने संकट और गहरा कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को पूरी शक्ति से लड़कर भाजपा के जनविरोधी शासन का अंत करने का संकल्प कांग्रेसजनों ने ले लिया है। कांग्रेस एकमात्र विकल्प है जो बेपटरी विकास को पटरी पर लाकर देश के संसाधनों को बचा सकती है। राष्ट्रीय सचिव व सहप्रभारी रोहित चौधरी ने कहा कि किसान आंदोलनए पेगासेस जासूसी मामले में भाजपा का झूठ दुनिया के सामने आ चुका है। हर भारतीय अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी सरकार ने जनांकांक्षाओं को पूरा करने के बजाए उसने जनता को त्रासदी में झोंक दियाए बेरोजगार नौजवानों के साथ दुर्व्यवहार की सीमाएं लांघ चुकी है। पिछले 56 दिनों से सहायक शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी अपने अधिकारों के लिये आंदोलनरत हैए तीन दिनों से एक अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़ा है।

कुछ नये शहरों में पुलिस आयुक्त व्यवस्था लाने पर मंथन

लखनऊ। पुलिस आयुक्त प्रणाली का सकारात्मक नतीजों को देखते हुये योगी सरकार इसे विस्तार देने जा रही है। राज्य के कुछ अन्य बडे जिलों में पुलिस आयुक्त प्रणाली को लागू करने की सरकार में तैयारी चल रही है। प्रस्तावित योजना को धरातल पर उतारने के लिये सीएम योगी ने गृह विभाग को जिम्मेदारी सौपी है। अभी लखनऊ, नोएडा, वाराणसी और कानपुर में पुलिस आयुक्त व्यवस्था लागू है। सरकार ने सबसे पहले लखनऊ और नोएडा में पुलिस आयुक्त व्यवस्थश को लागू करके बडा संदेश दिया था। दूसरे चरण में पुलिस आयुक्त व्यवस्था को विस्तार देते हुये कानपुर तथा वाराणसी में पुलिस आयुक्त व्यवस्था को लागू किया गया। विस्तार के तीसरे चरण में प्रणाली को लागू किया जा चुका है। आगरा, गोरखपुर, मेरठ, गाजियाबाद और प्रयागराज में भी यह व्यवस्था लागू करने का विचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार सीएम योगी के निर्देश पर मौजूदा समय में लागू पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली वाले शहरों लखनऊ कानपुर, नोएडा और वाराणसी की समीक्षा की जा रही है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचना मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम विनय कुमार दर्ज है, जबकि अन्य दस्तावेजों में विनय कुमार श्रीवास्तव दर्ज है। मैं दोनों ही नामों से जाना एवं पहचाना जाता हूं। विनय कुमार श्रीवास्तव पुत्र राजेंद्र बहादुर श्रीवास्तव निवासी 384 पीरनपुर फतेहपुर (उ.प्र.)

सूचना

सूचना

मैं श्रीमती रूचि वर्मा पत्नी श्री अरुण कुमार वर्मा पुत्री डा0 सोमनाथ राजदान घोषित करती हूं कि मेरे भवन संख्या 2/674, सेक्टर–2, विकासनगर लखनऊ का मूल विक्रय विलेख दिनांक 15.9.1999, पृ0सं0–1 खण्ड 2767 पृष्ठ 115/132 की क्रम संख्या 6636 पर उपनिबन्धक तृतीय के कार्यालय में पंजीकृत है। जिसे उ0प्र0 आवास विकास परिषद लखनऊ से निशीथ सिंह पुत्र श्री एम0आर0 वर्मा को आवंटित व विक्रय किया था। दिनांक 14.7.2021 को विकास नगर लखनऊ में फोटो कापी करने जाते समय रास्ते में उक्त विक्रय विलेख दिनांक 15.9.1999 व समस्त मूल प्रपत्र कहीं गिर गये हैं।

आवश्यकता है

गौतम बुद्ध महाविद्यालय
पचपेड़वा, सांगठ (दुधारा) सन्त कबीर नगर, उ0प्र0
सम्बद्ध : सिद्वार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

आवश्यकता है

गौतम बुद्ध महाविद्यालय पचपेड़वा, संत कबीर नगर में निम्न आठ पदो पर स्नातक स्तर पर कला संकाय हेतु अर्हताधारी प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। 1–प्राचार्य, 2–हिन्दी (साहित्यिक), 3–संस्कृत, 4–उर्दू, 5–इतिहास, 6–राजनी. तिशास्त्र, 7–भूगोल, 8–गृहविज्ञान। सभी इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित है। उपरोक्त समस्त पदों हेतु पूर्णतया भरा हुआ आवेदन पत्र महाविद्यालय में 15 दिवस के अन्दर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित कर सकते हैं।
योग्यता– यू.जी.सी./उ0प्र0 सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा न्यूनतम अर्हता।
वेतन मान– संविदा/नियत।

प्रबन्धक
गौतम बुद्ध महाविद्यालय
पचपेड़वा, सांगठ (दुधारा)
संत कबीर नगर–272125

प्रो. राजकुमार त्यागी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज भारतीय जनता पार्टी के मेरठ निवासी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी प्रो राजकुमार त्यागी ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से उनके आवास पर भेंट कर उनकी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान प्रोफेसर राजकुमार त्यागी ने कहा कि आज समाज में सौहार्द भाईचारा बनाया जाना अति आवश्यक हैए जिसका मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ। आज समाज के कमजोर वर्गों के लोगों का जीवन कैसे सुखी एवं समृद्ध बने उसकी चिंता करने की आवश्यकता हैएजिसका वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी में अभाव दिखाई देता है।

लखनऊ सहित प्रदेश के नौ जिले बने अमृत महोत्सव का हिस्सा

● केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने फिट इंडिया फ्रीडम रन-2 को दिखाई हरी झण्डी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजादी के 75 साल होने पर देश भर में चल रहे अमृत महोत्सव के तहत आज लखनऊ सहित यूपी के 9 जिलों में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। नेहरु युवा केंद्रए बीएसएफ , एनएसएस और आईटीबीपी ने फिट इंडिया, फ्रीडम रन–2 में हिस्सा लिया।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने जहां दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से फ्रीडम रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया वही यूपी में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी, कानपुर, कानपुर देहात, मिर्जापुर, आजमगढ और ललित पुर में हुआ। सीआरपीएफ द्वारा चंद्र शेखर आजाद पार्क एप्रयागराज और रेलवे द्वारा झांसी रेलवे स्टेशन के द्वारा फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के पूर्वी सीमान्त मुख्यालय, लखनऊ द्वारा फिट इंडिया मूवमेन्ट का आयोजन किया गया। जिसमें 5 किलोमीटर रन एण्ड वाक केन्द्रीय विहार जानकीपुरम विस्तार से डा. एपीजे अब्दुल कलाम टैक्निकल यूनिवर्सिटी मार्ग पर किया गया। झाँसी में रानी लक्ष्मीबाई किले से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत, फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन हुआ। झांसी में महापौर रामतीर्थ सिंघल, महापौर द्वारा कार्यक्रम का सम्बोधन किया गया तथा हरी झंडी दिखाकर दौड़ का आरंभ किया गया।

नेहरू युवा केन्द्र लखनऊ द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन.2 का आयोजन किया गया। विधानसभा मलिहाबाद से विधायक जय देवी कौशल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि स्वस्थ तन और मन से ही देश का विकास संभव है। आज गर्व का दिन है कि हम सब देश के 75 साल पूर्ण होने के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं देश का तिरंगा तिरंगा हमारा अभिमान है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन नन्द कुमार सिंह ए निदेशक जन शिक्षण संस्थान सौरभ खरे, उपनिदेशक राजेश मिश्रा, सहायक निदेशक सूर्य प्रकाश दुबे, प्रदीप सिंह व क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अशोक श्रोती, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ. हेमंत यादव, इंडिया फ्रीडम रन सिकन्दर बाग से प्रारंभ होकर कैसरबाग़ गेट, जनरल वाली कोठी, रेजीडेंसी, इमामबाड़ा चौक होते हुए रूमी दरवाजा पर समाप्त की गई।

जिला युवा अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि दैनिक जीवन में खेल, योग को शामिल करने से मोटापा सुस्ती तनाव व रोगो से आजादी मिलती है इस अभियान के जरिए लोगों से रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने एवं श्फिटनेस का डोज आधा घंटा रोजश् मंत्र को अपनाने की युवाओं से अपील की गई।

कार्यालय लाइसेंसिग प्राधिकारी/कलेक्टर, बाराबंकी।
(आबकारी अनुभाग)
संख्या : 493/आब0दुकान/दैनिक आधार/2021–22 दिनांक : अगस्त, 13, 2021

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद बाराबंकी में स्थित देशी मदिरा दुकान– ग्राम सभा तेरासानी के अनुज्ञापन के निलम्बन की दशा उक्त दुकान को दिनांक 16.08.2021 से एक बार में न्यूनतम चौदह दिवस या नियमित व्यवस्थापन जो पहले हो, दैनिक आधार पर आफर माँग कर अन्तरिम व्यवस्थापन कराया जाना है। इसके लिए आवे. दन/आफर दिनॉकः 16.08.2021 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी में जमा कर सकते हैं। एक दुकान के लिये दो या दो से अधिक समान आफर प्राप्त होने पर सार्वजनिक लाटरी के माध्यम से उसी दिन सायं 04:00 बजे व्यवस्थापन कराया जायेगा। उपरोक्त दुकान की लाइसेंस फीस इत्यादि की जानक. ारी क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक तथा कार्यालय जिला आबक. ारी अधिकारी, बाराबंकी से प्राप्त किया जा सकता है।

जिला आबकारी अधिकारी
बाराबंकी।

लाइसेसिंग प्राधिकारी/कलेक्टर,
बाराबंकी।

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–8,
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक : 303/EE-8/21-22 दिनांक : 13.08.2021

(अति–अल्पकालीन निविदा–सूचना)

जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 20.8.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएं दिनांक 20.8.2021 को अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 20.8.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।

1. मानसरोवर योजना सेक्टर–ओ स्थित म0नं0–एसएस–3/155 के निकट 250 एमएम डाया की 65 मीटर गैप सीवर लाइन डालने का कार्य, धरोहर राशि रु० 5900/– एवं निविदा मूल्य रु० 250/–

अधिशासी अभियन्ता, जोन–8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

आश्रम पद्धति विद्यालयों के शिक्षकों ने घेरा समाज कल्याण मंत्री का आवास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नियमित नियुक्ति सहित नियुक्ति प्रक्रिया से आउटसोर्सिंग एजेंसी को बाहर करने की मांग को लेकर शुक्रवार को राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में पढ़ा रहे शिक्षकों ने समाज कल्याण मंत्री के आवास का घेराव कर धरना प्रदर्शन किया। हाई सिक्योरिटी एरिया में प्रदर्शन की खबर पाकर प्रशासन के हाथ पांव फुल गए। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने समझाकर मामले को शांत करने का प्रयास किया मगर शिक्षक मंत्री से मुलाकात करने के बाद ही शांत हुए।

राजकीय आश्रम पद्धति शिक्षक कल्याण समिति की अध्यक्ष मंजूलता सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों शिक्षक सुबह ही मंत्री आवास के पास पहुंच गए थे। मांगों को लेकर नारेबाजी शुरू होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शिक्षकों को समझाने का प्रयास किया लेकिन कोई नहीं माना। मंजूलता सिंह ने बताया कि लखनऊ समेत प्रदेश के 102 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में 1138 संविदा शिक्षकों की तैनाती पिछले 14 वर्षों से है। नियमितीकरण की मांग को लेकर अभी कार्यवाही चल रही थी कि समाज कल्याण विभाग के अधिकारी निजी संस्थान के माध्यम से संविदा रखने की तैयारियों में जुट गए हैं। शिक्षकों के अड़ियल रवैये को देखते हुए अधिकारियों ने उनकी मुलाकात समाजकल्याण मंत्री रमापति शास्त्री से कराई। उन्होंने पूर्व की भांति संविदा चलते रहने का आश्वासन दिया तब जाकर शिक्षक शांत हुए हालांकि इस दौरान कुछ शिक्षकों ने लिखित आश्वासन की भी मांग रखी।

'यूपी 112' जागरूक नागरिकों को करेगा सम्मानित

● स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होगा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश के 75 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर यूपी 112 प्रदेश भर के ऐसे 75 जागरूक नागरिकों को सम्मानित करने जा रहा है जिन्होंने दूसरों के जान.माल की हिफाजत के लिए यूपी .112 की सहायता ली। दूसरों की मदद के लिए 112 को कॉल करने वाले ; थर्ड पार्टी कॉलर द्ध को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एडीजी 112 अशोक कुमार सिंह की तरफ से प्रशस्ति पत्र और पुलिस रिस्पास व्हीकल का प्रतीकात्मक माडल प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। कोविड नियमों का पालन करते हुए थर्ड पार्टी कॉलर को उनके गृह जनपद में ही पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया जायेगा। प्रदेश भर से जागरूक नागरिकों द्वारा कॉल कर के या सोशल मिडिया के विभिन्न माध्यमों से यूपी 112 पर सूचना देकर दूसरों के लिए लगातार सहायता ली जाती है। जैसे सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए एआत्महत्या का प्रयासए भटकेए गुमशुदा बच्चों ए बुजुर्गों एवं महिलाओं की सूचना आदि प्रमुख हैं। थर्ड पार्टी कॉलर की सूचना पर पीआरवी तत्काल मौके पर पहुंचकर सहायता पहुंचाने का कार्य करती है। पुलिसकर्मी दुर्घटना में घायलों को एम्बुलेन्स या पीआरवी की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जीवन रक्षण का कार्य करते हैं। नागरिक निर्भीक हो कर किसी दूसरे के लिए आपात स्थिति में पुलिस की सहायता ले सकते हैं ए इस बात को ध्यान में रखते हुए यूपी .112 के अधिकारियों द्वारा थर्ड पार्टी कॉलर को लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। जागरूक नागरिकों द्वारा मानवता का परिचय देते हुए घायल बेजुबान जानवरों की सहायता के लिए भी 112 की मदद ली जाती है।

नाग पंचमी के पर्व पर गुड़िया पीटते बच्चे

कूट रचित दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की ठगी करने वाला मास्टरमाइंड गिरफ्तार

● वजीरगंज पुलिस ने भी जालसाज को दबोच कर पहुँचाया सलाखों के पीछे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की वजीरगंज पुलिस और गोमती नगर पुलिस ने ऐसे शातिर जालसाजों को गिरफ्तार किया है जो लोगो को कूटरचित दस्तावेज़ो के माध्यम से कारोड़ों रूपए की ठगी का शिकार बनाते थे । इसी क्रम में गोमती नगर पुलिस ने 1 करोड 20 लाख रूपए धोखाधड़ी कर हड़पे वाले जालसाज़ को पकड़ा है तो वज़ीरगंज पुलिस ने दो जालसाज़ पकड़े है। गोमती नगर थाने मे विपुल खण्ड गोमती नगर के रहने वाले राजेश कुमार ने 3 मई 2018 को फर्ज़ी दस्तावेज़ो के माध्यम से उनका 1 करोड़ 20 लाख रूपए हड़पे जाने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। करीब साढे तीन साल पहले राजेश कुमार के द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे की विवेचना मे पता चला की राजेश कुमार के 1 करोड़ 20 लाख रूपए हड़प कर उन्हे धमकाने की घटना को अन्जाम देने की घटना का मास्टर माईन्ड अमरेन्द्र सोनकर उर्फ वल्लभ और आफताब है। पुलिस ने दोनो जालसाजो की तलाश शुरू की और आज मास्टर माईन्ड सर्कुलर रोड कैन्ट प्रयागराज के रहने वाले अमरेन्द्र सोनकर उर्फ वल्लभ को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार वज़ीरगंज पुलिस ने राजीवपुरम पिकनिक स्पाट रोड इन्दिरा नगर के रहने वाले सतीश वर्मा को गिरफ्तार किया है। इन्स्पेक्टर वज़ीरगंज धनन्जय पाडेण्य ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सतीश वर्मा के खिलाफ18 मुकदमे पहले से दर्ज होने की जानकारी अब तक मिली है उन्होने बताया कि सतीश के खिलाफ सिर्फ इन्दिरा नगर थाने मे दस मुकदमे दर्ज है उन्होने बताया कि जालसाज़ सतीश वर्मा एक ज़मीन को फर्ज़ी दस्तावेज़ो के माध्यम से कई लोगो को बेच कर लाखो रूपए की धोखाधड़ी करता था उन्होने बताया कि कागज़ो मे हेरफेर कर ज़मीनो की रजिस्ट्री फर्ज़ी तरीके से करा कर सतीश के द्वारा करोड़ो रूपए की धोखाधड़ी किए जाने की बात सामने आ रही है। गिरफ्तार किए गए जालसाज़ के पास से पुलिस ने एक स्विफ्ट कार भी बरामद की है। वज़ीरगंज पुलिस ने ही कागज़ो मे हेरफेर कर ज़मीनो की खरीद फरोख्त में फर्ज़ीवाड़ा कर लाखो रूपए की ठगी करने वाले जालसाज़ सतरिख बाराबंकी के रहने वाले सत्यनारायण को गिरफ्तार कर लिया है।

संयुक्त कार्यक्रम के तहत एनसीसी कैडेट्स ने शहीदों को किया नमन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

20 यूपी गर्ल्स बटालियन के तत्वावधान में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पीजी कॉलेज, जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज और महिला विद्यालय पी जी कालेज द्वारा शुक्रवार को एक संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्वतंत्रता वर्ष के रजत जयंती की शुरुआत के उपलक्ष्य में एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स ने विभिन्न क्षेत्रो में तंदरुस्त भारत के लिए दौड लगाई तथा लखनऊ में विभिन्न जगहों पर जाकर स्वतंत्रता सेनानियों और पराक्रम के विजेताओं के स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। इस यादगार और भावुक पल में कैप्टन मनोज कुमार पांडे के पिता गोपी कुमार पांडे ने सर्वप्रथम माल्यार्पण कर वीर पुत्र को याद किया। एनसीसी कैडेट्स ने भी परमवीर विजेता कैप्टन मनोज पांडेय की स्मारक की साफसफाई व माल्यार्पण किया। स्वतंत्रता के वीरों को याद करते हुए कर्नल विनोद जोशीए कमान अधिकारी 20 यूपी गर्ल्स बटालियन ने कहा कि राष्ट्र के अमर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को हम कभी भूल नहीं सकते और ऐसे कार्यक्रम भावी पीढ़ी और एनसीसी कैडेटों को राष्ट्रहित को हमेशा ऊपर रखने को प्रेरित करता है। स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव में गर्ल्स कैडेटों ने इमामबाड़ा में स्वतंत्रता के रजत वर्ष में राष्ट्र के लिए समर्पण की शपथ ली और गीत और काव्य पाठ भी किया। इसके अलावा फ्लाइट लेफ्टिनेंट शंकर दयाल बाजपेई की प्रतिमा की भी साफ सफाई और माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर अनुराधा तिवारीए रामशंकर यादवए कैप्टन डा राज श्रीए कैप्टन डॉ उषा रानीए कैप्टन डी शहनाजए म निशा गुप्ता आदि मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

इंडियन बैंक ने केजीएमयू को भेंट की गोल्फकार्ट

लखनऊ। इंडियन बैंक की तरफसे शुक्रवार को रोगी हित में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय को 1 गोल्फकार्ट भेंट की गयी। बैंक केजीएमयू ब्रांच के ब्रांच मैनेजर द्वारा 1 गोल्फकार्ट की चाबी विश्वविद्यालय के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल ;सेवानिवृत्तद्ध डॉ बिपिन पुरी को सौपी गई। डॉ पुरी ने इस सहयोग के लिये बैंक का धन्यवाद व् आभार प्रकट किया।

लगातार तीसरे दिन भी पानी की टंकी पर चढ़कर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन जारी

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग में रिक्त सभी पदों की भर्ती किए जाने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों का पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन करने का झमा शुक्रवार को भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी एससीईआरटी कार्यालय स्थित पानी की टंकी और आसपास बैठकर प्रदर्शन और नारेबाजी करते रहे। अभ्यर्थियों की मांग है कि सरकार रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करे। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का कहना है कि न्यायालय ने 1037 लाख पदों को दो भर्ती प्रक्रिया के तहत भरने का आदेश दिया थाए ऐसे में शेष पद अगली भर्ती में क्योंघ् प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों का यह भी कहना था कि सरकार के अनुसार प्रदेश में करीब ढाई लाख पद खाली हैंए इनमें 22 हजार खाली पदों के अलावा भी तमाम पद ऐसे हैं जिन पर सरकार भर्ती कर सकती है।

दीक्षांत समारोह के मद्देनजर किया गया एकेडमिक यात्रा का रिहर्सल

लखनऊ। आगामी 26 अगस्त को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रस्तावित नौवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के शामिल होने को लेकर विवि में शुक्रवार एकेडमिक यात्रा का रिहर्सल किया गया। रिहर्सल के दौरान कोविड प्रोटाकाल का भी पालन किया गया। नौवें दीक्षांत समारोह के लिए आज विवि में अकैडमिक प्रोसेशन का पहला अभ्यास किया गया। इस अभ्यास सत्र में विवि के कुलसचिव प्रो एस विक्टर बाबूए कंट्रोलर ऑफएग्जामिनेशन प्रो कमान सिंहए लाइब्रेरियन डॉ सुनील गोरिया सहित सभी अकैडमिक कॉन्सिल के सदस्योंए संकाय एवं विभागाध्यक्षों ने हिस्सा लिया।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा को लेकर वेबसाइट पर प्रवेश पत्र उपलब्ध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी कोर्सों में प्रवेश को लेकर 21 व 23 अगस्त को प्रस्तावित प्रवेश परीक्षा को लेकर अभ्यर्थी अपने प्रवेश पत्र वेबसाइट पर जाकर लॉगइन आईडी के सहारे डाउनलोड कर सकते हैं। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय की तरफसे मुख्य परिसर में दो परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक 21 अगस्त को 15 अलग.अलग पाठ्यक्रमों में 1866 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे। 23 अगस्त को होने वाली परीक्षा में 17 अलग.अलग पाठ्यक्रमों में 1886 अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में शामिल होंगे।

गो-वध के मुल्जिमों पर लगाए गए रासुका का आदेश खारिज

लखनऊ। गो.हत्या के तीन मुल्जिमों के खिलाफलगाए गए रासुका के आदेश को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा है कि जमानत पाने की संभावना के आधार पर किसी के खिलाफरासुका नहीं लगाया जाना चाहिए। पीठ का यह भी कहना था कि गरीबीए बेरोजगारी अथवा भूख के कारण अपने घर के अंदर चुपचाप गो.वध करना कानून व्यवस्था का विषय तो हो सकता हैए लेकिन इसकी उस स्थिति से तुलना नहीं की जा सकतीए जब गो.वध करने वाले आम लोगों पर हमला कर देते हों। जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस सरोज यादव ने यह आदेश परवेजए इरफान व रहमतुल्लाह की ओर से दाखिल याचिका पर दिया है।

अवमानना मामले की सुनवाई टली

लखनऊ। पुलिस निरीक्षकों की वरिष्ठता सूची तैयार करने के मामले में अपर मुख्य सचिव गृहए अवनीश अवस्थी व पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल के खिलाफदायर अवमानना मामले की सुनवाई टल गई है। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अब मामले की सुनवाई के लिए एक सितंबर की तारीख मुकर्रर की है। जस्टिस एआर मसूदी की एकल पीठ ने यह आदेश अमर सिंह रघुवंशी व एक अन्य की ओर से दाखिल अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका में कहा गया है कि निरीक्षकों के पदोन्नति को लेकर हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किया गया है।

आवास एवं विकास परिषद के पांच बाबूओं व उपायुक्त के खिलाफ भी मुकदमे की अर्जी दाखिल

लखनऊ। राजधानी की वृंदावन योजना में मकान आवंटित करने के एवज में फर्जी जमा रसीद देकर लाखों की रकम हड़पने के कथित मामले में दाखिल अर्जी पर अदालत ने थाना पीजीआई से रिपोर्ट तलब करने का आदेश दिया है। सीजेएम रवि कुमार गुप्ता ने यह आदेश चंद्र प्रकाश तिवारी की अर्जी पर दिया है। इस अर्जी में उप्र आवास एवं विकास परिषद के पांच बाबूओं के साथ ही उपायुक्त नीलम सिंह को भी विपक्षी पक्षकार बनाया गया है। अर्जी में इन सभी विपक्षीगणों के खिलाफमुकदमा दर्ज करने का आदेश देने की मांग की गई है। मामले की अगली सुनवाई चार सितंबर को होगी। अर्जीकर्ता का कहना है कि जुलाई 2017 से जूनए 2020 तक वृंदावन योजना में मकान आवंटित करने के नाम पर 13 लाख 60 हजार रुपए चेक व कैश के जरिए लिए गए।

बालू अड्डा इलाके में डायरिया से अब तक 138 बीमार, 15 डिस्चार्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बालू अड्डा इलाके में दूषित जलापूर्ति के चलते अब तक 138 लोग डायरिया की चपेट में आ चुके हैं। इनमें अब तक 46 मरीजों को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जिनमें से 130 मरीज डिस्चार्ज हो चुके हैं। शुक्रवार को इलाके में 9 डायरिया के और मरीज मिले हैंए जिनमे 3 मरीजों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जबकि 15 मरीजों को ठीक होने के पश्चात डिस्चार्ज किया गया है। इलाके में संक्रामक बीमारी के कहर को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज अग्रवाल ने संबंधित चिकित्सा अधिकारी को आशा एवं आंगनबाड़ी का सहयोग लेते हुए स्थिति के सामान्य होने तक प्रतिदिन सर्वे के निर्देश दिए हैं।

डॉ मनोज अग्रवाल ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को 24 घंटे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को फंक्शनल रखने का निर्देश दिया गया है। साथ ही इलाके में तीन एंबुलेंस की तैनाती की गई है। जिससे आवश्यकता पड़ने पर मरीज को अस्पताल पहुंचाया जा सके। सीएमओ ने स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए कहा है कि बैक्टीरियल जांच के लिए 7 मरीजों के स्टूल के सैंपल केजीएमयू भेजे गए थे। जिनमें 4 मरीजों नमूने वीब्रियो कालरी पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने इलाके की जनता से अपील की है कि पानी उबालकर पीएं और सफाई का विशेष ध्यान रखें। बता दें कि बीते 9 अगस्त को डायरिया के फैलने से 2 मरीजों की मौत के साथ ही 40 मरीज पाए गए थे। जिनमें 11 को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इसी तरह 10 अगस्त को इलाके से 51 मरीज पाए गए।

दवाओं के दुष्प्रभाव से मरीजों को बचाने हेतु प्रिस्क्रिप्शन आडिट जरूरी

लखनऊ। कोरोना काल मे इसकी सटीक दवा न होने से मरीजों को बचाने के लिए सिम्पटन के आधार के दवाएं दी गई। जिसका दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहा है। ऐसे में इन दुष्प्रभाव से मरीजों को बचाने के लिए फार्माको विजिलेंस और प्रिस्क्रिप्शन ऑडिट जरूरी है। उक्त उद्गार शुक्रवार को किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के ब्राउन हाल में फार्माको विजिलेंस पर आयोजित सेमिनार के दौरान दिल्ली एम्स में फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डॉण् वाईके गुप्ता ने व्यक्त किये।अपने संबोधन में डॉ वाईके गुप्ता ने कहा कि कोविड.19 के इलाज के दौरान मरीजों को कई प्रकार की दवाएं दी गईं। मरीजों की सेहत पर इन दवाओं के विपरीत प्रभाव भी पड़ा। जिसमें ब्लैक फंगसए सुगरए ब्लड प्रेशर समेत दूसरी बीमारियों ने मरीजों को घेर लिया।

हत्या मामले में अलीगंज पुलिस के खिलाफ मानवाधिकार आयोग में शिकायत

● सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पिटाई का वीडियो, जांच एडीसीपी उत्तरी को मिली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हत्या के एक मामले में अलीगंज पुलिस के खिलाफ मानवाधिकार आयोग में गंभीर शिकायत की गई है पुलिस पर आरोप है कि एक युवक की हत्या पुलिस ने पीट पीट कर दी और निर्दोषों पर मुकदमा करके उनको जेल भेज दिया। तीन वीडियो और कुछ तस्वीरें भी शिकायतकर्ता ने मानवाधिकार आयोग में जमा की हैं। पुलिस का कहना है कि हत्या आरोपितों ने अपना जुर्म कुबूला है और वे अब जेल में हैं। उनको बचाने के लिए उनके परिवार के लोग पुलिस पर गलत आरोप लगा रहे हैं। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। मामला अलीगंज थाना क्षेत्र का है। त्रिवेणीनगर कंचनपुरम में रहने वाले अरूण प्रकाश सिंह ने शिकायत की है। उनका आरोप है कि उनके लड़के आदेश की आयुष पांडेय नाम के एक युवक से दोस्ती है। आयुष की बहन मानसी ने दो साल पहले सुमित मिश्र नाम के युवक से विवाह किया था। सुमित और मानसी के बीच रिश्ता ठीक नहीं रहा और सुमित ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। जिसकी शिकायत उनके बेटे ने मानसी के परिवार वालों से की थी। आरोप है कि मानसी की ओर से दहेज संबंधी मुकदमा सुमित के खिलाफ दर्ज कराया गया था। जिसकी वजह से सुमित ने शिकायतकर्ता के बेटे से दुश्मनी मान ली थी। शिकायत है कि 15 जुलाई को वह शराब के नशे में उनके घर आया था और उनसे झगड़ा करने लगा था। आरोप है कि इन पुलिसकर्मियों ने सुमित को लाठी डंडों से पीटा था। 15 मिनट बाद अलीगंज पुलिस की गाड़ी आई। जिसमें एक दरोगा और कई सिपाही थे। आरोप है कि इसके बाद पुलिस ने सुमित मिश्र की जमकर पिटाई की जिससे वह जमीन पर गिर पड़ा। बाद में उसको भाऊराव देवरस अस्पताल ले जाया गयाए जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आदेश और उसके दोस्त पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके बेटे और उसके दोस्त ने हत्या नहीं की है। पुलिस की पिटाई से युवक की मौत हो गई।

हर स्थान पर पानी की जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें: महापौर

● शहर में दूषित जल मिले तो करें शिकायत 6390260100

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महापौर द्वारा बालू अड्डा पर फैले डायरिया पर नियंत्रण करने के लिए बैठक की गई। बैठक के दौरान पूरे शहर में व्यवस्थाएं ठीक करने के लिए नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम और जलकल विभाग के अधिकारियों को सभी व्यवस्था, ठीक कराने के आदेश दिया। महापौर ने महाप्रबंधक जलकल को समस्त शहर में हर स्थान पर पीने के पानी की जाँच कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिए।शुक्रवार को महापौर संयुक्ता भाटिया ने नगर निगम मुख्यालय में नगर निगम और जलकल विभाग के अधिकारियों को सभी व्यवस्था, ठीक कराने के आदेश दिया। महापौर ने महाप्रबंधक जलकल को समस्त शहर में हर स्थान पर पीने के पानी की जाँच कर रिपोर्ट उनके कैम्प आफिस भेजने के लिए निर्देशित किया। साथ ही दूषित पानी पाए जाने पर तत्काल टैंकरों से शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए भी कहा। महापौर ने कहा कि नगर निगम के पास पर्याप्त मात्रा में पेयजल के लिए टैंकर उपलब्ध है जिसे उपयोग में लाकर शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया । सीवर सफाई हेतु शहर में देख रही प्राइवेट कंपनी स्वेज इंडिया और जलकल में समन्वय की कमी को दूर करने के लिए जलकल और स्वेज के अधिकारियों की समिति बनाए जाने के निर्देश महापौर संयुक्ता भाटिया द्वारा दिये गए। महापौर ने आगे कहा कि बालू अड्डे में जिसकी भी लापरवाही रही हैए उनकी जांच जल्दी पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें, जिससे आगे की कार्यवाही की जा सके। इस तरह की लापरवाही पर जिम्मेदारी तय की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही भी की जाएगी। ऐसे कृत्यों पर लीपापोती बिल्कुल न की जाए।इसकी पुनरावित्ति शहर में न होए इसके लिए उचित व्यवस्था बनाए। जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना हम सबका दायित्व है।

कूड़ा उठाने के बाद डाले चूना

शहर भर में खुले पड़े कूड़ाघरो में 2 घंटे के अंदर कूड़ा उठवाने के लिए महापौर में समस्त जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया। महापौर ने कहा कि कूड़ाघरो में कूड़ा उठाने के बाद चूना और ब्लीचिंग पाउडर के छिड़काव किया जाए। महापौर ने कहा कि समस्त नालियों में सड़कों पर भी एक बार चुना और ब्लीचिंग का छिड़काव किया जाए जिससे जनता को डायरियों और अन्य रोगों से बचाव किया जा सके।

हॉट स्थानों को चिन्हित कर छिड़काव के निर्देश

महापौर संयुक्ता भाटिया ने नगर स्वास्थ्य अधिकारी को ऐसे गंभीर स्थल जहाँ विगत वर्षों में डायरिया और अन्य बीमारी ज्यादा फैलती है वहाँ स्थानों का चयन कर अभियान चलाकर केमिकल आदि का छिड़काव कराया जाए जिससे जनता को बीमारियों से बचाया जा सके। समस्त शहर में प्रतिदिन फोगिंग आदि कराया जाए। विगत वर्ष फैजुल्लागंज और खदरा में बीमारी फैली थी।

गैंग लगाकर रिपेयर कराये टूटी पाईप लाइन

महापौर ने महाप्रबंधक जलकल को निर्देशित किया कि शहर में आ रही दूषित पानी को शिकायत के लिए अलग से एक फ़ोन नंबर जारी कर कंट्रोल रूम बनायेए जिसमें आयी हुई शिकायतो का फीडबैक स्वयं ले। साथ ही शहर भर में लीक हो रही पेयजल की पाइपलाइनों के लिए हर जोन में एक अलग से गैंग बनाकर उन्हें समान उपलब्ध कराए। जिससे कि पाइपलाइनों के टूटने और लीकेज की शिकायत तत्काल ठीक कराई जा के। टूटी पाइपलाइनों की शिकायत 24 घण्टे के अन्दर निस्तारित होनी चाहिए। प्रतिदिन शिकायतों का फीडबैक लेकर रिपोर्ट मुझे भेजी जाए। मैं भी रैंडम आधार पर जनता की शिकायतों का फीडबैक लुंगी। महाप्रबंधक जलकल द्वारा बताया गया कि कही भी दूषित पानी की समस्या आये तो 6390260100 पर तुरंत शिकायत दर्ज कराए।

साफ की जाएंगी पानी की टंकियां

गंदगी को ही इन रोगों का पर्याय बताते हुए महापौर ने मुख्य अभियंता नगर निगम और महाप्रबंधक जलकल को शहर में लगी सभी पानी की टंकियों की सफाई और समरसेविल की टंकियों की सफाई तत्काल कराने के लिए निर्देशित किया। महापौर ने बताया की शहर अधिकांश जनता इन्हीं टंकियों से पानी पीती है। जिसे साफ करना जरूरी है। इनकी सफाई कराते समय पानी का टैंकर जनता को उपलब्ध कराया जाए जिससे पीने के पानी की समस्या का सामना जनता को न करने पड़ा। पानी की टंकियों में पानी को शुद्ध करने के लिए जो भी आवश्यक दवाई हो वह डाली जाए।

नालियों से गुजरीं पाइप लाइनों को बदलने के निर्देश

बैठक में नगर अभियंता जैदी ने महापौर को बताया कि कई ऐसे स्थान है जहाँ नालो और नालियों के बीच मे पेयजल की पाइपलाइने गुजर रही है। जिससे पेयजल में संक्रमण का खतरा लगातार बना रहता हैए इसके साथ ही कई वर्षों पुरानी पड़ी हुई पाइपलाइनों की लाईफलाइन भी समाप्त हो रही है जिसपर महापौर ने ऐसे सभी पाइपलाइनों की जांच कर उन्हें रेडए येलो और ग्रीन कैटेगरी में विभाजित कर रेड कैटेगरी की पाइपलाइनों को चरणबद्ध तरीके से बदलने का निर्देश दिए। साथ ही नालो और नालियों से गुजर रही पीने के पाइपलाइनों को भी हटाने के निर्देश दिए।

विद्युत सेवा आयोग

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि0
(उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)
एस0एल0डी0सी0 परिसर (निकट मंत्री आवास)
विभूति खण्ड, फेज–2, गोमती नगर, लखनऊ–226010

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि उ०प्र० पावर कॉरपोरेशन लि० में विभिन्न पदों पर चयन हेतु कार्यवाही विद्युत सेवा आयोग द्वारा की जाती है जिसके लिये सम्बन्धित पदों हेतु विज्ञापन निर्गत कर कारपोरेशन की अधिकृत वेबसाइट www.uppcl.org पर सूचना उपलब्ध करायी जाती है। उपरोक्त वेबसाइट पर दी गयी सूचना के अतिरिक्त किसी अन्यत्र वेबसाइट पर दी गयी सूचना के लिये उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 अथवा विद्युत सेवा आयोग किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं है।

संज्ञान में आया है कि कुछ अनैतिक व्यक्तियों/संस्थाओं द्वारा विद्युत सेवा आयोग, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 के नाम का प्रयोग करते हुये विद्युत विभाग में 'Serveyor' पद पर भर्ती हेतु आवेदन माँगे है। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भर्ती हेतु कोई भी आवेदन विद्युत सेवा आयोग, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 द्वारा आमंत्रित नहीं किये गये हैं। सर्वसाधारण/उम्मीदवार को सचेत किया जाता है कि वे ऐसे व्यक्तियों/संस्थाओं के झूठे दावों में न आयें तथा वेबसाइट पर दी गयी अधिकृत सूचना के आधार पर ही आवेदन सम्बन्धी कार्यवाही करें।

सचिव विद्युत सेवा आयोग

पत्रांक : 747/विसेआ/नोटिस–21 दिनांक : अगस्त 13, 2021
''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''

आईडी हैक कर भेज रहा है अश्लील मैसेज, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। राजधानी के आलमबाग मवईया में रहने वाली एक महिला ने बताया कि उनकी आईडी किसी जालसाज ने हैक कर ली और उस आईडी के जरिए वह उनकी बहन व अन्य लोगों को आपत्तिजनक पोस्ट भेजकर परेशान कर रहा है। मामले की जानकारी होने के बाद पीड़िता ने थाने जाकर इसकी शिकायत कीए जहां उन्हें साइबर क्राइम सेल में तहरीर देने को कहा गया। साइबर सेल प्रभारी का कहना है कि केस दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही आरोपी को दबोच लिया जाएगा।

ऑन व्हील्स बेड़े में शामिल 11 बसों को राज्यपाल ने झंडी दिखाकर किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को राजभवन से स्वस्थ गांव तक.स्वस्थ घर तक मिशन के तहत डाक्टर ऑन व्हील्स बेड़े में शामिल 11 बसों को झंडी दिखाकर विभिन्न जनपदों हेतु चिकित्सा सेवाओं के लिये रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डाक्टको की स्वस्थ घर तक जैसी नेक पहल को झंडी दिखाकर प्रदेश की जनता को चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना मेरे लिये गौरव की बात है।

राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि ये बसें थर्मल स्कैनर, ऑक्सीमीटर, ईसीजी मशीन सहित अन्य जरूरी उपकरणों से सुसज्जित हैं, इससे जन सामान्य को आसानी से जरूरी चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि हम देश की आजादी का 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं। इस अवसर पर दूर.दराज के ग्रामीण क्षेत्रोंए कस्बों तथा शहरों को गुणवत्तायुक्त सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

डाक्टको के संस्थापक निमिथ अग्रवाल ने बताया कि स्वस्थ घर तक का बेड़ा अब तक 2 लाख 31 हजार से अधिक स्क्रीनिंग और परीक्षण करने तथा 50 हजार से अधिक लोगों का उपचार करने के लिये आज से आगराए अलीगढ़ए मेरठए मथुरा और वाराणसी में लगभग 2.7 मिलियन आबादी को कवर करेगा। उन्होंने बताया कि स्वस्थ घर तक की इस पहल से हम कोविड के शुरुआती लक्ष्य मधुमेहए उच्च रक्तचापए हृदय रोग तथा कैंसर जैसी अन्य बीमारियों वाले लोगों को बुनियादी दवाएं एवं उपचार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बस में 3 सदस्यीय मेडिकल स्टाफ तथा एक डॉक्टर चिकित्सीय परामर्श हेतु उपलब्ध रहेंगे।

नैक मूल्यांकन को लेकर एसएसआर रिपोर्ट में राज्यपाल ने और सुधार लाने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को राजभवन में उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की नैक के समक्ष मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत की जा चुकी रिपोर्ट का अवलोकन किया। विश्वविद्यालय अपने पहले नैक मूल्यांकन के लिए काउंसिल को सेल्फस्टडी रिपोर्ट (एसएसआर) दे चुका है। राज्यपाल ने इस रिपोर्ट में व्यापक सुधार की संभावनाओं को लेकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह से चर्चा की। राज्यपाल ने कुलपति को निर्देश दिया कि यद्यपि विश्वविद्यालय के मूल्यांकन हेतु उनके द्वारा एसएसआर नेशनल एसेसमेंट एण्ड एक्रीडिशन काउंसिल (नैक) में प्रस्तुत किया जा चुका हैए तब भी काउंसिल के सदस्यों की विजिट से पूर्व वे विविध सुधार लाकर उनका अवलोकन कराते हुए अपने नैक मूल्यांकन में सम्मानजनक श्रेणी प्राप्त कर सकती हैं। आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय का मोबाइल एप विकसित करनेए वेबसाइट अपडेट करनेए इग्नू की तर्ज पर वर्चुअल क्लास रूम विकसित करनेए सेन्ट्रल ई.लाइब्रेरी अपने विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने तथा डिग्री देने के लिए डिजी लॉकर की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा ग्रहण कर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं के समाधान के लिए आवश्यक रूप से कॉल सेन्टर बनाएं तथा अपने पूर्व छात्रों का डेटा बैंक भी सुदृढ़ करें।

फेज-1 के मेडिकल कालेजों में जल्द फर्नीचर एवं उपकरणों की खरीदारी के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार के वित्त एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए हैं कि फेज.1 के मेडिकल कालेजों में जल्द से जल्द पारदर्शिता पूर्वक गुणवत्तापूर्ण फर्नीचर एवं उपकरणों की खरीदारी का कार्य पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि किसी भी लापरवाही के लिए संबन्धित मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य पूर्णतया जिम्मेदार होंगे।

शुक्रवार को चिकित्सा शिक्षा विभाग के मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्यो संग विभागीय समीक्षा बैठक में उन्होंने विभिन्न जनपदों के प्रधानाचार्यो से उनके यहॉ की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली एवं समय सीमा निर्धारित करते हुए कार्य पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। खन्ना ने कहा कि फर्नीचर एवं उपकरणों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देंए गुणवत्ता से समझौता बिल्कुल नहीं किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने विभिन्न मेडिकल कालेजों में वैंटीलेटर्स की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने न्यूनेटर वेंटीलेटर्स की स्थिति के बारे में भी प्रधानाचार्यो से जानकारी ली। खन्ना ने प्रधानाचार्यों से एचएफएनसी एवं बाईपैप की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोन की सम्भावित तीसरी लहर आने से पूर्व हमारी तैयारियाँ पूर्ण रहनी चाहिए ताकि हम इस तीसरी लहर पर नियंत्रण रखने में सक्षम रहें। उन्होंने कहा कि सभी मेडिकल कालेजों में निर्धारित संख्या पीकू बेड के साथ बच्चों के बेड तथा नियोनेटल वेंटिलेटरए आक्सीजन बेड, एचफनसी, बाईपैप आदिकी व्यवस्था समय रहते अनिवार्य रूप से कर ली जाए। उन्होंने कहा कि आक्सीजन जनरेशन प्लांट को शीघ्र क्रियाशील कराया जाए। चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी मेडिकल कालेजों में आयुष्मान कार्ड धारकों के इलाज के लम्बित दावों को 15 दिन में निस्तारित करायें अन्यथा की दशा में संबंधित मेडिकल कालेज के प्रधानाचर्य के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। खन्ना ने कहा कि सभी मेडिकल कालेजों में प्रधानाचार्य महीने के प्रथम और तृतीय शनिवार को एथिक्स पर होने वाले सेमिनार का आयोजन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करायें। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध करायी जाए।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।

(1) कार्य का नाम : छपरा–प्लेटफार्म संख्या 2, 3, 4, एवं 5 के सरफेस का सुधार एवं पुर्नवास। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी–2021–118, अनुमानित लागत (₹) : 1,60,52,407/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

(2) कार्य का नाम : वाराणसी में डाटा लागर की हाई स्पीड नेटवर्किंग के लिए ई–1 रूम के निर्माण से सम्बन्धित सिविल कार्य। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–119, अनुमानित लागत (₹) : 8,37,384/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021,, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(3) कार्य का नाम : सिवान – प्लेटफार्म संख्या 1 के सरफेस का सुधार एवं पुर्नवास। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–120, अनुमानित लागत (₹) : 70,48,403/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

(4) कार्य का नाम : वमई/प्रथम/वाराणसी कार्य क्षेत्र में दोषपूर्ण वेल्ड के लिए ट्रैक गतिविधि का कार्य (कुल–446 नं०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–121, अनुमानित लागत (₹) : 29,97,541/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(5) कार्य का नाम : वमई/प्रथम/वाराणसी कार्य क्षेत्र में दोषपूर्ण वेल्ड वेल्डिंग के पोर्सन की आपूर्ति का कार्य (कुल–446 नं०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर–बीएसबी–2021–122, अनुमानित लागत (₹) : 62,49,400/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(6) कार्य का नाम : भटनी यार्ड लाइन संख्या 4:– गिट्टी एवं ब्लैकेटिंग सामग्री उपलब्ध कराने के साथ डीप स्क्रीनिंग का कार्य (कि०मी० 434/0–436/0–2.00 कि०मी०) ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–123, अनुमानित लागत (₹) : 1,22,62,368/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

(7) कार्य का नाम : झूसी:–प्लेटफार्म संख्या 1 के रेजिंग एवं सुधार का कार्य। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–124, अनुमानित लागत (₹) : 1,51,09,707/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

(8) कार्य का नाम : मऊ –शाहगंज अनुभाग में आर०सी०सी०बाउड्रीवाल का प्रावधान (कुल 8.5 कि०मी०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–125, अनुमानित लागत (₹) : 7,35,74,385/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 09 माह

● निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2021–118 से एनईआर–बीएसबी– 2021–125 दिनांक 08.09.2021 को 14.30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०), वाराणसी
मुजाधि/डब्ल्यू– 143

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

सुपर ऊर्जा दक्ष भवन यूपीनेडा की अच्छी पहल: आलोक सिन्हा

● किया गया भूमि पूजन व शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीनेडा के शोध एवं विकास केन्द्र देवा रोड चिनहट परिसर में शुक्रवार को देश की पहली सुपर ऊर्जा दक्ष भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास अपर मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक सिन्हा द्वारा किया गया। इस मौके पर उन्होने बताया कि यह सुपर ऊर्जा दक्ष भवन यूपीनेडा की अच्छी पहल है। आज के आधुनिक जीवन में सस्टेनेबिल विकास का महत्व है, यह भवन इसका उदाहरण है। इस भवन मे विन्ड टावर का उपयोग किया जा रहा है। उन्होने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी ऊर्जा दक्ष भवन निर्माण की जानकारी हेतु बुकलेट तैयार कर वितरित कराई जाये। अपर

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के वास्तुविद (आर्किटेक्ट) को ऊर्जा दक्ष भवन के बारे में प्रशिक्षित किये जाने हेतु इस परिसर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र दिये जायें। निदेशक, यूपीनेडा भवानी सिंह खंगारौत ने इस भवन की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इस ऊर्जा दक्ष भवन में सामान्य भवनों की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक धनराशि व्यय होगी जिसका पेबैक पीरियड 5 वर्ष होगा। सचिव, ब्यूरो आफ एनर्जी एफिशिएन्सी भारत सरकार आरके राय इस कार्यक्रम में वर्चुवल रूप से उपस्थित थे। उन्होने बताया कि सुपर ऊर्जा दक्ष भवन के निर्माण हेतु कई प्रदेशों को स्वीकृति दी गयी है परन्तु यूपीनेडा ने इसकी पहल करते हुए आज इसका शिलान्यास भी करा दिया। उन्होने यह भी बताया कि ऊर्जा दक्ष भवन में सामान्य भवन के तुलना में 25 प्रतिशत तथा सुपर ऊर्जा दक्ष भवन में 50 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होती है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अशोक कुमार श्रीवास्तव प्रभारी, यूपीएसडीए ने बताया कि 3 वर्ष पूर्व महानिदेशक, बीईई ने इस स्थल का निरीक्षण करते हुए इसे ऊर्जा दक्ष भवन हेतु उचित पाया था। ईसीबीसी प्रभारी श्री रामकुमार ने इस भवन की विशेषताओं एवं लाभ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर यूपीनेडा के जनपदीय एवं मुख्यालय के अधिकारी, राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी, भवन से सम्बन्धित कंसलटेन्ट एवं आर्किटेक्ट आदि उपस्थित थे। सचिव, यूपीनेडा, श्री अनिल कुमार ने अपर मुख्य सचिव, सचिव, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएन्सी एवं सभी उपस्थित अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।

अमृत योजना के काम शीघ्र पूरा कराएं: राजेन्द्र तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में अमृत योजना की 21वीं स्टेट लेवल हाई पावर स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन मिशन निदेशक अमृत योजना अनुराग यादव द्वारा किया गया।

मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिये कि अमृत योजनान्तर्गत संचालित सभी परियोजनाओं को निर्धारित मानक एवं गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराया जाये। राज्य स्तरीय समिति के द्वारा यह निर्णय लिया गया कि भारत सरकार से प्राप्त होने वाले केन्द्रांश धनराशि 1405.36 करोड़ रुपये के लिए प्रस्ताव यथाशीघ्र बनाकर भारत सरकार को प्रेषित किया जाये।

मिशन निदेशक अमृत योजना के द्वारा बताया गया कि अमृत योजना के अन्तर्गत कुल 12221.65 करोड़ रुपये के कार्य पूर्व में स्वीकृत किये जा चुके हैंए जिसमें स्टेट लेवल हाई पावर स्टीयरिंग कमेटी द्वारा 11421.66 करोड़ रुपये की योजनाओं की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है तथा 11029.41 करोड़ रुपये के कार्यों की निविदा स्वीकृत हो चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि 12000.90 करोड़ रुपये की योजनाओं के शासनादेश भी निर्गत किये जा चुके हैं।

ज्ञातव्य है कि बड़े एवं छोटे शहरों में बुनियादी सुविधाएं देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा अमृत ;अटल मिशन फार रिजूवेशन एण्ड अर्बन ट्रांसफार्मेशनद्ध योजना आरंभ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत छोटे शहरों में सीवरेज एवं पेयजल की आपूर्ति की परियोजनाओं की लागत का 50 प्रतिशत व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

बैठक में अपर मुख्य सचिव नगर विकास डॉ. रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त डा एस राधा चौहान, मिशन निदेशक अमृत योजना अनुराग यादव सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

पराग की अत्याधुनिक डेरी का पूर्व ओलंपियन ने किया भ्रमण

लखनऊ। पूर्व ओलंपियन डॉक्टर आनंदेश्वर पांडे कोषाध्यक्ष इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन, कॉमन वेल्थ गेम्स, सेक्रेटरी जनरल साउथ एशियन हैंडबॉल फेडरेशन तथा देवेंद्र ध्यान चंद्र व रवि कांत मिश्रा लक्ष्मण अवार्ड विजेता द्वारा शुक्रवार को चक गजरिया स्थित पराग की अत्याधुनिक डेरी का भ्रमण किया गया। भ्रमण के पश्चात डॉक्टर आनंदेश्वर पांडे द्वारा संस्था की विजिटिंग बुक में अंकित किया। इस मौके पर उन्होंने क हा कि वे चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के साथ पराग का एक एग्रीमेंट कर प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को यहां से निर्मित शुद्ध देसी घीए, पनीर, लड्डू, पेड़ा, दूध के साथ मट्ठा दही उपलब्ध करा कर उनका सर्वाधिक विकास कर हम खेलों को आगे बढ़ा सकते हैंस इसके बाद देवेंद्र ध्यानचंद्र सुपुत्र मेजर ध्यान चंद्र पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ने मेजर ध्यानचंद परिवार की ओर से नए पराग प्लांट की शुभकामनाएं दी गईस साथ ही उन्होंने महाप्रबंधक डॉ मोहन स्वरूप व श्री प्रशांत आर्य प्रभारी मार्केटिंग व पराग टीम को भी धन्यवाद दिया। लक्ष्मण अवार्ड विजेता श्री रवि कांत मिश्रा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के उपक्रम पराग के सबसे उत्कृष्ट सेंटर का अवलोकन किया जिसके उत्पाद खिलाड़ियों के लिए बेहतर प्रतीत हुए तथा संपूर्ण पराग परिवार को उनके द्वारा बधाई दी गई।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नायल की 11वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) की 11वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न हुई। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड की इस बोर्ड बैठक में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट ज़ेवर का मास्टर प्लान और स्टेट्स रिपोर्ट के साथ अब तक एयरपोर्ट में हुई प्रगति प्रस्तुत किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा एयरपोर्ट डॉ0 अरुण वीर सिंह ने बोर्ड के समक्ष एजेंडा प्रस्तुत किया। इस प्रस्तुतीकरण में मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा बताया गया की विकासकर्ता ज़ुरिक एयरपोर्ट की एसपीवी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा नोएडा एयरपोर्ट का मास्टर प्लान प्रस्तुत किया गया थाए जिसे परीक्षण हेतु नागर विमानन मंत्रालय भारत सरकार को भेजा गया थाए उस पर परीक्षण प्राप्त हो चुका है तथा सैद्धांतिक अनुमति भी मिल चुकी हैए जिस पर मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी की अध्यक्षता वाली एनआईएएल बोर्ड ने मास्टर प्लान पर अनुमोदन देते हुए इस मास्टर प्लान को यमुना प्राधिकरण से भी अनुमोदन कराने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ ग्रेटर नोएडा नरेन्द्र भूषण, सीईओ नोएडा रितु माहेश्वरी, सचिव वित्त संजय कुमार, संयुक्त ' और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड नायल के नोडल ऑफिसर शैलेन्द्र भाटिया ने प्रतिभाग किया।

कार्यालय नगर पंचायत शमसाबाद जनपद–फर्रूखाबाद

पत्रांक :– 144/न0पं0–टेण्डर नोटिस/2021–22 /शमसाबाद — दिनॉक :– 13 अगस्त 2021

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत शमसाबाद में निर्माण कार्य हेतु अधिकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2020–21 में पंचम राज्य वित्त/15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त (अनटाइड ग्रानट) बुनियादी अनुदान की द्वितीय किश्त की धनराशि से निकाय में निम्नांकित कार्य ई टेण्डरिंग के माध्यम से कराया जाना हैं जिसके डाक्यूमेंट वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक 14.08.2021 से 21.08.2021 तक उपलब्ध हैं जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं तथा दिनांक 21.08.2021 को अपरान्ह 2.00 बजे निविदादाताओं/प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जायेगी। आगणन धनराशि के सापेक्ष 2 प्रतिशत घरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शमसाबाद के नाम बन्धक कर जमा करना अनिवार्य होगा।

क्र0सं0	नगर पंचायत	प्रारम्भ दिनॉक एवं समय	
1	Tender Release	14.08.2021 04:00 बजे	
2	Tender Close Date	21.08.2021 2:00 बजे	

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत शमसाबाद, जनपद–फर्रूखाबाद
अध्यक्ष, नगर पंचायत शमसाबाद, जनपद–फर्रूखाबाद

कार्यालय ग्राम पंचायत जुगैल वि0ख0–चोपन, सोनभद्र

पत्रांक– मेमो/सा0 आ0/2021–22 — दिनांक– 13.08.2021

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जुगैल विकास खण्ड–चोपन सोनभद्र में विगत वर्ष के अधूरे कार्य एवं वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/चौदहवां–पन्द्रहवां वित्त आयोग/एस0बी0एम0/आर०जी0एस0ए0/अन्त्येष्ठि स्थल एवं अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति की जानी है, जिसके लिए निम्नवत निविदा प्रकाशित की जा रही है।

1	कार्य की अनुमानित लागत	विभिन्न कार्यों के लिए जी0एस0टी0 व अन्य कर सहित आंगणन के अनुसार निर्धारित परियोजना लागत।
2	आपूर्ति की अवधि	वित्तीय वर्ष 2021–22
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य	1000 रू0 नकद
4	निविदा फार्म बिक्री व जमा करने की तिथि	दिनांक 14.9.2021 से दिनांक 16.8.2021 अप्रा0 2 बजे तक
5	निविदा फार्म बिक्री/जमा करने का स्थान	ग्राम पंचायत कार्यालय–पंचायत भवन
6	निविदा खोले जाने की तिथि व स्थान	दिनांक 17.08.2021 को पूर्वा0/अप्रा0 10 बजे ग्रा0पं0 कार्यालय।
7	जमानत हेतु धरोहर धनराशि	5.00 लाख (मु0 पांच लाख मात्र) रु0 का किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट ग्राम पंचायत जुगैल के नाम बंधक कर मूल प्रति जमा करना अनिवार्य है

नोट :– निविदा की शर्तें निविदा फार्म के साथ संलग्न है एवं ग्राम पंचायत कार्यालय पर चस्पा/उपलब्ध है जिसे ग्राम प्रधान/सचिव से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत–जुगैल
चोपन–सोनभद्र

अखिलेश के समर्थन में जनाक्रोश यात्रा निकालेगा महान दल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2022 के विधान सभा चुनाव में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए महान दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव देव मौर्य 16 अगस्त को पीलीभीत से जनाक्रोश यात्रा निकालेंगे। जनाक्रोश यात्रा को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल झंडी दिखायेंगे। जनाक्रोश यात्रा 17 अगस्त को बरेली, 18 अगस्त को बदायूं, 19 अगस्त को कासगंज पहुंचेगी। यात्रा 25 अगस्त को एटाए 26 अगस्त को मैनपुरी पहुंचेगी। 27 अगस्त को इटावा पहुंचकर यात्रा का समापन होगा।

जनाक्रोश यात्रा के दौरान कोरोना काल में सरकार की लापरवाही, आक्सीजन की कमी एवं जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी, अस्पतालों की लूट.पाट, डीजल–पेट्रोल एवं रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों की वजह से बढ़ी मंहगाई, सरकारी उत्पीड़न एवं फर्जी एनकाउण्टर, यूपी में चारों तरफअराजकता, सरकारी विभागों में खुलेआम भ्रष्टाचार, काले कृषि कानूनों की वापसी, महिला अपराधों में बेतहासा बढ़ोत्तरी, नौजवानों के साथ धोखा, नौकरी के नाम पर झूठा वादा प्रमुख मुद्दे होंगे।

वहीं दूसरी ओर जनवादी पार्टी सोशलिस्ट द्वारा आयोजित भाजपा हटाओंए प्रदेश बचाओं जनवादी जनक्रांति यात्रा का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन 16 अगस्त 2021 को बलिया से शुरू होकर 31 अगस्त 2021 को अयोध्या में समाप्त होगा।

सपा प्रवक्ता ने कहा कि यह यात्रा 2022 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनजागरूकता फैलायेगी। इसके तहत भाजपा सरकार की कुनीतियों, किसानों की समस्या, मंहगाई, बेरोजगारी, महिला उत्पीड़नए फर्जी एनकाउण्टर, यूपी में विकास योजनाओं को अवरूद्ध किये जाने सहित अनेक मुद्दों से जनता को परिचित कराया जायेगा। जनवादी पार्टी (सोशलिस्ट) के संस्थापक डॉण् संजय सिंह चैहान के नेतृत्व में जनक्रांति यात्रा को नेता विरोधी दल रामगोविन्द चौधरी बलिया में हरी झंडी दिखायेंगे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मना आजादी का अमृत महोत्सव

लखनऊ। देश की आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुक्रवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आज़ादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजनाए लखनऊ विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ विनोद कुमार सिंह, कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय ने किया। कार्यक्रम में अशोक कुमार श्रोती (क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना) तथा डॉ. अंशुमालि शर्मा (राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी उत्तर प्रदेश) विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर फ्रीडम रन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए चंद्रशेखर आज़ाद ए शहीद भगत सिंहए राजगुरु एवं सुखदेव की प्रतिमा एवं शिवाजी पार्क पर शहीदों को श्रद्धाञ्जलि एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए फ्रीडम रन फ़ॉर इन्डिया का समापन हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 100 से अधिक छात्रध्छात्राओं तथा ने झंडे के साथ फ्रीडम रन फ़ॉर इंडिया में प्रतिभाग किया।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कानपुर घटना की निंदा की

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कानपुर के बर्रा आठ में भाजपा के उकसावे पर निर्दोष युवक की सरेआम पिटाई की घटना की निंदा किया है। यादव ने कहा कि लोकतंत्र के लिए ऐसी घटनाएं शर्मनाक है। भाजपा सरकार ने यूपी में अराजकता फैला दी है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। उन्होंने कहा कि आरएस एस की विचारधारा के कारण जब से केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार आयी है वंचित समाज के उत्पीड़न की घटनायें बढ़ गयी है। जाति और धर्म के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यूपी सरकार का एजेंडा ही विभाजनकारी है। भारत के संविधान की मूल भावना समानता की पोषक है। समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक मूल्यों की पक्षधर है। अन्याय और शोषण के खिलाफसपा ने हमेशा लड़ाई लड़ी है। सामाजिक सद्भाव बढ़ाना ही सपा का लक्ष्य है। लेकिन भाजपा देश में नफरत और घृणा फैलाने में लगी है।

सीएमएस छात्र को मिली 80,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के प्रतिभाशाली छात्र समर्थ जैन को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका के इलिनोईस इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 80,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। समर्थ को यह स्कॉलरशिप चार वर्ष की उच्चशिक्षा अवधि के दौरान प्रदान की जायेगी। इसके अलावा, अमेरिका की एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी एवं इंग्लैण्ड की यूनिवर्सिटी ऑफलीड्स एवं यूनिवर्सिटी ऑफ साउथेम्प्टन ने उच्चशिक्षा हेतु आमन्त्रित किया गया है। सीएमएस संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने समर्थ की उपलब्धि पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उसके उज्जवल भवि-नवजयय की कामना की है।

पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने आयोजित किया जॉब फेस्टिवल

लखनऊ। पब्लिक कॉलेज ऑफप्रोफेशनल स्टडीज गोमती नगर ने कोरोना काल में भी छात्रों के उज्जवल भविष्य को निखारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये। ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन करने के साथ ही विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए एलपीसीपीएस ने वैकल्पिक ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली को अपनाया और सफलतापूर्वक ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन भी कराया। यही नहीं कॉलेज ने कोरोना से प्रभावित हुए छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए जॉब फेस्टिवल का आयोजन भी कराया। इसमें 15 से अधिक कंपनियों ने करीब 114 से अधिक एलपीसीपीएस छात्रों को रोजगार उपलब्ध कराया। संस्थापक प्रबन्धक डॉ. एसपी सिंह ने छात्रों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह कॉलेज प्रतिभाशाली छात्रों को हर संभव मदद करने के साथ ही उन्हें एक बेहतर मंच उपलब्ध कराने हेतु वचनबद्ध है।

शादी से असंतुष्ट महिला ने लगाई फांसी, मौत

लखनऊ। राजधानी के पारा इलाके में एक विवाहिता की संदिग्ध मौत हो गयी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पारा के मोतीझील कॉलोनी निवासी राज कुमार सिंह ने बताया कि बीती 15 जुलाई को उन्होंने अपनी 22 वर्षीय बेटी दीक्षा पटेल की शादी फतेहपुर बाराबंकी निवासी विकास कुमार के साथ कराई थी। ससुराल में मन न लगने की बात कहकर दीक्षा 5 अगस्त को अपने मायके आ गई थी। बताया जा रहा है कि गुरुवार शाम मकान की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में दीक्षा ने पंखे में साड़ी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। बेटी का शव लटका देख राज कुमार ने सूचना पुलिस को दी। इंस्पेक्टर पारा घटना स्थल से उन्हें एक सुसाइड नोट मिला हैए जिसमें दीक्षा ने लिखा है कि वह इस शादी से खुश नहीं है और वह किसी ओर लड़के से प्यार करती है। साथ ही मृतका ने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

शिवाय समिति ने घर पहुंचकर बेसहारा परिवार को दी खाद्य सामग्री किट और आर्थिक मदद

मोहनलालगंज। बिस्तर पर लाचार पड़े मजदूर भारतलाल के परिवार को शिवाय सेवा समिति ने शुक्रवार की शाम उनके घर पहुंचकर खाद्य सामग्री और आर्थिक मदद दी। समिति ने प्रशासन से मजदूर के इलाज में हरसंभव मदद देते रहने की अपील भी की। मोहनलालगंज के दहियर गांव निवासी बिस्तर पर लाचार पड़े मजदूर भारतलाल को एसडीएम डॉ0 शुभी सिंह के निर्देश पर प्रशासन की टीम मरहम पट्टी और दवाएं दिलाने में मदद कर रही है। हर सप्ताह उसके घर पहुंचकर लेखपाल राजेन्द्र बहादुर दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। जबकि उसके परिवार को हरसंभव सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास भी कर रहे हैं। शुक्रवार की शाम शिवाय सेवा समिति के पदाधिकारी आशीष चतुर्वेदी विनीत कुमार शिवकुमार सोनी प्रांशुल तिवारी मानस यादव विनीत राजपूत संदीप सैनी राजेश कुमार और रंजीत कुमार मजदूर के घर पहुंचे। समिति के पदाधिकारियों ने मजदूर की पत्नी रेखा और बच्चों से आपबीती जानकर उन्हें खाद्य सामग्री किट और आर्थिक मदद दी।

स्वतंत्रता दिवस पर एसडीएम ने 'आओ मिलकर दिये जलाएं' चलाई मुहिम

मोहनलालगंज। स्वतंत्रता दिवस पर मोहनलालगंज तहसील की हर गली और मोहल्ले को दीपावली की तरह रोशनी से जगमगाने की मुहिम शुरु कर चुकीं एसडीएम डॉ. शुभी सिंह कविता की इन पंक्तियों को साकार करने में जुट गई हैं। राष्ट्रीय पर्व पर घर.घर उत्सव मनाने के लिए जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों को जगाने में जुटी एसडीएम ने आमजन के नाम खुला पत्र लिखकर सभी से इस बेमिशाल मुहिम में सहभागी बनकर सक्रिय भागीदारी निभाने की पुरजोर अपील की है। एसडीएम की इस मुहिम को सोशल मीडिया पर खूब जनसमर्थन मिल रहा है। पायनियर संवाददाता से खास बातचीत में एसडीएम ने बताया राष्ट्रीय पर्व हम सब को एकजुट करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होने बताया स्वतंत्रता और गणतंत्र की सही अर्थों में मायने जानने के लिए हम सब को अपने जीवन के अन्य खास दिवसों की तरह राष्ट्रीय पर्व पर भी घरों को सजाकर रसोईघर में बन रहे मनपसंद पकवान की मनमोहक सुगन्ध से गली और मोहल्ले को महकाना चाहिए। असहमति और विरोध के तमाम विचारों को भूलकर इन पर्व पर उपवास और गरीबों को दान कर राष्ट्र की समृद्धि के लिए ईश्वर से सामूहिक प्रार्थना करनी चाहिए। एसडीएम ने बताया देशभर में भविष्य के शिल्पकार बच्चों और युवाओं को नेतृत्व की जिम्मेदारी देकर राष्ट्रीय पर्व की पूर्व संध्या पर सभी सरकारी भवन व स्कूलों और घरों में दीप श्रंखला का आयोजन कर देश को रोशन कर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर स्वतंत्रता का उत्सव मनाया जाना चाहिए।

नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की बैठक आयोजित

लखनऊ। कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा की अध्यक्षता में नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की राज्य स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी, कृषि निदेशक विवेक कुमार सिंह के साथ अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस बैठक में योजना के अन्तर्गत संचालित की जा रही रेनफेड एरिया डेवलपमेण्ट 35 जनपदों में ए भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति नमामि गंगे, परम्परागत कृषि विकास योजना 61 जनपदों में एवं भूमि पोषण अभियान 75 जनपदों में स्वीकृत की गयी । इस बैठक में वर्ष 2021-22 हेतु प्रदेश के 35 जनपदों की 57 भूमि संरक्षण इकाइयों हेतु 6073.50 ह. में 3500 लाख की कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की गयी । योजनान्तर्गत पशुधन, डेयरी, एग्रो फॉरेस्ट्री, मत्स्य एवं उद्यान आधारित सिस्टम पर कार्य करने के साथ . साथ मौन पालन, साइलेज, पोस्ट हार्वेस्ट एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि मूल्य संवर्धन के मदों में कार्य किया जाना है ।

वाराणसी में घटने लगा है गंगा का जलस्तर

● अब बीमारियां फैलने की आशंका

● गुरूवार से स्थिर होने के बाद शुक्रवार को दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से घटाव जारी है

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

गंगा के जल स्तर में बढ़ाव गुरुवार को ठहरने के बाद शुक्रवार को सुबह से घटने लगा है। सुबह आठ बजे तक एक सेंटीमीटर प्रतिघंटा से गंगा का जल स्तर घट रहा था जो सुबह 10 बजे तक घटाव दो सेंटीमीटर प्रतिघन्टा हो गया था।

अब मीरजापुर, भदोही और चंदौली में बाढ़ में कमी आने लगी है। जबकि गाजीपुर और बलिया में गंगा फि लहाल स्थिर हैं। उम?मीद जताई जा रही है कि बारिश में कमी आने के बाद बलिया और गाजीपुर में भी गंगा का उफान थमने लगेगा। हालांकि, बाढ़ में कमी आने की वजह से अब पीछे छोड़े गए मलबे और कीचड़ से बीमारियों के सिर उठाने के खतरे भी बढ़ने जा रहे हैं।गंगा में घटाव ऊपर से हो रहा है। फाफामऊ व प्रयागराज में तीन तो मीरजापुर में दो सेंटीमीटर प्रतिघन्टा की रफ्तार से गंगा घट रहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार की सुबह 10 बजे वाराणसी में गंगा का जल स्तर 72.23 मीटर था। वहीं, फाफामऊ में गंगा का जल स्तर 85.47 मीटर, प्रयागराज में 84.55 मीटर व मीरजापुर में 78.04 मीटर था। वहीं, केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार की रात आठ बजे वाराणसी में गंगा का जल स्तर 72.32 मीटर था जो रात 12 बजे तक स्थिर बना रहा। इसके बाद घटाव शुरू हुआ। गंगा के ऊपरी हिस्से यानि फाफामऊ , प्रयागराज व मीरजापुर में घटाव गुरुवार से ही शुरू हो गया था। फाफामऊ में दो सेंटीमीटर से जल स्तर में घटाव हो रहा था तो प्रयागराज में मापक यंत्र के पैमाने पर तीन सेंटीमीटर घटाव बताया गया था। वहीं, मीरजापुर में शाम से एक सेंटीमीटर घटाव दर्ज किया गया था। गुरुवार की शाम छह बजे फाफामऊ में जल स्तर 85.89 मीटर रहा। ऐसे ही प्रयागराज में 85.08 मीटर व मीरजापुर 78.25 मीटर था।

दिहाड़ी मजदूरों को बांटी गई राहत सामग्री, वैक्सीन के लिए किया गया जागरूक

वाराणसी। सामाजिक संस्था लोक समिति और आशा ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे कोरोना राहत कार्य अभियान के तहत क्षेत्र के बसुहन, असवारी, गौर, कोसड़ा, लेढुवाइ, खदरामपुर, टोडरपुर, नयापुर गाँव में 360 जरूरतमंद दिहाड़ी मजदूर, गर्भवती, विधवा, वृद्ध एकल महिला तथा दिव्यांग परिवारों को राहत सामाग्री वितरित किया, लोगों को पोषाहार के साथ ही मास्क भी वितरण किया गया। इस दौरान पर्चे बाँटकर कोरोना टीकाकरण के लिये लोगों को जागरूक किया गया। राहत सामग्री पाकर मजदूरों के चेहरे खिल गए। नन्दलाल मास्टर ने बताया कि संस्था द्वारा गरीब और जरूरतमन्द लोगों को चिन्हित कर लगातार राहत सामग्री वितरण का कार्य किया जा रहा है। अब तक 4500 से ज्यादा परिवारों को राशन व पौष्टिक आहार, दवा आदि दिया जा चुका है। राशन किट में लोगों को दाल,चीनी,चाय, सोयाबीन,नमक, साबुन, मास्क, सैनिटाइजर मास्क, सेनेट्री पैड आदि का वितरण किया जा रहा है।

लोक कल्याण के लिए डिप्टी सीएम ने शिव मंदिर में किया रुद्राभिषेक

● बाघम्बरी मठ और कीडगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में किया पूजा

मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने शुक्रवार को नाग पंचमी के मौके पर मठ बाघम्बरी गद्दी पहुंचकर भूतभावन भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। डिप्टी सीएम ने प्राचीन और पौराणिक शिव मंदिर में प्रदेश में सुख समृद्धि और प्रदेशवासियों के लोक कल्याण की कामना के लिए रुद्राभिषेक भी किया। श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के महंत और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने रुद्राभिषेक और आरती कराई। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने महंत नरेंद्र गिरि को तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व महंत नरेंद्र गिरि ने डिप्टी सीएम को तिलक लगाकर और माला पहनाकर मठ में स्वागत किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने अपने समर्थकों के साथ जमीन पर बैठकर मठ में प्रसाद ग्रहण किया। मठ बाघम्बरी गद्दी पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी का काफी पूराना मठ है। इसकी स्थापना लगभग 300 वर्ष पहले संत शिरोमणि महंत बाल गिरि महाराज ने की थी।

संगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर की स्थापना भी उन्होंने ही की थी। हालांकि हनुमान जी की प्रतिमा को लेकर मान्यता है कि वह स्वयंभू मूर्ति है। डिप्टी सीएम के साथ महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी महामंत्री वरुण केशरवानी मौजूद रहे। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के कीडगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान मनकामेश्वर का रुद्राभिषेक कर पूजन अर्चन किया। प्रदेश वासियों के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण हेतु प्रार्थना की।

उप मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की समस्याएं

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री ने आज मंदिर जाने से पहले अपने अलकापुरी स्थित आवास पर क्षेत्रीय जनों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। समस्याओं के निदान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए। आशुतोष पांडेय वरुण केशरवानी राजेश केसरवानी दिलीप श्रीवास्तव अमर सिंह आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मऊ में 1374 लोगों की जांच में नहीं मिला कोई नया कोरोना संक्रमित

मऊ। कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को 1374 लोगों की आई जांच रिपोर्ट में कोई भी नया कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाया गया है। लगातार पांचवें दिन भी कोई नया कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाए जाने से स्वास्थ्य अधिकारियों ने काफी राहत की सांस लिया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एसएन दुबे ने बताया कि शुक्रवार को आई जांच रिपोर्ट के अनुसार अब तक 259517 लोगों का नमूना लैब भेजा गया है। इसमें 257425 लोगों की रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है। साथ ही साथ 253701 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव है और 2092की रिपोर्ट प्रतीक्षारत है। जांच में अब तक 8323 संक्रमित मिले हैं।

क्विक न्यूज

इंडियन बैंक में हेल्थ चेकअप कार्यक्रम सम्पन्न

वाराणसी। इंडियन बैंक 15 अगस्त को अपना 115वाँ स्थापना दिवस मनाएगा। इसी के अनुसरण में, इंडियन बैंक देश भर में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में वाराणसी अंचल कार्यालय द्वारा शुक्रवार को स्वास्थ्य जाँच कैम्प का आयोजन किया गया। इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, वाराणसी परिसर में महाश्वेता हास्पिटल के डाक्टर एवं मेडिकल स्टाफके सौजन्य से संपन्न स्वास्थ्य जाँच कैम्प में बैंक के ग्राहकों के साथ-साथ बैंक स्टाफके स्वास्थ्य की जाँच की गई। अंचल प्रबंधक राजेश ने बैंक की ओर से हास्पिटल की मेडिकल टीम का स्वागत किया तथा उनका आभार व्यक्त किया।

महंत बिगड़ू बाबा का निधन, दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थानाक्षेत्र के ग्राम सभा बीजपुर के पुनर्वास प्रथम में स्थित मां दुधहिया मंदिर के महंत बिगड़ू बाबा का निधन गुरुवार की सायं मंदिर प्रांगण में हो जाने की खबर जैसे ही क्षेत्र व गांव वालों को मिला वैसे ही उनके अंतिम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जानकारी के अनुसार बिगड़ू बाबा की तबियत कुछ दिनों से खराब चल रही थी। गुरुवार की सुबह बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बाबा को एनटीपीसी रिहंद के धनवंतरी चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती करवाया। जहाँ पर डॉक्टरों ने इलाज के बाद स्थिति नाजूक देखते हुए अन्यत्र के लिए रेफर कर दिया। फिर उन्हें मंदिर में लाया गया और बाहर भेजने की तैयारी चल रही ही रही थी कि अचानक सायं लगभग साढ़े पांच बजे के आसपास उनका देहांत हो गया। मौत की खबर सुनते ही भक्तों में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्रीय भ्रमण में निकले दुद्धी विधायक हरिराम चेरो ने पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया और क्रियाकर्म के लिए दस हजार रुपए की धनराशि का सहयोग दिया। साथ ही अन्य सहयोग का आश्वाशन भी दिया। शुक्रवार की सुबह जब शव का अंतिम यात्रा निकली तो अंतिम दर्शन के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

बाढ़ पीड़ितों को प्रशासन हर संभव मदद पहुचाए

मुग़लसराय, चंदौली। जनपद में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ाव के बाद गुरुवार को सुबह से कम होना शुरू हो गया है । बाढ़ में कमी होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है । पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वरिष्ठ सपा नेता व जिलापंचायत सदस्य पति शमीम सिद्दीकी ने गगां के तटवर्ती गांव बहादुरपुर, कुंडा खुर्द क्षेत्रों का दौरा करने के साथ ही ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्या को सुना और उन्हें सपने स्तर से निदान करने का आस्वासन भी दिया । उन्होंने कहा कि गांवों के तटवर्तीय जमीनों पर लगे सब्जियां और हरा चारा डूबने व गंगा कटान को लेकर लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है । लगातार बढ़ रही गंगा में गुरुवार सुबह से ही घटाव शुरू हो गया है जिससे गावँ के लोगो ने राहत की सांस ली । वही विषैले जानवरो का भी खतरा बढ़ गया है । खेतों में लगी फसलें पानी के कारण बर्बाद होने के कगार पर है। किसानों के सामने रोजी रोटी की समस्या मंडराने लगा है । बाढ़ से घिरे गांव के लोग रात भर जाग कर गुजर वसर करने को विवश हो गए हैं । तटवर्तीय गांवों मे चौतरफा पानी लग जाने से ग्रामीणए बच्चे, महिलाओं को पानी से होकर व नांव का सहारा लेकर आना जाना पड़ रहा है।

स्तनपान बच्चों के लिए अमूल्य उपहार : डॉ. सत्य

सोनभद्र। हिंडालको रेनूसागर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय विश्व स्तन पान दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित आर्दश परिवार कल्यान केन्द्र पर विश्व स्तन पान दिवस एक साप्ताहिक कार्यक्रम के अन्तिम दिन स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम 1 वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को बच्चों के स्वास्थ्य स्वच्छता व टीकाकरण के प्रति जागरूक करना है। सबसे पहले सभी बच्चो का परिक्षण-स्वास्थ्य, बजन, लम्बाई, टीकाकरण व स्वच्छता की जॉच की गयी। डा.सत्य प्रकाश द्वारा माताओं को स्तन पान के महत्व के बारे मे बताया गया स्तन पान बच्चों के लिए एक प्राकृतिक अमूल्य उपहार है प्रसव के बाद निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध बच्चों के लिए अमृत के समान है।

जिले के पांच केन्द्रों पर होगी पीजीटी भर्ती परीक्षा

मऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की ओर से जिले के पांच केंद्रों पर 17 एवं 18 अगस्त को दो पालियों में आयोजित होने जा रही पीजीटी भर्ती परीक्षा की शुचिता को लेकर शासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। चयन बोर्ड के सदस्य डाण्दिनेश मणि त्रिपाठी ने पांचों परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों एवं व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बैठक कर सभी केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की पवित्रता को सुनिश्चित करने निर्देश दिया। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के सदस्य डाण्दिनेशमणि त्रिपाठी ने दो टूक कहा कि परीक्षा की पवित्रता से किसी माफिया को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा।

विधायक एवं प्रमुख ने प्रभावित गांव में बांटी राहत सामग्री

संवाददाता। धानापुर,चन्दौली

विधायक सुशील सिंह एवं प्रमुख अजय सिंह ने शुक्रवार को क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव का लगातार तीसरे दिन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने बाढ़ राहत चौकियों पर भोजन सामग्री और भोजन पैकेट का वितरण किया। प्रभावित गांव नरौली प्रहलादपुरए पपरौल व प्रसाहटा का दौरा किया और राहत शिविर में उपस्थित 52 लोगों को भोजन सामग्री का विवरण किया।

वहीं राहत किट का भी वितरण किया। जिसमें 10 किलो चावल 10 किलो आटा 2 किलो दाल 1 किलो रिफाइंड तेल 2 किलो भुजा चना बिस्कुट नमक मिर्च धनिया पाउडर माचिस मोमबत्ती सहित अन्य सामान था। विधायक ने पशुओं को चारा भी वितरण करवाया साथ ही 252 राहत किट भी वितरण किया जिसमें आलू, चना, प्याज बिस्कुट, नमकीन,गुड़, लाई मोमबत्ती, तेल हरदी मसाला इत्यादि सामान था। दिए गए और इस दौरान उन्होंने लोगों से बात किए अन्य समस्याओं से बाबत जानकारी ली इस मौके पर उपजिलाधिकारी अजय मिश्र, अम्बरीष सिंह भोला, संजय यादव, पसहटा मृत्युंजय सिंह, त्रिलोकी सिंह, अरुण अवस्थी यदुवेन्द्र यादव, रमेश त्रिवेदी मिंटू आदि उपस्थित रहे।

नागपंचमी पर काशी विश्वनाथ मंदिर में लगी भीड़, गूंजा हर-हर महादेव

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

नाग पंचमी के मौके पर सुबह बाबा दरबार में मंगला आरती के बाद से ही मानो आस्था का सावन उमड़ पड़ा है। चारों ओर हर- हर महादेव का उद्घोष और सुबह से ही मठ मंदिरों में आस्थावानों की कतार लगनी शुरू हुई जो दिन चढ़ने तक जारी रही।

सुबह गंगा स्नान करने वालों की भी भीड़ उमड़ी और बाढ़ के बीच सतर्कता बरतते हुए लोगों ने गंगा स्नान की जल भरकर बाबा का जलाभिषेक किया। लोगों की भीड़ का आलम यह था कि सुबह नौ बजे तक बीस हजार के करीब आस्थावान दर्शन पूजन कर चुके थे। बनारस में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा सारनाथ में सारंगनाथ, बीएचयू में नया विश्वनाथ, मारकंडेश्वर महादेव, त्रिलोचन महादेव, तिलभांडेश्वर महादेव सहित तमाम मंदिरों और शिवालयों में आस्था का सावन सुबह से ही उमड़ा रहा और नाग पंचमी के मौके पर दूध-लावा के साथ ही भोग लगाने और जलाभिषेक करने का अवसर हर कोई प्राप्त कर लेना चाह रहा था। मंदिरों में आस्था का यह आलम रहा कि चारों ओर हर हर महादेव का उद्घोष गूंजा को कोरोना गाइडलाइन तक का अनुपालन कराना टेढ़ी खीर हो गई। हालांकि, अधिकतर सतर्क और जागरुक आस्थावान मास्क में नजर आए। सुबह से ही बाबा दरबार में आस्थावान जलाभिषेक करने के लिए बेल पत्र और दूध के अलावा गंगा जल अर्पित कर अपनी आस्था प्रकट किए। लोगों ने मनौती मानी तो बाबा दरबार में आस्था का सावन श्रृंगार भी अनोखा रहा। बाबा को भोग लगाने के साथ ही मंदिर परिसर में अनोखा श्रृंगार लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा। सुरक्षा व्यवस्था गंगा घाट में जल पुलिस, एनडीआरएफसे लेकर बाबा दरबार तक चाक चौबंद नजर आई। लोगों की जांच के अलावा बाबा दरबार में सीसीटीवी के जरिए भी नजर रखी गई। वहीं अंचलों में भी आस्था का सावन शिवालयों में नजर आया। जबकि बाढ़ की वजह से स्नान करने वालों की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा गया।

जैतपुरा स्थित नागकुँआ मंदिर पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

वाराणसी। सावन माह के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को सनातन धर्म में नाग पूजा का विधान है। शुक्रवार को उल्लास और श्रद्धा के साथ महापर्व नागपंचमी मनाई गई। घरों की ड्योढ़ी पर नाग देवता की फोटो चस्पाकर उन्हें श्रद्धा समर्पित की गई। उसके बाद विधि-विधान से नाग देवता की पूजा की गई। उन्हें दूध-लावा चढ़ाया गया। उसके बाद परंपरा का निर्वहन करते हुए घरों में पकवान बनाए गए। वहीं नागपंचमी पर जैतपुरा स्थित नागकूप पर दर्शन-पूजन का विधान है। परिसर में दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही यहां आस्थावानों का रेला उमड़ रहा। कोरोना संक्रमण काल में शारीरिक दूरी का पालन कराने के लिए भी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। श्रद्धालुओं ने नागकूप में झांककर नाग देवता को प्रसन्न करने का जतन किया। आस्थावानों ने इस पवित्र कुंड में जल, दूध, धान का लावा चढ़ाया। कुंड के ऊपर विराजमान नाग देव के मंदिर में पूजन-अर्चन करके परिवार के सुख-समृद्धि और काल सर्प दोष मुक्ति की कामना की। इस दौरान अनुष्ठान और दर्शन पूजन का दौर शुरू हुआ तो आस्था की कतार अनवरत बढ़ती रही।

शिवालयों में भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नागपंचमी पर शिवालयों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ गई। बाबा दरबार में भोर में मंगला आरती के बाद से सुबह 11 बजे तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। शाम तक करीब तीस हजार भक्तों ने बाबा दरबार में मत्था टेका। उधर सारनाथ में सारंगनाथ महादेव, ईश्वरगंगी स्थित जागेश्वर महादेव, महामृत्युंजय महादेव, कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव, पिंडरा स्थित त्रिलोचन महादेव सहित अन्य टोले मोहल्ले के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार जलाभिषेक के लिए लगी रही। कतारबद्ध भक्त हर-हर महादेव का उद्घोष कर रहे थे।

तीन माह से डायट कर्मियों का वेतन नहीं मिलने पर सौपा पत्रक

सकलडीहा,चन्दौली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान-डायट पर तैनात शिक्षक और कर्मचारियों का पिछले तीन माह से अधिक समय से वेतन नही मिल रहा है। जिसके कारण डायट कर्मियों के सामने विभिन्न प्रकार की मुसीबत खड़ा होगया है। शुक्रवार को डायट कर्मियों ने वेतन दिलाने की मांग को लेकर डायट प्राचार्य संगीता चौधरी को पत्रक सौपा। इस दौरान डायट प्राचार्य ने शिक्षकों को शीध्र वेतन दिलाने का भरोशा दिलाया। डायट कर्मियों का पिछले तीन माह से अधिक समय से वेतन नही मिलने पर इस कोरोना काल में परिवार का भरण पोषण को लेकर काफी दिक्कत से गुजरना पड़ रहा है। यही नही कई शिक्षकों द्वारा होम लोनए कोविड इलाज के लिये कर्ज सहित अन्य के लिये बैंकों से कर्ज ले रखा है। समय से लोन जमा नही करने पर बैंकों की नोटिस आदि की समस्या से परेशान है। डायट कर्मियों ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के नाम से डायट प्राचार्य को पत्रक सौपा। डायट प्राचार्य डाण् संगीता चौधरी ने शीध्र वेतन का भुगतान कराने का भरोशा दिया है। इस मौके पर डायट प्रवक्ता डॉ. रोशन कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार उपाध्याय, डॉ. बैजनाथ पांडेय, जयन्त कुमार सिंह,डॉ. जितेन्द्र सिंह, स्वाति रायए बिजेंद्र भारती सहित अन्य मौजूद रहे।

शहर पश्चिमी में यमुना किनारे गांवों में बनेगा बांध: सिद्धार्थ नाथ

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

निरीक्षण करते कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ

प्रदेश की योगी सरकार किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में किसानों के हित के लिए ही कार्य किया है। यह बातें कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शुक्रवार को बक्शी मोड़ा गोहठी करेंहदा मदारीपुर और मैनापुर में यमुना का जलस्तर बढ़ने से गांव में पानी भरने और आवागमन मार्ग का निरीक्षण करने के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे गांव में बांध बनाने की योजना सरकार की है। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि शहर पश्चिमी का गांव काफी पिछड़ा इलाका था। पूर्व की सरकारों ने गांव वासियों के कुछ भी किया होता तो आज शहर पश्चिमी का गांव बाढ़ से प्रभावित न होता। कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने वहां नावों को भेजकर आवगमन सुलभ कराया है। दो दिनों से बारिश न होने से बड़ी तेजी से यमुना नदी से जलभराव घटने लगा। बक्शी मोड़ा में बारिश और बाढ़ से गिरे मकान को भी मंत्री ने जाकर देखा। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद भी किया। बारिश की वजह से अभय निषाद का घर गिरने पर मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास के लिए एसडीएम सदर विवेक चतुर्वेदी को निर्देशित किया। गोहठी करेंहदा गांव में पीड़ित गांव वासियों ने काबीना मंत्री को बताया कि पुलिया न होने से दिक्कत होती है। इस पर मंत्री ने पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर को कहा कि पुल का प्रस्ताव बनाकर भेजें। यहाँ पर ऊँचा पुल बनाया जाएगा। मदारीपुर में आने वाले यमुना के पानी की स्थिति मंत्री ने देखी। बताया गया कि यह समस्या पिछले 20 से 25 सालों की है। जब भी भारी बारिश होती है तो हजारों किसानों की फसल नष्ट हो जाती है। फसल नष्ट हो जाने के कारण किसानों के समक्ष भुखमरी की समस्या आ जाती है। किसानों ने कहा ककरहा घाट यमुना के किनारे बांध बना दिया जाए तो समस्या का निराकरण हो जाएगा। किसान उत्पादन बढ़ाकर अपनी दुगुनी आय कर सकेगा। किसानों के अनुरोध पर शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे बांध बनाने का सिंचाई विभाग को आदेशित करते हुए जल्द से जल्द प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। मंत्री ने आज कई गांवों का दौरा किया। मदारीपुर गांव में गांववासियों ने सिंगल लेन की सड़क से होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। जिस पर पीडब्ल्यूडी अधिकारी को सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन में भेजने को कहा गया। मैनापुर गांव में आयी बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल और धंसी सड़क का निरीक्षण भी किया।

कोरोना-19 संक्रमण की तीसरी लहर से बचाव को बांटी सर्विलांस किट

संवाददाता। चित्रकूट

कोरोना की तीसरी लहर से बचाव को सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। पिरामल स्वास्थ्य के सहयोग से शुक्रवार को विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में स्वास्थ्य कर्मियों को सर्विलांस किट बांटी गई। मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी की अध्यक्षता में पिरामल स्वास्थ्य संस्था के पदाधिकारियों, आईसीडीएस के अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक में लोगों को कोरोना की तीसरी लहर से बचाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी ने कहा कि आम जनता को तीसरी लहर से बचाने को सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य, आईसीडीएस और विभिन्न सहायक एजेंसियों को अपने तरीके से कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के लिए कार्य करना चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सर्विलांस किट बांटी। पिरामल स्वास्थ्य के डिस्ट्रिक्ट ट्रांसमिशन मैनेजर कमल भट्टाचार्य ने बताया कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए ही यह सर्विलेंस किट बांटी जा रही है।

अंतर्जनपदीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

● चार दिन के अंदर डकैती का खुलासा

संवाददाता। रायबरेली, ऊंचाहार

पुलिस अधीक्षक का ऊंचाहार कोतवाल विनोद सिंह पर भरोसा आखिरकार कामयाब रहा। चार दिन पहले बहेरवा बाजार में हुई डकैती की घटना का न सिर्फ खुलासा हो गया है अपितु डकैती का माल समेत चार डकैतों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ज्ञात हो कि चार दिन पहले क्षेत्र के बहेरवा बाजार में एक घर में धावा सशस्त्र डकैतों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया था। इस घटना से सनसनी फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने घटना स्थल का निरीक्षण करके घटना के खुलासे की जिम्मेदारी ऊंचाहार कोतवाल को सौंपी और उनके सहयोग के लिए फॉरेंसिक , सर्विलांस समेत कुल चार टीमों को लगा दिया था। पुलिस ने इस वारदात को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए रात दिन सुराग रसी , मुखबिरी और आधुनिक तकनीक के सहारे चार दिन के अंदर डकैतों पर पुलिस पहुंच गई । डकैतों के इस अंतर्जनपदीय गिरोह का न सिर्फ पुलिस ने खुलासा किया अपितु डकैती में लूटे गए सामान को भी बरामद कर लिया है । बरामद हुए समान की पहचान पीड़ित परिवार कर ली है। पुलिस ने बताया कि ,सोमवार को फरीदपुर निकट बहेरवा चौराहा स्थित एक घर में पीछे की ओर से घुसकर परिजनों को बंधक बनाकर लूट की घटना को अंजान देने वाले बैखौफ बदमाशों को पकड़ने के लिए चार टीमें गठित की गई थी। इस घटना के बाद से क्षेत्र में सनसनी फैली हुई थी। इस घटना की पड़ताल करने पुलिस अधीक्षक स्वयं फॉरेंसिक टीम व एसओजी टीम के साथ घटना स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। ऊंचाहार पुलिस ने खासी मशक्कत के बाद चार बदमाशों को लूट के सामान के साथ महिमापुर के पास से गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने बताया कि कुछ रुपए और जेवरातों का आपस में बटवारा किया गया था। और कुछ जेवरात ऊंचाहार के काव्यानी ज्वेलर्स के मालिक पिंटू कौशल को पंद्रह हजार रुपए में बेंच दिया गया था।

भयानक विभीषिका

हिमाचल में भूस्खलन

हिमाचल में भूस्खलन भारत के सामने आने वाले पर्यावरणीय खतरों की एक और चेतावनी देता है। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-सरकारी समिति की रिपोर्ट एकदम सही समय पर आई है। बुधवार को हिमाचल प्रदेश के किन्नौर क्षेत्र में हुए भूस्खलन में कम से कम 10 लोग मारे गए तथा कई दर्जन घायल हुए। यह आने वाले वर्षों में भारत के समक्ष पर्यावरणीय खतरों के प्रमाणों की शुरुआत है जिनका उल्लेख रिपोर्ट में है। इस भूस्खलन से अनेक वाहन भारी मात्रा में मलबे के नीचे दब गए तथा राजमार्ग घंटों तक बंद रहा। यदि वाहनों से निकल कर बहुत से लोग एक बड़ी चट्टान के नीचे शरण न लेते तो मरने वालों की संख्या और ज्यादा हो सकती थी। इस साल भूस्खलन हिमाचल प्रदेश में भयानक विभीषिका का कारण बने हैं। 30 जुलाई तक 6 सप्ताह में राज्य के अनेक जिलों में 35 बड़े भूस्खलन हो चुके हैं। बादल फटने के कारण केवल लाहौल स्पिती में अचानक आई बाढ़ों की हालिया सप्ताहों में 11 घटनायें हो चुकी हैं जिसे ठंडा रेगिस्तान कहा जाता है। न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि भारत के सभी पहाड़ी राज्यों ने पर्यावरण कानूनों की घोर अनदेखी की है। दशकों से जारी निर्वनीकरण और खनन के कारण पहाड़ियां और पहाड़ी ढलाने प्राकृतिक पेड़-पौधों से वंचित हो गए हैं। पहाड़ी क्षेत्र की परिस्थितिकी, खासकर हिमाचल प्रदेश में बहुत संवेदनशील है। वैज्ञानिकों के अनुसार खराब और ढीली हो चुकी मिट्टी, तीखी ढलानें और मानसून के दौरान भारी बरसात इस क्षेत्र को भूक्षरण का व्यापक रूप से शिकार बनाती हैं। चट्टानों और बड़े पत्थरों को मिट्टी में मजबूती से जमे होने का लाभ नहीं मिलता है जो पेड़ गिरने तथा नदियों के कारण ऊपरी सतह

क्षरित हो जाने के बाद ढीली हो जाती है। भूस्खलन रोकने के लिए मिट्टी की सतह मजबूत करना जरूरी है और यह काम ज्यादा पेड़ व झाड़ियां उगा कर हो सकता है। भूस्खलनों का एक और कारण अवैज्ञानिक विकास है। कुल्लू में हिमालयी पर्यावरण व विकास पर जीबी पंत इस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालयी चट्टानें सेडीमेंट्री हैं तथा शताब्दियों तक उनके ऊपर से गुजरने वाले जल-प्रवाह ने उनको स्वरूप दिया है।

वे भंगुर भी हैं। पहाड़ों को काटने वाली सड़कें बनती हैं तो ऊपरी हिस्से स्वत: खिसक सकते हैं या पत्थर इतने ढीले हो जाते हैं कि किसी भी समय गिर सकते हैं। न केवल सड़कें, बल्कि बांध और कल्वर्ट बनाने, सुरंगे बनाने या खनन के लिए पहाड़ों में विस्फोट करने तथा निर्वनीकरण से भी पहाड़ की परिस्थितिकी अस्थिर होती है तथा दुर्घटनाओं का कारण बनती है। राज्य के ऊपरी हिस्सों में सीढ़ीदार खेती हाल में बढ़ी है तथा फसलों के चक्र में परिवर्तन के कारण पानी का प्रयोग भी बढ़ गया है। इस प्रकार पूरा हिमालयी क्षेत्र अस्थिर हो गया है। सरकार को टोपोग्राफी तथा उसके जोखिम पर व्यापक अध्ययन कराने चाहिए ताकि भूस्खलन रोकने के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग उपाय किए जा सकें। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों से उन क्षेत्रों की पहचान करना भी जरूरी है जहां भूस्खलन होने या चट्टानें गिरने की संभावना अधिक है। ऐसे क्षेत्रों में नई बस्तियां बसाने से बचा जाना चाहिए। ड्रोन तकनीक का प्रयोग लगातार जोखिम वाले पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी के लिए किया जा सकता है तथा मोटर वाहनों को चट्टानें गिरने के पहले संकेत पर ही चेतावनी दी जा सकती है। महत्वपूर्ण रूप से ऐसे विकास कार्य नहीं किए जाने चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हों। ऐसे कामों को हतोत्साहित कर उनके विकल्प तलाशे जाने चाहिए।

अवसरवादी हो गया है विपक्ष

अवसरवादी विपक्ष की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि वह ऐसे नेता का कद नहीं घटा सकता है जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में असाधारण रूप से बड़ा हो गया है।

वी के सक्सेना
(लेखक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष हैं)

विपक्ष, आखिरकार एक स्थिति है और ठीक-ठीक कहें तो यह अवसरवादी स्थिति है। सत्ता के लिए अथवा चर्चा में बने रहने के लिए यह स्थिति अपनाने वाले लोग अपना कद इस सीमा तक गिरा लेते हैं कि महत्वहीन हो जाते हैं। वे इसका प्रयोग सर्वाधिक मामूली मामलों के लिए भी करते हैं क्योंकि उनको कोई नुकसान नहीं होना होता है। लेकिन वास्तव में वे सबकुछ खो देते हैं जिसमें न्याय की भावना तथा सही व गलत के बीच अंतर शामिल हैं। ऐसी गैर-जिम्मेदारी वाली स्थिति में सभी चीजें निशाना बन जाती हैं। इनमें उच्च प्राथमिकता वाली विकास पहलें, सामाजिक परिवर्तन लाने वाले कानून, युगान्तकारी परिवर्तन लाने वाले आर्थिक कदम तथा सार्वजनिक उपयोग वाले स्मारक प्रमुखत: निशाने पर रहते हैं। अवसरवादी विपक्ष की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि वह ऐसे नेता का कद नहीं घटा सकता है जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में असाधारण रूप से बड़ा हो गया है।

कांग्रेस और उससे मिलीभगत करने वाले आज इसी अवसरवादी स्थिति में आ गए हैं। विपक्ष के इस व्यवहार का एक प्रमुख उदाहरण उसके द्वारा सेंट्रल विस्टा परियोजना-सीवीपी को महत्वहीन बताने का प्रयास है। उसने इसे जनता के पैसे की ऐसे समय भयानक बरबादी बता दिया था, जब भारत वैश्विक महामारी के प्रभाव का सामना कर रहा है। कहा गया कि स्वास्थ्यरक्षा का बजट इसमें लगाया गया है तथा इस परियोजना के पर्यवरणीय दुष्प्रभाव होंगे। यह सब परियोजना को लटकाए रखने के लिए किया जा रहा था जैसा सभी विकास परियोजनाओं या जन-पक्षधर नीतियों के बारे में किया जाता है जो खासकर भारत में नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले सात साल से जारी कार्यकाल में हो रहा है। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय और हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने उन सभी याचिकाओं और समीक्षा याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें सीवीपी परियोजना स्थगित रखने की मांग की गई थी।

सीवीपी का लक्ष्य संसद की नई इमारत बनाने के साथ ही केन्द्रीय सचिवालय को एकजुट कर बेहतर समन्वय तथा सुचारु कामकाज के लिए 75,000 से अधिक कर्मचारियों को साथ लाना है। लेकिन कांग्रेस इस बात पर खामोश है कि उसने स्वयं 2012 में संसद की नई इमारत के लिए आक्रामक लाबींग की थी। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार व तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्री जयराम रमेश ने संसद की नई इमारत तत्काल बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा था कि वर्तमान इमारत 'पुरानी व बेकार' हो गई है। भारत में विपक्ष लंबे समय से न्यायपालिका का प्रयोग कर विकास धीमा करने का काम करता रहा है।

लेकिन हाल में न्यायपालिका ने इन प्रयासों को धक्का देते हुए मामूली प्रकृति के मामलों को न केवल फौरन खारिज किया, बल्कि इसके पैरोकारों पर दु:साहस के लिए भारी जुर्माना भी लगाया। यह याद करना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 11 मई, 2011 के आदेश में कठोर टिप्पणी की थी। मेधा पाटकर के नेतृत्व वाले नर्मदा बचाओ आंदोलन-एनबीए ने यह मामला दायर किया था। इस फैसले से इस विकास-विरोधी लाबी के कामकाज का तरीका पूरी तरह उजागर हो गया था। हालांकि, अदालतों द्वारा ऐसी निरर्थक याचिकाओं के खिलाफ गुस्सा स्वागत योग्य है, पर व्यापक राष्ट्रीय हित में उसे इन 'षडयंत्रकारी' याचिकाकर्ताओं से परियोजनाओं के विलम्ब का खर्च भी वसूल करना चाहिए। यह विकास-विरोधी समूहों के लिए बड़ा प्रतिरोधक होगा जो राष्ट्रीय महत्व वाली किसी परियोजना को रोकने का प्रयास करते हैं।

सीवीपी के खिलाफ मचा शोर-शराबा तथा उसके खिलाफ विरोध का तरीका नया नहीं है। यह ऐसे विकास-विरोधी गिरोहों की पहचान और विरासत प्रकट करता है जो देश में पिछले कई दशकों से सक्रिय हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य भारत को बड़ी विकास परियोजनाओं से वंचित कर अपने देश की छवि खराब करना है। दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति 'स्टेचू आफ यूनिटी' के मामले पर गौर करें जिसे अवधारणा के बाद से ही कठोर विरोध का सामना करना पड़ा था। साबरमती नदी परियोजना के खिलाफ भी दुष्प्रचार अभियान चला कर इसे अहमदाबाद की जनता के लिए 'विनाशकारी' बताया गया था। कई बार इसका विरोध सरदार सरोवर परियोजना-एसएसपी के मुकाबले कई गुना अधिक था। अंतरराष्ट्रीय विकास-विरोधी लाबी भी इस परियोजना को रोकने के लिए सक्रिय हो गई थी जिसका उद्देश्य पश्चिमी भारत के लिए जल-सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस प्रकार कई साल तक प्यासे समुदायों को पानी से वंचित रहना पड़ा। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हरी झंडी दिखाने के बाद यह परियोजना शुरू हुई, लेकिन उसकी लागत असाधारण रूप से बढ़ गई थी क्योंकि विकास-विरोधी इसे बहुत लंबे समय तक लटकाने में सफल हुए थे।

यह एक कटु यथार्थ है कि स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय महत्व का एक भी स्मारक नहीं बना था। लेकिन जब सरकार ने बड़े बांध, नाभिकीय व पनबिजली परियोजनायें, नदी जोड़ने वाली परियोजनायें, संसद की नई इमारत, पुल, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, विशाल मूर्तियां, आदि बनानी शुरू कीं तो यह विकास-विरोधी गिरोह परियोजनाओं को पटरी से उतारने के लिए अत्यधिक सक्रिय हो गया। कल्पना करें कि यदि पूर्व शासकों ने राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, लाल किला, इंडिया गेट या राजपथ न बनवाया होता तो कैसा लगता। ऐसे में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति किसी मामूली स्थान पर रहता तथा प्रधानमंत्री 15 अगस्त को तिरंगा झंडा किसी महत्वहीन ढांचे पर फहराते। सर्वोच्च न्यायालय इमारत की नीव 1954 में डाली गई थी। सौभाग्य से उस समय कोई अवसरवादी विपक्ष नहीं था।

यदि वर्तमान समय जैसे दुष्टतापूर्ण अभियान उस समय चलते तो हमारे सम्माननीय जज आज कहां बैठते। हालांकि, ऐसे दुष्टतापूर्ण अभियानों से गुजरात में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार ने निपटने का काम किया। उसने रिकार्ड समय में भविष्योन्मुखी ढांचागत परियोजनायें पूरी कर दिखा दिया। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद केवल 17 दिन में मोदी ने सरदार सरोवर परियोजना-एसएसपी पूरी करने की हरी झंडी दिखा दी जो वर्ष 2000 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद लटकी हुई थी। इसके बाद परियोजना असाधारण गति से आगे बढ़ी और अंतत: 2017 में पूरी हुई। एसएसपी ने पश्चिमी राज्यों के करोड़ों लोगों के जीवन में असाधारण परिवर्तन किया।

साबरमती रिवर फ्रंट गुजरात व भारत की नई पहचान है। यह एक माडल है कि शहरी क्षेत्र से हो कर बहने वाली नदी का कैसे प्रयोग किया जा सकता है। स्टेचू आफ यूनिटी केवल तीन साल के रिकार्ड समय में पूरी हुई और आज यह इंजीनियरिंग आश्चर्य दुनिया भर के लोगों को अमेरिका की स्टेचू आफ लिबर्टी की तुलना में ज्यादा आकर्षित करता है। 2014 से 2019 के बीच केवल पांच साल में मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा नदी पहले के किसी भी समय की तुलना में ज्यादा साफ हुई है। उन्होंने नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, ग्रामीण स्वच्छता तथा रिकार्ड समय में जैविक उपचारों से वाराणसी को पहला ऐसा भारतीय शहर बना दिया है जहां से नदी में कोई सीवेज नहीं छोड़ा जाता है। निसंदेह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे समय के सर्वाधिक दूरदर्शी व परिणामोन्मुख व्यक्ति बने हैं। उन्होंने सीवीपी के रूप में भारत के सत्ता गलियारों की ढांचागत संरचना बदलने का कदम उठाया है। जनता को व्यापक लाभ वाली इस परियोजना का समर्थन करना चाहिए। पुरानी इमारतों के रखरखाव पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बजाय केन्द्रीय सचिवालय में पार्किंग समस्या दूर करने, वीवीआईपी आवागमन से ट्रैफिक समस्या कम करने तथा सांसदों के लिए सुरक्षित संसद की इमारत जनता के लिए ज्यादा अच्छी बात है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक सर्वाधिक जीवन्त समाज के रूप में हमे बहुआयामी व बहुक्षेत्रीय विकास पर ध्यान देना चाहिए। हमें सु:ख और दु:ख में समान व्यवहार करने के साथ ही एकपक्षीय विरोध के दबावों से निपटना सीखना होगा जिनका उद्देश्य न केवल देश का विकास रोकना, बल्कि उसके लोकप्रिय नेता को पद से हटाना है।

देशद्रोह की अवधारणा के व्यावहारिक पहलू

लोकेश सिंघल
(लेखक चंडीगढ़ उच्च न्यायालय में अधिवक्ता व हरियाणा सरकार में अपर महाधिवक्ता हैं)

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का एक समूह जब्त कर लिया है, जिसे प्रभावी रूप से ऐतिहासिक केदारनाथ मामले में पांच-बेंच के फैसले की समीक्षा करने का काम सौंपा गया था, जहां इसने अपनी संवैधानिकता को बरकरार रखा था। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-क के तहत देशद्रोह का कानून बनाया गया है जिसके तहत कानून द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना और असंतोष को भड़काने पर दण्ड दिया जाता है।

इस कानून को चुनौती विपक्ष द्वारा बनाई गई एक गूंजती कथा के बीच आती है कि सत्तारूढ़ शासन ने देश में असंतोष और आलोचना को दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया है। एक राजनीतिक बहस में नहीं जाना, देशद्रोह के कानून और संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के इतिहास में एक फ्लैशबैक इस विषय पर कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए सोमरस को दिखाने के लिए पर्याप्त होगा।

भारत में राजद्रोह का कानून, अन्य कानूनों की तरह, अंग्रेजों द्वारा इंग्लैंड में कॉमन लॉ से आयात किया गया था और अखंड भारत पर ब्रिटिश सरकार के शासन को बनाए रखने के लिए अनुकूलित किया गया था। भारतीय संस्करण इंग्लैंड में अपने समकक्ष से बहुत अलग था जहां इसे सरकार के खिलाफ हिंसा भड़काने या विद्रोह के रूप में परिभाषित किया गया था। इंग्लैंड में, यह सिर्फ बदनामी थी जिसने दो साल की सजा को आकर्षित किया और इसलिए जमानती थी। भारत में, यह आजीवन कारावास को आकर्षित करने वाला एक गंभीर अपराध है और इसलिए गैर-जमानती है। हालांकि, आपातकाल लगाने से ठीक पहले 1974 में इंदिरा गांधी द्वारा अपराध को संज्ञेय बना दिया गया था। देशद्रोह को संविधान में पत्र में जगह नहीं मिली है, लेकिन अनुच्छेद 19 (2) में भावना से इसे स्वीकार किया गया है। इसकी संवैधानिकता को अनुच्छेद 19 (1) (ए) में अधिनियमित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ चुनौती दी गई है। यहां यह विज्ञापित किया जाएगा कि अनुच्छेद 19 (2), जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों की गणना करता है, मुक्त भाषण की जांच करता है, जिसमें सार्वजनिक

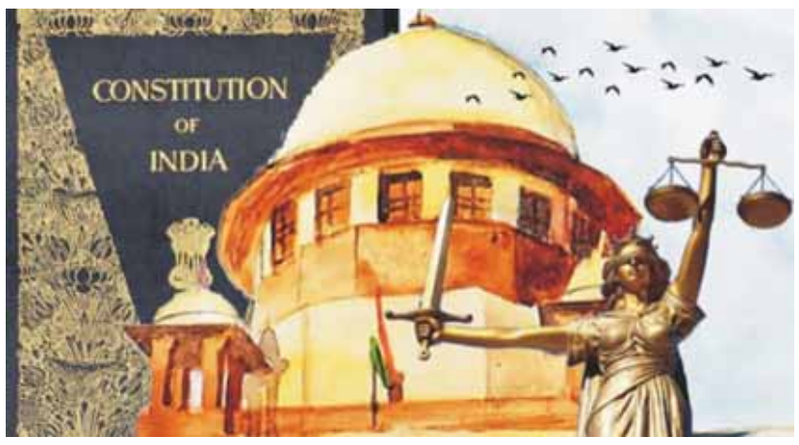

व्यवस्था को भंग करने की प्रवृत्ति है, जो देशद्रोह के सामान्य कानून समकक्ष है। इस प्रकार, हालांकि देशद्रोह का संविधान में कोई उल्लेख नहीं है, लेकिन केदारनाथ फैसले में व्याख्या के अनुसार, सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर संविधान को इसके हल्के रूप में आशीर्वाद मिला है। मूल अनुच्छेद में सार्वजनिक व्यवस्था का प्रतिबंध नहीं था, इसे 1951 में संविधान में प्रथम संशोधन द्वारा जवाहर लाल नेहरू द्वारा जोड़ा गया था, जिसे सरदार पटेल का पूरा समर्थन प्राप्त था, जो अनिच्छुक रियासतों के साथ नव स्वतंत्र भारत के एकीकरण का नेतृत्व कर रहे थे।. पटेल ने नेहरू को लिखा, ''संविधान सभा ने संविधान में बहुत आदर्शवादी प्रावधानों का मसौदा तैयार किया था जो व्यावहारिक विचारों में निहित नहीं थे।'' इस प्रकार पहला संशोधन तीन प्रतिबंधों को जोड़ने में आया- सार्वजनिक व्यवस्था, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध और अपराध के लिए उकसाना। यहां संशोधन की पृष्ठभूमि देना आवश्यक हो जाता है : यह मुख्य रूप से श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कानूनी रूप से वश में करने के लिए किया गया था, जो नेहरू-लियाकत समझौते की कड़ी आलोचना कर रहे थे और अखंड भारत के ध्वजवाहक थे, जो कि भारत-पाक पुनर्मिलन की मांग कर रहे थे। यहां तक कि गांधी, जिनकी विरासत कांग्रेस का पहला परिवार दावा करता है कि उनका उपनाम अपनाकर उन्हें निजी तौर पर विरासत में मिली है, कानून की किताब से राजद्रोह को मिटाने के पक्ष में नहीं थे। 1922 में, देशद्रोह के आरोप में दोषी ठहराते हुए गांधी ने कहा : ''स्नेह को कानून द्वारा निर्मित या विनियमित नहीं किया जा सकता है। अगर किसी को किसी व्यक्ति या व्यवस्था से कोई लगाव नहीं है, तो उसे अपनी नाराजगी को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, जब तक कि वह हिंसा के बारे में विचार, प्रचार या उत्तेजना नहीं करता है।'' जाहिर है, यहां तक कि गांधी का भी विचार था कि असहमति व्यक्त करना एक अपराध हो सकता है यदि उसमें हिंसा भड़काकर कानून द्वारा स्थापित सरकार को नष्ट करने की प्रवृत्ति हो।

कानून को बनाए रखने के लिए एक और तर्क यह है कि 1962 में केदारनाथ के फैसले ने पहले से ही इंग्लैंड में अपने पैतृक प्रावधान से मेल खाने के लिए कानून को कमजोर कर दिया है, केवल उन कृत्यों का जो हिंसक तरीकों से सरकार को नष्ट करने या सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने का प्रभाव रखते हैं। देशद्रोह की परिभाषा के अंतर्गत आएगा; अनुच्छेद 19(2) में देशद्रोह की भावना को पढ़ना। आइए दूसरे आख्यान का मुकाबला करें। राजद्रोह पर अक्सर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत आरोप लगाया जाता है। इसे 1967 में कांग्रेस द्वारा सोलहवें संशोधन के संरक्षण के तहत अधिनियमित किया गया था, जिसने अनुच्छेद 19 (2) के लिए भारत की संप्रभुता और अखंडता प्रतिबंध को जोड़ा। भारत अभी भी अनुचित रूप से महत्वाकांक्षी राजनेताओं की तुष्टिकरण और अलगाववादी राजनीति से जूझ रहा था जब सोलहवां संशोधन लाया गया था क्योंकि पंजाब, नागालैंड और द्रविड़ राज्य अपने प्रधान मंत्री के सपनों को पूरा करने के लिए अलग गणराज्य की मांग कर रहे थे।

राजनीतिक व्यवस्थाएं भले ही बदल गई हों, लेकिन राष्ट्रीय अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले मुद्दे आज भी काफी हद तक वही हैं और इसलिए, कानून अच्छा है। हालांकि, पक्षपात और दुरुपयोग के आरोपों को विफल करने के लिए राजद्रोह को असंज्ञेय अपराध बनाने का मामला बनाया जा सकता है।

आप की बात

टोक्यो में सफलता

1996 का एटलांटा ओलंपिक भारतीय ओलंपिक इतिहास को दो हिस्सों में बांटता है। 1996 से पहले का वो हिस्सा जब इक्का-दुक्का मौकों को छोड़ कर हमें पदक सिर्फ हॉकी में मिलते थे और वह भी कभी-कभी। दूसरा हिस्सा 1996 से शुरू हुआ जब हमें हॉकी के सिवा अन्य खेलों में भी पदक मिलने लगे। 1996 के एटलांटा ओलंपिक से अब तक हमने हर ओलंपिक में कम से कम एक पदक ज़रूर जीता है। संसाधनों की कमी, ग़रीबी और पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब; खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब वाली मानसिकता के कारण हम खेलों में पिछड़े ही रहे। रही सही कसर क्रिकेट ने पूरी कर दी जो देश में खेलों का पर्याय बन गया। लेकिन धीरे-धीरे कुछ माहौल बदला। सरकार सुविधाएं तो ज़्यादा नहीं बढ़ा पाई लेकिन पदक विजेताओं को सम्मान, इनाम और प्रोत्साहन मिलने लगा। लेकिन अभी भी हम खिलाडी तैयार नहीं कर रहे थे बल्कि नैसर्गिक एवं जन्मजात प्रतिभावान खिलाड़ियों के भरोसे ही थे। नए खिलाडी तैयार करने और नैसर्गिक खिलाड़ियों की प्रतिभा तो तराशने के लिए जुलाई 2014 में केंद्र सरकार टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम लायी। टोक्यो ओलंपिक में हमारी सफलता में इस योजना का बहुत बड़ा हाथ है।

– **बृजेश माथुर,** गाज़ियाबाद

समुद्री सुरक्षा का सवाल

9 अगस्त को पीएम मोदी ने संरा सुरक्षा परिषद की उच्चस्तरीय खुली परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुये समुद्री व्यापार और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से समाधान के लिये पांच सिद्धांत पेश किए, जिनमे वैध समुद्री व्यापार की बाधाओं को दूर करने, समुद्री विवादों का निपटारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर, प्राकृतिक व आतंकियों द्वारा उत्पन्न खतरों का मुकाबला वैश्विक समुदाय मिलकर करे, समुद्री पर्यावरण एवं संसाधन का संरक्षण तथा समुद्री संपर्क को प्रोत्साहित किया जाएए। सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री ने कहा महासागर हमारी साझा विरासत और समुद्री मार्ग अंतरराष्ट्रीय व्यापार की जीवन रेखा हैं। वैध समुद्री व्यापार की बाधाओं को दूर करके ही वैश्विक समृद्धि समुद्री व्यापार के सहज संचालन से होगी। समुद्री व्यापार में बाधा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये खतरा है। वहीं रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समुद्री अपराधों से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ में ही विशेष ढांचा बनाने की बात कही। पुतिन ने कहा कुछ देशों में क्राइम सिंडिकेट, समुद्री डाकू और आतंकवादियों से लड़ न पाने के कारण समुद्री डकैतियां और समुद्री जहाजों को बंधक बनाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

नारी सर्वत्र शोषण की शिकार

नारी की स्थिति हमारे देश में ही सोचनीय नहीं है। दुनियां के कई देशों में नारी उत्पीड़न की शिकार हो रही है। हाल ही में अमेरिका में न्यूयॉर्क के गवर्नर द्वारा कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न की खबर आई जो एक संपन्न और सुशिक्षित राष्ट्र में शर्मनाक है। स्वच्छंद यौन संबंध भी अमेरिका में यौन अपराधों की वजह बनते हैं। इस मामले में समय के साथ ही अमेरिकी कानूनों में बदलाव जरूरी है ताकि नारी की अस्मिता बरकरार रह सके। दिखावे के नाम पर नारी सम्मान और कथित सभ्यता का भंडा फुटता नजर आ रहा है। अमेरिका जैसे देश में न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो पर 11 महिलाओं के यौन उत्पीड़न का अपराध साबित हो गया है। जांचकर्ताओं ने गवर्नर कार्यालय को महिलाओं के काम करने लायक नहीं बताया। अब एंड्रयु के खिलाफ महाभियोग की तैयारी हो रही है। वाकई ऐसी रिपोर्ट चिंताजनक है। आज महिलाओं को लोग घरों से बाहर बड़ी हिम्मत करके काम पर भेजते हैं। मजबूरी में महिलाएं दिन/रात की ड्यूटी करती है मगर जब उनके साथ ऐसे मामले होते हैं तो सोचने को मजबूर होना पड़ता है।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

इस सदन की शुचिता भंग हो गई जब कुछ सदस्य बैठे रहे और कुछ सदन के भीतर मेजों पर चढ़ गए।

– **एम वेंकैया नायडू**
सभापति राज्यसभा

20 वर्षों में हमने 1 ट्रिलियन डॉलर अधिक खर्च किया। अफगान नेताओं को एक साथ आना होगा और अपने राष्ट्र के लिए स्वयं लड़ना होगा।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पेगासस विवाद पर चर्चा करने के लिए हमारी लगातार अपील बहरे कानों को नहीं सुनाई दी और इस मुद्दे को लोकसभा में नहीं उठाया गया।

– **अधीर रंजन चौधरी**
लोकसभा में कांग्रेस के नेता

मुकुल के बयान पर फिर विवाद

भाषा। कोलकाता

तृणमूल के रॉय ने फिर कहा-उपचुनाव में भाजपा की होगी जीत

पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतने के कुछ दिन बाद ही तृणमूल कांग्रेस में वापसी करने वाले मुकुल रॉय ने शुक्रवार को नया विवाद उत्पन्न करते हुए कहा कि उनकी सीट पर होने वाले विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी की जीत होगी। एक हफ्ते में दूसरी बार रॉय ने ऐसा कहा है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में होने वाले त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तपस रॉय ने मुकुल रॉय के बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जबकि भाजपा ने कहा कि जनता ऐसे बयानों पर फैसला करेगी। मुकुल रॉय ने छह अगस्त को नदिया जिले के कृष्णानगर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि भाजपा राज्य में होने वाले उपचुनाव में जीत दर्ज करेगी। हालांकि, जैसे ही उन्हें गलती का एहसास हुआ, उन्होंने भूल सुधार करते हुए कहा कि उनका अभिप्राय तृणमूल कांग्रेस से था। वरिष्ठ नेता रॉय वर्ष 2017 में ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे लेकिन दो मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के करीब एक महीने बाद वह वापस तृणमूल में शामिल हो गए। हालांकि, आधिकारिक रूप से वह अब भी कृष्णानगर उत्तर सीट से भाजपा के विधायक हैं और उन्हें विधानसभा की लोकलेखा समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। विधानसभा परिसर में लोकलेखा समिति की बैठक में हिस्सा लेने के बाद शुक्रवार को पत्रकारों से रॉय ने कहा, अगर कृष्णानगर उत्तर सीट पर उपचुनाव होते हैं तो भाजपा जीतेगी। जब उनसे सवाल किया कि अगर तृणमूल कांग्रेस वहां से नहीं जीतती तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला वहां की जनता करेगी। मुकुल रॉय से जब पूछा गया कि वह किस पार्टी के विधायक हैं तो उन्होंने कहा, मैं भाजपा का विधायक हूं। उन्होंने कहा, अगर पार्टी कहती है तो वह त्रिपुरा जाकर तृणमूल कांग्रेस के लिए कार्य करने को तैयार हैं। पार्टी जो भी कहेगी मैं करूंगा। भाजपा त्रिपुरा में अच्छा नहीं कर रही है। हमारी पार्टी अगले चुनाव में बेहतर करेगी। मुकुल रॉय के बयान के बारे में पूछे जाने पर पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस के उप मुख्य सचेतक तपस रॉय ने कहा, यह उचित होगा कि आप मुकुल रॉय से पूछें कि वह क्या कहना चाहते हैं। मैं चूंकी उस बातचीत के वक्त उपस्थित नहीं था, इसलिए मैं टिप्पणी नहीं करूंगा। भाजपा विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा के टिकट पर जीतकर वह तृणमूल कार्यालय गए तो उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। उन्होंने कहा, अब, अगर वह ऐसे बयान दे रहें है, तो यह लोगों पर है कि वे कैसे आलकन करते हैं। राज्य सरकार ने उन्हें भारी सुरक्षा मुहैया कराई है।

एनईपी के तहत अगले पांच वर्षों में तीन लाख करोड़ खर्च होंगे : विधूड़ी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रमेश बिधूड़ी ने शुक्रवार को बताया कि केंद्र सरकार देश में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अगले पांच वर्षों में तीन लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। दक्षिण दिल्ली के सांसद ने कहा कि फिलहाल, 11.6 लाख से अधिक स्कूल हैं, 15 करोड़ से अधिक विद्यार्थी हैं और सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के 57 लाख शिक्षक हैं। बिधूड़ी ने एक बयान में कहा, केंद्र सरकार की नई शिक्षा नीति 2.0 के तहत शिक्षा विस्तार पर तीन लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके तहत तीन साल से कम उम्र के बच्चों का सरकारी और निजी, दोनों स्कूलों में दाखिले के लिए पंजीकरण होगा। नए बजट में, प्लेस्कूल, बाल वाटिका, सुरक्षा और व्यावसायिक अध्ययन सहित अन्य प्रावधान किए गए है।

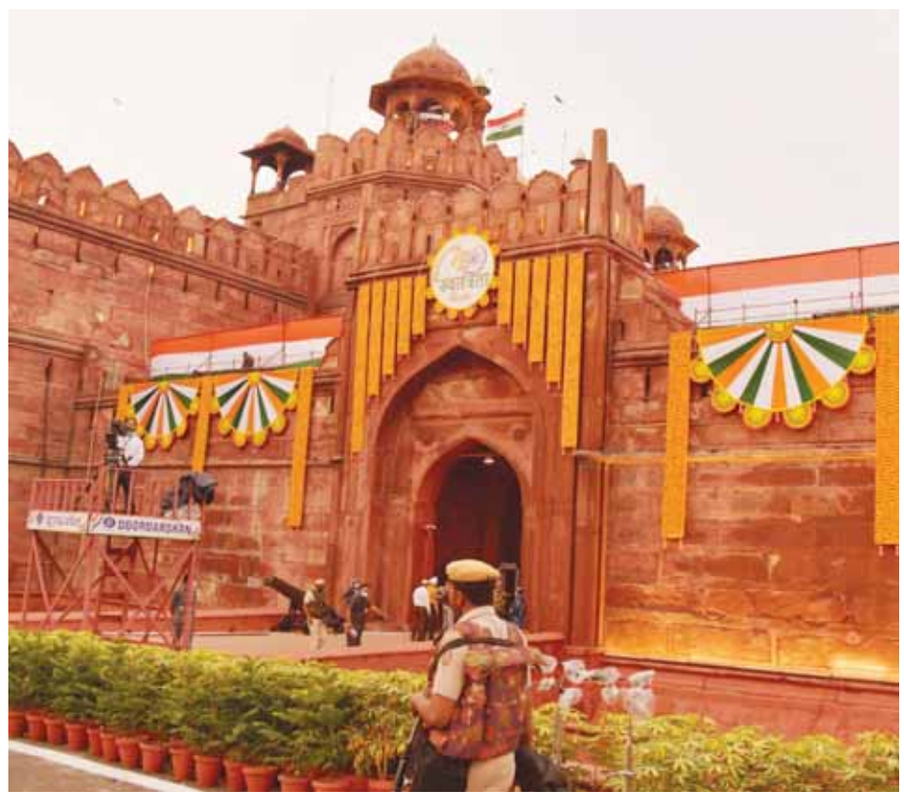

नई दिल्ली में 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर आयोजित होने वाली फुल ड्रेस रिहर्सल को लेकर सजा लाल किला

भारत में टीके की दी गई खुराकों की संख्या 53 करोड़ के पार : सरकार

नई दिल्ली। देश मे कोविड-19 टीके की दी गई खुराको की संख्या 53 करोड़ को पार कर गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शाम सात बजे की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को टीके की 55,91,675 खुराक दी गई। मंत्रालय ने कहा कि शुक्रवार को 18-44 आयु वर्ग मे 30,31,275 लोगो को पहली खुराक और 4,92,283 को दूसरी खुराक दी गई। कुल मिलाकर, सभी राज्यो और केंद्र शासित प्रदेशो मे 18-44 वर्ष की श्रेणी मे 19,12,12,891 लोगो ने अपनी पहली खुराक प्राप्त की है और1,44,57,719 लोगो ने टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत के बाद से अपनी दूसरी खुराक प्राप्त की है। मंत्रालय ने कहा कि पांच राज्यो मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने 18-44 आयु वर्ग मे कोविड-19 टीके की एक करोड़ से अधिक खुराक दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, केरल, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल मे पहली खुराक के लिए 18-44 आयु वर्ग के 10 लाख से अधिक लाभार्थियो का टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण अभियान के 210वे दिन तक टीके की कुल 55,91,675 खुराक दी गई।

खैबर पख्तूनख्वा हमले में भारत का हाथ होने संबंधी पाक का आरोप असत्य : विदेश मंत्रालय

भाषा। नई दिल्ली

पाकिस्तान को असत्य फैलाने एवं दुष्प्रचार करने के हताशा भरे प्रयासो से लाभ नहीं होगा: बागची

भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों को असत्य करार दिया है, जिसमें उसने पिछले महीने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक बस पर हुए बम हमले में भारतीय खुफिया एजेंसी का समर्थन होने की बात कही थी। भारत ने कहा कि यह क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र एवं प्रतिबंधित आतंकवादियों की शरणस्थली होने की पाकिस्तान की भूमिका से अंतराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान बांटने का प्रयास है। उल्लेखनीय है कि 14 जुलाई को निर्माणाधीन दासू बांध के स्थल पर चीनी इंजीनियरों एवं श्रमिकों को ले जा रही बस में विस्फोट से 13 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद पाकिस्तान ने इस घटना की जांच करने के आदेश दिए थे। इसमें नौ चीनी इंजीनियर एवं चार अन्य लोग मारे गए थे। इस मामले में पाकिस्तानी विदेश मंत्री के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि यह पाकिस्तान की ओर से भारत की छवि खराब करने का एक और प्रयास है ताकि क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र एवं प्रतिबंधित आतंकवादियों की शरणस्थली होने में उसकी भूमिका से अंतराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान बांटा जा सके। गौरतलब है कि बृहस्पतिवार को इस्लामाबाद में संवाददाता सम्मेलन में पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने हमले की जांच पूरी होने का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया था कि इसके पीछे भारत की रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) और अफगानिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा महानिदेशालय का हाथ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता बागची ने कहा, दासू की घटना को लेकर हमने पाकिस्तान के विदेश मंत्री के बेतुके बयान को देखा है। उन्होंने कहा कि भारत अंतराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में सबसे आगे रहा है। जहां तक आतंकवाद की बात आती है कि वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान की विश्वसनीयता का पता है। उन्होंने कहा कि ऐसे में पाकिस्तान को असत्य फैलाने एवं दुष्प्रचार करने के हताशा भरे प्रयासों से लाभ नहीं होगा। बागची ने कहा, यह पाकिस्तान की ओर से भारत की छवि खराब करने का एक और प्रयास है ताकि क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र एवं प्रतिबंधित आतंकवादियों का पनाहगाह होने में उसकी भूमिका से अंतराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान बांटा जा सके। घटना की जांच पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चीन ने कहा था कि वह भू राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी शक्ति द्वारा आतंकवाद के इस्तेमाल का विरोध करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा था कि पाकिस्तान ने इस आतंकी हमले की जांच में कम समय में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

सोनिया के साथ बैठक में शामिल हो सकते हैं विपक्षी दलों के नेता

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा 20 अगस्त को विपक्षी नेताओं की बुलाई गई डिजिटल बैठक में विपक्ष के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और झारखंड के मुख्यमंत्री शामिल हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी देश के सामने खड़े प्रमुख मुद्दों पर विपक्षी दलों को साथ लेकर सरकार को घेरने की कोशिश में हैं और इसी प्रयास के तहत यह बैठक बुलाई गई है। विपक्षी दल राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुकाबला करने के लिए एकजुट होने के लिए प्रयासरत हैं ताकि अगले लोकसभा चुनाव में विपक्ष की ओर से कड़ी चुनौती पेश की जा सके। हाल ही में संपन्न हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान पेगासस जासूसी मामले, किसान आंदोलन और महंगाई के मुद्दों पर सरकार के खिलाफ विपक्षी एकजुटता देखने को मिली। इस दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी विपक्षी एकजुटता की पूरी कवायद के केंद्रबिंदु नजर आए। सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी के साथ डिजिटल बैठक के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार समेत कई विपक्षी नेताओं को आमंत्रित किया गया है। शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उद्धव ठाकरे इस बैठक में शामिल होंगे। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के एक निकट सहयोगी ने कहा है कि तृणमूल कांग्रेस के बैठक में शामिल होने की संभावना है। द्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने भी इसकी पुष्टि की है कि कांग्रेस नेतृत्व ने अगले शुक्रवार को एक डिजिटल बैठक बुलाई है और मुख्यमंत्री स्टालिन के इस बैठक में हिस्सा लेने की संभावना है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने भी कहा कि पार्टी प्रमुख शरद पवार इस बैठक में शिरकत करेंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना नीत गठबंधन सरकार में कांग्रेस और राकांपा शामिल हैं।

त्वरित न्यूज

श्रीनगर की जामिया मस्जिद में शुक्रवार की नमाज पर रोक लगाई गई

श्रीनगर। प्राधिकारियों ने कोरोना वायरस स्थिति का हवाला देते हुए शुक्रवार को यहां ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में सामूहिक नमाज अदा करने पर रोक लगा दी। हालांकि, मस्जिद की प्रबंध समिति ने इस फैसले के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन कोविड -19 की आड़ में शुक्रवार की नमाज के लिए धार्मिक स्थलों को बंद कर रहा है। इसने अधिकारियों के रवैए को बेहद खेदजनक और निराशाजनक बताया। शहर के नौहट्टा इलाके में स्थित मस्जिद में जुमे की नमाज को चार महीने से अधिक समय बाद पहली बार पिछले शुक्रवार को अनुमति दी गई थी। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के मद्देनजर नमाज स्थगित कर दी गई थी। मस्जिद के प्रबंध निकाय, अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद ने शुक्रवार को एक बयान में मस्जिदों और आसरे-ए-शरीफ दरगाह हजरतबल, खानकाह-ए-मौला और अस्तान आलिया मखदूम साहब सहित अन्य केंद्रीय धार्मिक स्थलों को प्रशासन द्वारा कोविड -19 की आड़ में शुक्रवार की नमाज के लिए बंद करने पर आश्चर्य और नाराजगी व्यक्त की। औकाफ ने कहा, शासकों का यह रवैया बेहद खेदजनक और निराशाजनक है।

एनजीटी ने मुरादाबाद के जैवचिकित्सा अपशिष्ट शोधन संयंत्र पर 10 लाख का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के एक जैवचिकित्सा अपशिष्ट शोधन संयंत्र पर पर्यावरण मंजूरी से संबंधित तथ्यों को छिपाने को लेकर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अगुवाई वाली एक पीठ ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, राज्य नियंत्रण प्रदूषण बोर्ड, राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण के अधिकारियों एवं मुरादाबाद के जिलाधिकारी की एक समिति भी गठित की। अधिकरण ने कहा कि प्रतिवादियों के वकील यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि पर्यावरण मंजूरी के लिए आवदेन की प्रति क्यों पेश नहीं की गई जबकि उक्त दस्तावेज उत्तर प्रदेश के राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) एवं परियोजना के प्रस्तावक के पास आसानी से उपलब्ध हैं। हरित पैनल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के एसईआईएए ने इस आधार पर कारण बताओ नोटिस किया था कि पर्यावरण मंजूरी मांगते समय तथ्य छिपा लिए गए थे लेकिन बाद में उसने अपना रूख बदल लिया। उसने कहा कि परियोजना प्रस्तावक ने भी बिना किसी वैध कारण के प्रासंगिक रिकार्ड रोक लिए। अधिकरण ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए और यह भी कि परियोजना प्रस्तावक ने पर्यावरण मंजूरी मांगते हुए इस प्रासंगिक सूचना को छिपाया तथा एसईआईएए, उप्र का बदला रुख भी उसी कारण से अस्वीकार्य है।

नए औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना और विकास के कार्यों को दें गति : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए बजट घोषणा के अनुरूप 147 उपखण्डों में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के काम को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि राजस्थान के सभी उपखण्डों में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल किया जा सके। एनसीआर और दिल्ली के नजदीक होने के कारण निवेश की दृष्टि से भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसके विकास के लिए 100 करोड़ रूपए का बजट उपलब्ध कराने की घोषणा भी की। गहलोत शुक्रवार को उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र एक मॉडल औद्योगिक क्षेत्र के रूप में उभर कर सामने आए, इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा उद्यमियों के सुझावों के अनुरूप मास्टर प्लानिंग करते हुए वहां सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं। बिजली, पानी एवं भूमि अधिग्रहण औद्योगिक विकास के लिए मूलभूत आवश्यकताएं हैं और इनके संबंध में त्वरित कार्यवाही जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि मुख्य सचिव संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर इन जरूरतों की पूर्ति के लिए कार्ययोजना तैयार करें।

एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के लिए संशोधित नियम अधिसूचित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के रूप में चिह्नित किए गए प्लास्टिक के उत्पादन, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है। इस श्रेणी में एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के बने प्लेट, कप, मिठाई के डिब्बों पर और सिगरेट के पैकेट पर चढ़ाई जाने वाली प्लास्टिक की परत भी शामिल हैं। बारह अगस्त को जारी अधिसूचना के मुताबिक, सामान ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक बैग की मोटाई 30 सितंबर 2021 से 50 माइक्रॉन से बढ़ाकर 75 माइक्रॉन की जाएगी और 31 दिसंबर 2022 से यह मोटाई 120 माइक्रॉन होगी। अधिसूचना में कहा गया, एक जुलाई 2022 से पॉलिस्ट्रिन और लचीले पॉलिस्ट्रिन सहित एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के उत्पादन, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक होगी। प्लास्टिक की डंडी युक्त ईयर बड, गुब्बारे की प्लास्टिक से बनी डंडी, प्लास्टिक के झंडे, लॉलीपॉप और आईसक्रीम की डंडी, सजावट में इस्तेमाल होने वाले पॉलिस्ट्रिन (थर्मोकोल), प्लेट, कप, ग्लास, कटलरी जैसे कांटे, छुरी, चम्मच, चाकू, मिठाई के डिब्बों में इस्तेमाल प्लास्टिक, 100 माइक्रॉन से कम मोटे प्लास्टिक या पीवीसी के बैनर आदि पर रोक होगी। पर्यावरण मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि चरणपद्ध तरीके से हटाए जाने वाले, चिह्नित एकल इस्तेमाल प्लास्टिक के दायरे से बाहर के प्लास्टिक कचरे को, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम 2016 के तहत निर्माता, आयातक और ब्रांड मालिकों द्वारा विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी के चलते एकत्र कर उसका पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन किया जाना चाहिए।

राजीव हत्याकांड मामले में केंद्र, तमिलनाडु सरकार को नोटिस

भाषा। चेन्नई

मद्रास उच्च न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड के सात दोषियों में से एक नलिनी श्रीहरन की उस याचिका पर केंद्र और राज्य सरकार को शुक्रवार को नोटिस जारी किए जिसमें तमिलनाडु के राज्यपाल की अनुमति के इंतजार के बगैर ही उन सभी को रिहा करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। नलिनी और छह अन्य मुरुगन, संथान, पेरारिवलन, जयकुमार, रविचंद्रन और रॉबर्ट पायस मई 1991 में यहां के निकट एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। नलिनी ने राज्यपाल की अनुमति का इंतजार किए बिना मामले के सभी सात दोषियों को रिहा करने का राज्य सरकार को निर्देश देने के अनुरोध के साथ उच्च न्यायाल में याचिका दायर की है।

75वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव मनाते स्कूली बच्चे

98000 से अधिक कश्मीरी प्रवासियों को जून के आखिर तक जारी किया गया आवास प्रमाणपत्र

भाषा। जम्मू

जून के आखिर तक 98600 कश्मीरी प्रवासियों को आवास प्रमाणपत्र दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्योरा देते हुए अधिकारियों ने बताया कि कश्मीरी पंडितों को 90,430 आवास प्रमाणपत्र जारी किए गए जबकि विस्थापित कश्मीरियों के 2340 परिवारों को नए प्रवासी के तौर पर पंजीकृत किया गया। उनमें 8,170 व्यक्तियों को आवास प्रमाणपत्र दिया गया। जम्मू कश्मीर के बाहर रह रहे पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर के विस्थापित व्यक्तियों के 2988 परिवारों का भी पंजीकरण किया गया एवं आवास प्रमाणपत्र जारी किया गया। राहत एवं पुनर्वास आयुक्त टी के भट ने बताया कि यह प्रक्रिया पिछले साल जुलाई में शुरू हुई थी।

नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 75वें स्वतंत्रता दिवस से संबंधित राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की शुरुआत की। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत, सेनाध्यक्ष जनरल एमएम नरवने, नौसेना स्टाफ एडमिरल करमबीर , वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया, रक्षा सचिव डॉ अजय कुमार भी शामिल हुए

हिमाचल भूस्खलनः मृतक संख्या बढ़कर 17 पहुंची

तीन और शव मिले

भाषा। शिमला

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में भूस्खलन स्थल से शुक्रवार को तीन और शवों के मिलने के बाद, इस प्राकृतिक आपदा में मरने वालों की संख्या 17 हो गई। वहीं, समीप के क्षेत्र में शुक्रवार को पहाड़ से बस पर चट्टान गिरने से दो लोग घायल हो गए। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

किन्नौर के उपायुक्त आबिद हुसैन सादिक ने पीटीआई-भाषा को बताया कि जिले के चौरा गांव के समीप भूस्खलन स्थल के पास पहाड़ों से चट्टानों के गिरने की वजह से शुक्रवार को कई घंटों तक राहत एवं बचाव कार्य बाधित रहा। राज्य आपदा प्रबंधन निदेशक सुदेश कुमार मोख्ता ने बताया कि पहाड़ों से गिर रही चट्टानों की चपेट में हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस आ गई। यह दुर्घटना शाम करीब चार बजकर 40 मिनट पर तब हई जब बस शुक्रवार को क्षेत्र से जा रही थी। इसमें एक महिला और एक लड़का घायल हुआ है। बस मंडी जिले से रेकोंग पीयो से जा रही थी। उल्लेखनीय है कि किन्नौर जिले में बुधवार को भूस्खलन की बड़ी घटना सामने आई और 40 यात्रियों को ले जा रही एचआरटीसी की बस सहित कई वाहन मलबे में दब गए। मोख्ता ने बताया कि तलाश एवं बचाव अभियान सुबह साढ़े पांच बजे बहाल किया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार रात को अभियान स्थगित कर दिया था। बोलेरो गाड़ी और उसमें बैठे लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। उनका कुछ पता नहीं चल सका है। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि वाहन मलबे के साथ नीचे की ओर लुढ़क गया हो। स्थानीय पुलिस के सदस्य, होमगार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) संयुक्त रूप से बचाव अभियान चला रहे हैं। घटना के दिन 10 लोगों के शव मिले थे तथा 13 घायलों को बचा लिया गया था। बचाव और राहत के अभियान के दौरान टाटा सुमो टैक्सी में फंसे आठ शव बरामद किए गए थे। बुधवार को ही दो कार क्षतिग्रस्त हालत में मिली थी लेकिन उनमें कोई नहीं मिला। बृहस्पतिवार को चार और शव बरामद हुए थे और इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने घटना स्थल का दौरा करने के बाद बताया कि अब भी 16 लोग लापता हैं। एचआरटीसी की बस अन्य वाहनों के साथ मलबे में दब गई थी और और बृहस्पतिवार को वह बुरी तरह क्षतिग्रस्त अवस्था में मिली। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को तीन और शवों के बरामद होने के बाद अब भी 13 लोग लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक ट्रक भी मिला है जो चट्टान गिरने के कारण से नदी की ओर लुढ़क गया था और उसके चालक का शव मिल गया है।

पंजाब में मतदाता सूची में संशोधन, पंजीकरण अभियान की शुरुआत हुई

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. करूणा राजू ने शुक्रवार को बताया कि राज्य में मतदाता सूची में पंजीकरण, नाम हटाने एवं ठीक करने के विशेष अभियान की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि इसे भारत के निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के तहत किया जा रहा है। पंजाब में विधानसभा चुनाव अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले हैं। इसे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के नाम से जाना जाता है जिसमें नागरिकों को मतदाता के तौर पर पंजीकरण कराने का अवसर मिलता है और ऑफलाइन या ऑनलाइन माध्यम से चुनावी ब्यौरा की वे पुष्टि कर सकते हैं। उन्होंने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए पूरे राज्य में जिला स्तर, विधानसभा क्षेत्र स्तर से लेकर बूथ स्तर तक यह कार्य व्यापक रूप से किया जाएगा।

पायनियर

लखनऊ, शनिवार, 14 अगस्त, 2021

वाहन कबाड़ नीति से वाहनों की बिक्री बढ़ेगी: गडकरी

● जीएसटी संग्रह बढ़ेगा, रोजगार के अवसर पैदा होंगे

भाषा। गांधीनगर

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि राष्ट्रीय वाहन कबाड़ नीति से सभी अंशधारकों को फायदा होगा और इससे विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस नीति से रोजगार के अवसरों का सृजन होगा तथा केंद्र और राज्यों दोनों को 40,000 करोड़ रुपए (प्रत्एक) का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मिलेगा।

गडकरी ने कहा कि कबाड़ वाहनों से खरीदे गए सस्ते कच्चे माल से वाहनों की कीमत नीचे आएगी और उनकी बिक्री बढ़ेगी, जिससे अंतत: जीएसटी संग्रह बढ़ेगा। गडकरी ने कहा कि कच्छ के कांडला बंदरगाह के साथ भावनगर का अलांग जहाज तोड़ने का केंद्र भारत के दक्षिण-पूर्व एशिया का कबाड़ पुन:चक्रीकरण केंद्र बनने के सपने को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। गडकरी ने निवेशक सम्मलेन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल तरीके से इस कार्यक्रम में शामिल हुए और उन्होंने नीति का शुभारंभ किया। यह नीति पुराने और अयोग्य वाहनों की रिसाइक्लिंग पर केंद्रित है। गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि चलाने योग्य नहीं रह गए वाहनों को कबाड़ करने की नीति सभी अंशधारकों के लिए लाभकारी होगी। इससे विनिर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा, रोजगार के अवसरों का सृजन होगा और हमारी बचत बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इससे नए वाहनों की लागत भी घटेगी क्योंकि कबाड़ के जरिए उद्योग को एल्युमीनियम, इस्पात, प्लास्टिक और रबड़ उपलब्ध होगा।

ट्विटर कुछ अकाउंट के खिलाफ कारवाई पर रुख स्पष्ट करे: राकांपा

भाषा। मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने शुक्रवार को ट्विटर इंडिया से कहा कि अकाउंट बंद करने की अपनी नीति के बारे में वह बताए और उस पर आरोप लगाया कि वह दबाव में इस तरह के काम कर रहा है। राकांपा के मुख्य प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने संवाददाताओं से कहा कि माइक्रोब्लॉगिंग और सोशल नेटवर्किंग साइट का राहुल गांधी जैसे कांग्रेसी नेताओं का हैंडल बंद करने के निर्णय से कई सवाल उठे हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने दिल्ली में कथित बलात्कार और हत्या का शिकार हुई एक नाबालिग लड़की के परिवार के साथ फोटो ट्वीट करने के लिए ट्विटर को नोटिस जारी कर कांग्रेस नेता के हैंडल के खिलाफ कार्वाई करने के लिए कहा था, जिसके बाद पिछले हफ्ते उनका ट्विटर अकाउन्ट अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया था। एनसीपीसीआर ने किशोर न्याय कानून का हवाला दिया था, जिसके तहत नाबालिग पीड़ति की पहचान उजागर नहीं होनी चाहिए।

ट्विटर ने गांधी के अकाउंट के साथ ही पार्टी नेताओं से जुड़े कई अन्य हैंडल एवं कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल को भी उस तस्वीर को ट्वीट करने के लिए बंद कर दिया। मलिक ने कहा, हाल में ट्विटर इंडिया और केंद्र सरकार के बीच गतिरोध हुआ था। अब विपक्षी नेताओं के हैंडल बंद किए जा रहे हैं। यह दबाव में हो रहा है। ट्विटर इंडिया को बताना चाहिए कि किस तरह के पोस्ट ब्लॉक किए जाएंगे और इन्हें ब्लॉक करने के क्या कारण हैं।

पटना में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से सुरक्षित स्थान पर जाते हुए स्थानीय नागरिक

मेघालय में मुठभेड़ में खूंखार उग्रवादी ढेर

शिलांग। मेघालय के पूर्वी खासी पर्वतीय जिले में शुक्रवार को तड़के पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक खूंखार उग्रवादी मारा गया जिसने पूर्व में आत्मसमर्पण किया था। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में हाल में हुए सिलसिलेवार धमाकों के संबंध में जब उसके घर पर छापेमारी की गई तब यह मुठभेड़ हुई। प्रतिबंधित हाइनीट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) के पूर्व महासचिव चेस्टरफील्ड थांगखिव (54) ने 2018 में उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन त्यसोंग के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। पुलिस महानिदेशक आर चंद्रनाथन ने बताया कि पुलिस की एक टीम ने राज्य में हाल में हुए आईईडी हमलों के सिलसिले में मवलाई में थांगखिव के किनटेन मसार आवास पर छापेमारी की। थांगखिव खिलहेरियाट में आईईडी हमले में वांछित था। हमारे पास सबूत थे। पुलिस की एक टीम ने तड़के उसके घर पर छापेमारी की। पुलिस के घर में घुसते ही, उसने एक चाकू लहराया और चार में से एक कॉन्स्टेबल पर हमला किया जिसने जवाब में गोली चलाई।

मोदी के शासनकाल में लालफीताशाही व लाइसेंस राज में कमी आई: पूनावाला

भाषा। पुणे

टीका निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सायरस पूनावाला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की शुक्रवार को सराहना की और कहा कि इसके शासनकाल में लालफीताशाही और लाइसेंस राज में कमी आई है। पूनावाला ने बीते वक्त को याद किया जब करीब 50वर्ष पहले अनुमति लेने के लिए उद्योगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता था और नौकरशाह उनका उत्पीड़न करते थे। पूनावाला ने कहा कि अतीत में उन्हें मंजूरी के लिए नौकरशाहों और औषधि नियामकों के पैरों पर गिरना पड़ा,लेकिन अब स्थिति बदल गई है और इसी कारण सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) का कोविड-19रोधी टीका कोविशील्ड शीघ्र आ पाया।

उन्होंने लोकमान्य तिलक न्यास द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में यह बात कही। उन्हें इस कार्यक्रम में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ पूनावाला ने कहा, सीरम इंस्टीट्यूट की स्थापना 1966 में मेरा विवाह विल्लू से होने के बाद हुई थी। यह पुरस्कार मैं अपनी प्यारी दिवंगत पत्नी को समर्पित करता हूं। 50 वर्ष पहले उद्योगों को मूलभूत सुविधाएं जैसे बिजली, पानी की नौकरशाहों से अनुमति मिलने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। नौकरशाह उनका उत्पीड़न करते थे....वैसे मुझे यह सब नहीं कहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लाइसेंस राज समाप्त हुआ,और इसकी वजह से कोरोना वायरस रोधी टीका जल्दी से आ पाया। एसआईआई के अध्यक्ष ने कहा, हम अपना टीका इतनी जल्दी लॉन्च कर पाए उसके पीछे यकीनन एक वजह अनुदान या अनुमति मिलना रही, लाइसेंस राज समाप्त होने से उद्योगों को प्रोत्साहन मिला। हमारे पास एक औषधि नियामक है जो शाम को कार्यालय का वक्त समाप्त होने के बाद भी जवाब देता है। अब मस्का लगाने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस ने की विपिन सिंह परमार को हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष पद से हटाने की मांग

शिमला। विपक्षी कांग्रेस के विधायकों ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष पद से विपिन सिंह परमार को हटाने की मांग की और कहा कि सदन की कार्यवाही में उनकी निष्पक्षता संदेह के घेरे में है। कांग्रेस के सभी 19 विधायकों ने हिमाचल प्रदेश विधायिका में प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के नियम 274(1) के तहत विधानसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के लिए विधानसभा सचिव को नोटिस दिया है। कांग्रेस विधायकों ने शुक्रवार को मानसून सत्र के अंतिम दिन सदन की कार्यवाही का विरोध स्वरूप बहिष्कार भी किया। नोटिस में कहा गया, सदन के कामकाज कराने में माननीय अध्यक्ष विपिन सिंह परमार की निष्पक्षता संदेह के घेरे में है और उम्मीद के अनुरूप नहीं है। कांग्रेस विधायकों ने कहा कि अध्यक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्ष रहें और किसी भी एक विचारधारा का पक्ष न लें।

पंचायत चुनाव में बीजद 27 फीसद ओबीसी उम्मीदवारों को देगी टिकट

भाषा। भुवनेश्वर (भाषा)

ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने शुक्रवार को फैसला किया कि उनकी पार्टी राज्य में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में 27 फीसदी सीटों पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों को मैदान में उतारेगी। राज्य के कृषि मंत्री अरुण कुमार साहू और सहकारिता मंत्री आर एन स्वैन ने यहां एक प्रेसवार्ता के दौरान इस बाबत घोषणा की। साहू ने संवाददाताओं से कहा, बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक ने आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ओबीसी समुदाय से 27 फीसदी उम्मीदवारों को मैदान में उतारने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के अन्य राजनीतिक दलों को भी उचित अनुपात में ओबीसी उम्मीदवारों को टिकट देना चाहिए। तीन दिन पहले ही बीजद सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर ज्ञापन सौंपा था, जिसमें राज्य में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के लिए कानून लाने की मांग उठाई थी। बीजद के ज्ञापन सौंपने के बाद पार्टी का यह निर्णय सामने आया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम ने बीजद के प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों को चौंका दिया है और आने वाले चुनाव में इससे पटनायक को लाभ होगा। साहू ने कहा कि 50 फीसदी आरक्षण की सीमा संबंधी अदालती आदेश के चलते राज्य सरकार ओबीसी के लिए शिक्षा एवं नौकरी में सीटें आरक्षित नहीं कर सकती। हालांकि, पटनायक ने पार्टी के भीतर से ही ओबीसी के लिए आरक्षण की शुरुआत का फैसला किया है। मंत्री ने कहा कि बीजद लंबे समय से शिक्षा, नौकरियों और चुनाव में भी ओबीसी के लिए 27 फीसदी आरक्षण की मांग कर रहा है।

क्विक न्यूज

अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर पर कोविड नियमों के उल्लंघन का आरोप, जांच के आदेश

मेदिनीनगर। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मिला मातोडकर पर शुक्रवार को झारखंड के पलामू में कथित तौर पर एक कार्यक्रम में कोविड-19 के निर्देशों का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। इस मामले की जांच के निर्देश उपायुक्त ने दिए है। उपायुक्त शशिरंजन ने संवाददाताओं को बताया कि जिला प्रशासन को इस तरह की शिकायते मिली है कि उर्मिला मातोडकर ने आज पलामू में अपने एक कार्यक्रम में कोविड-19 के निर्देशो का उल्लंघन किया। उन्होने कहा कि मामले की जांच के निर्देश दिए गए है। उपायुक्त ने बताया कि यह जांच लोगो द्वारा जिला प्रशासन को दी गई शिकायत के आधार पर एक वरिष्ठ अधिकारी के नेतृत्व में होगी। आरोप है कि मातोडकर जिस होटल के कार्यक्रम में पहुंची थी, वहां मानक संचालन प्रक्रिया के तहत निर्धारित लोगो की संख्या से अधिक भीड़ एक्ठा हो गई। उल्लेखनीय है कि मातोडकर का आज शहर के एक होटल में दो घंटे का कार्यक्रम निर्धारित था लेकिन अभिनेत्री एक घंटे में ही उद्घाटन संबंधित सभी कार्यक्रमो को पूरा कर रांची के लिए प्रस्थान कर गई जहां से वह शाम को मुंबई के लिए रवाना होगी। अभिनेत्री पलामू में आज निजी क्षेत्र के एक होटल का उद्घाटन करने पहुंची और इस दौरान मातोडकर ने बंद कमरे से लोगो को ऑनलाइन संबोधित किया और कहा कि उन्हे पता था कि पलामू के लोग कला प्रेमी है इसलिए वह होटल उद्घाटन के बहाने यहां की कलात्मक तहजीब को देखने पहुंची है।

एनसीपीसीआर ने की राहुल गांधी के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को लेकर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने ट्विटर के बाद शुक्रवार को फेसबुक से कहा कि वह दिल्ली में कथित दुष्कर्म की पीड़ति नौ साल की बच्ची के माता-पिता की तस्वीर पोस्ट करने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इंस्टाग्राम प्रोफाइल के खिलाफ कार्रवाई करे। इंस्टाग्राम फेसबुक के स्वामित्व वाली इकाई है। गत चार अगस्त को एनसीपीसीआर ने ट्विटर से इसी मामले में राहुल गांधी के अकाउंट को लेकर कार्वाई करने के लिए कहा था। ट्विटर ने कांग्रेस नेता का अकाउंट बंद (लॉक) कर दिया था। फेसबुक को पत्र लिखकर एनसीपीसीआर ने कहा कि उसने राहुल गांधी के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया हुआ एक वीडियो देखा है जिसमें बच्ची के माता-पिता की पहचान उजागर होती है। इस वीडियो में बच्ची के पिता और माता का चेहरा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है जो कानून का उल्लंघन है। आयोग ने फेसबुक से कहा कि राहुल गांधी के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को लेकर वह उचित कार्वाई करे क्योंकि जो वीडियो डाला गया है वह किशोर न्याय कानून, 2015 और यौन अपराधो से बच्चो का संरक्षण कानून (पॉक्सो) और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न प्रावधानो का उल्लंघन है। उसने कहा कि इस वीडियो को इंस्टाग्राम से हटाया जाए।

इंदौर में रोड रोलर चलवाकर नष्ट की गई बीयर और व्हिस्की

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में प्रशासन ने शुक्रवार को रोड रोलर चलवाकर शराब की 30 लाख रुपए से ज्यादा मूल्य की अवैध खेप नष्ट कर दी। महू क्षेत्र में वर्ष 2014 में बीयर तथा व्हिस्की की कुल 853 पेटियां पकड़ी गई थी और इस खेप का मूल्य 30.38 लाख रुपए था। अवैध कारोबारियो के कब्जे से जब्त किए जाने के बाद यह खेप पुलिस के मालखाने में पिछले सात साल से रखी थी और पुलिस ने इसे नष्ट करने के लिए प्रशासन से अनुरोध किया था। जिलाधिकारी मनीष सिंह की गठित समिति के सदस्यो की मौजूदगी में अवैध शराब की खेप को महू के पासीपुरा के उस मैदान में रोड रोलर चलवाकर नष्ट किया गया जहां कचरे का निपटारा किया जाता है।

छह करोड़ रुपए मूल्य की हेरोइन जब्त, दंपति गिरफ्तार

दिफू (असम)। असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में शुक्रवार को नगालैंड के एक दंपति को गिरफ्तार कर उनके पास से छह करोड़ रुपए के मूल्य की हेरोइन जब्त की गई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर खटखटी थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहारीजन में एक कार को रोका और कंबल में छिपाकर रखी गई दो किलोग्राम से अधिक वजन के प्रतिबंधित पदार्थ के 150 पैकेट जब्त किए। उन्होने कहा कि दोनो कथित रूप से मादक पदार्थ को नगालैंड के दीमापुर से असम लाए थे।

आतंकी हमले में एक सीआरपीएफ जवान सहित तीन घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकवादियो ने शुक्रवार को सुरक्षा बलो को निशाना बनाकर ग्रेनेड से हमला किया जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक हेड कांस्टेबल सहित तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में एसबीआई मुख्य चौक सोपोर के नजदीक आतंकवादियो ने सुरक्षा बल के दल को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंका। उन्होने बताया कि ग्रेनेड में हुए धमाके की चपेट में आने से सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल और दो आम नागरिक घायल हो गए।

गुवाहाटी में स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर होने वाली परेड को लेकर फुल ड्रेस में रिहर्सल करते हुए जवान।

सरकार में बेहतर पद पाने के इच्छुक नेता पार्टी के भीतर ही रखें अपनी बात : नारायण

भाषा। रामनगर (कर्नाटक)

कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री सीएन अश्वथ नारायण ने शुक्रवार को कहा कि मंत्री पद के इच्छुक या सरकार में बेहतर पद पाने के आकांक्षियों को पार्टी के मंच पर ही अपनी राय रखनी चाहिए न कि सार्वजनिक तौर पर। उनका यह बयान हाल में राज्य मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी नेताओं की खत्म नहीं हो रही नाराजगी के बीच आया है। नारायण ने दोहराया कि कर्नाटक सरकार का रुख स्पष्ट है कि वह कावेरी नदी पर मेकेदातु परियरेजना को लागू करने पर आगे बढ़ेगी। इस परियोजना का पड़ोसी राज्य तमिलनाडु ने विरोध किया है।

राजनीति में पद की इच्छा सामान्य है और लोगों को अपनी इच्छा व्यक्त भी करनी चाहिए, लेकिन यह चार दीवारी में होनी चाहिए न कि सार्वजनिक तौर पर। यहां संवाददाताओं से बातचीत में नारायण ने हालांकि कहा कि पार्टी और सरकार में कोई भ्रम या अंतर की स्थिति नहीं है। उन्होंने यह बात, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद, भाजपा के भीतर नाराजगी बढ़ने की खबरों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कही। मंत्री पद के इच्छुक नेताओं ने मंत्री नहीं बनाए जाने पर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई है और खबर है कि इनमें से कुछ दिल्ली में अपनी सिफारिश करवा रहे हैं।

आनंद सिंह और एमटीबी नागराज जैसे नेता मंत्री बनाए जाने के बावजूद आवंटित विभाग को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी व्यक्त कर चुके हैं जिससे पार्टी और सरकार को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा है। मंत्रियों के बीच प्रतिस्पर्धा की खबरों को खारिज करते हुए रामनगर जिले के प्रभारी मंत्री ने कहा, ऐसी कोई बात नहीं है और प्रतिस्पर्धा केवल काम को लेकर होनी चाहिए। जिनको जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है वे उसी के अनुरूप कार्य करेंगे।

जाति जनगणना पर बिहार की चिताओं से पीछे हट रहा है केंद्र : तेजस्वी

पटना। बिहार में विपक्षी राजद ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जाति आधारित जनगणना कराने के राज्य की एकमत मांग से वह पीछे हट रही है। पार्टी के नेता तेजस्वी यादव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में चेतावनी दी कि अगर नरेंद्र मोदी सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो राज्य के नेता जंतर-मंतर पर तब तक धरना देंगे जब तक कि उनकी बात नहीं सुनी जाती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेजे गए पत्र का जिक्र करते हुए यादव ने कहा, यह दुखद है कि प्रधानमंत्री ने जवाब भी नहीं दिया। कुमार ने करीब एक हफ्ते पहले पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुलाकात करने का समय मांगा था।यादव ने कहा, ऐसा तब हो रहा है जब बिहार के लोगों ने लोकसभा चुनाव में राजग को बढ़-चढ़कर वोट दिया और भाजपा नीत गठबंधन ने 40 में से 39 सीटों पर जीत दर्ज की।

छापेमारी के दौरान एनसीबी के पांच अधिकारी घायल

● नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

भाषा। मुंबई

मुंबई के पूर्वी उपनगर मानखुर्द में छापेमारी के दौरान मादक पदार्थों के तस्करों के एक गिरोह के हमले में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के कम से कम पांच अधिकारी घायल हो गए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना मानखुर्द में बृहस्पतिवार रात रेलवे पटरियों के समीप एक दलदली क्षेत्र में हुई।

उन्होंने बताया कि एनसीबी एक नाइजीरियाई नागरिक को पकड़ने में कामयाब रहा और एक करोड़ रुपए से अधिक की हेरोइन, मेफेड्रोन (एमडी) और कोकीन जब्त की गई, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य एनसीबी टीम पर हमला करने के बाद अंधेरे और दुर्गम इलाके का फायदा उठाकर भाग गए। अधिकारी ने बताया कि एनसीबी की आंचलिक इकाई को मानखुर्द थाने के पास दलदली इलाके से एक गिरोह के सक्रिय होने की सूचना मिली थी और आंचलिक निदेशक समीर वानखेड़े के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने एनसीबी टीम पर पत्थरों, छुरे और अन्य हथियारों से हमला किया, जिसमें पांच अधिकारी घायल हो गए, जिनमें से एक के सिर पर चोट आई। अधिकारी ने बताया कि नाइजीरियाई नागरिक ओबियोरा एकवेलर को 254 ग्राम हेरोइन, 52 ग्राम एमडी और 7.5 ग्राम कोकीन के साथ पकड़ा गया। यह ऐसी दूसरी घटना है, जहां पिछले कुछ दिनों में एक अभियान के दौरान एनसीबी की टीम पर हमला हुआ है।

उचित समय में एमएलसी नामांकनों पर निर्णय लेना राज्यपाल का संवैधानिक कर्तव्य: अदालत

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि विधान परिषद (एमएलसी) के सदस्यों के रूप में 12 व्यक्तियों को नामित करने के लिए राज्य मंत्रिमंडल द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को उचित समय के भीतर स्वीकार या अस्वीकार करना महाराष्ट्र के राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति जी एस कुलकर्णी की खंडपीठ ने कहा कि कैबिनेट द्वारा राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को सूची भेजे जाने के आठ महीने बीत चुके है और यह उचित समय है। उसने कहा कि इस गतिरोध को दूर करना होगा।

अदालत ने कहा कि यह बेहद वांछनीय होगा यदि राज्यपाल बिना किसी देरी के अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं क्योंकि विधान परिषद में सीटों को अनिश्चितकाल तक खाली नहीं रखा जा सकता है। न्यायाधीशों ने कहा, हालांकि एक राज्यपाल अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं है, हम अपनी उम्मीद और विश्वास व्यक्त करते हैं कि संवैधानिक दायित्व पूरा हो रहा है और चीजें जल्द से जल्द ठीक हो जाएंगी। पीठ ने कहा, अगर कहावत हर चीज होने के पीछे एक कारण होता है पर विश्वास किया जाए तो हमें यकीन है कि प्रस्ताव पर अब तक कुछ नहीं कहने का राज्यपाल के पास एक वास्तविक कारण है। राज्यपाल का यह कर्तव्य है कि वह प्रस्ताव पर उचित समय के भीतर मुख्यमंत्री को अपने विचारों से अवगत कराएं और उन्हें बताएं।

पीठ ने नासिक निवासी रतन सोली लूथ द्वारा दाखिल एक याचिका पर अपना आदेश पारित किया। याचिका में राज्यपाल बी एस कोश्यारी को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मंत्रिपरिषद द्वारा नवंबर 2020 में पदों के लिए 12 नामों की सिफारिश करने वाले नामांकनों पर निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। राज्य सरकार को उम्मीद थी कि राज्यपाल 15 दिनों के भीतर प्रस्ताव पर फैसला ले लेंगे। न्यायालय ने कहा, मौजूदा मामले में आठ महीने बीत चुके हैं। यह हमारे अनुसार उपयुक्त समय है। यह महत्वपूर्ण है कि वर्तमान मामले में राज्यपाल के दायित्व का बिना किसी देरी के निर्वहन किया जाए। न्यायालय ने कहा, हालांकि यह सच है कि राज्यपाल अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं है, हम उम्मीद और विश्वास करते हैं कि संवैधानिक दायित्व को पूरा किया जा रहा है।

बारह एमएलसी की नियुक्ति को मंजूरी देने में देरी को लेकर कोश्यारी सत्तारूढ़ महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के निशाने पर है। राकांपा के नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने इस साल की शुरुआत में राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद के लिए 12 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा में देरी को लेकर कोश्यारी पर कटाक्ष किया था। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार को इस मामले में अदालत नहीं जाना पड़ेगा।

पटना में नाग पंचमी के अवसर पर शेषनाग की मूर्ति पर जल चढ़ाकर पूजा करते हुए श्रद्धालु।

सेंसेक्स पहली बार 55,000 अंक के पार

निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

भाषा। मुंबई

देश के शेयर बाजारों में लगातार तेजी का रुख शुक्रवार को भी जारी रहा। अर्थव्यवस्था में सुधार दिखाई देने और वृद्धि को लेकर उम्मीदें बढ़ने से सेंसेक्स 593 अंक की ऊंची छलांग के साथ पहली बार 55,000 अंक के पार बंद हुआ। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक तथा एचडीएफसी के शेयरों में लिवाली से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। हालांकि, फार्मा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन लाभ में रहा और यह 593.31 अंक या 1.08 प्रतिशत की ऊंची छलांग के साथ 55,437.29 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 55,487.79 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पहली बार 16,500 अंक के स्तर को पार कर गया। निफ्टी 164.70 अंक या 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,529.10 अंक के नए रिकॉर्ड स्तरपर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान इसने 16,543.60 अंक का अपना सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे अधिक 3.22 प्रतिशत ऊं चा रहा। लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, बजाज ऑटो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, डॉ रेड्डीज, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी तथा टेक महिंद्रा के शेयर 1.28 प्रतिशत तक टूट गए।

साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,159.57 अंक या 2.13 प्रतिशत तथा निफ्टी 290.90 अंक या 1.79 प्रतिशत चढ़ा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, आईटी शेयरों में सतत सुधार तथा वित्तीय और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों में बढ़त से बाजार को मदद मिली और यह नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अन्य एशियाई बाजारों में कमजोरी का रुख यहां धारणा को प्रभावित नहीं कर सका। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.59 प्रतिशत पर आ गई है जिससे निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन जून महीने में सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़ा है। इससे भी निवेशकों की धारणा को बल मिला। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत के नुकसान के साथ बंद हुए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार सकारात्मक रुख में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.10 प्रतिशत टूटकर 71.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.24 प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 212.11 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

आईएमएफ इस महीने पाकिस्तान को 2.77 अरब डॉलर उपलब्ध कराएगा

इस्लामाबाद। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) इस महीने पाकिस्तान को बिना शर्त वाला 2.77 अरब डॉलर का कोष उपलब्ध कराएगा। वैश्विक ऋणदाता ने पाकिस्तान सरकार द्वारा युवा ऋण योजना से संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए सहमत होने के बाद यह निर्णय किया है। डॉन न्यूज के अनुसार पाकिस्तान के वित्त मंत्री शौकत तरीन ने बृहस्पतिवार को मीडिया को बताया कि सरकार ने अपने प्रस्तावित 1,600 अरब रुपए के कामयाब पाकिस्तान कार्यक्रम (केपीपी) पर आईएमएफ की चिंताओं को दूर करेगी। इसके साथ ही सरकार छह अरब डॉलर की विस्तारित कोष सुविधा को आगे बढ़ाएगी, जो वर्तमान में रुकी हुई। वित्त मंत्री ने बताया कि आईएमएफ 23 अगस्त को 650 अरब डॉलर के आवंटन में से 2.77 अरब डॉलर स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के खाते में स्थानांतरित करेगा।

क्विक न्यूज

ग्वालियर को इंदौर और दिल्ली से जोड़ने वाली दैनिक उड़ानें शुरू करेगी इंडिगोः सिंधिया

नई दिल्ली। केंद्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि इंडिगो एक सितंबर से ग्वालियर को इंदौर और दिल्ली से जोड़ने वाली दैनिक उड़ाने शुरू करेगी। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, "इंडिगो एक सितंबर से मध्य प्रदेश से दैनिक उड़ाने शुरू करेगी। इन उड़ानों में दिल्ली-ग्वालियर-दिल्ली, ग्वालियर-इंदौर-ग्वालियर, इंदौर-ग्वालियर-इंदौर, ग्वालियर-दिल्ली-ग्वालियर उड़ानें शामिल है।" सिंधिया ने बृहस्पतिवार को इंडिगो की बरेली-मुंबई उड़ान को हरी झंडी दिखाई थी जो क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान के तहत संचालित होगी। मंत्री ने शुक्रवार को ट्वीट किया, हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नागरिक उड्डयन मंत्रालय देश भर में नागरिकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और उनके विकास को पंख देने के लिए प्रतिबद्ध है।

टाटा पावर ने गुजरात में चालू की 100 मेगावाट की सौर परियोजना

नई दिल्ली। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात के राधनेस्दा सोलर पार्क में 100 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाली एक सौर परियोजना शुरू की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस परियोजना से हर साल कार्बन उत्सर्जन में 2,00,000 टन की कमी होगी। गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित राधनेस्दा सोलर पार्क देश के सबसे बड़े सौर उद्यानों में से एक है। इसमें कहा गया कि टाटा पावर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने गुजरात के राधनेस्दा सोलर पार्क में 100 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है।

वोकहार्ट ने स्पूतनिक के उत्पादन, आपूर्ति के लिए दुबई की कंपनी के साथ समझौता किया

नई दिल्ली। दवा कंपनी वोकहार्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसने दुबई की कंपनी एनसो हेल्थकेयर और रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) की सहायक कंपनी के साथ कोविड-19 टीका स्पूतनिक के उत्पादन और आपूर्ति के लिए एक समझौता किया है। वोकहार्ट ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसने स्पूतनिक वी, स्पूतनिक लाइट टीके के उत्पादन एवं आपूर्ति के लिए एनसो और ह्यूमन वैक्सीन एलएलसी के साथ एक समझौता किया है, जो आरडीआईएफ की प्रबंधन कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है। ह्यूमन वैक्सीन एलएलसी से सफल प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर जरूरी मंजूरी और अन्य शर्तों के अधीन, कंपनी एनसो के लिए स्पूतनिक वी और स्पूतनिक लाइट टीकों की 62 करोड़ खुराक तक का उत्पादन और आपूर्ति करेगी। वोकहार्ट ने कहा, "स्पूतनिक वी और स्पूतनिक लाइट की 62 करोड़ खुराक तक के उत्पादन के अनुबंध के लिए समझौते की अवधि जून 2023 तक है।"

जीएमआर इंफ्रा को काकिनाडा सेज में हिस्सेदारी की बिक्री से पहली किश्त में 1,692 करोड़ मिले

नई दिल्ली। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर ने शुक्रवार को कहा कि उसे अरबिंदो रियल्टी को काकिनाडा सेज और पोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री के लिए पहली किश्त में 1,692 करोड़ रुपए मिले है। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जीएमआर सेज एंड पोर्ट होल्डिंग्स (जीएसपीएचएल) ने काकिनाडा सेज (विशेष आर्थिक क्षेत्र) में अपनी पूरी 51 प्रतिशत हिस्सेदारी अरबिंदो रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (एआरआईपीएल) को बेच दी है। जीएमआर ने एक बयान में कहा कि काकिनाडा सेज की हिस्सेदारी के हस्तांतरण के हिस्से के रूप में और नियामक जरूरतों के संदर्भ में, काकिनाडा गेटवे पोर्ट लिमिटेड में काकिनाडा सेज की 74 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी भी अरबिंदो रियल्टी को हस्तांतरित की जा रही है। काकिनाडा सेज में हिस्सेदारी के लिए एआरआईपीएल जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर को कुल 2,719 करोड़ रुपए देगी।

वोडाफोन आइडिया बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्धः टक्कर

नई दिल्ली। वोडाफोन आइडिया के सीईओ रविंदर टक्कर ने कंपनी के सामने मौजूद अस्तित्व के संकट के बीच उपभोक्ताओं के नाम अपने एक संदेश में कहा कि दूरसंचार कंपनी बेहतर सेवाएं और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव देना जारी रखेगी। उन्होंने कंपनी के वीआई ब्रांडिंग की पहली वर्षगांठ के करीब पहुंचने पर उपयोक्ताओं को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वीआई डिजिटल इंडियन और डिजिटल भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी, सेवाएं एवं समाधान पेश करते हुए देश के साथ-साथ खड़ा है। टक्कर ने कहा कि कंपनी उपयोक्ताओं को आगे रखने के इस वादे को पूरा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा आगे की ओर देखते हुए, हम आपको बेहतर सेवाएं और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव देना जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हालांकि, टक्कर ने अपने संदेश में वीआईएल के सामने मौजूद समस्याओं का कोई उल्लेख नहीं किया।

अहमदाबाद में वाहन कबाड़ केंद्र के लिए टाटा मोटर्स का गुजरात सरकार से करार

नई दिल्ली। घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स ने अहमदाबाद में वाहन को कबाड़ (स्क्रैप) में बदलने की सुविधा खड़ी करने को गुजरात सरकार से हाथ मिलाया है। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी ने बंदरगाह एवं परिवहन विभाग के जरिए राज्य सरकार के साथ सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए है। यह वाहन कबाड़ केंद्र यात्री और वाणिज्यिक वाहनों दोनों के लिए होगा। इसकी क्षमता सालाना 36,000 वाहनों की रिसाइक्लिंग या पुनःचक्रीकरण की होगी। टाटा मोटर्स एक भागीदार के सहयोग से कबाड़ केंद्र स्थापित करेगी। बयान में कहा गया है कि राज्य का बंदरगाह एवं परिवहन विभाग गुजरात सरकार के नियमों और नियमनों तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पंजीकृत वाहन कबाड़ सुविधा की स्थापना के मसौदे के तहत आवश्यक मंजूरियों में सहयोग करेगा। टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक एवं अध्यक्ष (वाणिज्यिक वाहन कारोबार इकाई) गिरीश वाघ ने कहा, कंपनी ने वाहन कबाड़ क्षेत्र में भागीदारी की घोषणा की है। यह टाटा मोटर्स के लिए ऐतिहासिक कदम है।

निर्यात जुलाई में 49.85 प्रतिशत बढ़कर 35.43 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली। देश का निर्यात जुलाई महीने में 49.85 प्रतिशत बढ़कर 35.43 अरब डॉलर पर पहुंच गया। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग और रत्न एवं आभूषणों के निर्यात में अच्छी वृद्धि से जुलाई में कुल निर्यात बढ़ा है। हालांकि, इस दौरान व्यापार घाटा बढ़कर 10.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में आयात भी करीब 63 प्रतिशत बढ़कर 46.40 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बयान में कहा गया है कि माह के दौरान व्यापार घाटा 10.97 अरब डॉलर रहा, जो जुलाई, 2020 में 4.83 अरब डॉलर था। समीक्षाधीन महीने में कच्चे तेल का आयात 97.45 प्रतिशत बढ़कर 12.89 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने (अप्रैल-जुलाई) के दौरान देश का निर्यात 74.5 प्रतिशत बढ़र 130.82 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 75 अरब डॉलर रहा था। पहले चार माह में आयात 94 प्रतिशत बढ़कर 172.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

अगले साल की शुरुआत में नीतिगत दर में वृद्धि कर सकता है रिजर्व बैंकः विश्लेषक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक का ऊंची मुद्रास्फीति को लेकर ब्याज दरों में संयम की स्थिति जल्द समाप्त हो सकती है। विश्लेषकों का मानना है कि केंद्रीय बैंक 2022 की पहली छमाही में संभवतः ब्याज दरों में बढ़ोतरी की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रिजर्व बैंक अपने नरम रुख को भी वापस लेना शुरू करेगा। केंद्रीय बैंक के नरम रुख की वजह से भी तरलता की स्थिति अभी सुगम है। विश्लेषकों ने यह राय ऐसे समय जताई है जबकि जुलाई में मुद्रास्फीति घटकर 5.6 प्रतिशत रह गई है। इससे दो माह पहले यह रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर छह प्रतिशत को पार कर गई थी। केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दरों को यथावत रखा हुआ है। साथ ही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वद्धि को प्रोत्साहन के लिए उसने अपने नरम रुख को भी जारी रखा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मौजूदा परिस्थितियां अभी नरम रुख को वापस लिए जाने के पक्ष में नहीं हैं। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने कहा, रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति को लेकर संयम बरता है और साथ ही उसने अपने नरम रुख को कायम रखा है। लेकिन मुद्रास्फीति ऊपरी स्तर पर बनी हुई है जिससे लगता है कि केंद्रीय बैंक का संयम अब समाप्त होने को है। क्रिसिल की समकक्ष एक्यूट का अनुमान है कि नीति का सामान्ईकरण धीरे-धीरे होगा। यह टीकाकरण की स्थिति तथा राजकोषीय रुख की स्पष्टता पर निर्भर करेगा। एक्यूट ने कहा कि कहा कि आगे केंद्रीय बैंक रिवर्स रेपो दर को 0.40 प्रतिशत बढ़ा सकता है जिससे रेपो दर के साथ उसका अंतर घटकर फरवरी, 2022 तक 0.25 प्रतिशत पर आ सके। विश्लेषकों ने कहा कि टीकाकरण अभियान से हर्ड इम्युनिटी हासिल होने की उम्मीद है जिसके बाद अप्रैल, 2022 में रिजर्व बैंक रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

तमिलनाडु सरकार ने पेट्रोल पर तीन रुपए प्रति लीटर कर घटाने की घोषणा की

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने शुक्रवार को विधानसभा में अपनी सरकार का पहला बजट पेश करते हुए कहा की सरकार ने पेट्रोल पर कर में तीन रुपए प्रति लीटर कटौती का फैसला किया है। उन्होंने कहा, मैं सदन को बताते हुए बहुत खुश हूं कि सरकार ने पेट्रोल पर कर की प्रभावी दर को तीन रुपए प्रति लीटर कम करने का फैसला किया है। इस कदम से राज्य में लोगों को राहत मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि इस कदम से राज्य सरकार को हालांकि सालाना 1,160 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होगा। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) ने दरअसल विधानसभा चुनावों के दौरान सरकार बनने पर पेट्रोल पर पांच रपए और डीजल पर चार रुपए प्रति लीटर की कटौती करने का वादा किया था। हालांकि, विपक्षी एआईएडीएमके ने द्रमुक सरकार से अपने चुनावी वादे को पूरा करने की मांग की है।

सरकार ने आरआईएनएल सौदा सलाहकारों के लिए बोली लगाने की समयसीमा 26 अगस्त तक बढ़ाई

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को आरआईएनएल के निजीकरण के प्रबंधन की खातिर सौदा सलाहकार के लिए बोली लगाने की समयसीमा नौ दिन बढ़ाकर 26 अगस्त कर दी। यह लेनदेन सलाहकारों के लिए किया गया दूसरा विस्तार है। पहली समय सीमा 28 जुलाई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 17 अगस्त और अब 26 अगस्त तक कर दिया गया है। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सात जुलाई को आरआईएनएल या विजाग स्टील के लिए लेनदेन सलाहकारों की नियुक्ति की खातिर प्रस्ताव अनुरोध (आरएफपी) पत्र आमंत्रित किया था। सरकार दीपम को सलाहकार सेवाएं प्रदान करने और आरआईएनएल में सरकार की हिस्सेदारी और साथ ही आरआईएनएल की अपनी अनुषंगियोंसंयुक्त उद्यमों में हिस्सेदारी के रणनीतिक विनिवेश के प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित मर्चेंट बैंकरों या परामर्श कंपनी से एक लेनदेन सलाहकार नियुक्त करेगी।

उत्सर्जन नियमों का नया चरण लागू करने का यह सही समय नहींः मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा है कि अगले साल से देश में उत्सर्जन नियमों का नया चरण लागू होने से वाहन कंपनियां कीमतें बढ़ाने के लिए बाध्य होंगी, जिससे पहले से ही गंभीर मंदी का सामना कर रहे उद्योग की बिक्री में और गिरावट आएगी। कंपनी ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कारों की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है जिससे लोगों के लिए नई कारें खरीदना मुश्किल हो रहा है। एमएसआई के चेयरमैन आर सी भार्गव ने पीटीआई-भाषा से कहा, "मुझे नहीं लगता कि सीएएफई (कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता) नियमों के नए चरण को लागू करने का यह सही समय है। वह सीएएफई नियमों के अगले चरण को लागू करने से वाहन उद्योग पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। भार्गन ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से कारों की कीमतें बढ़ रही हैं।

अहमदाबाद में रक्षाबंधन उत्सव से पहले कोविड-19 की थीम पर एक मुस्लिम व्यक्ति ने राखी बनाई

घरेलू निर्यातकों को कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिएः विजय राघवन

भाषा। नई दिल्ली

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार विजय राघवन ने घरेलू निर्यातकों को कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने का सुझाव दिया है क्योंकि यह अभी भी इस क्षेत्र के निर्यातकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि कृषि, बागवानी और मत्स्य पालन क्षेत्र के निर्यात में गुणवत्ता, विनियमन और बाजार विश्लेषण का महत्वपूर्ण महत्व है। उन्होंने ए बातें 12 अगस्त को संपन्न अनुसंधान एवं विकास निर्यात पर फियो (भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ) की दो दिवसीय आभासी ओरिएन्टेशन कार्यशाला में कही। राघवन के हवाले से फियो ने एक बयान में कहा, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने कृषि उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया, क्योंकि यह अभी भी हमारे देश में कृषि निर्यातकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। सलाहकार ने यह भी कहा कि आरएंडडी (अनुसंधान और विकास) सेवाओं में वैश्विक व्यापार वर्ष 2020 में 339 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसमें से निर्यात 167 अरब डॉलर

था, और भारत के पास इस क्षेत्र में भारी क्षमता संभावना है। उन्होंने कहा, जलवायु परिवर्तन, पौधों के विकास, निर्यात आदि के आंकड़ों का विश्लेषण करके आईटी कृषि राष्ट्र बनने पर अतिरिक्त ध्यान देने के साथ-साथ कृषि को शास्त्रीय तरीके से देखने की जरूरत है। फियो के अध्यक्ष ए शक्तिवेल ने कहा कि देश के आर्थिक विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश महत्वपूर्ण है। शक्तिवेल ने कहा, भारत को अनुसंधान एवं विकास में निवेश बढ़ाने की जरूरत है, जो वर्तमान में हमारे सकल घरेलू उत्पाद का 0.7 प्रतिशत है, जो कि अमेरिका (जीडीपी का 2.8 प्रतिशत), चीन (2.1 प्रतिशत) और इज़राइल (4.3 प्रतिशत) जैसे कई देशों द्वारा अनुसंधान एवं विकास पर किए गए खर्च से काफी कम है।

यूपी के बाद प. बंगाल में शराब पीने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक : रिपोर्ट

कोलकाता। उत्तर प्रदेश के बाद शराब पीने वाले लोगों की संख्या के मामले में पश्चिम बंगाल दूसरे स्थान पर है। आर्थिक शोध एजेंसी इक्रियर तथा विधि परामर्शक कंपनी पीएलआर चैंबर्स के एक संयुक्त अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। अध्ययन के अनुसार, पश्चिम बंगाल में करीब 14 करोड़ लोग ऐसे है, जो शराब पीते हैं। यह राज्य के तीन प्रमुख राजस्व कमाई वाले क्षेत्रों में है। अध्ययन में कहा गया है कि राज्य में मूल्य मॉडल में हाल में बदलाव किया गया है। इसे मुक्त बाजार से निचला एक्स-डिस्टिलरी मूल्य (ईडीपी) किया गया है। शराब पर करों में बढ़ोतरी हुई है जो उद्योग के लिए एक प्रमुख चिंता की वजह है। अध्ययन में कहा गया है कि खुदरा कीमतों में भारी बढ़ोतरी से राज्य में देश में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणना का तरीका हालांकि निचला ईडीपी है, लेकिन आबकारी शुल्क बढ़ा दिया गया है। मूल्य में बदलाव पर उपभोक्ताओं प्रतिक्रिया के लिहाज से इस मुद्दे की समीक्षा करने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अल्कोहलिक पेय के मामले में दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। 2020 में इस बाजार का आकार 52.5 अरब डॉलर था। शराब के बाजार में 2020 से 2023 के दौरान सालाना 6.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। देश में 2015-16 से 2018-19 के दौरान शराब का उत्पादन करीब 23.8 प्रतिशत बढ़ा है। अध्ययन में कहा गया है कि क्षेत्र ने करीब 15 लाख लोगों को रोजगार दिया है।

पेज 1 का शेष

तालिबान के...

दी है कि बलपूर्वक स्थापित किसी भी सरकार को खारिज किया जाएगा। वार्ता के लिए अमेरिकी दूत जलमय खलीलजाद ने कहा कि हम शहरों के खिलाफ हमलों को तत्काल समाप्त करने की मांग करते हैं और एक राजनीतिक समाधान का आग्रह करते हैं। तालिबान काबुल के दक्षिण में स्थित लोगार प्रांत में भी आगे बढ़ रहे हैं। उसने प्रांतीय राजधानी पुली-ए अलीम में पुलिस मुख्यालय और साथ ही पास की एक जेल पर कब्जा करने का दावा किया है। यह शहर काबुल से लगभग 80 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। पश्चिमी गोर प्रांत में प्रांतीय परिषद के प्रमुख फ़ज़ल हक एहसन ने शुक्रवार को कहा कि तालिबान प्रांतीय राजधानी फीरोज कोह में प्रवेश कर गया है और शहर के अंदर लड़ाई चल रही है।

पीड़ितों को...

हो गई है, जहां जेनरेटर, बैटरी आदि के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था एवं मोबाइल चार्ज की सुविधा सुलभ करायी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत एवं बचाव तथा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निरन्तर पेट्रोलिंग की जाए। राहत शिविरों में महिला आरक्षियों की तैनाती अनिवार्य रूप से हो। फसल को हुई क्षति का सर्वेक्षण कराकर हर किसान को मुआवजा दिलाना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिया में प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य मुस्तैदी से सम्पादित किए जा रहे हैं। एनडीआरएफए एसडीआरएफए पीएसी की जल पुलिस एवं स्थानीय गोताखोरों व नाविकों के माध्यम से सुरक्षित आवागमन व राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद में गंगा ए सरयू एवं टोंस नदी के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। यहां 112 राजस्व ग्राम बाढ़ की चपेट में हैं। 1,41,450 की आबादी बाढ़ से प्रभावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पानी से घिरे या इधर.उधर रह रहे बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थल पर राहत शिविरों में पहुंचाने के साथ उनको फूड पैकेटए सामुदायिक किचन के माध्यम से भोजन एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक बाढ़ प्रभावित गांव के लिए एक नोडल अधिकारी की तैनाती की व्यवस्था पहले से की जा चुकी है। जिला प्रशासन को इस व्यवस्था को और पुख्ता करने के निर्देश दिए गये हैं। बाढ़ से प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर स्थित शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। बाढ़ पीड़ितों को समय से राहत सामग्री का वितरण कराया जा रहा है। पुलिस विभाग को प्रभावी पेट्रोलिंग जारी रखने के निर्देश दिए गये हैं।

शुरू हुई...

भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पुनर्चक्रण, पुन:प्रयोग और भरपाई के सिद्धांत पर चलते हुए यह नीति ऑटो क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को भी नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, यह नीति देश में 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश लाएगी और हजारों रोजगार का सृजन करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश करने वाला है और यहां से देश के लिए अगले 25 वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन आने वाले 25 सालों में हमारे कामकाज का तरीका, रोजमर्रा के जीवन, व्यापार-कारोबार में और अनेक परिवर्तन होने वाले हैं और यह होंगे ही। मोदी ने कहा कि जिस तरह प्रौद्योगिकी बदल रही है, हमारी जीवनचर्या हो या फिर हमारी अर्थव्यवस्था, दोनों में बहुत बदलाव होगा। इस परिवर्तन के बीच हमारे लिए पर्यावरण, हमारी जमीन और हमारे संसाधनों की रक्षा भी उतनी ही जरूरी है।

स्वर्ण पदक...

को एक-एक करोड़ रुपये और ओलिंपिक में अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली महिला हाकी टीम को पुरस्कार स्वरूप 50-50 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा ओलंपिक में शामिल प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को सम्मानस्वरूप अलग से धनराशि दी जाएगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने आज जनपद गोरखपुर में गोरक्षनाथ मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में गोरखपुर मण्डल के विभिन्न विधाओं के 75 खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

देश की...

सोचा था कि यह उम्मीद एक रोशनी है जहां हम ट्विटर पर अपने विचार रख सकते थे। लेकिन यह बात नहीं है। उन्होंने कहा, अब यह स्पष्ट है कि ट्विटर तटस्थ एवं उद्देश्यात्मक मंच नहीं है। यह पक्षपातपूर्ण मंच है। यह वही सुनता है, जो सरकार कहती है।

ट्विटर ने...

माहेश्वरी के भारत में उत्तराधिकारी के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया है। ट्विटर में आने से पहले माहेश्वरी नेटवर्क18 डिजिटल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे। वह फ्लिपकार्ट तथा पीएंडजी जैसे संगठनों में भी काम कर चुके हैं।

पांच सौ...

व शत्रुघ्न को विराजित किया गया। सुबह सात बजे मंदिर खुलने के साथ ही भक्तों को झूले पर विराजमान रामलला का दर्शन प्राप्त होने लगा है। आचार्य सत्येंद्र दास इस पल का साक्षी बनकर भावुक नजर आ रहे थे। कहां की रामलला का ठाठ देख कर मन निहाल है। बताया कि श्रावण पूर्णिमा पर झूलन उत्सव का समापन होगा। ट्रस्ट के पदाधिकारी चंपत राय सहित अन्य ट्रस्टियो ने भी राम लला की पूजा अर्चना की।

कोविड के दौरान मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के जरिए शेयर कारोबार बढ़ाः सेबी प्रमुख

भाषा। नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी के दौरान शेयर बाजारों में खुदरा निवेशकों की संख्या में जबरदस्त उछाल आया है। इस दौरान मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के जरिए शेयरों में कारोबार बढ़ा है। सेबी प्रमुख अजय त्यागी ने शुक्रवार को यह कहा। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान प्रतिभूति बाजारों में आए कई बदलाव के बारे में बताया।

त्यागी ने निवेश और प्रतिभूति कानून में एलएलएम को लेकर आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान कहा, इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से ट्रेडिंग ने पारंपरिक तरीके से किए जाने व्यापार की जगह ले ली है। नए उत्पादों और सेवाओं का उदय हुआ है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग करने वाली रणनीतियाँ भी इस दौरान चलन में आईं। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट आफ सियकफरिटीज मार्किट्स (एनआईएसएम) और महाराष्ट्र नेशनल ला यूनिवर्सिट (एमएनएलयू) ने किया। उन्होंने कहा, कोविड के दौरान हम स्थिति में और बदलाव देख सकते हैं। हम बाजार में खुदरा निवेशकों की बढ़ती संख्या देख रहे हैं।

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक के जरिए शेयर कारोबार में तेजी आई है। त्यागी के अनुसार कई वर्षों से जारी इन परिवर्तनों ने यह साबित किया है कि भारतीय प्रतिभूति बाजार के लिए भारत में मौजूद कानून सबसे गतिशील कानूनों में से एक हैं। सेबी प्रमुख ने कहा कि दुनिया भर की कंपनियां अब बैंक वित्त के बजाय अपनी कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिभूति बाजारों पर अधिक से अधिक भरोसा कर रही हैं। छात्रों को संबोधित करते हुए त्यागी ने कहा कि प्रतिभूति कानून एक अलग तरह की विविधता और गतिशीलता प्रदान करते हैं।

एयरटेल, जियो ने स्पेक्ट्रम हस्तांतरण समझौता पूरा किया

भाषा। नई दिल्ली

भारती एयरटेल ने शुक्रवार को रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ तीन सर्किलों में 800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल का अधिकार जियो को हस्तांतरित करने के अपने समझौते को पूरा करने की घोषणा की। एयरटेल ने कहा कि उसे प्रस्तावित हस्तांतरण के लिए जियो से 1,004.8 करोड़ रुपए (कर हटाने के बाद) हासिल हुए हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा जियो स्पेक्ट्रम से संबंधित 469.3 करोड़ रुपए की भविष्य की देनदारियों का भी दायित्व लेगी। दोनों कंपनियों ने इससे पहले कहा था कि रिलायंस जियो इन्फोकॉम के साथ भारती एयरटेल के सौदे में आंध्र प्रदेश (3.75 मेगाहर्ट्ज), दिल्ली (1.25 मेगाहर्ट्ज) और मुंबई (2.50 मेगाहर्ट्ज) सर्किल में एयरटेल के 800 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के इस्तेमाल के अधिकार का हस्तांतरण शामिल है।

इंग्लैंड तीन विकेट पर 119, भारत 245 रन आगे

● एंडरसन के पांच विकेट, भारत 364 पर आउट

भाषा। लंदन

अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के पांच विकेट और मंझे हुए बल्लेबाज जो रूट की एक और सधी पारी से इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अच्छी वापसी की।

मोहम्मद सिराज (34 रन देकर दो) ने तीसरे सत्र के पहले ओवर में लगातार गेंदों पर विकेट लिए लेकिन इसके बाद रूट (75 गेंदों पर नाबाद 48) और रोरी बर्न्स (136 गेंदों पर 49) ने तीसरे विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की जिससे इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 119 रन बनाए। भारत ने इससे पहले अपने आखिरी आठ विकेट 97 रन के अंदर गंवाए। दूसरे दिन उसने पहली सात गेंद के अंदर कल के दोनों अविजित बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। भारत रविंद्र जडेजा (120 गेंदों पर 40) और ऋषभ पंत (58 गेंदों पर 37) के बीच छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी से पहली पारी में 364 रन तक पहुंच पाया। इस तरह से इंग्लैंड अभी भारत से 245 रन पीछे है। इंग्लैंड के गेंदबाजों में एंडरसन ने फिर से अपना कमाल दिखाया तथा 62 रन देकर पांच विकेट लिए। यह 31वां अवसर है जबकि उन्होंने पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए। उनके अलावा ओली रॉबिन्सन (73 रन देकर दो), मार्क वुड (91 रन देकर दो) और स्पिनर मोईन अली (53 रन देकर एक) ने विकेट लिए। भारतीय पारी का आकर्षण सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का शतक रहा। उन्होंने 250 गेंदों पर 129 रन बनाए जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल है। उनके अलावा रोहित शर्मा (83), कोहली (42), जडेजा और पंत ही दोहरे अंक में पहुंचे। बर्न्स और डॉम सिब्ली (11) ने चाय के विश्राम से पहले 14 ओवरों में भारतीय गेंदबाजों को सफलता नहीं मिलने दी लेकिन सिराज ने तीसरे सत्र की पहली तीन गेंदों पर दो विकेट लेकिर इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। सिब्ली ने शार्ट मिडविकेट पर राहुल के रूप में क्षेत्ररक्षक होने के बावजूद सिराज की ऑन साइड में जा रही गेंद को फ्लिक करके अपना विकेट इनाम में दिया। पांच साल बाद टेस्ट टीम में वापसी करने वाले हसीब हमीद गोल्डन डक बने। सिराज की फुललेंथ गेंद को समझ नहीं पाने के कारण वह बोल्ड हुए। रूट ने सिराज की हैट्रिक नहीं बनने दी। इस तेज गेंदबाज ने हालांकि बाद में इंग्लैंड के कप्तान के खिलाफ पगबाधा की दो विश्वसनीय अपील की थी जिस पर भारत ने दो रिव्यू भी गंवाए। कोहली ने क्षेत्ररक्षण कप्तान के रूप में अभी तक जो 167 डीआरएस लिए हैं उनमें से 116 उन्होंने गंवाए हैं। रूट बौर बर्न्स ने इसके बाद 11 गेंद के अंदर छह चौके जड़कर गेंदबाजों पर दबाव बनाया। ए दोनों जब सहजता से इंग्लैंड को अच्छी स्थिति में ले जा रहे थे तब मोहम्मद शमी (23 रन देकर एक) से फिर से गेंद संभाली और दूसरी गेंद पर ही बर्न्स को पगबाधा आउट किया। बर्न्स एक रन से अर्धशतक से चूक गए। उन्होंने इंग्लैंड का एक रिव्यू भी गंवाया। स्टंप उखड़ने के समय रूट के साथ जॉनी बेयरस्टॉ छह रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले भारत ने सुबह तीन विकेट पर 276 रन से आगे खेलना शुरू लेकिन उसकी दिन की शुरुआत निराशाजनक रही। राहुल अपने कल के स्कोर में दो रन जोड़कर रॉबिन्सन की दिन की दूसरी गेंद पर कवर पर आसान कैच दे बैठे जबकि एंडरसन ने अगले ओवर में पहली गेंद पर अजिंक्य रहाणे (एक) को स्लिप में कैच कराया। इस तरह से कोहली, चेतेश्वर पुजारा और रहाणे की खराब फॉर्म जारी रही। पंत ने रॉबिन्सन और एंडरसन दोनों पर चौके लगाकर उनका हौव्वा कम करने की कोशिश की।

केएल राहुल अपनी योजना में स्पष्ट थे: रोहित शर्मा

भाषा। लंदन

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का मानना है कि केएल राहुल अपनी शतकीय पारी के दौरान दिमाग में बिना किसी विचार के साथ खेले और उन्होंने योजना का कार्यान्वयन शानदार ढंग से किया। रोहित ने भी 83 रन की आकर्षक पारी खेली और राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 126 रन की भागीदारी निभाई। राहुल ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन नाबाद 127 रन बना लिए थे। रोहित ने गुरूवार को दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, मैंने केएल को जब भी बल्लेबाजी करते हुए देखा है, उसमें शायद यह सर्वश्रेष्ठ पारी थी और वह पहली गेंद से आज दिन के अंत तक पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण बनाए हुए था। इस सीनियर खिलाड़ी ने कहा, किसी भी जगह ऐसा नहीं लगा कि वह भ्रमित था या कुछ ज्यादा सोच रहा था। वह अपनी रणनीति के बारे में काफी स्पष्ट दिख रहा था और जब आप अपनी योजनाओं पर भरोसा करते हो तो यह निश्चित रूप से कारगर होता है। मुझे लगता है कि आज उसका दिन था और उसने सही में इसका पूरा फायदा उठाया।

विश्व कप विजेता अंडर-19 भारतीय कप्तान उन्मुक्त चंद ने संन्यास लिया

भाषा। मुंबई

अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त चंद ने शुक्रवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। चंद अपनी यह सफलता सीनियर स्तर पर नहीं दोहरा सके। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने लगातार ट्वीट कर इस फैसले की घोषणा की। 28 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी कुछ यादगार वीडियो के साथ एक लंबा सा नोट भी लिखा। पूरी संभावना है कि चंद अपने अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के साथी समित पटेल की तरह अमेरिका में टी20 लीग में खेलेंगे। वहां पर खेलने के लिए उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ती क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अपने पंजीकृत खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता।

चंद ने नोट में लिखा, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से चीजें हुई थीं, उससे मैं अंदर से शांत नहीं था। मैं फिर भी उम्मीद की किरण देखता हूं और यादगार स्मृतियों के साथ बीसीसीआई को अलविदा कहता हूं तथा दुनिया भर में बेहतर मौकों की तलाश करूंगा। दांए हाथ के बल्लेबाज और ऑफ ब्रेक गेंदबाज चंद ने 2012 में भारतीय अंडर-19 टीम की अगुआई करते हुए विश्व कप दिलाया था जिसके बाद वह देश भर में सुर्खियों में आ गए। चंद फाइनल में मैन आफ द मैच रहे क्योंकि उनकी 111 रन की नाबाद पारी ने भारत को जीत की ओर अग्रसर किया था। पूर्व अंडर-19 कप्तान ने लिखा, क्रिकेट दुनिया भर में खेला जाता है और भले ही मतलब बदल जाए लेकिन अंतिम लक्ष्य हमेशा वही रहता है - जो शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलना है। उन्होंने बीसीसीआई का भी आभार व्यक्त किया और अंडर-19 विश्व कप जीत को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा पल करार किया। चंद ने लिखा, बीसीसीआई को आभार जिसने मुझ जैसे क्रिकेटर को इतने सारे शिविरों, आयु ग्रुप और सीनियर बोर्ड टूर्नामेंट तथा इंडियन प्रीमियर लीग में खुद को अभिव्यक्त करने और अपना कौशल दिखाने का मंच प्रदान किया। उन्होंने लिखा, भारत में मेरी क्रिकेट यात्रा में कुछ शानदार पल रहे जिसमें देश के लिए अंडर-19 विश्व कप जीतना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा क्षण था।

क्विक न्यूज

शुभंकर काजू क्लासिक के पहले दौर के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर

केंट (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा यहां काजू क्लासिक के पहले दौर के बाद दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर संयुक्त 31वे स्थान पर है। लंदन गोल्फ क्लब मे खेले जा रहे टूर्नामेंट मे शुभंकर ने इस दौरान चार बोगी और छह बर्डी लगाई। प्रतियोगिता मे भाग ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियो मे गगनजीत भुल्लर (73) संयुक्त 85वे, एसएसपी चौरसिया (75) संयुक्त 115वे जबकि शिव कपूर (76) और अजितेश संधू (76) संयुक्त 127 वे स्थान पर है। शुभंकर के अलावा अन्य सभी भारतीय खिलाड़ियो को कट हासिल करने के लिए दूसरे दौर मे अपने प्रदर्शन मे काफी सुधार करना होगा। डेनमार्क के रिचर्ड ब्लांड सात अंडर के स्कोर के साथ तालिका मे शीर्ष पर है।

लाहिड़ी ने विंधाम चैम्पियनशिप में खराब मौसम के बावजूद अच्छी शुरुआत की

ग्रीन्सबोरो। टोक्यो ओलंपिक के बाद खेल रहे भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने विंधाम चैम्पियनशिप के खराब मौसम से प्रभावित शुरूआती दिन 16 होल तक तीन अंडर का स्कोर बना लिया था। लाहिड़ी ने 16 होल तक अच्छी शुरूआत करते हुए पांच बर्डी की लेकिन दो बोगी कर बैठे। फिर अंधेरा होने के कारण खेल रोकना पड़ा। तूफान के कारण दो घंटे सात मिनट खेल रोकना पड़ा जिससे 30 गोल्फर शुरूआती दौर पूरा नही कर सके। लाहिड़ी को दूसरे दिन दूसरा दौर शुरू करने से पहले दो और होल खेलने होंगे।

अदिति, त्वेसा ने स्कॉटिश ओपन में निराशाजनक शुरुआत की

डम्बर्नी लिंक्स (स्कॉटलैंड)। ओलंपिक मे शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां स्कॉटिश ओपन मे पांच ओवर 77 के निराशाजनक स्कोर के साथ शुरुआत की जिससे वह पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 129वे स्थान पर है। भारत की एक अन्य खिलाड़ी त्वेसा मलिक एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 79वे स्थान पर है। स्थानीय गोल्फर मिशेल थॉम्पान सात अंडर-65 के कार्ड के साथ तालिका मे शीर्ष पर है। अदिति को कट हासिल करने के लिए दूसरे दौर मे अपने प्रदर्शन मे काफी सुधार करना होगा। अदिति ने दो बर्डी और सात बोगी लगाए जबकि त्वेसा ने तीन बर्डी और चार बोगी

ओन्स जाबेउर ने मांट्रियल में बियांका आंद्रेस्कू को हराकर उलटफेर किया

मांट्रियल। ट्यूनीशिया की 13वी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेउर ने नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के बारिश से प्रभावित मुकाबले मे दूसरी वरीय बियांका आंद्रेस्कू को 6-7 6-4 6-1 से शिकस्त दी। इस मैच मे दूसरे सेट के बीच मे बारिश से व्यवधान पड़ा जिससे एक घंटे तक मैच स्थगित रहा। बियांका से कुछ घंटे पहले साथी कनाडाई खिलाड़ी रेबेका मारिनो भी टूर्नामेंट के शुरू मे ही बाहर हो गई। जाबेउर अब दो अमेरिकी खिलाड़ियो डेनियले कोलिंस और जेसिका पेगुला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। वही शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने मारिनो को 6-1 6-3 से हराया।

चेन्नईयिन एफसी ने युवा डिफेंडर देविंदर सिंह से करार किया

चेन्नई। दो बार की इंडियन सुपर लीग चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले शुक्रवार को भारतीय डिफेंडर देविंदर सिंह से एक साल का करार किया। देविंदर (25 साल) 2018-19 चरण से पहले लगी घुटने की चोट कारण इंडियन सुपर लीग के पिछले तीन चरण मे नही खेल पाए थे। जिससे वह वापसी के लिए बेताब होंगे। क्लब के सह मालिक विटा दानी ने कहा, भारतीय खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी ले रहे है तो हम देविंदर जैसे खिलाड़ी को शामिल कर अपने डिफेंस विभाग को मजबूत करके खुश है।

तीरंदाजी कोच को मस्तिष्काघात, स्थिति गंभीर

जमशेदपुर। दीपिका कुमारी और अतनु दास जैसे कई स्टार खिलाड़ियो को तैयार करने मे अहम भूमिका निभाने वाले द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता तीरंदाजी कोच धर्मेन्द्र तिवारी की स्थिति मस्तिष्काघात के कारण गंभीर बनी हुई है। टाटा तीरंदाजी अकादमी से जुड़े तिवारी के मस्तिष्क का गुरुवार को आपरेशन किया गया और अभी वह चिकित्सको की निगरानी मे है। एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने पीटीआई से कहा, सर की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई। चिकित्सको ने कहा कि अभी उनमे केवल दो प्रतिशत सुधार हुआ है। आज उन्होने थोड़ा पलक झपकाई। रियो ओलंपिक के दौरान भारतीय टीम के कोच रहे तिवारी को बुधवार की सुबह मस्तिष्काघात पड़ा था और सीटी स्कैन से पता चला कि उनके मस्तिष्क मे कई जगह खून के थक्के जम गए है।

टी-20 विश्व कप में आईसीसी ने 15 खिलाड़ियों आठ अधिकारियों को लाने की अनुमति दी

भाषा। कराची

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी टी 20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों को लाने की अनुमति दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि आईसीसी ने भाग लेने वाले देशों के लिए अपने अंतिम 15 खिलाड़ियों और कोच एवं सहयोगी सदस्यों के आठ अधिकारियों की सूची भेजने के लिए 10 सितंबर की समय सीमा तय की है।

इस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, आईसीसी ने कोविड-19 और बायो-बबल (जैव-सुरक्षा) की स्थिति को देखते हुए टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को अतिरिक्त खिलाड़ियों को टीम के साथ लाने की अनुमति दी है लेकिन इसका खर्च संबंधित बोर्डों को वहन करना होगा। उन्होंने कहा, आईसीसी सिर्फ 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों का खर्च वहन करती है। साल 2016 के बाद पहली बार हो रहे टी20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई (दुबई, अबुधाबी और शारजाह) में होगा। आठ देशों की क्वालीफाइंग टूर्नामेंट को 23 सितंबर से खेला जाएगा जिसमें श्रीलंका, बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमें भी शामिल है। इसमें से चार टीमें सुपर-12 चरण के लिए क्वालीफाई करेगी।

अधिकारी ने बताया, यह अब बोर्ड पर निर्भर करता है कि वह कोविड-19 स्थिति को देखते हुए अपनी मुख्य टीम के साथ कितने अतिरिक्त खिलाड़ी रखना चाहता है। मुख्य टीम से अगर कोई खिलाड़ी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आता है या चोटिल होता है तो अतिरिक्त खिलाड़ियों में से कोई उसकी जगह ले सकता है। आईसीसी ने बोर्डों को सूचित किया है कि वे पृथकवास अवधि शुरू होने से पांच दिन पहले तक अपनी टीम में अंतिम समय में बदलाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा, बोर्ड को हालांकि 10 सितंबर तक अपनी टीम की सूची भेजनी होगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में होने था, लेकिन कोविड-19 की स्थिति के कारण आईसीसी ने इसे यूएई में स्थानांतरित कर दिया।

टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान में दो मैच खेलेगा इंग्लैंड

इस्लामाबाद। इंग्लैंड की टीम अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप में खेलने से पहले पाकिस्तान में दो मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला खेलेगी। दोनों मैच पहले कराची में खेले जाने थे लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि वह परिचालन और लॉजिस्टिकल कारणों से इस श्रृंखला को रावलपिंडी में करा रहा है। पिंडी क्रिकेट स्टेडियम 13 और 14 अक्टूबर को इन मैचों की मेजबानी करेगा। वर्ष 2005 के बाद इंग्लैंड पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रहा है। इंग्लैंड की टीम अगले साल सीमित ओवर की श्रृंखला और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों के लिए भी पाकिस्तान जाएगी। वहीं हीथर नाइट की अगुआई वाली इंग्लैंड की महिला टीम पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी वसीम खान ने कहा, हम इंग्लैंड की पुरुष और महिला दोनों टीमों के स्वागत के लिए उत्साहित हैं। महिला टीम पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। इंग्लैंड की टीमें नौ अक्टूबर को पहुंचेंगी।

ओलंपिक पदक के बाद भारोत्तोलन में बढ़ी है लोगों की दिलचस्पी: मीराबाई

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में उनके रजत पदक जीतने के बाद इस खेल को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि निकट भविष्य में और अधिक महिलाएं इस खेल में शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। मीराबाई ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले महीने अपने इस कारनामे के बाद से उन्हें भारतीयों से जितना प्यार मिला है, उससे वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, टोक्यो से पहले ऐसा नहीं था लेकिन मैं पहली बार भारोत्तोलन में काफी अधिक रुचि देख रही हूं। इससे मुझे विश्वास है कि अगले ओलंपिक में अधिक महिलाएं भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा, यह खेल काफी हद तक ताकत से जुड़ा है लेकिन भारोत्तोलन और अन्य खेलों के बीच बहुत अंतर नहीं है। मैं देख रही हूं कि बहुत से युवा विशेष रूप से महिलाएं इस खेल में दिलचस्पी ले रही हैं। तोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई के अलावा पीवी सिंधू और लवलीना बोरगोहेन ने भी पदक जीते जबकि महिला हॉकी टीम और गोल्फर अदिति अशोक चौथे स्थान पर रहे। मीराबाई से जब महिलाओं के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह सब कड़ी मेहनत से जुड़ा है और महिलाएं भी उतनी ही मेहनत कर रही हैं। हम सब इसका परिणाम देख रहे हैं। उन्होंने कहा, जब से मैं वापस (तोक्यो से) आई हूं, मुझे

भारत के लोगों से ढेर सारा प्यार मिला है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा क्षण है। भारत के लिए पदक जीतना किसी सपने के सच होने जैसा है। मीराबाई ने रियो 2016 में अपने निराशाजनक प्रदर्शन को याद किया और वापसी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मैंने रियो में पदार्पण (ओलंपिक) किया था। मैं वहां जीत नहीं सकी हालांकि मैंने उस समय भी टोक्यो इतनी कड़ी मेहनत की थी।

खेल मंत्री ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2-0 लॉन्च की

नई दिल्ली। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत की। यह दौड़ 15 अगस्त से शुरू होकर दो अक्टूबर तक चलेगी। ठाकुर ने यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। यहां जारी विज्ञप्ति में ठाकुर ने कहा, इस दौड़ का आयोजन देश भर में 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर किया जाएगा जो इसे आगे देश के लगभग 750 जिलों के 75 गांवों में ले जाएगा। इसके साथ ही हमारा लक्ष्य देश भर के 7.50 करोड़ से अधिक युवाओं और नागरिकों तक पहुंचना है। यह कार्यक्रम देश भर में 75 स्थानों पर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें पोर्ट ब्लेयर में सेलुलर जेल, लाहौल स्पीति में काजा पोस्ट, मुंबई का गेटवे ऑफ इंडिया और पंजाब में अटारी बॉर्डर जैसे प्रतिष्ठित स्थान शामिल है।

थॉमस डेनेर्बी भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम के कोच बने

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को घोषणा की कि थॉमस डेनेर्बी तत्काल प्रभाव से भारतीय महिला सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे। स्वीडन के 62 वर्षीय डेनर्बी इससे पहले भारतीय अंडर-17 महिला विश्व कप टीम की प्रभारी थे। उन्हें एएफसी एशियाई कप की तैयारी में मदद करने के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में अगले साल (2022) 20 जनवरी से छह फरवरी तक होगा। यूएफा प्रो डिप्लोमाधारी कोच ने एआईएफएफ से जारी विज्ञप्ति में कहा, मैं इस काम (भारतीय कोच) के लिए खुद को उपयुक्त मानने के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ का आभारी हूं। भारतीय सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में पदभार ग्रहण करना सम्मान की बात है। पिछले 30 वर्षों में कोच के तौर पर कई राष्ट्रीय टीमों के साथ काम कर चुके डेनेर्बी ने कहा, एएफसी महिला एशियाई कप के लिए लड़कियों को तैयार करना एक बड़ी चुनौती है। जीवन चुनौतियों के बारे में है, और मैं इन्हें पसंद करता हूं। उनकी देखरेख में स्वीडन की महिला राष्ट्रीय टीम 2011 में फीफा विश्व कप में तीसरे स्थान पर और 2012 के लंदन ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी।

कोच ने नीरज को दी तकनीक में स्थिरता बनाए रखने की सलाह

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज का मानना है कि इस भाला फेंक खिलाड़ी ने अपनी तकनीक की अधिकांश कमियों को ठीक कर लिया है और अब उनकी कोशिश आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक उंचाइयों को छूने के लिए तकनीकी स्थिरता को बनाए रखने की होनी चाहिए।

चोपड़ा ने एक सफल सर्जरी के बाद 2019 में बार्टोनिट्ज के साथ काम करना शुरू किया था। जर्मनी के इस बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ ने कहा कि इस भारतीय युवा की तकनीक में कोई खामी नहीं है, लेकिन फिर भी उन पर ध्यान देने की जरूरत है। बार्टोनिट्ज ने जर्मनी से पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे शुरुआत में उनमें दौड़ने की गति, शरीर की सही स्थिति में ब्लाकिंग (भाले को गति देने में अहम) और एक युवा ताकतवर एथलीट के रूप में थ्रो को जल्दी फेंकने जैसी कुछ कमियाँ नजर आई थी। उनका फॉलो-थ्रू (भाला फेंकने के बाद शरीर की स्थिति) एक तरफ मुड़ने की जगह सीधा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने उसे समझाया तब उसने सही तरीके से समझना शुरू कर दिया। इसमें कुछ भी नाटकीय नहीं था। भाला फेंकने का कोण सही होना चाहिए, अगर आप आगे फेंकना चाहते हैं तो आपको हवा की गति को जानने की जरूरत है। हमें सुधार जारी रखने के लिए कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमने कुछ सुधार किए हैं। कमियां थीं लेकिन हमने उन्हें दूर कर लिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या अब कोई तकनीकी खामी नहीं है, बार्टोनिट्ज ने कहा, हमें हर समय तकनीक पर काम करना होगा, इसे जारी रखना होगा और इसे स्थिर बनाना होगा। उन्होंने कहा, आप प्रशिक्षण के दौरान अच्छा कर सकते हैं लेकिन प्रतियोगिताओं के दौरान मानसिक स्थिति अलग होती है। अगर आप वही काम करना चाहते हैं जो आपने प्रशिक्षण के दौरान किया है, तो आपको (प्रतियोगिता के दौरान) एकाग्रता बनाए रखने के साथ आत्मविश्वास से भरा होना चाहिए। जर्मनी के इस कोच ने कहा कि चोपड़ा के बारे में अच्छी बात यह है कि वह एक हरफनमौला एथलीट है क्योंकि वह स्प्रिंट (तेजी से दौड़ना), कूद और अन्य अभ्यासों को अच्छी तरह से कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2019 में चोपड़ा को अपनी निगरानी में लिया तो उन्हें पता था कि हरियाणा के इस लड़के में दुनिया में शीर्ष भाला फेंकने वाला बनने का गुण है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन था, हर कोई निश्चित था क्योंकि कुछ लोग जूनियर स्तर पर बहुत अच्छा करते हैं लेकिन बाद में प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख पाते है। उसने (विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद) हालांकि शानदार तरीके से उसे जारी रखा। इसलिए, सभी को यकीन था कि उसका भविष्य उज्ज्वल है। चोपड़ा ओलंपिक के क्वालीफिकेशन में जर्मनी के जोहानेस वेटर से आगे शीर्ष पर रहे। वेटर स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में तोक्यो गए थे लेकिन नौवें स्थान पर रहे। बार्टोनिट्ज ने कहा कि चोपड़ा के लिए स्वर्ण जीतना कभी भी एक वास्तविक लक्ष्य नहीं था। उन्होंने कहा, ओलंपिक से पहले दूसरे खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर रजत या कांस्य जीतने का एक वास्तविक मौका था, लेकिन स्वर्ण नहीं। किसी ने भी स्वर्ण पदक के बारे में नहीं सोचा था।

भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने फिडे ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई किया

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने 25 अक्टूबर से आठ नवंबर तक रीगा, लातविया में आयोजित होने वाली फिडे ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नासिक के इस खिलाड़ी ने हाल ही में संपन्न शतरंज विश्व कप 2021 में शीर्ष आठ में पहुंचने के बाद फिडे ग्रां प्री 2022 के लिए भी क्वालीफाई किया है। उनके पास प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स 2022 में अपना स्थान पक्का करने के लिए दो मौके हैं। कैंडिडेट्स 2022 में खिलाड़ी विश्व चैंपियन को चुनौती देने के लिए क्वालीफाई करेगा। गुजराती हाल ही में सोची में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वह ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के बाद ऐसा करने वाले केवल दूसरे भारतीय शतरंज खिलाड़ी है। उन्होंने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, मुझे विश्वास था कि मैं पिछले एक साल के अपने प्रदर्शन के दम पर ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई कर लूंगा। बोर्ड के ऊपर क्लासिक शतरंज खेलना बहुत अच्छा अहसास था। उन्होंने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व का क्षण होता है और इस बार जब मैं क्वार्टर फाइनल में पहुंचा तो यह और भी खास था। मैं अपने ओवरऑल प्रदर्शन से खुश हूं और अगले टूर्नामेंट के लिए उत्साहित हूं। मेरा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ शतरंज खेलना और कैंडिडेट्स 2022 के लिए क्वालीफाई करना है। स्विस लीग में 114 खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व गुजराती के अलावा ग्रैंडमास्टर आनंद, ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और ग्रैंडमास्टर बी अधिबान करेंगे।

गुवाहाटी में असम के राज्यपाल जगदीश मुखी ने राज भवन में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को सम्मानित किया।

असैन्य कर्मियों की सुरक्षित वापसी को अमेरिका ने तीन हजार सैनिक भेजे

● काम करता रहेगा अमेरिकी दूतावासः विदेश विभाग

एपी। वाशिंगटन

अफगानिस्तान में तेजी से तालिबान का कब्जा बढ़ने के साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने शुक्रवार को 3,000 और सैनिकों को काबुल हवाईअड्डे पर पहुंचाया ताकि वहां अमेरिकी दूतावास से अधिकारियों को निकालने में मदद मिल सके।

वहीं हजारों और सैनिकों को क्षेत्र में तैनाती के लिए भेजा गया है। अमेरिकी अधिकारियों और कर्मियों की सुरक्षित निकासी के लिए सैनिकों की अस्थाई तैनाती से संकेत मिलता है कि तालिबान देश के बड़े हिस्से पर तेजी से कब्जा बढ़ाता जा रहा है। तालिबान ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के दक्षिणी हिस्से में लगभग पूरा कब्जा कर लिया है जहां उसने चार और प्रांतों की राजधानियों पर नियंत्रण हासिल कर लिया। अमेरिका के सैनिकों की पूरी तरह वापसी से कुछ सप्ताह पहले तालिबान धीरे-धीरे काबुल की ओर बढ़ रहा है। अफगानिस्तान को आखिरी बड़ा झटका हेलमंद प्रांत की राजधानी से नियंत्रण खोने के रूप में लगा है, जहां अमेरिकी, ब्रिटिश और अन्य गठबंधन नाटो सहयोगियों ने पिछले दो दशक में भीषण लड़ाइयां लड़ी हैं। इस प्रांत में तालिबान को नेस्तानाबूद करने के प्रयासों में संघर्ष के दौरान पश्चिमी देशों के सैकड़ों सैनिक मारे गए। इसका मकसद अफगानिस्तान की केंद्र सरकार और सेना को नियंत्रण का बेहतर मौका देना था।

अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा कि दूतावास काम करता रहेगा लेकिन हजारों अतिरिक्त अमेरिकी सैनिकों को भेजने का बृहस्पतिवार का फैसला इस बात का संकेत है कि तालिबान के दबदबे को रोकने में अफगान सरकार की क्षमता को लेकर अमेरिका का भरोसा अब कमजोर हो रहा है।

अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर संरा प्रमुख की गहरी नजर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस अफगानिस्तान में घटनाक्रम पर गहरी चिंता के साथ नजर रख रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि दोहा में अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच चर्चा बातचीत के जरिए संघर्ष के समाधान का मार्ग बहाल करेगी। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। तालिबान तेजी से पूरे अफगानिस्तान में आगे बढ़ रहा है और प्रमुख प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा करता जा रहा है। खबरों में बताया गया है कि उसने देश के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े शहरों और रणनीतिक प्रांतीय राजधानी हेरात और कंधार पर कब्जा कर लिया है। यह अफगानिस्तान में अमेरिकी सैन्य मिशन की समाप्ति से पहले हो रहा है। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा अलर्ट जारी कर अमेरिकियों से उपलब्ध व्यावसायिक उड़ान विकल्पों का इस्तेमाल कर फौरन अफगानिस्तान छोड़ने की अपील की थी। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने नियमित कहा कि मैं आपको बताता हूं कि महासचिव अफगानिस्तान में हो रहे घटनाक्रम को गंभीरता से देख रहे हैं जिसमें हेरात और कंधार में हुई लड़ाई का ताजा मामला भी शामिल है।

अफगानिस्तान में अमेरिकी अभियान को इस महीने के आखिर तक समाप्त करने पर अडिग बाइडन ने बृहस्पतिवार सुबह अतिरिक्त अस्थाई सैनिकों को भेजने का आदेश दिया। इससे पहले उन्होंने रात में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों से सलाह-मशविरा किया। विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने योजना के समन्वयन के लिए अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी से फोन पर बात की।

घटनाक्रम पर चर्चा को नाटो राजदूतों की बैठक आज

ब्रसेल्स। अफगानिस्तान में तालिबान के लगातार हमलों के मददेनजर देश में सुरक्षा स्थिति के तेजी से बिगड़ने के बीच अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर चर्चा के लिए नाटो देशों के राजदूत शुक्रवार को बैठक कर रहे हैं। नाटो के एक अधिकारी ने कहा कि नाटो के महासचिव जे. स्टोलटेनबर्ग और 30 राजदूत ब्रसेल्स में बैठक में हिस्सा ले रहे हैं।

चमन सीमा पर पाक और अफगान के बीच झड़प

कराची। पाकिस्तान में दाखिल होने के लिए चमन सीमा पर मौजूद सैकड़ों अफगानों की पाकिस्तान के सुरक्षाबलों के साथ झड़प की खबर है। अफगानिस्तान से बलूचिस्तान में आने के इस अहम रास्ते को तालिबान ने बंद कर दिया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सैकड़ों की संख्या में अफगान चमन सीमा पर जमा हैं और पाकिस्तान में दाखिल होना चाहते हैं, लेकिन स्पिन बोलदक इलाके पर कब्जा कर चुका तालिबान पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा उनकी कुछ मांगों को माने जाने तक इन अफगानों को सीमा पार करने नहीं दे रहा है। तालिबान लड़ाकों ने पिछले हफ्ते से ही चमन-स्पिन बोलदक रास्ते को बंद कर दिया है और वे पाकिस्तानी अधिकारियों से अफगान नागरिकों को बिना वीजा यात्रा की अनुमति देने की मांग कर रहे हैं। तालिबान चाहता है कि पाकिस्तानी अधिकारी उन अफगानियों को सीमा पार करने की अनुमति दें जिनके पास अफगान पहचान पत्र या पाकिस्तान द्वारा जारी शरणार्थी पंजीकरण कार्ड है। उन्होंने बताया कि सीमा पार करने का रास्ता बंद होने की वजह से सैकड़ों की संख्या में अफगान वहां पर जमा हो गए है।

कार्निवल क्रूज पर 27 लोग कोविड-19 से संक्रमित मिले

बेलीज सिटी (**बेलीज**)। इस सप्ताह बेलीज शहर में पहुंचने से महज कुछ समय पहले कार्निवल क्रूज जहाज के 27 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। बेलीज पर्यटन बोर्ड ने एक बयान में बताया कि कार्निवल विस्टा के 1400 सदर्स्य चालक दल में 26 तथा करीब 3000 यात्रियों में एक व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। यह जहाज बुधवार को बेलीज पहुंचा था।

बोर्ड के अनुसार इन सभी 27 लोगों को टीके लग चुके थे और उनमें थोड़े-बहुत या बिल्कुल भी लक्षण नहीं थे, उन्हें पृथक-वास में भेज दिया गया है। बोर्ड का कहना है कि जहाज के चालक दल के 99.8 फीसद सदस्य और 96.5 फीसद यात्री टीकाकरण से गुजर चुके थे।

वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार कार्निवल ने पिछले सप्ताह कहा था कि उसके जहाज पर संक्रमित लोग हैं लेकिन उसने सटीक आंकड़ा नहीं दिया था। यह जहाज टेक्सास के गाल्वेस्टन से चला था।

भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार सैमसंग प्रमुख ली पैरोल पर रिहा

● दक्षिण कोरिया में कंपनी की ताकत हुई उजागर

एपी। सोल

भ्रष्टाचार के आरोप में कैद सैमसंग के अधिकारी ली जेई योंग को शुक्रवार को पैरोल पर रिहा किया गया। उन्हें यह राहत सजा मिलने के एक साल भीतर मिली है। इस राहत को विरोधी कथित तौर पर कोरिया में सैमसंग के बढ़ते प्रभाव और कॉरपोरेट जगत में भ्रष्टाचार करने वाले मालिकों के प्रति नरम रुख के रूप में देख रहे हैं।

भूरे रंग के सूट और मास्क पहने ली सोल के नजदीक जेल के दरवाजे से बाहर निकले और झुककर अपने कृत्यों से उपजी नाराजगी के लिए माफी मांगी। यह कृत्य भ्रष्टाचार का था जिसकी वजह से दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति को 2017 में अपने पद से हटना पड़ा था। ली की रिहाई के दौरान सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंचे थे जो उनकी रिहाई के समर्थन व विरोध में नारेबाजी कर रहे थे।

रिहाई के मौके पर ली ने कहा, मैंने अपने लोगों के लिए बड़ी चिंता पैदा की। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने पिछले कई महीने जेल में बिताए हैं और इस दौरान अपने कारोबारी फैसले अधिकारियों से मुलाकात के आधार पर करते रहे हैं।

ली ने कहा कि वह उनको लेकर चिंताओं, आलोचनाओं और बड़ी उम्मीदों पर गौर कर रहे हैं और इसके बाद संवाददाताओं के सवालों का जवाब दिए बिना अपनी कार में बैठक कर चले गए।

उल्लेखनीय है कि 53 साल के ली प्रौद्योगिकी से लेकर निर्माण, वित्तीय सेवाओं से लेकर अस्पताल, मनोरंजन पार्क, फुटबॉल क्लब तक चलाने वाली कोरिया की बहुत बड़ी कंपनी के मालिकों की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी कंपनियों में सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक प्रमुख है,जिसका मूल्य कोरिया के कुल शेयर बाजार का 20 प्रतिशत और कुल निर्यात का 25 प्रतिशत है।

ली को जल्द रिहा करने के लिए कारोबारी नेता और राष्ट्रपति मून जेई सरकार के सदस्य पैरवी कर रहे थे उनका कहना था कि सैमसंग की दक्षिण कोरिया के निर्यात में अहम हिस्सेदारी है और ली के कैद होने से इसमें गिरावट आएगी।

ली को रिहा करना मून के लिए राजनीतिक रूप से भी हित में था क्योंकि हाल के चुनावों में संकेत मिले थे कि वर्ष 2016 बौर 2017 में गुस्से का इजहार करने के लिए सड़कों पर प्रदर्शन करने वाले लाखों लोग भी ली की रिहाई के पक्ष में हैं। ऐसे में इसका असर वर्ष 2022 में होने वाले चुनाव पर पड़ सकता है क्योंकि लाखों लोगों की पूंजी सैमसंग में लगी हुई है।

गुप्ता बंधुओं ने सरकारी तंत्र में घुसपैठ बना ली थीः रामफोसा

भाषा। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पहली बार यह स्वीकार किया कि अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस के भीतर मतभेदों के कारण देश में घोटाले में कथित तौर पर लिप्त गुप्ता परिवार के खिलाफ उचित कार्वाई नहीं हो सकी। सरकारी संस्थानों और प्रांतीय सरकार में अरबों रैंड के गबन के आरोपी तीन गुप्ता बंधुओं के साथ पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के संबंधों का जिक्र करते हुए रामफोसा ने कहा, उन्होंने तंत्र में बड़ी सफाई से घुसपैठ बना ली थी। उनकी स्वीकार्यता थी, उनकी पहुंच थी। चेतावनी दी गई जिन पर ध्यान नहीं दिया गया।

बृहस्पतिवार को जांच आयोग के समक्ष गवाही में रामफोसा ने कहा कि पार्टी के कुछ सदस्यों ने पार्टी को इस बारे में आगाह किया था। उन्होंने कहा, आगाह किया गया था और चौकन्ना होने की जरूरत थी। लेकिन मेरे खयाल से गुप्ता परिवार के मामले में हमारी आंखों पर पट्टी बंध गई थी क्योंकि हमें लगता था कि वे हमारी पार्टी के सर्वोच्च नेता के मित्र हैं।

रामफोसा ने बताया कि परिवहन मंत्री फिकिले एमबौला ने कई बार इस बारे में राष्ट्रीय कार्यकारी समिति में बताया था। कई अन्य पूर्व मंत्रियों ने भी आयोग के समक्ष गवाही दी है। रामफोसा ने एमबौला के साहस की भी प्रशंसा की कि उन्होंने बताया था गुप्ता बंधुओं ने नियुक्ति के कई माह पहले ही उन्हें इसकी जानकारी दे दी थी। यह जानकारी जुमा के घोषणा करने से काफी पहले ही दे दी गई थी। कई पूर्व मंत्रियों ने भी आयोग के समक्ष गवाही दी है।

रामफोसा ने उस घटना का जिक्र भी किया जब गुप्ता परिवार के यहां विवाह समारोह में शामिल होने भारत से मेहमानों को लेकर आया विमान वायुसेना के वॉटरक्लूफ ठिकाने पर उतरा था। रामफोसा ने कहा कि जब विमान वायु सेना के वॉटरक्लूफ अड्डे पर उतरा तब तत्कालीन महासचिव ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और जब गुप्ता बंधु एएनसी मुख्यालय आए थे।

मलेशिया में वायु सेना के अधिकारी ने तीन साथियों की हत्या के बाद खुदकुशी की

कुआलालंपुर। मलेशियाई वायु सेना के एक अधिकारी ने अपने तीन साथियों की गोली मारकर जान लेने के बाद खुदकुशी कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बोर्नियो द्वीप पर पूर्वी सरावक राज्य की पुलिस ने बताया कि राज्य में वायु सेना के एक केंद्र की सुरक्षा चौकी पर गोलीबारी की घटना घटी। पुलिस उपायुक्त मांचा अनक आटा ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि बंदूकधारी अधिकारी ने इस घटना को अंजाम देने से पहले सुरक्षा चौकी से और हथियार ले लिए थे। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी ने हमलावर अधिकारी को शांत करने का प्रयास किया लेकिन उसके पेट में गोली मार दी गई। इसके बाद बंदूकधारी अधिकारी ने पोस्ट में घुसकर दो और अधिकारियों की गोली मारकर जान ले ली।

क्वाड समूह ने साझा हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर की चर्चा

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के क्वाड समूह के वरिष्ठ अधिकारियों ने साझा हित के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों, संयुक्त राष्ट्र समेत अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को मजबूत बनाने, लोकतंत्र एवं मानवाधिकारों को बढ़ावा देने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दबावकारी कार्वाइयों के प्रति संवेदनशील देशों को समर्थन करने के बारे में चर्चा की।

अमेरिका के विदेश विभाग ने एक वक्तव्य में कहा कि मुक्त एवं स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नियमित क्वाड संवाद के तहत बृहस्पतिवार को चारों देशों के अधिकारियों ने डिजिटल तरीके से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य क्वाड नेताओं के पहले सम्मेलन के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के बीच 12 मार्च 2021 को जो ऐतिहासिक चर्चा हुई थी उसे क्रियान्वित करना तथा उसे आगे बढ़ाना है। वक्तव्य में कहा गया कि उन्होंने मंत्रियों के स्तर, वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर और कामकाज के स्तर पर नियमित विचार विमर्श के अवसर का स्वागत किया। नेताओं का दूसरा सम्मेलन इसी साल होगा।

चारों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार के मुकाबले में क्वाड गठबंधन बनाने के काफी समय से लंबित प्रस्ताव को 2017 में मूर्तरूप दिया था। वक्तव्य में बताया गया कि चारों लोकतंत्र ने यह माना कि वैश्विक सुरक्षा एवं समृद्धि क्षेत्र के समावेशी, लचीले एवं हितकर बने रहने में है। बृहस्पतिवार की बैठक में अधिकारियों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कोविड-19 महामारी के खात्मे के लिए और आर्थिक सुधार की खातिर सतत अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर चर्चा की।

अमेरिका में वीडियो काल पर बात कर रही मां को बच्चे ने गोली मारी

अल्टामोंटे स्प्रींग (**अमेरिका**)। अमेरिका के मध्य फ्लोरिडा में एक अपार्टमेंट में एक बच्चे ने बंदूक से उस समय महिला की गोली मारकर हत्या कर दी जब वह काम को लेकर वीडियो कॉल पर बात कर रही थी। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी।

मीडिया के मुताबिक बुधवार को जिस महिला की मौत हुई वह बच्चे की मां है और उसके सिर में गोली लगी हुई थी। अल्टामोंटे स्प्रींग पुलिस ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वीडियो कॉल के दौरान पृष्ठभूमि में बच्चे के होने और शोर सुनाई देने के बाद 911 नंबर डायल कर घटना की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कॉल पर मौजूद व्यक्ति ने महिला की पहचान 21 वर्षीय शाम्या लिन के तौर पर की जो वीडियो कॉल के दौरान गिरी और दोबारा नहीं उठी। पुलिस ने बताया, अधिकारियों और पैरामेडिक्स ने लिन को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन सिर में लगी गोली उनके लिए जानलेवा साबित हुई।

कास्तामॉनु प्रांत के बॉजकुर्त कस्बे में आई बाढ़ ने कई इमारतों को तबाह कर दिया और लगभग दो दर्जन की जान चली गई

पत्रकार की हिरासत को एक साल पूरा होने पर ऑस्ट्रेलिया ने चीन को घेरा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह पिछले साल चीन में हिरासत में ली गई उस ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार के बारे में बेहद चिंतित है जिसका जन्म चीन में ही हुआ था। विदेश मंत्री मेरिस पायने ने 13 अगस्त को पत्रकार चेंग लेई की हिरासत को एक साल पूरा होने पर चीन को संदेश दिया कि ऑस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार न्याय, निष्पक्ष सुनवाई और मानवीय व्यवहार उम्मीद करता है। पायने ने एक बयान में कहा, ऑस्ट्रेलियाई सरकार चेंग की हिरासत और उनके बारे में गंभीर रूप से चिंतित है और उच्च स्तर पर इस मामले को नियमित रूप से उठाती रही है।

ब्रिटेन के प्लाईमाउथ शहर में गोलीबारी में छह लोगों की मौत

भाषा। लंदन

दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड की पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को प्लाईमाउथ शहर में हुई गोलीबारी की गंभीर घटना में संदिग्ध हमलावर समेत छह लोगों की मौत हुई है। डेवोन और कॉर्नवॉल पुलिस ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि शहर के कीहेम इलाके में दो महिलाएं और दो पुरुष मृत मिले और एक अन्य घायल महिला की अस्पताल में मृत्यु हो गई। माना जा रहा है कि गोलीबारी की घटना में इन सभी को गोली लगी। समझा जाता है कि संदिग्ध हमलावर ने गोलीबारी के दौरान खुद को भी गोली मार ली।

स्थानीय तौर पर उसे जेक डेविसन के नाम से जाना जाता था। पुलिस ने इसे संकटमय घटना घोषित किया है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस के बयान के अनुसार, डेवोन और कॉर्नवॉल पुलिस इस बात पर जोर देना चाहेगी कि यह आतंकवाद से जुड़ी घटना नहीं लगती। इलाके की घेराबंदी कर ली गई है और पुलिस घटना के सिलसिले में अन्य किसी की तलाश नहीं कर रही। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ट्वीट किया, मेरी संवेदनाएं प्लाईमाउथ में कल रात की भयावह घटना में मारे गए लोगों के परिजनों और मित्रों के साथ हैं।

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने ट्वीट किया, प्लाईमाउथ की घटना स्तब्ध करने वाली है और मेरी संवेदनाएं पीड़ितों के साथ हैं। मैंने प्रमुख कांस्टेबल से बात की और अपनी ओर से पूरा सहयोग जताया। मेरा सभी से अनुरोध है कि शांत रहें, पुलिस की सलाह मानें और आपात सेवाओं को अपना काम करने दें। प्लाईमाउथ से सांसद ल्यूक पोलार्ड ने ट्वीट किया, पुलिस ने प्लाईमाउथ के कीहेम में गोलीबारी में छह लोगों की मौत की पुष्टि की है। कई घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह बहुत भयावह है।

अडानी व मंगलम परोपकारी गतिविधियों से पहचान बनाने वाले उद्योगपतियों की सूची में शामिल

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, नीता अंबानी और कुमार मंगलम उन 100 भारतीयों में शामिल हैं, जिन्होंने दुनिया भर में परोपकारी गतिविधियों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। अमेरिका में स्थित सामुदायिक निकाय इंडियास्पोरा ने बृहस्पतिवार को इस प्रकार की पहली सूची जारी की। यह सूची नौ ज्यूरी सदस्यों के मार्गनिर्देश और प्रतिष्ठित अध्ययनों, पूर्व सत्यापित सूचियों और सार्वजनिक रूप से साझा किए गए दस्तावेजों सहित कई स्रोतों के आधार पर तैयार की गई है।

सूची में कहा गया है, सूची में शीर्ष पर भारत के उद्योगपति गौतम अडानी, नीता अंबानी और कुमार मंगलम बिड़ला हैं। अमेरिका से मोंटे आहूजा, अजय बंगा और मनोज भार्गवअ कनाडा से सोनम अजमेरा, बॉब ढिल्लों और आदित्य झाअ यूनाइटेड किंगडम से मोहम्मद अमर्सी, मनोज बदाले और कुजिंदर बाहिया इसमें शामिल हैं। इंडियास्पोरा के संस्थापक एमआर रंगास्वामी ने कहा: हमारे समुदाय के इतने सारे परोपकारी लोगों को देखना अविश्वसनीय रूप से प्रेरणादायक है, जिन्होंने अपनी सफलता को सामाजिक प्रभाव में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि नेता उदारता के एक महत्वपूर्ण उदाहरण के रूप में कार्य करते हैं और हमें उन कई मुद्दों की याद दिलाते हैं जिन पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता है।

सोमरविले कॉलेज में विकास निदेशक और ज्यूरी (निर्णायक मंडल) के सदस्यों में से एक सारा कलीम ने कहा कि इस प्रयास का हिस्सा बनना बहुत खुशी की बात है। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक स्तर पर तीन करोड़ 20 लाख से अधिक भारतीय मूल के लोगों के साथ भारतीय दुनिया में सबसे बड़ी प्रवासी आबादी हैं।

ब्रिटनी स्पीयर्स के पिता संरक्षकता छोड़ने को राजी

भाषा। लॉस एंजिलिस

पॉप स्टार ब्रिटनी स्पीयर्स के पिता जैमी स्पीयर्स ने गायिका के कंजरवेटरशिप (संरक्षण व्यवस्था) से हटने का निर्णय लिया है। गायिका के जीवन और धन को 2008 से ही उनके पिता नियंत्रित कर रहे हैं। बेटी का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण जैमी स्पीयर्स ने 2008 में अदालत में याचिका डाली थी, जिसके बाद अदालत ने कंजरवेटरशिप की व्यवस्था दी। डेडलाइन की खबर के मुताबिक जैमी स्पीयर्स ने लॉस एंजिलिस सुपीरियर कोर्ट में बृहस्पतिवार को अपनी प्रतिक्रिया दाखिल कर इस व्यवस्था से हटने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हस्तांतरण की प्रक्रिया में वह अदालत की मदद करेंगे लेकिन उन्होंने इसकी कोई समयसीमा नहीं बताई। अदालत

में दाखिल जवाब में कहा गया कि जैमी आलोचकों के निशाने पर हैं लेकिन उनका मानना है कि कंजरवेटरशिप व्यवस्था को लेकर यह लड़ाई गायिका के हित में है। वहीं जवाब में यह भी कहा गया कि जैमी स्पीयर्स के तत्काल निलंबन को उचित ठहराने की कोई परिस्थितियां नहीं थी। पॉप स्टार के वकील मैथ्यू रोसेनगार्ट ने कहा कि जैमी स्पीयर्स के कंजरवेटरशिप से हटने का निर्णय गायिका के लिए बड़ी जीत है।

जापान के रक्षा मंत्री ने विवादित युद्ध स्मारक का दौरा किया

● युद्ध में मरने वालों को सम्मान देना सभी देशों में सामान्य बातः किशी

एपी। टोक्यो

जापान के रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को टोक्यो में एक युद्ध स्मारक का दौरा किया, जिसे चीन और दोनों कोरियाई देश जापान के आक्रमण के प्रतीक के तौर पर देखते हैं। वह युद्ध में शहीद लोगों के लिए प्रार्थना करने गए थे। कुछ दिनों के बाद द्वितीय विश्वयुद्ध में देश की पराजय की 76वीं बरसी है।

बीसवीं सदी के प्रथमार्द्ध में जापान की कार्रवाई के पीड़ित और खासतौर पर कोरियाई देश तथा चीन स्मारक को जापान के बल प्रयोग के प्रतीक के रूप में देखते हैं क्योंकि यह दोषी युद्ध अपराधियों का सम्मान करता है। पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के छोटे भाई और रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने कहा कि युद्ध में मरने वालों को सम्मान देना सभी देशों में सामान्य बात है। किशी युद्ध के समय अत्याचार से इंकार करते रहे हैं। किशी ने कहा, मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं, जो देश के लिए लड़े और अंतिम युद्ध में जिन्होंने अपनी जान गंवाई। वह तोमोई इनादा के बाद पहले रक्षा मंत्री हैं, जिन्होंने यासुकुनी का दौरा किया है। इनादा ने दिसंबर 2016 में इस युद्ध स्मारक का दौरा किया था। आबे ने 2013 में इस स्मारक का दौरा किया था, जिसका चीन और कोरियाई देशों ने विरोध किया था, जिसके बाद सात वर्षों तक वह यहां नहीं गए लेकिन पिछले वर्ष प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद वह नियमित रूप से यहां जाते हैं। प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने अप्रैल में यासुकुनी वसंत उत्सव के दौरान धार्मिक आभूषण भेंट किए लेकिन स्मारक पर जाने से बचते रहे। आर्थिक एवं वित्त नीति मंत्री यासुतोशी निशिमुरा ने शुक्रवार को अलग से स्मारक का दौरा किया। किशी और निशिमुरा ने कहा कि 15 अगस्त की वर्षगांठ से पहले स्मारक का दौरा किया ताकि भीड़ से बच सकें। दक्षिण कोरिया और चीन, स्मारक पर जापानी नेताओं के जाने का विरोध करते हैं। कोरियाई प्रायद्वीप पर 1910 से 1945 तक जापान के औपनिवेशिक शासन को लेकर कई कोरियाई नागरिकों में क्षोभ है।

सही चुनाव करें

आशीष फर्नांडो बता रहे हैं कि कैसे कृत्रिम मेधा छात्रों को बेहतर कॉलेजों व कंपनियों में प्रवेश करने के लिए सशक्त बना रही है

चयन- विकल्पों का समुद्र होने से - पाठ्यक्रम, शहर, देश, अवधि, अवसर और भविष्य की कैरियर संभावनाएं - सही कॉलेज और नौकरी खोजने में समय, गहन शोध और काम के अंतहीन घंटे लगते हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) बिजली की तीव्र गति से जानकार निर्णय प्रदान करके छात्रों को इस भारी और समय खाने वाली प्रक्रिया से पार पाने में मदद कर सकती है।

हालांकि भारतीय शिक्षा समुदाय धीरे-धीरे आटोमेशन की ओर बढ़ रहा है, मगर एआई ने छात्रों को सही संस्थान और नौकरी खोजने में मदद करके खाई को पाटना शुरू कर दिया है। वर्चुअल असिस्टेंट, स्मार्ट टेक्स्ट मैसेजिंग, वैयक्तिकृत पाठ्यक्रम और इमर्सिव क्लासरूम टीचिंग जैसी तकनीकें छात्रों के लिए संस्थानों में आवेदन करना और अध्ययन करना आसान बनाती हैं। ऐसे कई ऑनलाइन एप्लिकेशन हैं जो सेवाएं प्रदान करते हैं जो नौकरी चाहने वालों को अपने रिज्यूमे में सुधार करने, प्रासंगिक नौकरियों को लक्षित करने और साक्षात्कार के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करते हैं।

कई भारतीय स्टार्ट-अप छात्रों व स्नातकों को उनके घरों की सुविधा के साथ बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए एआई प्रौद्योगिकियों की पेशकश कर रहे हैं, खासकर महामारी के दौरान। यहां कुछ लोकप्रिय एआई टूल दिए गए हैं जो उच्च शिक्षा के भविष्य को अनेक तरीकों से बदल रहे हैं।

स्मार्ट क्वेरी बॉट्स और चैट-एकीकृत प्लेटफार्म

विदेशों में स्थित संस्थानों में आवेदन करते समय, प्रत्येक छात्र के पास ऐसे प्रश्न होते हैं जिनका वे उत्तर देना चाहते हैं। जैसे 'विदेश में अध्ययन करने में कितना खर्च होता है?' , 'मुझे किन विश्वविद्यालयों में आवेदन करना चाहिए?', या यहां तक कि 'मुझे कौन सी परीक्षा देनी चाहिए?' बुद्धिमान स्वचालित सहायता चैटबॉट उपकरणों को अपनाए जाने से प्रवेश पारिस्थितिकी तंत्र में तेजी से अपना रास्ता बना रहे हैं। ये वो उपकरण हैं जो छात्रों को आसान ऑनबोर्डिंग और आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करने में सहायता करते हैं।

एआई का उपयोग प्रवेश प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक गतिविधियों को स्वचालित करने के लिए भी किया जाता है, जिसमें वीजा प्रक्रिया, छात्र आवास व्यवस्था और पाठ्यक्रम पंजीकरण शामिल है, जो छात्रों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है।

एआई-आधारित अनुशंसा उपकरण

कॉलेज आवेदन मंचों के लिए एआई-प्रेरित अनुशंसा इंजन नयी पसंद हैं। तकनीकी मंच मशीन लर्निंग एल्गोरिदम द्वारा संचालित व्यक्तिगत सिफारिशें और सुझाव प्रदान करते हैं। यह छात्रों को अपने पाठ्यक्रम विनिर्देशों और परिणामों को बेहतर तरीके से समझने व उनका विश्लेषण करने का मौका देता है, जिससे कि उन्हें सही विकल्प चुनने और एक आकर्षक और व्यावहारिक छात्र अनुभव सृजन में मदद मिलती है।

कुछ एआई प्लेटफॉर्म योग्य छात्रों के साथ छात्रवृत्ति व अनुदान का मिलान कर सकते हैं और दो मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं को अलर्ट प्रदान कर सकते हैं। वे निगमों, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और व्यक्तियों को उनके छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को डिजाइन करने, लॉन्च करने, प्रबंधन और ट्रैक करने में भी मदद करते हैं।

वीडियो उपकरण

वर्तमान में, कई देशों में यात्रा प्रतिबंध अभी भी लागू हैं। और शैक्षणिक संस्थान संवादात्मक वेबिनार और पैनल चर्चा के माध्यम से दुनिया भर में संभावित छात्रों से जुड़ने के लिए वीडियो टूल का उपयोग कर रहे हैं।

कुछ स्टार्ट-अप छात्रों को उनके वीजा साक्षात्कार के विभिन्न पहलुओं के लिए तैयार करने में मदद करने हेतु वीडियो साक्षात्कार विश्लेषण उपकरण भी प्रदान करते हैं। वीडियो साक्षात्कार विश्लेषक (वीआईए) एक ऐसा उपकरण है जो चेहरे की गतिविधियों, भावनाओं व व्यवहार संबंधी विशेषताओं का अध्ययन करता है। यह छात्र को मॉक इंटरव्यू का त्वरित विश्लेषण प्रदान करता है। इससे छात्र को यह समझने में मदद मिलती है कि वे अपने साक्षात्कार में किन पहलुओं में सुधार कर सकते हैं।

वर्चुअल व संवर्धित वास्तविकता

संवर्धित रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) का तेजी से उपयोग एक अनुभवात्मक डिजिटल प्रवेश प्रक्रिया बनाने के लिए किया जा रहा है। वे वर्चुअल खुले दिवस और परिसर के दौरे प्रदान करते हैं, जिससे संभावित छात्रों को अपने घरों में रहकर परिसर को अनुभव करने और अपनी पसंद का विश्वविद्यालय चुनने का अवसर मिलता है।

एआई का उपयोग करके नौकरी हेतु आवेदन करें

हालांकि संगठन बेहतर प्रतिभा को काम पर रखने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं, मगर तकनीक का उपयोग प्रतिभा को लाभ पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है।

चैटबोट्स

स्वचालित उत्तर और चौबीसों घंटे सहायता की पेशकश करने वाले वार्तालाप चैटबोट नई नौकरी तलाशने वालों के लिए मददगार साबित हुए हैं। वे कर्मचारियों को सही व्यवसाय खोजने और नए गिग्स हासिल करने में मदद करते हैं। ये बॉट नौकरी पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने में मदद करने हेतु उम्मीदवारों के आवेदनों का प्रबंधन भी करते हैं।

एआई सहायक

कुछ एआई सहायक नौकरी चाहने वालों को मैसेजिंग इंटरफेस के माध्यम से उनके साथ बातचीत करके, वेब को लगातार खंगालते हुए और उन्हें स्थिति की सिफारिशें भेजकर रोजगार खोजने में मदद करते हैं। व्यक्ति के उत्तर के आधार पर, ये सहायक एआई का उपयोग अपने ज्ञान को ठीक करने के लिए करते हैं कि साधक नौकरी में क्या चाहता है और उसके अनुसार अपनी सिफारिशों में सुधार करते हैं।

रीज्यूमे विशेषज्ञ

नौकरी चाहने वालों को आदर्श रिज्यूमे तैयार करने में मदद करने हेतु कुछ प्लेटफॉर्म एआई का भी उपयोग करते हैं। टूल उन्हें यह पता लगाने में सक्षम बनाता है कि कौन से कीवर्ड का उपयोग करना है और कंपनियां किन लक्षणों की तलाश कर रही हैं, इसमें उनकी कमजोरियों व क्षमताओं को तलाशने तथा उनके रिज्यूमे को संपादित करने में सहायता करता है।

वर्तमान प्रक्रियाओं को बदलने के लिए संस्था और संगठन के नेताओं को अपना दृष्टिकोण बदलने और एक अलग मानसिकता अपनाने की आवश्यकता है। इस बदलाव को लाने में समय लगता है। सबसे पहले, हमारे पास खास किस्म के डेटा या टूल की कमी हो सकती है, या हम पाते हैं कि कुछ समझदारियां हमारे लिए काम नहीं करती हैं। हालांकि, परिवर्तन की संस्कृति स्थापित करके और परीक्षण और सीखने का दृष्टिकोण अपनाकर, एआई का उपयोग न केवल ड्राइव करने के लिए किया जा सकता है, बल्कि करियर के विकास को भी बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

(लेखक आईस्कूल कनेक्ट के संस्थापक और सीईओ हैं।)

एक नेतृत्व विहीन संघर्ष

महामारी ने रोग नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों के प्रबंधन और अपने लोगों को संसाधन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने में केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारी निकायों (नगर निगम और पंचायतों) के बीच सहज समन्वय

जैसे ही हम महामारी की तीसरी लहर की संभावना के करीब पहुंच रहे हैं, गांवों में पर्याप्त तैयारी इसके प्रभाव को कम करने में मूलभूत होती है, कहना है 'श्रीष खरे' का।

के महत्व को प्रकट किया है। ग्रामीण स्तर पर, स्थानीय अधिकारी कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई लड़ने और राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न सहायता योजनाओं को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले साल, 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर के सरपंचों के साथ बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि पंचायतों की प्रगति अंतत: राष्ट्र के विकास को कैसे सुनिश्चित करेगी, खासकर कोविड -19 के समय में। .

इस संघर्ष के समय में सरपंचों का नेतृत्व और मार्गदर्शन निश्चित रूप से ग्रामीणों के लिए आशा की किरण बन गया है। सरपंचों के निर्देश पर इलाज और जांच की सुविधा उपलब्ध कराने, जागरूकता पैदा करने और प्रोटोकॉल को बनाए रखने का काम किया जाता है। हालांकि, देश के कई गांव इस समय एक नेता के अभाव में जीवित हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में लगभग 15 ग्राम पंचायतें, जो दक्षिण में कर्नाटक की सीमा बनाती हैं, एक ही नाव में नौकायन कर रही हैं।

हालाँकि, 16 जनवरी को, सोलापुर जिले में लगभग 650 ग्राम पंचायतों के चुनाव हुए थे, और परिणाम 18 जनवरी को घोषित किए गए थे। यह देखते हुए कि इन पंचायतों में कई सरपंच सीटें आरक्षित थीं और आरक्षित समुदाय के किसी भी प्रतिनिधि ने चुनाव नहीं लड़ा था। कई गांव आज बिना सरपंच के हैं। आम तौर पर ऐसी स्थिति में एक महीने के भीतर नए चुनाव कराने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होती है, लेकिन कोविड-19 के कारण दोबारा चुनाव नहीं हो सका. एक नेता के बिना, इन गांवों के निवासियों के लिए कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई और भी कठिन हो गई है।

इन 15 गांवों में से, सांगोला ब्लॉक के सात गांवों के लिए कोविड -19 की दूसरी लहर के प्रसार को रोकना सबसे कठिन हो गया था, जिसमें शामिल थे, एग्लावेवाड़ी, बुरांगवाड़ी, बोपसेवाड़ी, खिलरवाड़ी, निजामपुर, हनमंतगांव और तरंगवाड़ी। इन गांवों के अलावा बरसी ब्लॉक के जहानपुरा की ग्राम पंचायतें, नॉर्थ सोलापुर ब्लॉक में खेड़, मोहोल ब्लॉक में बोपले और शेंगलेवाड़ी, मंगलवेधा ब्लॉक में गणेशवाड़ी, साउथ सोलापुर ब्लॉक में राजूर और तकली और मलशीरस ब्लॉक में येलिव को भी सरपंच का इंतजार है. . जैसे-जैसे मामले बढ़ रहे थे, जिला प्रशासन सरपंचों की सहायता से सख्त कदम उठा रहा था।

हालांकि, इन 15 गांवों में संस्थागत नेतृत्व की कमी के कारण प्रोटोकॉल के पालन से लेकर उपचार के प्रावधान तक के मुद्दे पैदा हो रहे थे।

''कोविड -19 प्रोटोकॉल के बाद, अब तक फिर से चुनाव कराने की सलाह नहीं दी जाती है। हालाँकि, एक बार स्थिति में सुधार होने पर, सरपंचों को चुनने का निर्णय तुरंत किया जाएगा, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति ने निस्संदेह वायरस के खिलाफ जिले की लड़ाई में बाधा उत्पन्न की है'', सोलापुर के सरपंच मिलिंद शंबरकर ने कहा।

पहली और दूसरी लहरों के दौरान सोलापुर जिला राज्य के साथ-साथ देश में सबसे कमजोर क्षेत्रों में से एक था। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, जिले में 20,000 से अधिक सक्रिय मामले थे, जबकि जमीन पर, 1.5 लाख से अधिक लोग कोविड -19 से संक्रमित थे, और इस लेख को लिखते समय 3,500 से अधिक मौतें दर्ज की गईं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने इस आबादी का एक बड़ा हिस्सा बनाया।

सोलापुर के सांगोला प्रखंड के रहने वाले मिलिंद कोहली ने सरपंच की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरपंचों की मौजूदगी से बीमारी खत्म नहीं होती, लेकिन इसके प्रसार को रोकने के लिए उचित उपाय किए जाते. सरपंचों ने राज्य सरकार के समन्वय से परीक्षण करने और बेहतर और समय पर उपचार प्रदान करने की योजना बनाने का प्रयास किया होगा।

''वर्तमान में कोई परीक्षण, उपचार या निगरानी नहीं है। अगर यह दूसरा रास्ता होता, तो वे अपने सरपंच से उनके स्वास्थ्य की निगरानी के लिए दवाएं और चिकित्सा उपकरण जैसे ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर प्रदान करने का आग्रह करते'' मिलिंद ने बताया।

सोलापुर के पंडारपुर कस्बे में केमिस्ट की दुकान रखने वाले संदीप बेलवलकर ने बताया कि दूसरी लहर के दौरान सर्दी, खांसी और बुखार से प्रभावित लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है. उनके अनुसार, परीक्षण की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड -19 सकारात्मक मामलों में वृद्धि हो रही थी। उनका मानना है कि ऐसे समय में सरपंच की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। सरपंच के बिना, आवश्यक कार्यों को करने के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय करने वाला कोई नहीं है। ''कई लोग बीमार थे। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत हो चुकी है, लेकिन हमें नहीं पता कि ये आंकड़े दर्ज किए गए या नहीं।''

जैसे-जैसे हम तीसरी लहर की संभावना के करीब पहुंच रहे हैं, शहरों और गांवों में मजबूत तैयारी मौलिक है। इस प्रकार, प्रशासन को स्थिति की तात्कालिकता पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए और सर्वोत्तम संभव कदम उठाना चाहिए। सरपंचों के बिना, कोविड -19 की तीसरी लहर से लड़ने का तौर-तरीका धूमिल प्रतीत होता है।

कविता

''ये मेरा हिंदुस्तान है''

डा. राज सिंह

प्रकाश ये अनंत है
दिशा में दिग दिगंत है
ये वाक्य में हलंत है
और अग्नि सा ज्वलंत है

प्रत्यक्ष का प्रमाण है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये साधना का तूर्य है
दैदीप्यमान सूर्य है
दिशाग्रजों में पूर्व है
अनादि है अपूर्व है

राष्ट्र ये महान है
ये प्यारा हिंदुस्तान है

रंति देव की व्यथा है ये ,
शिवि दधीचि की कथा है ये
शिवा का भाल ढाल है
सह्याद्रि का चट्टान है

स्वयं राष्ट्र गान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये बज्रधारी शक्र है
कर में सुदर्शन चक्र है
दुराराध्य सा वक्र है
ये परसु सहित सर्वत्र है

अचूक राम बाण है
ये प्यारा हिंदुस्तान है

अहं ब्रम्हास्मि सा अलख
ज्ञान की इसमें है झलक
अचिन्त्य की पुकार है
ये चेतना का ज्वार है

प्रभात का गुमान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये वेदों का ज्ञान है
साधकों में ध्यान है
नृपों में स्वाभिमान है
संशयों का निधान है

ये धरा का मान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

मैं बुरी कुक नहीं हूं

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का भोजन के साथ रिश्ता इस बात का महत्वपूर्ण हिस्सा है कि वह कौन हैं और वह समय के साथ विकसित हुई हैं

अपनी पहली फिल्म दम लगा के हईशा के लिए 12 किलो वजन बढ़ाने से लेकर अपनी अगली फिल्म टॉयलेट : एक प्रेम कथा के लिए सारा अतिरिक्त वजन घटाने और अपनी प्रत्येक फिल्म के साथ अपना आकार बदलने तक, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर भोजन और स्वस्थ आहार के साथ एक लंबी यात्रा पर हैं। जैसा कि अभिनेत्री ने हाल ही में एक डिजिटल फूड शो के लिए पास्ता पकाने में अपना हाथ आजमाया, भूमि अपने सबसे अच्छे भोजन गंतव्य व यादों की चर्चा करती हैं और भोजन के साथ उनका रिश्ता क्यों इस बात का अहम हिस्सा है कि वह कौन हैं।

भूमि यू गॉट शेफ्ड - सीजन 3 के फिनाले एपिसोड में दिखाई देंगी, जो पॉकेट एसेस के लाइफस्टाइल चैनल गोबले के साथ-साथ यूट्यूब पर भी रिलीज होगा।

अपने खाना पकाने के अनुभव को साझा करते हुए, भूमि कहती हैं, ''वैसे यह एक वर्चुअल एपिसोड था जिसमें मैंने शेफ रणवीर बरार के साथ खाना बनाया था और मुझे कहना होगा कि भले ही मुझे लगा कि खाना बनाना इतना कठिन काम है, लेकिन अगर आपको सही तरीके से निर्देशित किया जाता है, तो वास्तव में ऐसा नहीं है। मैं बिल्कुल भी रसोइया नहीं हूँ, मैं एक जबरदस्त फूडी हूं! लेकिन जब मैंने पास्ता पकाना शुरू किया, तो निश्चित रूप से शेफ ने मेरा मार्गदर्शन किया, लेकिन मैंने अच्छे पास्ता का एक हिस्सा बनाना सीख लिया।''

वह आगे बताती हैं, ''मुझे लगता है कि मैं उतनी बुरी कुक नहीं हूं जितना कि मैंने सोचा था कि मैं हूं। हमने पास्ता पकाया क्योंकि एपिसोड की थीम इटैलियन फूड मेमोरी थी, यह स्वादिष्ट थी। क्या मैं यह कह सकती हूं कि कुछ चीजों का संयोजन कभी गलत नहीं हो सकता, और हमारा पास्ता उन्हीं चीजों में से एक था। हमने पास्ता के एक हिस्से को मक्खन, लहसुन, मशरूम और शतावरी सॉस में पकाया ... यह मुंह में पानी लाने वाला था! मुझे कहना होगा कि पास्ता बहुमुखी व्यंजनों में से एक है, इतने आसान स्वादिष्ट संयोजनों के साथ , यदि आप उनमें से किसी एक को पकाना सीखते हैं, तो मेरा विश्वास करें, आप पास्ता के एक भोजन से अपने सभी दोस्तों व परिवार को प्रभावित कर सकते हैं! जब मैंने आखिरकार इसे बनाया तो मैं बहुत उत्साहित थी। हां! (वह हंसती है)।''

यह पूछने पर कि भूमि का पसंदीदा भोजन गंतव्य क्या है? भूमि कहती हैं, ''भोजन गंतव्य मेक्सिको और जापान होगा। लेकिन मैं हमेशा मेक्सिको की भोजन यात्रा पर दांव खेलती हूं, क्योंकि भारत में, हम मैक्सिकन और दक्षिण अमेरिकी भोजन की सर्वोत्तम किस्म नहीं मिलती है। जब मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करना शुरू किया और मैं मेक्सिको गयी तो मुझे उनके भोजन और संस्कृति से बहुत प्यार हो गया। जापानी भोजन और अखिल एशियाई व्यंजन हमें अभी भी यहां भारत में मिलते हैं। मुझे जापानी खाना भी बहुत पसंद है, स्वादिष्ट, जायकेदार फिर भी बहुत सारे स्वस्थ विकल्प हैं जो व्यक्ति को एशियाई भोजन के साथ मिल सकते हैं। ''

अपनी सर्वश्रेष्ठ भोजन स्मृति के बारे में पूछे जाने पर भूमि ने न्यूयॉर्क के एक उपनगर की कहानी याद की। उस याद को साझा करते हुए भूमि बताती हैं, ''यात्रा करने के लिए न्यूयार्क मेरे पसंदीदा शहरों में से एक है। मैं जब भी वहां होती हूं तो लंबी सैर करती हूं। मुझे पिज्जा बहुत पसंद है और न्यूयॉर्क में हर ब्लॉक में एक पिज्जेरिया है। आपको विश्वास नहीं होगा कि मैं उनमें से हूं जो हर ब्लॉक के सभी बेहतरीन पिज्जेरिया में जाएगा और एक अलग टॉपिंग के साथ एक ताजा टुकड़ा खाएगा! मैं तब एक बच्चे जैसा महसूस करती हूं और वास्तव में मेरे दोस्त मेरे इस तरह के पागलपन पर हंसते हैं। लेकिन वे टॉपिंग इतने अच्छे होते हैं, कि मैं उन्हें कैसे मिस कर सकती हूं? (हंसते हुए)।''

चूंकि काफी कायान्तरण होते हैं, इसलिए भूमि अच्छी दिखने और फिट रहने के लिए लगातार खुद पर काम कर रही हैं, जो कि सौंदर्य व्यवसाय का एक हिस्सा है, अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उनका दिमाग स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रशिक्षित है।

भूमि इशारों में कहती हैं, ''शुरुआत में, मेरे लिए, यह एक खास ढंग से देखने के लिए वजन बढ़ाने और कम करने का काम करना था। लेकिन जब से मैंने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, मैंने महसूस किया, हमारा रूप भोजन, व्यायाम व स्वस्थ आदतों का एक संयोजन है जिसे हम जीवन भर बनाए रख सकते हैं।

उदाहरण के लिए, मेरे ट्रेनर ने हमेशा कोर को मजबूत बनाने और मेटाबॉलिज्म और इम्युनिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मुझे लगता है कि महामारी के दौरान हम सभी प्रतिरक्षा के महत्व को समझ गए हैं। अपने आहार में, मैं हमेशा प्रोटीन और कार्ब्स का एक अच्छा संयोजन बनाए रखती हूं। बेशक, मुझे विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया जाता है लेकिन मुझे लगता है कि कोई शॉर्टकट नहीं है जो आजीवन परिणाम प्रदान करता है, यह हमेशा एक क्रमिक प्रक्रिया है। भोजन के साथ मेरा रिश्ता समय के साथ विकसित हुआ है। ''

अभिनेत्री के पास फिल्मों की एक दिलचस्प श्रृंखला है जिसमें बधाई दो, मिस्टर लेले और रक्षा बंधन शामिल हैं।

-आईएएनएस

2 न्यूज-व्यूज
हर आपदा में संकटमोचन की भूमिका में मुख्यमंत्री

6 अभिमत
अवसरवादी हो गया है विपक्ष

11 स्पोर्ट्स
केएल राहुल अपनी योजना में स्पष्ट थेः रोहित शर्मा

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 292
लखनऊ, शनिवार, 14 अगस्त, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मैं बुरी कुक नहीं हूं: भूमि पेडनेकर
विविध-12

अब ट्विटर से भिड़ी कांग्रेस

- राहुल बोले-भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप वाला कदम
- ट्विटर ने कहा उसने ये कदम नियमों के तहत उठाए हैं

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपना ट्विटर अकाउंट बंद (लॉक) किए जाने को लेकर खड़े हुए विवाद की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को इस माइक्रोब्लॉगिंग मंच पर जमकर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह अमेरिकी कंपनी भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रही है तथा लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला कर रही है।

उन्होंने यह दावा भी किया कि ट्विटर पक्षपातपूर्ण है और वह सरकार के कहे मुताबिक काम कर रहा है। उल्लेखनीय है कि ट्विटर ने राहुल गांधी, कांग्रेस और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं के ट्विटर अकाउंट बंद कर दिए हैं। कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में कथित दुष्कर्म एवं हत्या की पीड़ित नौ वर्षीय बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का ट्विटर अकाउंट बंद किया गया था। दूसरी तरफ, ट्विटर ने कहा है कि उसने ए कदम नियमों के तहत उठाए हैं। राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा, मेरा ट्विटर अकाउंट बंद करके वे हमारी राजनीतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर रहे हैं। एक कंपनी हमारी राजनीति का दायरा तय करने के लिए अपने कारोबार का उपयोग कर रही है। एक नेता के तौर पर मैं इसे पसंद नहीं करता।

उन्होंने दावा किया, यह हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। यह राहुल गांधी पर हमला नहीं है। सिर्फ यह नहीं है कि राहुल गांधी का अकाउंट बंद कर दिया गया। मेरे पास 1.9 करोड़ से दो करोड़ के बीच फॉलोवर हैं। आप उन्हें अपने विचार रखने के अधिकार से वंचित कर रहे हैं। आप यही कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह सिर्फ अनुचित ही नहीं, बल्कि उस विचार की अह्वेलना है कि ट्विटर एक तटस्थ मंच है। यह निवेशकों के लिए बहुत खतरनाक है क्योंकि राजनीतिक मुकाबले में किसी एक का पक्ष लेने पर ट्विटर के लिए प्रतिक्रिया भी होंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह दावा भी किया, हमारे लोकतंत्र पर हमला किया गया है। हम संसद के अंदर बोल नहीं सकते। मीडिया नियंत्रित है। मैंने सोचा था कि यह उम्मीद एक रोशनी है जहां हम ट्विटर पर अपने विचार रख सकते थे। लेकिन यह बात नहीं है।

कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उसके और उसके कई नेताओं के ट्विटर अकाउंट को इस माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ने बंद (लॉक) कर दिया है, हालांकि ट्विटर ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर ए कदम उठाया गया है। कांग्रेस का कहना है कि उसके संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला, महासचिव अजय माकन, जितेंद्र सिंह, सांसद मणिकम टैगोर, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव, प्रवक्ता पवन खेड़ा और कई अन्य नेताओं के ट्विटर अकाउंट लॉक किए गए हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि ट्विटर, भारत में भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र का गला घोंटने में उसका साथ दे रहा है। ट्विटर के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी के नियम सभी लोगों के लिए विवेकपूर्ण और निष्पक्ष रूप से लागू होते हैं।

राहुल सिर्फ ट्विटर पर सक्रिय थे वहां से भी भगाए गए: भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को नियमों के उल्लंघन के आरोप में अस्थाई रूप से बंद (लॉक) किए जाने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर निशाना साधा और कहा कि यही वह एकमात्र जगह थी, जहां वह सक्रिय थे लेकिन उन्हें अब वहां से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सांसद व पार्टी की युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी को अपना ट्विटर अकाउंट बहाल करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए सोशल मीडिया नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को सशक्त बनाने के लिए बनाए गए नए नियमों का विरोध किया था और सरकार पर हमले किए थे। सूर्या ने कहा कि एक बलात्कार पीड़िता के परिवार के सदस्यों की तस्वीर ट्वीट करने के बाद राहुल गांधी अभिव्यक्ति की आजादी के तर्क की आड़ नहीं ले सकते।

दिल्ली में नौ साल की पीड़िता की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। उन्होंने जो किया वह असभ्य, अवैध और अमानवीय था। कानून परिवार का पता और विस्तृत जानकारी सहित बलात्कार पीड़िता की पहचान सार्वजनिक करने की इजाजत नहीं देता है। इसे ही मुद्दा बनाकर भाजपा राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा कर रही है।

सीएम ने बलिया-गाजीपुर में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया दौरा

पीड़ितों को हर जरूरी मदद मिले:योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पहले कोरोना की जंग और अब बाढ की तबाही से निपटने को सीएम योगी ने सीधे मैदान में उतर कर मोर्चा संभाल लिया है। पिछले तीन दिनों में करीब आधा दर्जन जिलों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम योगी ने आज गाजीपुर और बलिया के बाढ प्रभावित इलाकों का हवाई दौरा किया और पीडितों से मिलकर उनके आंसू पोछे। उन्होने बचाव तथा राहत कार्य को अपनी आंखों से देखा और आपदा की इस घडी में हर समय चुस्त और दुरस्त व्यवस्था रखने के अधिकारियों को कडे निर्देश दिये। उन्होने साफ कहा कि पीडितों को समय पर मदद और बाढ से नुकसान को कम से कम होने दिया जाये।

गाजीपुर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम योगी ने गहमर इण्टर कॉलेज में बाढ़ प्रभावित 186 परिवारों को राहत सामग्री वितरित की और उनसे बाढ़ राहत व बचाव कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में संचालित राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों के प्रत्येक गांव का निरीक्षण करने तथा वहां राहत व बचाव कार्य प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के 24 जनपदों के 600 से अधिक गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। राजस्थानए मध्य प्रदेश और हरियाणा से अतिरिक्त जल छोड़ा गयाए जिससे यमुनाए चम्बल व बेतवा नदी में अधिक जल का स्तर बढ़ गया है।

इससे प्रदेश में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि गाजीपुर में गंगा नदी के तटवर्ती इलाकों में 32 राजस्व ग्राम बाढ़ से प्रभावित हैं। इन राजस्व ग्राम की लगभग 1.5 लाख की आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है। बलिया के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करने के बाद सीएम ने नागाजी सरस्वती विद्या मन्दिर विद्यालय में 50 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री का वितरण किया। उन्होंने विद्यालय के सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ राहत व बचाव कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी पीड़ित एवं प्रभावित लोगों को राहत सामग्री उपलब्ध करायी जाए। राहत सामग्री के वितरण में जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए।

आवश्यकतानुसार तिरपाल की आपूर्ति बढ़ाकर प्रत्येक जरूरतमन्द को इसका वितरण किया जाए। ऐसे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जहां विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई हैए जहां जेनरेटरए बैटरी आदि के माध्यम से प्रकाश व्यवस्था एवं मोबाइल चार्ज की सुविधा सुलभ करायी जाए।

शुरू हुई वाहन स्क्रैपिंग नीति, दस हजार करोड़ रुपए का होगा निवेश

- मोदी ने की लांच इसके कचरे से कंचन का अभियान बताया

भाषा। गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाहन स्क्रैपिंग नीति की शुरुआत करते हुए इसे कचरे से कंचन के अभियान और चक्रीय अर्थव्यवस्था की एक अहम कड़ी करार दिया तथा कहा कि यह नीति देश के शहरों से प्रदूषण कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ तेज विकास की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। गुजरात में निवेशक सम्मेलन को संबोधित कर रहे प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 75वें स्वतंत्रता दिवस से पहले आज का यह कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को सिद्ध करने की दिशा में एक और अहम कदम है। यह सम्मेलन वाहन स्क्रैपिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करने पर निवेश आमंत्रित करने के लिए आयोजित किया गया है। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा, आज देश वाहन स्क्रैपिंग नीति लॉन्च कर रहा है। यह नीति नए भारत की गतिशीलता को और ऑटो क्षेत्र को नई पहचान देने वाली है। देश में अनफिट वाहनों को वैज्ञानिक तरीके से सड़कों से हटाने में यह नीति बहुत बड़ी भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि देश के करीब करीब हर नागरिक, उद्योग और हर क्षेत्र में इससे सकारात्मक परिवर्तन आएगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए गतिशीलता को बहुत बड़ा कारक बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गतिशीलता में आई आधुनिकता यात्रा और परिवहन का बोझ तो कम करती ही है, आर्थिक विकास के लिए भी मददगार साबित होती है। उन्होंने कहा, 21वीं सदी का भारत स्वच्छ, भीड़-भाड़ रहित और सुविधाजनक गतिशीलता का लक्ष्य लेकर चले, यह आज समय की मांग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम में अब उद्योग जगत और सभी हितधारकों की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा, नई नीति कचरे से कंचन के अभियान (वेस्ट टू वेल्थ) और चक्रीय अर्थव्यवस्था की एक अहम कड़ी है। यह नीति देश के शहरों से प्रदूषण कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के साथ तेज विकास की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि पुनर्चक्रण, पुन:प्रयोग और भरपाई के सिद्धांत पर चलते हुए यह नीति ऑटो क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता को भी नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा, इतना ही नहीं, यह नीति देश में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश लाएगी और हजारों रोजगार का सृजन करेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश आजादी के 75वें वर्ष में प्रवेश करने वाला है और यहां से देश के लिए अगले 25 वर्ष बहुत महत्वपूर्ण है।

नाक से दिए जाने वाले कोविड टीके के परीक्षण को मंजूरी

भाषा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक द्वारा विकसित कोविड-19 के नाक से दिए जा सकने वाले पहले टीके को दूसरे और तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।डीबीटी ने कहा कि 18 साल से 60 साल के आयुवर्ग के समूह में पहले चरण का क्लिनिकल परीक्षण पूरा हो गया है। उसने कहा, भारत बायोटेक का नाक से दिया जाने वाला (इन्ट्रानेजल) टीका पहला नेजल टीका है जिसे दूसरे और तीसरे चरण के परीक्षण के लिए नियामक की मंजूरी मिल गई है। यह इस तरह का पहला कोविड-19 टीका है जिसका भारत में मनुष्य पर क्लिनिकल परीक्षण होगा। यह टीका बीबीवी154 है जिसकी प्रौद्योगिकी भारत बायोटेक ने सेंट लुईस स्थित वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से प्राप्त की थी। डीबीटी ने कहा, कंपनी ने जानकारी दी है कि पहले चरण के क्लिनिकल परीक्षण में स्वस्थ प्रतिभागियों को लगाई गई टीके की खुराकों को शरीर द्वारा अच्छी तरह स्वीकार किया गया है। किसी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी नहीं है। क्लिनिकल पूर्व अध्ययनों में भी टीका सुरक्षित पाया गया था।

टीकों के मिश्रण के पक्ष में नहीं: पूनावाला

पुणे। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के चेयरमैन डॉ साइरस पूनावाला ने शुक्रवार को कहा कि वह कोरोना वायरस के दो अलग-अलग टीकों की खुराक देने के पक्ष में नहीं हैं। कोविशील्ड का उत्पादन करने वाले एसआईआई के प्रमुख पूनावाला ने यहां लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने के बाद संवाददाताओं से कहा, मैं दो अलग-अलग टीकों को मिलाने के विरुद्ध हूं। दो भिन्न टीकों को मिलाने की कोई जरूरत नहीं है। उनसे एक ही व्यक्ति को कोविशील्ड और कोवैक्सीन की दो अलग-अलग खुराक देने से रोग प्रतिरोधक क्षमता और बेहतर होने की धारणा के संबंध में आईसीएमआर के एक अध्ययन के बारे में पूछा गया था।

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा 16 अगस्त से होगी शुरू

लखनऊ। उप्र में अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू किया है जिस कड़ी में 16 अगस्त से राज्य के अलग-अलग स्थानों से जन आशीर्वाद यात्रा निकाली जाएगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित ने शुक्रवार को बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की गई योजना के अनुसार राज्य में पार्टी ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल में उत्तर प्रदेश से शामिल किए गए सभी नए सात मंत्रियों को जनता का आशीर्वाद दिलाने के लिए जन आशीर्वाद यात्रा की व्यापक योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि जन आशीर्वाद यात्रा 16 अगस्त से अलग-अलग स्थानों से प्रारम्भ होगी, जबकि इसका समापन 20 अगस्त को होगा। उन्होंने बताया कि यह यात्रा उप्र. में लगभग तीन दर्जन लोकसभा क्षेत्रों और 120 से अधिक विधानसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए करीब साढ़े तीन हजार किमी. से अधिक की यात्रा तय करेगी। उन्होंने बताया कि जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान जगह-जगह स्वागत सभाएं होगी, साथ ही कई जगहों पर जनसभाएं भी होगी।

तालिबान ने कंधार पर किया कब्जा

- उग्रवादी संगठन अब तक अफगानिस्तान के दो-तिहाई से अधिक क्षेत्र पर काबिज

एपी। काबुल

अफगानिस्तान के अधिकारियों ने कहा है कि तालिबान ने एक और प्रांतीय राजधानी पर कब्जा कर लिया है। कंधार प्रांत की राजधानी कंधार अफगानिस्तान की 34 प्रांतीय राजधानियों में से 12वीं राजधानी है जिस पर उग्रवादियों का कब्जा हो गया है। कंधार देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है।

धिकारियों ने बताया कि कंधार पर तालिबान ने बृहस्पतिवार रात को कब्जा कर लिया और सरकारी अधिकारी तथा उनके परिजन हवाई मार्ग से भागने के लिए किसी तरह हवाई अड्डे पहुंच गए। इससे पहले, बृहस्पतिवार को तालिबान ने अफगानिस्तान के तीसरे सबसे बड़े शहर हेरात पर कब्जा कर लिया था। तालिबान के लड़ाके ऐतिहासिक शहर में ग्रेट मस्जिद से आगे बढ़ गए और सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक सरकारी इमारत से रूक-रूक कर गोलीबारी की आवाज आ रही थी जबकि बाकी के शहर में शांति थी और वहां पर तालिबान का कब्जा हो चुका था। गजनी पर तालिबान के कब्जे से अफगानिस्तान की राजधानी को देश के दक्षिण प्रांतों से जोड़ने वाला अहम राजमार्ग कट गया।

काबुल अभी सीधे खतरे में नहीं है लेकिन तालिबान की देश में पकड़ मजबूत होती जा रही है और दो तिहाई से अधिक क्षेत्र पर वह काबिज हो गया है। उग्रवादी संगठन अन्य प्रांतीय राजधानियों में सरकारी बलों पर दबाव बना रहा है। बदतर होते सुरक्षा हालात को देखते हुए अमेरिका काबुल में अमेरिकी दूतावास से कर्मियों को निकालने के लिए 3,000 सैनिकों को भेज रहा है। वहीं, ब्रिटेन भी देश से अपने नागरिकों को निकलने में मदद देने के लिए कुछ समय के लिए करीब 600 सैनिकों की वहां पर तैनाती करेगा।

बाजार

सेंसेक्स	54,437	593	
निफ्टी	16,529	164	
सोना	45,586	222	/10g
चांदी	61,045	100	/kg

क्विक न्यूज

निर्वाचन आयोग की वेबसाइट हैक करने वाला गिरफ्तार

सहारनपुर (उप्र)/नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग की वेबसाइट हैक करने और दस हजार से अधिक फर्जी मतदाता पहचान पत्र बनाने के आरोप में उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी शुक्रवार को अधिकारियों ने दी। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसका डाटाबेस पूरी तरह सुरक्षित है। सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एस. चेन्नप्पा ने बताया कि आरोपी विपुल सैनी ने यहां के नकुड़ इलाके में अपनी कम्प्यूटर की दुकान में कथित तौर पर हजारों की संख्या में मतदाता पहचान पत्र बनाए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सैनी आयोग की वेबसाइट में उसी पासवर्ड के जरिए लॉगइन करता था, जिसका इस्तेमाल आयोग के अधिकारी करते थे।

मेघालय में खूंखार उग्रवादी ढेर

शिलांग। मेघालय के पूर्वी खासी पर्वतीय जिले में शुक्रवार को तड़के पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक खूंखार उग्रवादी मारा गया जिसने पूर्व में आत्मसमर्पण किया था। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में हाल में हुए सिलसिलेवार धमाकों के संबंध में जब उसके घर पर छापेमारी की गई तब यह मुठभेड़ हुई। प्रतिबंधित हाइनीट्रेप नेशनल लिबरेशन काउंसिल (एचएनएलसी) के पूर्व महासचिव चेस्टरफील्ड थांगखिव (54) ने 2018 में उपमुख्यमंत्री प्रेस्टोन त्यसोंग के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। पुलिस महानिदेशक आर चंद्रनाथन ने पीटीआई-भाषा को बताया कि पुलिस की एक टीम ने राज्य में हाल में हुए आईईडी हमलों के सिलसिले में मवलाई में थांगखिव के किनटोन मसार आवास पर छापेमारी की। उन्होंने बताया, थांगखिव खिलहेरियाट में आईईडी हमले में वांछित था। हमारे पास सबूत थे। पुलिस की एक टीम ने तड़के उसके घर पर छापेमारी की। पुलिस के घर में घुसते ही, उसने एक चाकू लहराया और चार में से एक कॉन्स्टेबल पर हमला किया जिसने जवाब में गोली चलाई।

कुलगाम में मुठभेड़ में आतंकी मारा गया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के काफिले पर आतंकवादियों के गोलीबारी करने पर शुरू हुई मुठभेड़ रातभर चली और इसमें एक आतंकवादी मारा गया जबकि दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुठभेड़ के दौरान दो आम नागरिक भी घायल हो गए हैं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने बताया, अभी तक, एक आतंकवादी मारा गया है। इमारत (जहां आतंकवादी छिपे थे) की पूरी तलाशी ली जाएगी।

पांच सौ वर्ष बाद रामलला भाइयों के साथ चांदी हिंडोले पर हुए विराजमान

- अपने आराध्य को पहली बार रजत के झूले पर देख भाव विभोर हुई अयोध्या

पायनियर समाचार सेवा। अयोध्या

श्री राम जन्मभूमि परिसर रामलला के जन्म स्थान पर विराजित अस्थाई मंदिर में 500 वर्ष वाद प्रभु श्री राम लला ब्रह्म मुहूर्त में श्रावण शुक्ल पक्ष की नाग पंचमी तिथि को चांदी के झूले पर विराजे विशेष आरती पूजन के बाद रामलला का दर्शन श्रद्धालुओं के लिए खुला अपने आराध्य को पहली बार रजत के झूले पर देख श्रद्धालु भाव विभोर हो गए। प्रभु श्रीराम लाला के लिए 21 किलो चांदी का झूला श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को ही समर्पित कर चुके थे। जिसका विधिवत पूजन अर्चन के बाद नाग पंचमी तिथि को जगत के आराध्य रामलला को उस पर विराजित किया गया। पहली बार प्रभु श्री राम लला के भक्त अपने आराध्य को चांदी के हिंडोले पर देखकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु 500 वर्ष में पहली बार श्री राम जन्मभूमि परिसर के स्थई मंदिर में नाग पंचमी तिथि से श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रक्षाबंधन तक दर्शन पूजन कर पाएंगे।श्री राम जन्म भूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि सुबह विधिवत पूजन अर्चन एवं श्रृंगार के बाद राम लला की फूलों की भव्य झांकी भी सजाई गई। इसके बाद चांदी के भव्य झूले पर श्री रामललाए लक्ष्मणए भरत व शत्रुघ्न को विराजित किया गया।

और महंगी होगी विमान यात्रा

भाषा। नई दिल्ली

- सरकार ने घरेलू विमान सेवा के किराए की निचली और ऊपरी सीमा बढ़ाई

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाई किराए की निचली और ऊपरी सीमा में 9.83 से 12.82 प्रतिशत तक की वृद्धि की है, जिससे घरेलू हवाई यात्रा और महंगी हो जाएगी। इससे पहले, कोविड-19 की वजह से लगे दो महीने के लॉकडाउन के बाद पांच मई, 2020 को विमान सेवाओं के बहाल होने के साथ सरकार ने उड़ान अवधि के आधार पर हवाई किराए पर निचली और ऊपरी सीमाएं लगाई थीं।

कोविड-19 से संबंधित यात्रा प्रतिबंधों के कारण आर्थिक रूप से संघर्ष कर रही एयरलाइनों की मदद के लिए निचली सीमा लगाई गई थी। वहीं ऊपरी सीमा इसलिए लगाई गई थी ताकि सीटों की मांग अधिक होने पर यात्रियों से भारी शुल्क न लिया जाए।12 अगस्त, 2021 के एक आदेश में, मंत्रालय ने 40 मिनट की अवधि की उड़ानों के किराए की निचली सीमा को 2,600 रुपए से बढ़ाकर 2,900 रुपए कर दिया, यानी इसमें 11.53 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं 40 मिनट की अवधि के उड़ानों के लिए ऊपरी सीमा को 12.82 प्रतिशत बढ़ाकर 8,800 रुपए कर दिया गया। इसी तरह, 40-60 मिनट की अवधि वाली उड़ानों के लिए निचली सीमा अब 3,300 रुपए के बजाय 3,700 रुपए होगी।

बृहस्पतिवार को इन उड़ानों के किराए की ऊपरी सीमा 12.24 प्रतिशत बढ़ाकर 11,000 रुपए कर दी गई। इसके अलावा 60-90 मिनट की अवधि वाली उड़ानों के किराए की निचली सीमा 4,500 रुपए होगी, यानी इसमें 12.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बृहस्पतिवार को इन उड़ानों के किराए की ऊपरी सीमा 12.82 प्रतिशत बढ़ाकर 13,200 रुपए कर दी गई।

हर आपदा में संकटमोचन की भूमिका में नजर आए योगी

● खुद खतरों से खेलकर पीड़ितों की मदद का जुनून

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संकट कोई भी हो, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हर जगह ग्राउंड जीरो पर मौजूद दिखते है। वह भी अपनी सेहत और जोखिम की परवाह किए बगैर। चाहे कोरोना का संकट हो या भीषण ठंड से लोगों को बचाने का मामला। मुख्यमंत्री अस्पताल और रैनबसेरों में लोगों के बीच जाना पसंद करते हैं। बाढ़ में भी यह सिलसिला जारी है। बाढ़ आते ही वह ग्राउड जीरों पर उतर पडे हैं। बुंदेलखंड से पूर्वांचल तक की दूरी वह करीब हफ्ते भर में नाप चुके हैं।

विदित हो कि देश की दो सबसे प्रमुख नदियों के नाते पूर्वांचल और बुंदेलखण्ड के इलाके बाढ़ के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील हैं। यमुना और उसकी सहायक नदियों के अधिग्रहण क्षेत्र में आने के नाते बुंदेलखंड और गंगा और उसकी सहायक नदियों के अधिग्रहण क्षेत्र में आने के नाते पूर्वांचल का पूरा इलाका बाढ़ के लिहाज से सर्वाधिक संवेदनशील हो जाता है। जिसे देखते हुये मुख्यमंत्री का दौरा खुद में बेहद नियोजित होता है। वह अब तक बुंदेलखंड के जालौनए हमीरपुरए इटावा और औरैया का दौरा कर चुके हैं। कल वह पूर्वांचल के वाराणसी में थे। इस दौरान जोखिम की परवाह किये बिना बाढ़ की जमीनी हकीकत जानने के लिए उफ्नाती गंगा में नाव से चल दिए। आज उन्होने बलिया और गाजीपुर में बाढ़ का जायजा लिया। हर दौरे में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षणए बाढ़ पीड़ितों के लिए किए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों का जमीनी सत्यापनए स्थानीय प्रशासन के साथ बाढ़ के हालात, राहत और बचाव कार्यों की समीक्षा के साथ जरूरी निर्देश भी देते हैं। वाराणसी दौरे के दौरान तो उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मिर्जापुर, भदोही और चंदौली के बाढ़ की स्थिति एवं राहत कार्यों की भी समीक्षा की। उल्लेखनीय है कि बाढ़ से अब तक प्रदेश के करीब दो दर्जन जिलों के 1200 गांव प्रभावित हैं। इनके लिए सरकार की ओर से 982 राहत शिविर बनाए गए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुचाने के लिए 2200 नावों लगाई गई हैं। 600 से अधिक मेडिकल टीमें लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं दी रहीं हैं। 614 बाढ़ चौकियां हालात पर लगातार नजर रखे हैं। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में अब तक करीब 2 लाख लंच पैकेट, 22 हजार राशन किट बांटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री का ताल्लुक पूर्वांचल के गोरखपुर से है। रोहिन और राप्ती के संगम पर स्थित होने के कारण यह इलाका बाढ़ के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। 1998 में यहां आई बाढ़ को तबके प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने जलप्रलय कहा था। लिहाजा वह बाढ़ और बाढ़ उतरने के बाद कि जरूरतों और समस्याओं से पूरी तरह वाकिफहैं।

कार्यकर्ता का निर्माण करना पार्टी का मकसदः स्वतंत्र देव

लखनऊ। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कार्यकर्ता संपर्कए संवाद व सहयोग के द्वारा बूथ स्तर तक एक.एक व्यक्ति से जुड़ें क्योंकि यही भाजपा की शक्ति का आधार है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य ही कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है और संगठन को मजबूत बनाना है। क्षेत्र के सभी वर्ग व समाज के लोगो को जोड़ना है। उनको कार्यकर्ता बना कर भाजपा का विस्तार करना है। ऐसे कार्यकर्ताओं का निर्माण करना, जिसमें एक बूथ अध्यक्ष भी प्रदेश अध्यक्ष और सीएम बन पाएण् हमारी पार्टी में घर से निकला एक साधारण कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसे पद पर पहुंच सकता है। श्री सिंह ने कहा जिस पार्टी में कार्यकर्ताओं की इज्जत नहीं होगी वो पार्टी कभी अपने पैरों पर खड़ी नहीं हो सकती, उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को मिलकर काम करना चाहिए। पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सामाजिक समीकरण को मजबूत करें।

योगी सरकार नोएडा में बनाएगी यूपी का पहला मेडिकल डिवाइस पार्क

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 5,250 करोड़ रुपए का होगा निवेश होगा

उत्तर प्रदेश आने वालों समय मे देश के दवा उत्पादन या चिकित्सकीय काम में प्रयोग आने वाले उपकरणों का हब बनेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर प्रदेश का पहला और उत्तर भारत का सबसे बड़ा मेडिकल डिवाइस पार्क यमुना एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण (यीडा) के एरिया में बनाया जाएगा। यीडा ने इसके लिए गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) के सेक्टर 28 में 350 एकड़ जमीन तय कर दी है। इस मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर भी बनाया जाएगा। यह सेंटर पांच एकड़ में बनेगा। इस सेंटर से स्टार्टअप कंपनियों को फायदा मिलेगा।

इनक्यूबेशन सेंटर के लिए यीडा ने आईआईटी कानपुर से अनुबंध किया है। दो चरणों में बनाए जाने वाले मेडिकल डिवाइस पार्क के जरिए 5,250 करोड़ रुपए का निवेश होगा और 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय दवा उद्योग का दुनिया में तीसरा नंबर है। इसके बावजूद तमाम दवाओं के कच्चे माल के लिए भारत चीन पर निर्भर है। कुछ दवाओं के कच्चे माल के संदर्भ में तो यह निर्भरता 80 से 100 फीसद तक है। कोरोना के संक्रमण की शुरूआत हुई तो स्वाभाविक रूप से कच्चे माल का संकट भी हुआ। लिहाजा नीति आयोगए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने निर्णय लिया कि देश को दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए देश में ही फार्मा और फार्मा उपकरण बनाने वाले पार्क बनाए जाएं। इस सोच के तहत ही केंद्र सरकार ने देश में चार मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का निर्णय लिया था। जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर नोएडा के सेक्टर.28 में 350 एकड़ भूमि मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने ले लिए चिन्हित की गई है। इस भूमि पर मेडिकल डिवाइस पार्क दो चरणों में विकसित किया जाएगा। यहां प्लॉट के बजाय तैयार शेड उद्योगों को आवंटित किए जाएंगे। ताकि शीघ्र इकाई लगाकर मेडिकल उपकरणों का उत्पादन किया जा सके। पहले चरण में 125 एकड़ में शेड बनाकर उद्योगों को आवंटित किए जाएंगे। दूसरे चरण में भी 225 एकड़ एरिया में यही योजना आएगी। इस पार्क की एक ख़ास बात यह भी है कि नोएडा के मेडिकल डिवाइस पार्क में इनक्यूबेशन सेंटर बनाएगा। प्राधिकरण ने कानपुर आईआईटी को इसके लिए अनुबंध किया है। ताकि नई तकनीक का आदान.प्रदान हो सके। मेडिकल डिवाइस पार्क में आने वाली स्टार्टअप कंपनियों को भी फायदा मिलेगा। इससे दो फायदे होंगे। पहला इनक्यूबेशन सेंटर और समृद्ध होगा। दूसरा स्टार्टअप कंपनियों को कानपुर आईआईटी से सहयोग मिल सकेगा। प्राधिकरण ने इसके लिए कार्य योजना तैयार कर ली है। इसके अलावा यीडा मेडिकल डिवाइस पार्क में कॉमन फैसिलिटी सेंटर भी विकसित करेगा। इसमें यहां आने वाली कंपनियों के लिए तमाम सुविधाएं दी जाएंगी। एक ही छत के नीचे कंपनियों को उनकी जरूरत के मुताबिक सुविधाएं मिलेंगी। स्टार्टअप व्यवसाय को विकसित करने में मदद करने वाले संस्थानों को इन्क्यूबेशन सेंटर कहा जाता है। इन्क्यूबेशन सेंटर प्रारंभिक चरण में स्टार्टअप्स के लिए संजीवनी के सामान होते हैं। ये संस्थान आम तौर पर स्टार्टअप्स को व्यापारिक एवं तकनीकि सुविधाओंए सलाहए प्रारंभिक विकास निधिए नेटवर्क और सम्बन्ध, सहकारी रिक्त स्थान, प्रयोगशाला की सुविधाए सलाह और सलाहकार समर्थन जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं।

स्थायी रूप से अपंग घोषित पुलिस एवं आर्म्ड फोर्सेज कर्मियों की अनुग्रह धनराशि होगी 7 लाख

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्थायी रूप से अपंग घोषित कर्मियों को संस्थान द्वारा अब तक प्रदान की जाने वाली एकमुश्त अनुग्रह राशि 6 लाख को बढ़ाकर 7 लाख करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने लाभार्थियों की लड़कियों की शादी के लिए संस्थान द्वारा दी जाने वाली राशि ल 2 लाख में भी बढ़ोत्तरी करके 2.5 लाख करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को राजभवन स्थित सभाकक्ष में उत्तर प्रदेश पुलिस एवं आर्म्ड फोर्सेज सहायता संस्थान लखनऊ की प्रबंध समिति की 38वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल जी ने समिति की 37वीं बैठक में लिए गए निणयों के क्रियान्वयन का अनुश्रवण भी किया। उन्होंने समिति को निर्देश दिया कि शहीद कर्मी का सम्पूर्ण डाटा रखा जाए। उन्होंने कहा कि शहीद कर्मियों के परिवारों को निराश्रित स्थिति में न छोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मियों के परिवार के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में पूरी मदद की जाये। शहीदों के बच्चों हेतु शिक्षा सहायता की समीक्षा करते हुए श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने निर्देश दिया कि उनकी शैक्षिक प्रगति का विवरण रखा जाए तथा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उनके व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु मद निर्धारण पर भी विचार किया जाय।

बाढ़ग्रस्त इलाकों के 1171 गांवों में 982 राहत शिविर स्थापित

लखनऊ। राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे लोगों को राहत देने और उनको बचाने के कार्य में जुटी है। बाढ प्रभावित जिलों के 1171 गांवों में 982 बाढ़ शरणालय स्थापित किये हैं। इनमे सभी बुनियादी सुवाओं जैसे शौचालय, पेजयल, कपड़े, बर्तन, बिस्तर आदि की व्यवस्था की गई है। अभी तक सरकार राहत कार्य के दौरान 179262 लोगों को लंच पेकेट और 22279 लोगों को ड्राई राशन किट वितरित कर चुकी है। पिछले 24 घंटे में सरकार ने 12049 लोगों को लंच पैकेट और ड्राई राशन किट 1511 पैकेट बांटे गये हैं। सरकार ने राहत कार्य में 2170 नांव लगा रही है और 1236 बाढ़ चौकियां बनाकर फंसे लोगों को निकालने का काम किया जा रहा है। बाढ़ वाले इलाकों में फंसे लोगों को बीमारियों से बचाव के लिये 614 मेडिकल टीमें गठित कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर पूरे प्रदेश में किए जाएं सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम: डीजीपी

● ग्लाइडर, ड्रोन व मानव रहित वायुयान की उड़ानों पर सतर्क दृष्टि रखने के पुलिस को निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी मुकुल गोयल ने प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को स्वतंत्रा दिवस पर सुरक्षा के प्रभावी प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य ने गृह मंत्रालय भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड.19 के दृष्टिगत दिए गए निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन कराया जाए।

इस संबंध में उन्होंने राज्य के सभी एडीजी जोन, आईजी, डीआईजी, सभी पुलिस कमिश्नर, सभी जिलों के पुलिस कप्तानों और रेलवे पुलिस के अधिकारियों को परिपत्र जारी किया है।

जारी निर्देशों में डीजीपी ने कहा है कि रेलवे स्टेशनए मेट्रो स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, बाजार, मॉल जैसे स्थलों आदि पर विशेष रूप से सुरक्षा प्रबन्ध किए जाएं तथा सुरक्षा कर्मियों को विधिवत ब्रीफ करने के उपरान्त ड्यूटी पर लगाया जाए। महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा योजना के अनुरूप सुनिश्चित की जाए । चेक पोस्टों को विशेष रूप से सतर्क एवं सक्रिय किया जाए । समारोह स्थलों आदि स्थानों पर पूर्व में ही एण्टी सेबोटाज चेकिंग की जाए। यथा सम्भव प्रशिक्षित वाचर्स की सेवाओं का भी उपयोग किया जाय । अवैध शस्त्रों, कारतूसों, शराब एवं विस्फोटक पदार्थों की तस्करी रोकने एवं संदिग्ध व्यक्तियों के आवागमन पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए स्थायी चेक पोस्ट के अतिरिक्त अस्थायी चेक पोस्ट लगाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की आकस्मिक चेकिंग करायी जाए । ग्लाइडर, ड्रोन एवं मानव रहित वायुयान आदि की उड़ानों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। गेस्ट हाउस ए होटल ए धर्मशालाओं, सरायों एवं शापिंग मॉल की प्रभावी चेकिंग सुनिश्चित की जाए । नये किरायेदारों के सत्यापन की कार्यवाही अवश्य करा ली जाए।

एसटीएफ से मुठभेड़ में एक लाख के इनामी अपराधी को लगी गोली, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हत्या, डकैती, लूट और रंगदारी वसूलने जैसी 3 दर्जन से अधिक घटनाओं में वांछित एक लाख के इनामी कुख्यात अपराधी आस मोहम्मद उर्फ आसू उर्फ लम्बू उर्फ खालिद मुजफ्फरनगर में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से जख्मी हो गया। पुलिस ने लंबू को गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। एसटीएफ को सूचना मिली कि कुख्यात बदमाश आस मोहम्मद उर्फ आशू उर्फलम्बू उर्फखालिद अपने साथी के साथ कोई बड़ी घटना करने के लिए बुढाना में आने वाला हैं। इस सूचना पर एसटीएफ मेरठ की टीम बुढाना क्षेत्र रवाना हुई। थाना बुढ़ाना की पुलिस और एसटीएफने चौकी बायवाला पर वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इसी बीच एक मोटरसाइकिल जिस पर दो व्यक्ति बैठे थेए बडौत की तरफ से आती दिखायी दी। जिसे रुकने का इशारा करने पर मोटरसाइकिल को वापस मोड़ कर भागने का प्रयास किया गया। एसटीएफ ने उनका पीछा किया तो मोटरसाइकिल स्लिप होकर गिर गई। पीछे बैठे बदमाश ने असलहा निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। एसटीएफ की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश को गोली लगी जबकि उसका साथी पैदल ही फरार हो गया।

युवा मोर्चा मनायेगा अमृत महोत्सवः द्विवेदी

लखनऊ। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने आज भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पूरे देश में व सभी राज्यों में मण्डल स्तर पर भाजयुमों अमृत महोत्सव कार्यक्रम मना रही है। भाजयमों के प्रदेश अध्यक्ष ने बतया कि युवा मोर्चा 14 अगस्त को पूरे प्रदेश के युवा कार्यकर्ता राष्ट्रगान का विडियों अपलोड करेगें जो कि राष्ट्रप्रेम व राष्ट्र के प्रति सम्मान का भाव को दिखाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एक.एक मण्डल पर 15 अगस्त को सुबह अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रगान कार्यक्रम में शामिल हो।

सीएम योगी का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठाःअखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रोजगार के मामले पर प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की रोजगार देने की कोई मंशा नहीं है। मुख्यमंत्री का 4 लाख नौकरियों का दावा पूरी तरह झूठा और भ्रामक है। भाजपा सरकार में युवाओं की दुर्दशा हो रही है। हताश युवा अब अपनी समस्याओं की ओर सरकार का ध्यान दिलाने के लिए किसी भी हद तक जोखिम उठाने के लिए मजबूर है।

अखिलेश ने कहा कि परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 69 हजार सहायक भर्ती प्रक्रिया में 22 हजार रिक्तियों को जोड़े जाने की मांग लेकर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले 50 दिनों से अभ्यर्थी आंदोलनरत है लेकिन सरकार उनसे कोई संवाद ही नहीं कर रही बल्कि एनसीईआरटी कार्यालय में रोजगार के लिए संघर्षरत लड़कियों का दमन किया जा रहा है। जनमत द्वारा निर्वाचित सरकार का यह चरित्र शर्मनाक है। अखिलेश ने दोहराया कि भाजपा को अपना संकल्प पत्र फिर से पढ़ना चाहिए। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने युवाओं से 70 लाख रोजगार का वादा किया था। इसके साथ ही छात्रों को मुफ्त लैपटॉप और मुफ्त इंटरनेट का झांसा दिया गया। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार साल से सत्ता पर काबिज भाजपा सरकार को अपने झूठे वादों के लिए युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। नयी पीढ़ी का भविष्य खराब करने की जिम्मेदार मौजूदा उत्तर प्रदेश सरकार ही है। जिसने न तो विश्वविद्यालयों में अकादमिक वातावरण को सुधारा और न ही बेरोजगारी की समस्या दूर करने की दिशा में कोई ठोस प्रयास किया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की जुमलेबाजी को देश का युवा वर्ग बखूबी समझ चुका है। नौकरियों के लम्बित परिणामए परीक्षा के पहले पेपर आउट होनाए वैकेंसियों में व्याप्त भ्रष्टाचार से नयी पीढ़ी निराश हो रही है। शिक्षा और रोजगार हमेशा समाजवादियों की प्राथमिकता में रहा है। समाजवादी सरकार में ही नौजवानों की बेरोजगारी दूर हो सकती है। 2022 में युवा ही बदलाव के वाहक होंगे।

देश गंभीर त्रासदी के दौर से गुजर रहा हैः धीरज गुर्जर

● जिला पंचायत सदस्य नीलम खुशबू व पूर्व ब्लाक प्रमुख हनीफ ने समर्थकों सहित थामा कांग्रेस का दामन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिजनौर की जिलापंचायत सदस्य नीलम खुशबू व लखनऊ के पूर्व ब्लाक प्रमुख मोहम्मद हनीफउर्फबबलू ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जरए रोहित चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित सदस्ता ग्रहण के मौके पर नए साथियों को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव व प्रदेश के सहप्रभारी धीरज गुर्जर ने कहा महंगाईए बेरोजगारीए ध्वस्त कानून व्यवस्था के विरुद्ध कांग्रेस का संघर्ष जनता की भावनाओ के अनुरूप है। देश गम्भीर त्रासदी के दौर से गुजर रहा है। हर तरफ हाहाकार है। राष्ट्रीय सम्पदा व संसाधनों पर कॉरपोरेट घरानों द्वारा भाजपा सरकार के माध्यम से हथियाने की नीति ने संकट और गहरा कर दिया है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को पूरी शक्ति से लड़कर भाजपा के जनविरोधी शासन का अंत करने का संकल्प कांग्रेसजनों ने ले लिया है। कांग्रेस एकमात्र विकल्प है जो बेपटरी विकास को पटरी पर लाकर देश के संसाधनों को बचा सकती है। राष्ट्रीय सचिव व सहप्रभारी रोहित चौधरी ने कहा कि किसान आंदोलनए पेगासेस जासूसी मामले में भाजपा का झूठ दुनिया के सामने आ चुका है। हर भारतीय अपने को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि योगी सरकार ने जनांकांक्षाओं को पूरा करने के बजाए उसने जनता को त्रासदी में झोंक दियाए बेरोजगार नौजवानों के साथ दुर्व्यवहार की सीमाएं लांघ चुकी है। पिछले 56 दिनों से सहायक शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थी अपने अधिकारों के लिये आंदोलनरत हैए तीन दिनों से एक अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़ा है।

कुछ नये शहरों में पुलिस आयुक्त व्यवस्था लाने पर मंथन

लखनऊ। पुलिस आयुक्त प्रणाली का सकारात्मक नतीजों को देखते हुये योगी सरकार इसे विस्तार देने जा रही है। राज्य के कुछ अन्य बडे जिलों में पुलिस आयुक्त प्रणाली को लागू करने की सरकार में तैयारी चल रही है। प्रस्तावित योजना को धरातल पर उतारने के लिये सीएम योगी ने गृह विभाग को जिम्मेदारी सौपी है।

अभी लखनऊ, नोएडा, वाराणसी और कानपुर में पुलिस आयुक्त व्यवस्था लागू है। सरकार ने सबसे पहले लखनऊ और नोएडा में पुलिस आयुक्त व्यवस्थश को लागू करके बडा संदेश दिया था। दूसरे चरण में पुलिस आयुक्त व्यवस्था को विस्तार देते हुये कानपुर तथा वाराणसी में पुलिस आयुक्त व्यवस्था को लागू किया गया। विस्तार के तीसरे चरण में प्रणाली को लागू किया जा चुका है। आगरा, गोरखपुर, मेरठ, गाजियाबाद और प्रयागराज में भी यह व्यवस्था लागू करने का विचार चल रहा है। जानकारी के अनुसार सीएम योगी के निर्देश पर मौजूदा समय में लागू पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली वाले शहरों लखनऊ कानपुर, नोएडा और वाराणसी की समीक्षा की जा रही है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

सूचना मेरे शैक्षणिक अभिलेखों में मेरा नाम विनय कुमार दर्ज है, जबकि अन्य दस्तावेजों में विनय कुमार श्रीवास्तव दर्ज है। मैं दोनों ही नामों से जाना एवं पहचाना जाता हूं। विनय कुमार श्रीवास्तव पुत्र राजेंद्र बहादुर श्रीवास्तव निवासी 384 पीरनपुर फतेहपुर (उ.प्र.)

सूचना

सूचना

मैं श्रीमती रूचि वर्मा पत्नी श्री अरुण कुमार वर्मा पुत्री डा0 सोमनाथ राजदान घोषित करती हूं कि मेरे भवन संख्या 2/674, सेक्टर–2, विकासनगर लखनऊ का मूल विक्रय विलेख दिनांक 15.9.1999, पृ0सं0–1 खण्ड 2767 पृष्ठ 115/132 की क्रम संख्या 6636 पर उपनिबन्धक तृतीय के कार्यालय में पंजीकृत है। जिसे उ0प्र0 आवास विकास परिषद लखनऊ से निशीथ सिंह पुत्र श्री एम0आर0 वर्मा को आवंटित व विक्रय किया था। दिनांक 14.7.2021 को विकास नगर लखनऊ में फोटो कापी करने जाते समय रास्ते में उक्त विक्रय विलेख दिनांक 15.9.1999 व समस्त मूल प्रपत्र कहीं गिर गये हैं।

आवश्यकता है

गौतम बुद्ध महाविद्यालय
पचपेड़वा, सांगठ (दुधारा) सन्त कबीर नगर, उ0प्र0
सम्बद्ध : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

आवश्यकता है

गौतम बुद्ध महाविद्यालय पचपेड़वा, संत कबीर नगर में निम्न आठ पदो पर स्नातक स्तर पर कला संकाय हेतु अर्हताधारी प्रवक्ताओं की आवश्यकता है।
1–प्राचार्य, 2–हिन्दी (साहित्यिक), 3–संस्कृत, 4–उर्दू, 5–इतिहास, 6–राजनी. तिशास्त्र, 7–भूगोल, 8–गृहविज्ञान।
सभी इच्छुक योग्यताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित है। उपरोक्त समस्त पदों हेतु पूर्णतया भरा हुआ आवेदन पत्र महाविद्यालय में 15 दिवस के अन्दर रजिस्टर्ड डाक से प्रेषित कर सकते हैं।
योग्यता– यू.जी.सी./उ0प्र0 सरकार/विश्वविद्यालय द्वारा न्यूनतम अर्हता।
वेतन मान– संविदा/नियत।

प्रबन्धक
गौतम बुद्ध महाविद्यालय
पचपेड़वा, सांगठ (दुधारा)
संत कबीर नगर–272125

प्रो. राजकुमार त्यागी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि आज भारतीय जनता पार्टी के मेरठ निवासी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी प्रो राजकुमार त्यागी ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी से उनके आवास पर भेंट कर उनकी उपस्थिति में राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान प्रोफेसर राजकुमार त्यागी ने कहा कि आज समाज में सौहार्द भाईचारा बनाया जाना अति आवश्यक हैए जिसका मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ। आज समाज के कमजोर वर्गों के लोगों का जीवन कैसे सुखी एवं समृद्ध बने उसकी चिंता करने की आवश्यकता हैएजिसका वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी में अभाव दिखाई देता है। राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों एवं विचारधारा को जन.जन तक पहुँचाना हमारा लक्ष्य होगा।

लखनऊ सहित प्रदेश के नौ जिले बने अमृत महोत्सव का हिस्सा

● केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने फिट इंडिया फ्रीडम रन-2 को दिखाई हरी झण्डी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आजादी के 75 साल होने पर देश भर में चल रहे अमृत महोत्सव के तहत आज लखनऊ सहित यूपी के 9 जिलों में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। नेहरु युवा केंद्रए बीएसएफ , एनएसएस और आईटीबीपी ने फिट इंडिया, फ्रीडम रन–2 में हिस्सा लिया।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने जहां दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम से फ्रीडम रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया वही यूपी में फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी, कानपुर, कानपुर देहात, मिर्जापुर, आजमगढ और ललित पुर में हुआ। सीआरपीएफ द्वारा चंद्र शेखर आजाद पार्क एप्रयागराज और रेलवे द्वारा झांसी रेलवे स्टेशन के द्वारा फ्रीडम रन का आयोजन किया गया। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के पूर्वी सीमान्त मुख्यालय, लखनऊ द्वारा फिट इंडिया मूवमेन्ट का आयोजन किया गया। जिसमें 5 किलोमीटर रन एण्ड वाक केन्द्रीय विहार जानकीपुरम विस्तार से डा. एपीजे अब्दुल कलाम टैक्निकल यूनिवर्सिटी मार्ग पर किया गया। झाँसी में रानी लक्ष्मीबाई किले से आजादी का अमृत महोत्सव के तहत, फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन हुआ। झांसी में महापौर रामतीर्थ सिंघल, महापौर द्वारा कार्यक्रम का सम्बोधन किया गया तथा हरी झंडी दिखाकर दौड़ का आरंभ किया गया।

नेहरू युवा केन्द्र लखनऊ द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन.2 का आयोजन किया गया। विधानसभा मलिहाबाद से विधायक जय देवी कौशल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि स्वस्थ तन और मन से ही देश का विकास संभव है। आज गर्व का दिन है कि हम सब देश के 75 साल पूर्ण होने के अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं देश का तिरंगा तिरंगा हमारा अभिमान है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय निदेशक नेहरू युवा केन्द्र संगठन नन्द कुमार सिंह ए निदेशक जन शिक्षण संस्थान सौरभ खरे, उपनिदेशक राजेश मिश्रा, सहायक निदेशक सूर्य प्रकाश दुबे, प्रदीप सिंह व क्षेत्रीय निदेशक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. अशोक श्रोती, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ. हेमंत यादव, इंडिया फ्रीडम रन सिकन्दर बाग से प्रारंभ होकर कैसरबाग़ गेट, जनरल वाली कोठी, रेजीडेंसी, इमामबाड़ा चौक होते हुए रूमी दरवाजा पर समाप्त की गई।

जिला युवा अधिकारी विकास सिंह ने बताया कि दैनिक जीवन में खेल, योग को शामिल करने से मोटापा सुस्ती तनाव व रोगो से आजादी मिलती है इस अभियान के जरिए लोगों से रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने एवं फिट्नेस का डोज आधा घंटा रोजश् मंत्र को अपनाने की युवाओं से अपील की गई।

कार्यालय लाइसेंसिग प्राधिकारी/कलेक्टर, बाराबंकी।
(आबकारी अनुभाग)
संख्या : 493/आब0दुकान/दैनिक आधार/2021–22 दिनांक : अगस्त, 13, 2021
विज्ञप्ति
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद बाराबंकी में स्थित देशी मदिरा दुकान– ग्राम सभा तेरासानी के अनुज्ञापन के निलम्बन की दशा उक्त दुकान को दिनांक 16.08.2021 से एक बार में न्यूनतम चौदह दिवस या नियमित व्यवस्थापन जो पहले हो, दैनिक आधार पर आफर माँग कर अन्तरिम व्यवस्थापन कराया जाना है। इसके लिए आवे. दन/आफर दिनॉकः 16.08.2021 को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी में जमा कर सकते हैं। एक दुकान के लिये दो या दो से अधिक समान आफर प्राप्त होने पर सार्वजनिक लाटरी के माध्यम से उसी दिन सायं 04:00 बजे व्यवस्थापन कराया जायेगा। उपरोक्त दुकान की लाइसेंस फीस इत्यादि की जानक. ारी क्षेत्रीय आबकारी निरीक्षक तथा कार्यालय जिला आबक. ारी अधिकारी, बाराबंकी से प्राप्त किया जा सकता है।
जिला आबकारी अधिकारी बाराबंकी। **लाइसेंसिंग प्राधिकारी/कलेक्टर, बाराबंकी।**

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, जोन–8, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ
पत्रांक : 303/EE-8/21-22 दिनांक : 13.08.2021
(अति–अल्पकालीन निविदा–सूचना)
जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 20.8.2021 को अपराह्न 03:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय के कैश काउन्टर से प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएं दिनांक 20.8.2021 को अधिशासी अभियन्ता, जोन–8 के कार्यालय में अपराह्न 3:30 बजे तक सील्ड टेन्डर बॉक्स में प्राप्त की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदाएं दिनांक 20.8.2021 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4:00 बजे जोन–8 के कार्यालय में खोली जायेंगी।
1. मानसरोवर योजना सेक्टर–ओ स्थित म0नं0–एसएस–3/155 के निकट 250 एमएम डाया की 65 मीटर गैप सीवर लाइन डालने का कार्य, धरोहर राशि रु० 5900/– एवं निविदा मूल्य रु० 250/–
अधिशासी अभियन्ता, जोन–8
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

वाराणसी में घटने लगा है गंगा का जलस्तर

- अब बीमारियां फैलने की आशंका
- गुरूवार से स्थिर होने के बाद शुक्रवार को दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से घटाव जारी है

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

गंगा के जल स्तर में बढ़ाव गुरुवार को ठहरने के बाद शुक्रवार को सुबह से घटने लगा है। सुबह आठ बजे तक एक सेंटीमीटर प्रतिघंटा से गंगा का जल स्तर घट रहा था जो सुबह 10 बजे तक घटाव दो सेंटीमीटर प्रतिघन्टा हो गया था।

अब मीरजापुर, भदोही और चंदौली में बाढ़ में कमी आने लगी है। जबकि गाजीपुर और बलिया में गंगा फि लहाल स्थिर हैं। उम्?मीद जताई जा रही है कि बारिश में कमी आने के बाद बलिया और गाजीपुर में भी गंगा का उफान थमने लगेगा। हालांकि, बाढ़ में कमी आने की वजह से अब पीछे छोड़े गए मलबे और कीचड़ से बीमारियों के सिर उठाने के खतरे भी बढ़ने जा रहे हैं।गंगा में घटाव ऊपर से हो रहा है। फाफामऊ व प्रयागराज में तीन तो मीरजापुर में दो सेंटीमीटर प्रतिघन्टा की रफ्तार से गंगा घट रहीं हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार शुक्रवार की सुबह 10 बजे वाराणसी में गंगा का जल स्तर 72.23 मीटर था। वहीं, फाफामऊ में गंगा का जल स्तर 85.47 मीटर, प्रयागराज में 84.55 मीटर व मीरजापुर में 78.04 मीटर था। वहीं, केंद्रीय जल आयोग के अनुसार गुरुवार की रात आठ बजे वाराणसी में गंगा का जल स्तर 72.32 मीटर था जो रात 12 बजे तक स्थिर बना रहा। इसके बाद घटाव शुरू हुआ। गंगा के ऊपरी हिस्से यानि फाफामऊ , प्रयागराज व मीरजापुर में घटाव गुरुवार से ही शुरू हो गया था। फाफामऊ में दो सेंटीमीटर से जल स्तर में घटाव हो रहा था तो प्रयागराज में मापक यंत्र के पैमाने पर तीन सेंटीमीटर घटाव बताया गया था। वहीं, मीरजापुर में शाम से एक सेंटीमीटर घटाव दर्ज किया गया था। गुरुवार की शाम छह बजे फाफामऊ में जल स्तर 85.89 मीटर रहा। ऐसे ही प्रयागराज में 85.08 मीटर व मीरजापुर 78.25 मीटर था।

दिहाड़ी मजदूरों को बांटी गई राहत सामग्री, वैक्सीन के लिए किया गया जागरूक

वाराणसी। सामाजिक संस्था लोक समिति और आशा ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे कोरोना राहत कार्य अभियान के तहत क्षेत्र के बसुहन,असवारी,गौर,कोसड़ा,लेदुवाइ, खदरामपुर,टोडरपुर, नयापुर गाँव में 360 जरूरतमंद दिहाड़ी मजदूर,गर्भवती, विधवा,वृद्ध एकल महिला तथा दिव्यांग परिवारों को राहत सामाग्री वितरित किया, लोगों को पोषाहार के साथ ही मास्क भी वितरण किया गया। इस दौरान पर्चे बाँटकर कोरोना टीकाकरण के लिये लोगों को जागरूक किया गया। राहत सामग्री पाकर मजदूरों के चेहरे खिल गए। नन्दलाल मास्टर ने बताया कि संस्था द्वारा गरीब और जरूरतमन्द लोगों को चिन्हित कर लगातार राहत सामग्री वितरण का कार्य किया जा रहा है। अब तक 4500 से ज्यादा परिवारों को राशन व पौष्टिक आहार, दवा आदि दिया जा चुका है । राशन किट में लोगों को दाल,चीनी,चाय, सोयाबीन,नमक, साबुन, मास्क, सैनिटाइजर मास्क, सेनेट्री पैड आदि का वितरण किया जा रहा है।

विधायक एवं प्रमुख ने प्रभावित गांव में बांटा राहत सामग्री

धानापुर,चन्दौली। विधायक सुशील सिंह एवं प्रमुख अजय सिंह ने शुक्रवार को क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव का लगातार तीसरे दिन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हीने बाढ़ राहत चौकियों पर भोजन सामग्री और भोजन पैकेट का वितरण किया। प्रभावित गांव नरौली प्रहलादपुरए पपरौल व प्रसाहटा का दौरा किया और राहत शिविर में उपस्थित 52 लोगों को भोजन सामग्री का विवरण किया। वहीं राहत किट का भी वितरण किया । जिसमें 10 किलो चावल 10 किलो आटा 2 किलो दाल 1 किलो रिफाइंड तेल 2 किलो भुजा चना बिस्कुट नमक मिर्च धनिया पाउडर माचिस मोमबत्ती सहित अन्य सामान था। विधायक ने पशुओं को चारा भी वितरण करवाया साथ ही 252 राहत किट भी वितरण किया जिसमें आलू, चना, प्याज बिस्कुट, नमकीन,गुड़, लाई मोमबत्ती, तेल हरदी मसाला इत्यादि सामान था। दिए गए और इस दौरान उन्होंने लोगों से बात किए अन्य समस्याओं से बाबत जानकारी ली इस मौके पर उपजिलाधिकारी अजय मिश्र, अम्बरीष सिंह भोला, संजय यादव, पसहटा मृत्युंजय सिंह, त्रिलोकी सिंह, अरुण अवस्थी यदुवेन्द्र यादव, रमेश त्रिवेदी मिंटू आदि उपस्थित रहे।

अंजनी सिंह ने बाढ़ पीड़ितों का किया मदद

धानापुर,चन्दौली । जिला पंचायत सदस्य अंजनी सिंह ने गद्दोचक प्रसहटा, दीयां बाढ़ ग्रस्त इलाकों में घूमकर लोगों को समस्या से अवगत हुए। इस दौरान राहत शिविर में उपस्थित लोगों में भोजन का पैकेट वितरित किया। उन्होंने कहा की एक तरफ़ प्राकृतिक आपदा से क्षेत्र की जनता बेहाल हैं तो वहीं भाजपा सरकार की गलत नीतियां एवं लापरवाही भी पीड़ित जनता के ऊपर आपदा से भी भारी आपदा है कहा शिविरों में प्रकाश का अभाव है तो वहीं नौका संचालन के लिए डीजल नहीं दिया जा रहा जनता ग्राम प्रधान क्षेत्रीय सपा नेता अपनी जेब से पैसे देकर डीजल मंगवा रहे हैं तब नाव चल रही कहा मैं खुद नाव संचालन के लिए डीजल हेतु आर्थिक मदद किया। बाढ़ मदद में हमारी तरफ़ से जितना हो सकता है मैं हर पल जनता के बीच जनता के साथ हूँ श्री सिंह ने कहा जनता की यह शिकायत है कि भाजपा के नेता क्षेत्रवार जनता की अनदेखी कर रहे लोगों को बाढ़ क्षेत्रों को पहचान पहचान कर राशन नाव या अन्य मदद दिया जा रहा लोगों की ऐसी शिकायतें लगातार हमारे पास पहुँच रही सरकार का पूरा सिस्टम फेल है जो कुछ भी प्रशाशन द्वारा दिया जा रहा वो नाकाफी है पीड़ित जनता के साथ पक्षपात दोहरा व्यवहार निश्चित रूप से निंदनीय है और भाजपा के दोहरे नफ़रतवादी विचारों को जाहिर करता है इस अवसर पर सदानंद खरवार, जय प्रकाश सिंह ,हिरन यादव बबलू यादव, सुंदर बिंद हरिशंकर सिंह साथ रहे।

क्विक न्यूज

इंडियन बैंक में हेल्थ चेकअप कार्यक्रम सम्पन्न

वाराणसी। इंडियन बैंक 15 अगस्त को अपना 115वाँ स्थापना दिवस मनाएगा। इसी के अनुसरण में, इंडियन बैंक देश भर में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इसी क्रम में वाराणसी अंचल कार्यालय द्वारा शुक्रवार को स्वास्थ्य जाँच कैम्प का आयोजन किया गया। इंडियन बैंक, अंचल कार्यालय, वाराणसी परिसर में महाश्वेता हास्पिटल के डाक्टर एवं मेडिकल स्टाफके सौजन्य से संपन्न स्वास्थ्य जाँच कैम्प में बैंक के ग्राहकों के साथ-साथ बैंक स्टाफके स्वास्थ्य की जाँच की गई। अंचल प्रबंधक राजेश ने बैंक की ओर से हास्पिटल की मेडिकल टीम का स्वागत किया तथा उनका आभार व्यक्त किया।

महंत बिगड़ू बाबा का निधन, दर्शन को उमड़ा जनसैलाब

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थानाक्षेत्र के ग्राम सभा बीजपुर के पुनर्वास प्रथम में स्थित मां दुधहिया मंदिर के महंत बिगड़ू बाबा का निधन गुरुवार की सायं मंदिर प्रांगण में हो जाने की खबर जैसे ही क्षेत्र व गांव वालों को मिला वैसे ही उनके अंतिम दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जानकारी के अनुसार बिगड़ू बाबा की तबियत कुछ दिनों से खराब चल रही थी। गुरुवार की सुबह बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बाबा को एनटीपीसी रिहंद के धनवंतरी चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती करवाया। जहाँ पर डॉक्टरों ने इलाज के बाद स्थिति नाजूक देखते हुए अन्यत्र के लिए रेफर कर दिया। फिर उन्हें मंदिर में लाया गया और बाहर भेजने की तैयारी चल रही ही रही थी कि अचानक सायं लगभग साढ़े पांच बजे के आसपास उनका देहांत हो गया। मौत की खबर सुनते ही भक्तों में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्रीय भ्रमण में निकले दुद्धी विधायक हरिराम चेरो ने पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन किया और क्रियाकर्म के लिए दस हजार रुपए की धनराशि का सहयोग दिया। साथ ही अन्य सहयोग का आश्वाशन भी दिया। शुक्रवार की सुबह जब शव का अंतिम यात्रा निकली तो अंतिम दर्शन के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

बाढ़ पीड़ितों को प्रशासन हर संभव मदद पहुचाए

मुग़लसराय, चंदौली। जनपद में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ाव के बाद गुरुवार को सुबह से कम होना शुरू हो गया है । बाढ़ में कमी होने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है । पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वरिष्ठ सपा नेता व जिलापंचायत सदस्य पति शमीम सिद्दीकी ने गगां के तटवर्ती गांव बहादुरपुर, कुंडा खुर्द क्षेत्रों का दौरा करने के साथ ही ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्या को सुना और उन्हें सपने स्तर से निदान करने का आस्वासन भी दिया । उन्होंने कहा कि गांवों के तटवर्तीय जमीनों पर लगे सब्जियां और हरा चारा डूबने व गंगा कटान को लेकर लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है । लगातार बढ़ रही गंगा में गुरुवार सुबह से ही घटाव शुरू हो गया है जिससे गावँ के लोगो ने राहत की सांस ली । वही विषैले जानवरो का भी खतरा बढ़ गया है । खेतों में लगी फसलें पानी के कारण बर्बाद होने के कगार पर है। किसानों के सामने रोजी रोटी की समस्या मंडराने लगा है । बाढ़ से घिरे गांव के लोग रात भर जाग कर गुजर वसर करने को विवश हो गए हैं । तटवर्तीय गांवों मे चौतरफा पानी लग जाने से ग्रामीणए बच्चे, महिलाओं को पानी से होकर व नांव का सहारा लेकर आना जाना पड़ रहा है।

स्तनपान बच्चों के लिए अमूल्य उपहार : डॉ. सत्य

सोनभद्र। हिंडालको रेनूसागर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा अर्न्तराष्ट्रीय विश्व स्तन पान दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित आर्दश परिवार कल्यान केन्द्र पर विश्व स्तन पान दिवस एक साप्ताहिक कार्यक्रम के अन्तिम दिन स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम 1 वर्ष तक के बच्चों के लिए आयोजित किया गया। ग्रामीण विकास विभाग के प्रभारी ने बताया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को बच्चों के स्वास्थ्य स्वच्छता व टीकाकरण के प्रति जागरूक करना है। सबसे पहले सभी बच्चो का परिक्षण-स्वास्थ्य, बजन, लम्बाई, टीकाकरण व स्वच्छता की जॉच की गयी। डा.सत्य प्रकाश द्वारा माताओं को स्तन पान के महत्व के बारे मे बताया गया स्तन पान बच्चों के लिए एक प्राकृतिक अमूल्य उपहार है प्रसव के बाद निकलने वाला गाढ़ा पीला दूध बच्चों के लिए अमृत के समान है वही दूसरी ओर माता को कई बीमारियों से भी बचाता है साथ ही बच्चो के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गयी।

जिले के पांच केन्द्रों पर होगी पीजीटी भर्ती परीक्षा

मऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड की ओर से जिले के पांच केंद्रों पर 17 एवं 18 अगस्त को दो पालियों में आयोजित होने जा रही पीजीटी भर्ती परीक्षा की शुचिता को लेकर शासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। चयन बोर्ड के सदस्य डाण्डिनेश मणि त्रिपाठी ने पांचों परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीसीटीवी कैमरों एवं व्यवस्था का जायजा लिया। इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में बैठक कर सभी केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की पवित्रता को सुनिश्चित करने निर्देश दिया। माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के सदस्य डाण्डिनेशमणि त्रिपाठी ने दो टूक कहा कि परीक्षा की पवित्रता से किसी माफिया को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। परीक्षा भवन में किसी भी परीक्षार्थी की कोई संदिग्ध हरकत सामने आने पर तत्काल कार्रवाई की रणनीति तैयार की गई है। मऊ के बेदाग परीक्षा केंद्रों को ही केवल पीजीटी परीक्षा के लिए चुना गया है।

जीएसटी स्लैब को कम करने का आग्रह

वाराणसी। सरकार के साथ साझा किए गए अनुरोधों की पूरी सूची में, कोचिंग फेडरेशन ऑफइंडिया (सीएफआई) ने उनसे शिक्षा क्षेत्र में लागू मौजूदा जीएसटी स्लैब को कम करने का भी आग्रह किया। महामारी के कारण शिक्षा क्षेत्र को आर्थिक, मानसिक और भौतिक हर दृष्टिकोण से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पिछले डेढ़ साल के दौरान शिक्षकों की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय हो गई कि कई शिक्षकों के पास आत्महत्या करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया। हालांकि मौजूदा हालात में ऑनलाइन पढ़ाई कराई जा रही है, लेकिन सिर्फ मेट्रो शहरों में इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्धता और साधन संपन्न छात्र और शिक्षक ही इसका लाभ उठा रहे हैं।

बाढ़ पीड़ितों के गांव पहुंचे मनोज, बांटा सामान

मीरजापुर । बाढ़ में घिरे लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाकर उनके दरवाजे पर मोटर बोट से पहुंचे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज श्रीवास्तव ने जरूरत मंदो के बीच खाद्यान्न सब्जीए लाईए मोमबत्ती और माचिस का वितरण किया। श्री श्रीवास्तव कोन विकास खण्ड के हरिसिंहपुर और मल्लेपुर ग्राम में बाढ़ पीड़ितों के बीच राहत सामग्री लेकर टीम के साथ पहुंचें थे ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें सामान वितरित किया । टीम में भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व महामंत्री अशुकान्त चुनाहे, पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप सोनकर, रमाकांत दुबे, कृष्ण पटेल, वरिष्ठ अधिवक्ता पारसनाथ मिश्रा,मधुकर मिश्रा ए जगदीश एवं मल्लेपुर के प्रधान विजय शामिल थे ।

राहुल ने जीती इंडिया फ्रीडम रन प्रतियोगिता

धानापुर,चन्दौली। शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के द्वारा मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स के अंतर्गत शुक्रवार को फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन हुआ। जिसमें दो किलोमीटर की दौड़ महाविद्यालय परिसर में कराया गया। इस दौड़ में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया जिसमें बीए तृतीय वर्ष का छात्र राहुल प्रथम स्थान पर रहा। द्वितीय स्थान पर सरफराज अंसारी और तृतीय स्थान पर पवन रहें। संतावना पुरस्कार मेहताब और सेफको मिला इस कार्यक्रम को आयोजित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका नंद लाल पांचू नीरज और दिनेश ने किया कार्यक्रम का संचालन शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉक्टर नौशाद अहमद ने किया ।

मऊ में 1374 लोगों की जांच में नहीं मिला कोई नया कोरोना संक्रमित

मऊ । कोरोना संक्रमण की रफ्तार कम करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को 1374 लोगों की आई जांच रिपोर्ट में कोई भी नया कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाया गया है। लगातार पांचवें दिन भी कोई नया कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाए जाने से स्वास्थ्य अधिकारियों ने काफी राहत की सांस लिया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ एसएन दुबे ने बताया कि शुक्रवार को आई जांच रिपोर्ट के अनुसार अब तक 259517 लोगों का नमूना लैब भेजा गया है।

नागपंचमी पर काशी विश्वनाथ मंदिर में लगी भीड़, गूंजा हर-हर महादेव

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

नाग पंचमी के मौके पर सुबह बाबा दरबार में मंगला आरती के बाद से ही मानो आस्था का सावन उमड़ पड़ा है। चारों ओर हर- हर महादेव का उद्घोष और सुबह से ही मठ मंदिरों में आस्थावानों की कतार लगनी शुरू हुई जो दिन चढ़ने तक जारी रही।

सुबह गंगा स्नान करने वालों की भी भीड़ उमड़ी और बाढ़ के बीच सतर्कता बरतते हुए लोगों ने गंगा स्नान की जल भरकर बाबा का जलाभिषेक किया। लोगों की भीड़ का आलम यह था कि सुबह नौ बजे तक बीस हजार के करीब आस्थावान दर्शन पूजन कर चुके थे। बनारस में बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा सारनाथ में सारंगनाथ, बीएचयू में नया विश्वनाथ, मारकंडेश्वर महादेव, त्रिलोचन महादेव, तिलभांडेश्वर महादेव सहित तमाम मंदिरों और शिवालयों में आस्था का सावन सुबह से ही उमड़ा रहा और नाग पंचमी के मौके पर दूध-लावा के साथ ही भोग लगाने और जलाभिषेक करने का अवसर हर कोई प्राप्त कर लेना चाह रहा था। मंदिरों में आस्था का यह आलम रहा कि चारों ओर हर हर महादेव का उद्घोष गूंजा को कोरोना गाइडलाइन तक का अनुपालन कराना टेढ़ी खीर हो गई। हालांकि, अधिकतर सतर्क और जागरुक आस्थावान मास्क में नजर आए। सुबह से ही बाबा दरबार में आस्थावान जलाभिषेक करने के लिए बेल पत्र और दूध के अलावा गंगा जल अर्पित कर अपनी आस्था प्रकट किए। लोगों ने मनौती मानी तो बाबा दरबार में आस्था का सावन श्रृंगार भी अनोखा रहा। बाबा को भोग लगाने के साथ ही मंदिर परिसर में अनोखा श्रृंगार लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता रहा। सुरक्षा व्यवस्था गंगा घाट में जल पुलिस, एनडीआरएफसे लेकर बाबा दरबार तक चाक चौबंद नजर आई। लोगों की जांच के अलावा बाबा दरबार में सीसीटीवी के जरिए भी नजर रखी गई। वहीं अंचलों में भी आस्था का सावन शिवालयों में नजर आया। जबकि बाढ़ की वजह से स्नान करने वालों की सुरक्षा का विशेष ख्याल रखा गया।

जैतपुरा स्थित नागकुँआ मंदिर पर श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

वाराणसी। सावन माह के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को सनातन धर्म में नाग पूजा का विधान है। शुक्रवार को उल्लास और श्रद्धा के साथ महापर्व नागपंचमी मनाई गई। घरों की ड्योढ़ी पर नाग देवता की फोटो चस्पाकर उन्हें श्रद्धा समर्पित की गई। उसके बाद विधि-विधान से नाग देवता की पूजा की गई। उन्हें दूध-लावा चढ़ाया गया। उसके बाद परंपरा का निर्वहन करते हुए घरों में पकवान बनाए गए। वहीं नागपंचमी पर जैतपुरा स्थित नागकूप पर दर्शन-पूजन का विधान है। परिसर में दर्शन और पूजन के लिए सुबह से ही यहां आस्थावानों का रेला उमड़ रहा। कोरोना संक्रमण काल में शारीरिक दूरी का पालन कराने के लिए भी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। श्रद्धालुओं ने नागकूप में झांककर नाग देवता को प्रसन्न करने का जतन किया। आस्थावानों ने इस पवित्र कुंड में जल, दूध, धान का लावा चढ़ाया। कुंड के ऊपर विराजमान नाग देव के मंदिर में पूजन-अर्चन करके परिवार के सुख-समृद्धि और काल सर्प दोष मुक्ति की कामना की। इस दौरान अनुष्ठान और दर्शन पूजन का दौर शुरू हुआ तो आस्था की कतार अनवरत बढ़ती रही।

शिवालयों में भी उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नागपंचमी पर शिवालयों में भी भक्तों की भीड़ उमड़ गई। बाबा दरबार में भोर में मंगला आरती के बाद से सुबह 11 बजे तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। शाम तक करीब तीस हजार भक्तों ने बाबा दरबार में मत्था टेका। उधर सारनाथ में सारंगनाथ महादेव, ईश्वरगंगी स्थित जागेश्वर महादेव, महामृत्युंजय महादेव, कैथी स्थित मार्कंडेय महादेव, पिंडरा स्थित त्रिलोचन महादेव सहित अन्य टोले मोहल्ले के शिवालयों में सुबह से ही भक्तों की कतार जलाभिषेक के लिए लगी रही। कतारबद्ध भक्त हर-हर महादेव का उद्घोष कर रहे थे।

तीन माह से डायट कर्मियों का वेतन नही मिलने पर सौपा पत्रक

सकलडीहा,चन्दौली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान-डायट पर तैनात शिक्षक और कर्मचारियों का पिछले तीन माह से अधिक समय से वेतन नही मिल रहा है। जिसके कारण डायट कर्मियों के सामने विभिन्न प्रकार की मुसीबत खड़ा होगया है। शुक्रवार को डायट कर्मियों ने वेतन दिलाने की मांग को लेकर डायट प्राचार्य संगीता चौधरी को पत्रक सौपा। इस दौरान डायट प्राचार्य ने शिक्षकों को शीध्र वेतन दिलाने का भरोशा दिलाया। डायट कर्मियों का पिछले तीन माह से अधिक समय से वेतन नही मिलने पर इस कोरोना काल में परिवार का भरण पोषण को लेकर काफी दिक्कत से गुजरना पड़ रहा है। यही नही कई शिक्षकों द्वारा होम लोनए कोविड इलाज के लिये कर्ज सहित अन्य के लिये बैंकों से कर्ज ले रखा है। समय से लोन जमा नही करने पर बैंकों की नोटिस आदि की समस्या से परेशान है। डायट कर्मियों ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के नाम से डायट प्राचार्य को पत्रक सौपा। डायट प्राचार्य डाण् संगीता चौधरी ने शीध्र वेतन का भुगतान कराने का भरोशा दिया है। इस मौके पर डायट प्रवक्ता डॉ. रोशन कुमार सिंह, देवेन्द्र कुमार उपाध्याय, डॉ. बैजनाथ पांडेय, जयन्त कुमार सिंह,डॉ. जितेन्द्र सिंह, स्वाति रायए बिजेंद्र भारती सहित अन्य मौजूद रहे।

कोरोना मरीजों की सेवा में लगे रहे डॉ. सौरभ

- कोरोना की तीसरी लहर को लेकर मरीजों को दे रहे हैं सुझाव

संवाददाता। सोनभद्र

कोरोना संक्रमित मरीजों को बचाने के लिए चिकित्सक का किस कदर जुनून रहता है यह बताने की जरूरत नहीं है। बात है कोविड एल-2 अस्पताल में तैनात रहे डॉ सौरभ सिंह की। पांच महीने और 24 घंटे ड्यूटी यह आंकड़े बताने के लिए काफी हैं कि किस तरह से कोरोना मरीजों व उनके स्वजनों के लिए नायक की तरह डटे रहे। मरीजों के लिए उनका स्नेह इस तरह रहा कि उन्हें अपने स्वजनों की चिंता ही नहीं रही। कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी डॉक्टर सौरभ सिंह अपने कर्तव्य की राह पर चलते रहें और 24 घंटे मरीजों की सेवा में लगे रहे। डॉ सौरभ 19 जुलाई 2020 से लेकर नवंबर 2020 तक कोविड एल-2 अस्पताल में नोडल बनाए गए थे और अस्पताल में कोरोना संक्रमित की देखभाल भी करते रहें। इसी दौरान नवंबर 2020 में ही वह कोरोना पाजीटिव भी हो गए। इतना ही नहीं डॉक्टर सौरभ सिंह के भाई डॉ गौरव सिंह जो जौनपुर में चिकित्सक हैं और उनके चाचा, चाची तथा दादा जी भी कोरोना पॉजिटिव हो गए। लेकिन वह अपनों की चिंता किए बगैर 24 घंटे कोविड एल-2 अस्पताल में कोरोना मरीजों की सेवा में लगे रहे। वर्तमान समय में डॉक्टर सौरभ सिंह शाहगंज स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जो अब सीएचसी हो गया है वहां पर मेडिकल ऑफिसर के पद पर तैनात हैं। डॉक्टर सौरव ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए शाहगंज सीएचसी में 50 बेड वाला एल-1 बच्चों का अस्पताल बनाया गया है और यहां पर ऑक्सीजन और पाइप लाइन की भी स्थापना उनके द्वारा कराया जा चुका है। हालांकि तीसरी लहर में अब तक कोई मरीज कोरोना पॉजिटिव नहीं मिला है। उनकी पत्नी डॉ पूजा भी कोरोना पॉजिटिव हो गई थी। डॉक्टर सौरभ के मुताबिक वर्ष 2021 में भी उन्हें 19 अप्रैल से 13 मई तक कोविड एल-2 अस्पताल में मरीजों की देखभाल के लिए मौका मिला। इस दौरान भी वे विपरीत परिस्थितियों में अपने परिवार की चिंता नहीं किए और मरीजों की सेवा में लगे रहे।

वार्ड में ही सोना व खाना बन गई दिनचर्या

कोविड-19 संक्रमण के दूसरी लहर के दौरान डॉ सौरभ का घर कोविड एल-2 अस्पताल बना रहा। आलम यह था कि उनकी 5 महीने तक वार्ड में बने डॉक्टर चेंबर में ही खाने और सोने की दिनचर्या बन गई। क्योंकि 24 घंटे मरीजों की देखभाल करना उनका कर्तव्य था और वह मरीजों की देखभाल में हमेशा लगे रहे।

तीसरी लहर के मद्देनजर लोगों को कर रहे हैं जागरूक

जनपद में कोरोना की दूसरी लहर काफी भयावह थी इससे लोग दहशत में थे दूसरी लहर में सैकड़ों लोगों ने अपनी जान गवा दी और न जाने कितने लोग इससे पीड़ित थे। इस पीड़ा को देखते हुए डॉ सौरभ तीसरी लहर को लेकर काफी चिंतित है और इसी लहर को लेकर अभी से ही लोगों को जागरूक करने में लगे हुए हैं। उनका कहना है कि सावधानी व सतर्कता से ही तीसरी लहर से बचा जा सकता है। ऐसे में उन्होंने शाहगंज सीएचसी में आने वाले मरीजों को कोरोना के तीसरी लहर से बचने के लिए सुझाव दे रहे है।

नागपंचमी पर अखाड़ों में हुआ दंगल व पूजन-अर्चन

संवाददाता। मऊ

सर्वेश्वरी मुक्तिधाम ढेकुलियाघाट स्थित बंजरग आखाड़ा का शुभारंभ नागपंचमी के पावन अवसर हुआ। प्रसिद्ध चिकित्सकए निदेशक शारदा नारायण हास्पिटल डाण् संजय सिंह ने अक्षत संकल्प के साथ अखाड़े का विधिवत पूजन किया। इसके उपरांत 18 जोड़ी पहलवानों ने अपने दाव आजमाये। सभी विजेताओं को शारदा नारायण हास्पिटल की ओर से स्पोर्ट्स किट के साथ नगद धनराशि व उप विजेताओं को किट प्रदान किया गया। डा. संजय सिंह ने कहा कि कुश्ती भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न अंग रहा है। बदलती जीवन शैली के बीच यह और भी प्रासंगिक हो गया है। अखाड़े के सुंदरीकरण के साथ यहाँ पर पार्क भी विकसित किया जाएगा। धाम व्यस्थापक पुरुषार्थ सिंह ने कहा कि बीस वर्ष बाद विलुप्त होती परंपरा को पुनर्जीवित किया गया है। अखाड़े का संचालन अब नियमित रुप से किया जाएगा। पुरस्कार बाँटने वालों में क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डा. सुजीत सिंह, पूर्व डीडीसी राजेश सिंह राज, होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डा.नम्रता श्रीवास्तव, एडवोकेट अजय कुमार सिंह, डा. अरविंद श्रीवास्तव, सपा नेता राघवेंद्र सिंह घुरा ने किया। राम अवध , राजेंद्र राम, मोनू साहनी, मोहन, जितेंद्र, शिव, शेरु, महेंद्र आदि व्यवस्था में लगे रहे।

विद्युत सेवा आयोग
उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि0
(उ0प्र0 सरकार का उपक्रम)
एस0एल0डी0सी0 परिसर (निकट मंत्री आवास)
विभूति खण्ड, फेज-2, गोमती नगर, लखनऊ-226010

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि उ0प्र0 पावर कॉरपोरेशन लि0 में विभिन्न पदों पर चयन हेतु कार्यवाही विद्युत सेवा आयोग द्वारा की जाती है जिसके लिये सम्बन्धित पदों हेतु विज्ञापन निर्गत कर कारपोरेशन की अधिकृत वेबसाइट www.uppcl.org पर सूचना उपलब्ध करायी जाती है। उपरोक्त वेबसाइट पर दी गयी सूचना के अतिरिक्त किसी अन्यत्र वेबसाइट पर दी गयी सूचना के लिये उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 अथवा विद्युत सेवा आयोग किसी प्रकार से जिम्मेदार नहीं है।

संज्ञान में आया है कि कुछ अनैतिक व्यक्तियों/संस्थाओं द्वारा विद्युत सेवा आयोग, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 के नाम का प्रयोग करते हुये विद्युत विभाग में 'Serveyor' पद पर भर्ती हेतु आवेदन माँगे है। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त भर्ती हेतु कोई भी आवेदन विद्युत सेवा आयोग, उ0प्र0 पावर कारपोरेशन लि0 द्वारा आमंत्रित नहीं किये गये हैं। सर्वसाधारण/उम्मीदवार को सचेत किया जाता है कि वे ऐसे व्यक्तियों/संस्थाओं के झूठे दावों में न आयें तथा वेबसाइट पर दी गयी अधिकृत सूचना के आधार पर ही आवेदन सम्बन्धी कार्यवाही करें।

सचिव विद्युत सेवा आयोग

पत्रांक : 747/विसेआ/नोटिस-21 दिनांक : अगस्त 13, 2021
''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''

ट्रान्सफार्मर फुंका

घाटमपुर। नगर के स्टेशन रोड पर रखा ट्रान्सफरमर शुक्रवार सुबह जल गया, ट्रान्सफरमर जल जाने से आछी मोहाल, अशोक नगर उत्तरी और मेन चौराहा सहित कई मुहल्लों की बिजली आपूर्ति ठप्प हो गयी, बिजली आपूर्ति कब बहाल होगी बिजली बिभाग के अधिकारी बताने को तैयार नही हैं। उधर उमस भरी गर्मी और पेयजल संकट से लोग बेहाल रहे।

मनरेगा में बढ़ाएं महिलाओं की सहभागिता: डीएम

- जिलाधिकारी ने दिये विकास कार्यों के लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश
- अधिकारियों को दी चेतावनी शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में बरते कोताही

संवाददाता। उन्नाव

जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में शासन की शीर्ष प्राथमिकता के 37 बिन्दुओं की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने जिन योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष्य कम प्रगति पायीए उस पर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुये निर्धारित समय में लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिये। स्वास्थ्य विभाग से जुड़ी आयुष्मान भारतए परिवार नियोजनए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्यए मातृत्व स्वास्थ्यए एन0एच0एम0 जैसी अनेक योजनाओं पर अब तक हुयी कार्य की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की तथा निर्देश दिये कि अपने स्टाफ के साथ समीक्षा कर जिन कार्यों में ग्रेड सी और डी मिला है उसे कार्यों का सम्पादन तत्परता के साथ ए ग्रेड में लाने का प्रयास किया जाये। उन्होंने अल्ट्रासाउन्ड मशीनए ऐक्स.रे मशीनए टेलीमेडिसीनए समस्त आरबीएसए टीम के कार्यों पर विस्तार से चर्चा की तथा अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। खाद्य एवं भू जल संरक्षण को बढावा देने हेतु निर्देश दिये। नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने में प्रगति बढ़ाये जाने के निर्देश दिये। मनरेगा के तहत अब तक कराये गये कार्यों पर भी चर्चा करते हुये निर्देश दिये गये कि महिलाओं की सहभागिता अधिक से अधिक बढ़ायी जाये। विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि स्थानीय स्तर पर विद्युत कनेक्शन एवं अन्य कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही सुनिश्चित करें। विभिन्न विभागों की विद्युत बकाया धनराशि की वसूली की कार्यवाही की जाये। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिये कि सम्बन्धित विभाग यह सुनिश्चित कर लें कि जिन विभागों का विद्युत बकाया बिल लम्बित है उसे तत्काल जमा कराया जाय।

जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी से सामुदायिक शौचालयों की जानकारी प्राप्त करते हुये निर्देश दिये कि कितने शौचालय प्रयोग में आ रहे हैंए उनका वेरिफिकेशन करें। उन्होंने उपायुक्त मनरेगा को तलाब वाले कार्यों की समीक्षा करने व सभी ग्राम पंचायतों में जल्द से जल्द कार्य शुरू कराने ;प्राथमिकता के साथ जल संरक्षणद्ध के निर्देश दिये। बैठक में प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि योजना एवं प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना के सम्बन्ध में किसानों को समय से क्लेम दिलाये जाने हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गये कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक गौशाला का निर्माण अवश्य होना चाहिये। निराश्रित गोवंश योजना के तहत सम्पूर्ण गोवंशों का टैगिंग तथा जानवरों की सुपुर्दगी के बारे में चर्चा की गयी। निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने हेतु टीकाकरण आदि की व्यवस्था के निर्देश दिये गये। आपरेशन कायाकल्प योजना के तहत ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में अच्छादित योजनाओं को तत्काल पूरा करनेए अमृत योजना के तहत निर्धारित समय में जलापूर्ति किये जानेए स्वच्छ भारत मिशनए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशनए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण योजनाए प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजनाए मुख्य मंत्री आवास योजना तथा नामामि गंगे द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगतिए करकरेत्तर राजस्व वसूली आदि बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत आधार सीडिंग एवं खाद्यान वितरण के बारे में जानकारी लेते हुये जिला पूर्ति अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिये। समाज कल्याणए अल्पसंख्यकए पिछड़ावर्गए प्रोबेशन विभाग द्वारा चलायी जा रही छात्रवृतिए पेशनए कन्या सुमंगला योजना आदि के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की। बैठक में ऑपरेशन कायाकल्प के अन्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं का संतृप्तीकरण आदि बिन्दुओं पर चर्चा करते हुये आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेयए अपर जिलाधिकारी राकेश सिंहए परियोजना निदेशकए जिला विकास अधिकारी मनीष कुमारए डीसीएन आरएलएम चन्द्रशेखरए जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजदीप वर्मा सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं समस्त संबंधित उपस्थित रहे।

अवैध रूप से दुकानें बनवाने का आरोप

- ग्रामीणों ने की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत

संवाददाता। पाटन

बिहार थाना क्षेत्र के देवारा निवासी आधा दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने गांव के ही व्यक्ति पर सरकारी भूमि पर कब्जा कर दुकानें बनवाने और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। गांव निवासी मुन्नूए सूर्य प्रकाश सिंहए हरि शंकर सिंहए सुरेशए बाबूए शंकर गौतम समेत आधा दर्जन लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर गांव निवासी चंद्रमोहन पर सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके दुकाने बनवाए जाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि चंद्रमोहन आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके प्रभाव के चलते तमाम शिकायतों के बावजूद अब तक कोई कार्यवाही नहीं की जा सकी है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में भी वह बाधा उत्पन्न करता है। जिसके कारण गांव का विकास बाधित है। ग्रामीणों ने एसडीएम से जांच कर सरकारी भूमि पर कराए गए अवैध निर्माण को हटवाए जाने की मांग की है। एसडीएम अंकित शुक्ला ने बताया कि शिकायत की जांच कर आख्या देने के लिए कानून को को निर्देशित किया गया है। सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्यवाही होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है।

(1) कार्य का नाम : छपरा–प्लेटफार्म संख्या 2, 3, 4, एवं 5 के सरफेस का सुधार एवं पुर्नवास। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–118, अनुमानित लागत (₹) : 1,60,52,407/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

(2) कार्य का नाम : वाराणसी में डाटा लागर की हाई स्पीड नेटवर्किंग के लिए ई–1 रूम के निर्माण से सम्बन्धित सिविल कार्य। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–119, अनुमानित लागत (₹) : 8,37,384/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021,, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(3) कार्य का नाम : सिवान – प्लेटफार्म संख्या 1 के सरफेस का सुधार एवं पुर्नवास। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–120, अनुमानित लागत (₹) : 70,48,403/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

(4) कार्य का नाम : वमई/प्रथम/वाराणसी कार्य क्षेत्र में दोषपूर्ण वेल्ड के लिए ट्रैक गतिविधि का कार्य (कुल–446 नं०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–121, अनुमानित लागत (₹) : 29,97,541/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(5) कार्य का नाम : वमई/प्रथम/वाराणसी कार्य क्षेत्र में दोषपूर्ण वेल्ड वेल्डिंग के पोर्सन की आपूर्ति का कार्य (कुल–446 नं०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर–बीएसबी–2021–122, अनुमानित लागत (₹) : 62,49,400/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह

(6) कार्य का नाम : भटनी यार्ड लाइन संख्या 4:– गिट्टी एवं ब्लैकेटिंग सामग्री उपलब्ध कराने के साथ डीप स्क्रीनिंग का कार्य (कि०मी० 434/0–436/0–2.00 कि०मी०) ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–123, अनुमानित लागत (₹) : 1,22,62,368/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 10 माह

(7) कार्य का नाम : झूसी:–प्लेटफार्म संख्या 1 के रेजिंग एवं सुधार का कार्य। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–124, अनुमानित लागत (₹) : 1,51,09,707/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह

(8) कार्य का नाम : मऊ –शाहगंज अनुभाग में आर०सी०सी०बाउड्रीवाल का प्रावधान (कुल 8.5 कि०मी०)। ई–निविदा सूचना सं० : एनईआर– बीएसबी– 2021–125, अनुमानित लागत (₹) : 7,35,74,385/– निविदा बन्द होने की तिथि : 08.09.2021, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 09 माह

● निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2021–118 से एनईआर–बीएसबी– 2021–125 दिनांक 08.09.2021 को 14.30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०), वाराणसी
मुजाधि/डब्ल्यू– 143

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

स्वास्थ्य सेवाओं में न की जाए लापरवाही: सरिता भदौरिया

संवाददाता। कानपुर देहात

सभापति उत्तर प्रदेश विधान मंडल महिला एवं बाल विकास संयुक्त समिति श्रीमती सरिता भदौरिया की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, इस बैठक में समिति के सदस्य अकबरपुर रनिया विधायक प्रतिभा शुक्ला रसूलाबाद विधायक निर्मला संखवार आदि उपस्थित रहे, बैठक में समिति द्वारा स्वास्थ्य, जिला कारागार, वन विभाग, पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग मनरेगा आदि के कार्यों की समीक्षा समिति द्वारा की गई, इस समिति को अवगत कराते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर ए के सिंह ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं भली प्रकार से संचालित हो रही हैं तथा कोविड–19 टीकाकरण प्रतिदिन करीब 8000 लगाया जा रहा है, वही अकबरपुर रनिया विधायक प्रतिभा शुक्ला ने समिति को अवगत कराते हुए कहा कि रूरा व मैंथा सीएससी में स्वास्थ्य सेवाएं सही प्रकार से संचालित नहीं हो रही हैं तथा स्टाफ भी उपस्थित नहीं रहते है जिस पर समिति के सभापति द्वारा सीएमओ को निर्देशित किया गया कि इन सीएससी में डॉक्टरों की क्रमवार ड्यूटी लगा दे जिससे कि स्वास्थ्य सेवाएं भली प्रकार से संचालित हो सके तथा जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं सही प्रकार से संचालित करें तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए, वही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपद में 1926 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय हैं जिसमें कायाकल्प के तहत बाउंड्रीवॉल, शौचालय, रनिंग वाटर आदि का कार्य कराया जा रहा है तथा बच्चों के लिए यूनिफॉर्म हेतु अभिभावकों के खाते में पैसा भेजने हेतु सभी का पासबुक, आधार कार्ड आदि की फीडिंग कराई जा रही है तथा समिति ने निर्देशित किया कि सभी विद्यालयों में रनिंग वाटर, स्वच्छ पेयजल शौचालय आदि सही प्रकार से रहें इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए, वहीं वन विभाग की समीक्षा करते हुए डीएफओ ने बताया कि इस वर्ष करीब 55 लाख पौधे जनपद में लगाए गए हैं, वही समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि समिति को विगत 3 वर्षों में लगाए गए वृक्षों की रिपोर्ट उपलब्ध कराएं, वही जिला पंचायत विभाग की समीक्षा करते हुए डीपीआरओ ने बताया कि जनपद में साफसफाई ठीक प्रकार से कराई जा रही है तथा सामुदायिक शौचालय का कार्य भी चल रहा है, वही मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद मे गोवर्धन योजना के तहत प्रत्येक गौशालाओं में गोबर गैस प्लांट लगाए जाने की कार्रवाई की जा रही है।

मुआवजे की रकम निकलवाने का लगाया आरोप

- पीड़िता की बहू ने पूर्व प्रधान सहित दो पर लगाया आरोप

संवाददाता। पाटन

बिहार थाना क्षेत्र के देवारा निवासी एक महिला ने गंगा एक्सप्रेस वे में गयी भूमि के मुआवजे की धनराशि को हड़पने की आशंका जाहिर कर अपनी सास की जान को खतरा होने की बात कही है। महिला ने गांव के ही तीन लोगों को नामित कर शुक्रवार को थाने में तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के देवारा गांव निवासी श्रीमती ने बताया कि लगभग 10.12 साल पहले उसके पति कंधई गायब हो गए थे। पति से प्रार्थिनी को एक लड़का नाबालिग बाबूलाल है। वह अपनी दादी के साथ रहता है। श्रीमती के अनुसार देवारा निवासी चंद्रमोहनए तरुण कुमार सिंह व सुजीत आदि उसकी सास सुख रानी से मुआवजे की रकम हड़पना चाह रहे हैं। पीड़िता के अनुसार मानसिक संतुलन ठीक न होने और पैर में चोट होने के कारण उसने अपनी सास को अस्पताल में भर्ती कराया था। थाना पुलिस को दी तहरीर में श्रीमती ने बताया कि उक्त लोगों ने मिलकर पीड़िता को अस्पताल से भगा दिया और जान से मार देने की धमकी दे रहे हैं। श्रीमती के अनुसार गंगा एक्सप्रेस वे में गई भूमि का करीब 12 लाख रुपए मुआवजा मिला था। आरोप है कि उक्त लोगों ने पीड़िता की सास के खाते से करीब ?5 लाख निकलवा लिया है। पीड़िता ने अपनी सास के साथ अनहोनी की आशंका जताई है। इस संबंध में सीओ एके राय ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है।

डीएम ने की वैक्सीनेशन कार्यों की समीक्षा

- निराश्रित भिक्षुक आदि टीका जरूर लगवाएं: जिलाधिकारी

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में वैक्सीनेशन, कन्या सुमंगला योजना, आपदा राहत कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सर्वप्रथम वैक्सीनेशन की समीक्षा करते हुए डॉ0 जतारया ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि शनिवार को केवल सेकेण्ड डोज लगाया जायेगा। इसके अलावा जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि जिन शिक्षकों का टीकाकरण नहीं हुआ है उनका टीकाकरण करवायें इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक को 200 का और बेसिक शिक्षा अधिकारी को 500 का लक्ष्य दिया गया है। जिलाधिकारी ने कहा जो शिक्षा प्रदान कर रहे हैं उनका सम्पूर्ण टीकाकरण होना अतिआवश्यक है इसके अलावा जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि निराश्रित, भिक्षुकों, दरवेशों इत्यादि का वैक्सीनेशन अवश्य करवायें इसके लिए अपनी एक टीम गठित कर इनका जनपद में पता लगायें। अकबरपुर नगर पालिका में इनके वैक्सीनेशन के लिए कैम्प लगवाये जायें। जिलाधिकारी ने इसके लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को 200 का लक्ष्य दिया है साथ ही निर्देशित किया है कि इस लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लिया जाये। डॉ0 जतारया यह जानकारी भी जिलाधिकारी को उपलब्ध करायी कि जनपद में 30,000 ऐसे लोग हैं जिनके वैक्सीनेशन की द्वितीय डोज लेने की समयावधि समाप्त हो गयी है इसके बावजूद उन्होंने अभी तक द्वितीय डोज का टीकाकरण नहीं करवाया है। जिलाधिकारी ने इस पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व साहबलाल को निर्देशित किया कि कॉल सेण्टर से कॉल करके जो द्वितीय डोज से वंचित हैं उनका शीघ्र टीकाकरण करवाया जाये। कन्या सुमंगला योजना के तहत मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि आज दसों ब्लाकों में कन्या सुमंगला के लाभार्थियों के लिए कैम्प लगाये गये हैं जिससे ज्यादा से ज्यादा बालिकाओं को इसका लाभ पहुंचाया जा सके। इस बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पंकज वर्मा, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य चिकित्सा अधिकारी ए0के0 सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त, जिला सूचना अधिकारी नरेन्द्र मोहन आदि अधिकारीगण एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पंचायत शमसाबाद जनपद–फर्रूखाबाद

पत्रांक :– 144/न0पं0–टेण्डर नोटिस/2021–22 /शमसाबाद दिनॉक :– 13 अगस्त 2021

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत शमसाबाद में निर्माण कार्य हेतु अधिकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2020–21 में पंचम राज्य वित्त/15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त (अनटाइड ग्रानट) बुनियादी अनुदान की द्वितीय किश्त की धनराशि से निकाय में निम्नांकित कार्य ई टेण्डरिंग के माध्यम से कराया जाना हैं जिसके डाक्यूमेंट वेबसाइड www.etender.up.nic.in पर दिनांक 14.08.2021 से 21.08.2021 तक उपलब्ध हैं जो कि वेबसाइड से डाउनलोड व अपलोड किये जा सकते हैं तथा दिनांक 21.08.2021 को अपरान्ह 2.00 बजे निविदादाताओं/प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जायेगी। आगणन धनराशि के सापेक्ष 2 प्रतिशत घरोहर धनराशि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत शमसाबाद के नाम बन्धक कर जमा करना अनिवार्य होगा।

क्र0सं0	नगर पंचायत	प्रारम्भ दिनॉक एवं समय	
1	Tender Release	14.08.2021 04:00 बजे	
2	Tender Close Date	21.08.2021 2:00 बजे	

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत शमसाबाद
जनपद–फर्रूखाबाद

अध्यक्ष
नगर पंचायत शमसाबाद
जनपद–फर्रूखाबाद

पात्रता सूची में नाम होने के बाद भी नहीं दिया आवास

संवाददाता। पुखरायां,कानपुर देहात

विकास खंड मलासा ग्राम पंचायत घार के मजरा ठाकुरपुरवा निवासी एक पात्र महिला आवास नहीं दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री के पोर्टल पर शिकायत की गई है।

विकास खंड मलासा के घार के मजरा ठाकुरपुरवा निवासी मुन्नालाल की पत्नी माया देवी ने बताया कि गांव में उसका कच्चा घर बना हुआ है। बारिश के दिनों में अक्सर मकान की छत टपकती है। जिसके चलते वह असुरक्षित महसूस कर रही है। माया देवी ने बताया कि वर्ष 2018 में उसने आवास की मांग की थी। जिस पर पहले ग्राम पंचायत सचिव एवं बाद में खंड विकास अधिकारी ने मौके पर जाकर सत्यापन किया था। उसको पात्रता सूची में शामिल किया गया था। उसे आवास मिलने का भरोसा भी दिया गया था। लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी आवास आवंटित नहीं किया गया है। उसने आरोप लगाया कि भृष्टाचार में लिप्त जिम्मेदार पात्रता सूची में शामिल लोगों को आवास आवंटन के लिए कलम नहीं चला पा रहे हैं। योजना बनते वक्त उसे आवास के लिए अपात्र कर दिया जाता है। जबकि पात्रता सूची में नाम दर्ज है। मुख्यमंत्री से शिकायत की गई है।

शांतिभंग में कार्रवाई

पुखरायां कानपुर देहात। आपसी रंजिश के चलते भोगनीपुर थाना क्षेत्र के चांदापुर और गौराडांरा गांव में मारपीट हो गई है। पुलिस ने शांतिभंग की कार्रवाई की है। भोगनीपु थाना क्षेत्र के गौराडांरा निवासी दीपू ने बताया कि गांव का ही आकाश मेरे खेत में कूड़ा डाल रहा था। मना करने पर आकाश ने मारपीट कर दी थी।

श्रृद्धा के साथ मनायी गयी नागपंचमी

पुखरायां, कानपुरदेहात। शुक्रवार को भोगनीपुर तहसील क्षेत्र में नागपंचमी का त्योहार श्रृद्धा के साथ मनाया गया। महिलाओं ने नागों की पूजा करके अपने परिवार की सुरक्षा मांगी। वहीं नाग देवता के दर्शन कराने को लेकर सबेरे से ही सपेरे गलियों घूमते नजर आए। इस दौरान बेर की झाड़ से गुड़िया भी कूटी गईं। नाग पंचमी के पर्व के लेकर शुक्रवार को शिव मंदिरों में पूजा अर्चना करने के लिए भक्तों की खासी भीड़ रही। पूजा अर्चना के बाद लोग नागों की बांबियों में दूध चढ़ाया। दरवाजे पर नाग की आ..तियां बनाईं और हल्दी, चावल से पूजन किया। यह सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। नाग पंचमी में नागों की पूजा करने की परंपरा सैकड़ों वर्ष पुरानी है। वहीं नाग पंचमी के दिन सपेरों की चांदी रही। नाग के दर्शन कराने के नाम पर उनकी खासी कमाई होती रही। लोगों ने दर्शन करके श्रद्धा अनुसार दान किया।

लोनि विभाग द्वारा उड़ाई जा रही मानकों की धज्जियां

संवाददाता। पाटन

लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रमुख मार्गों पर आबादी वाले स्थान में सड़क के दोनों ओर नाली व इंटरलॉकिंग का कार्य मानक के अनुरूप नहीं कराया जा रहा है। कई स्थानों पर बीते दिनों हुई बरसात के बाद इंटरलॉकिंग धस गई है। क्षेत्रीय लोगों ने भारी वाहनों के आवागमन का हवाला देते हुए निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराए जाने की मांग की है। बीघापुर तहसील क्षेत्र में सुमेरपुर.बक्सर मार्ग व लालकुंआ.ऊँचगांव मार्ग पर इस समय आबादी वाले स्थानों पर सड़क के दोनों ओर नाली व इंटरलॉकिंग लगाए जाने का कार्य चल रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता का आलम यह है की बनने के तुरंत बाद कई स्थानों पर नाली की ईंटे उखड़ने लगी हैं। जबकि बीते दिनों हुई बरसात बरसात में कई स्थानों पर इंटरलॉकिंग धंस गई है। सुमेरपुर व भगवंत नगर में निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार ने जनविरोध के बाद फिर से इंटरलॉकिंग उखाड़ कर लगाने का काम शुरू किया। क्षेत्रीय निवासी अमित सिंहए विष्णुकांतए संजय सिंह समेत अन्य लोगों ने बताया कि भगवंतनगर में नगर पंचायत द्वारा बनवाई गई नाली के ऊपर ही दो रदा ईंट के जोड़कर नाली बनाने का कार्य पूरा कर दिया गया। जबकि सुमेरपुर में इंटरलॉकिंग के नीचे मानक के अनुरूप बोल्डर व बालू आदि न डाले जाने के कारण पहली ही बरसात में इंटरलॉकिंग धंस गई थी। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि दोनों ही मार्गो पर भारी वाहनों का आवागमन बड़ी संख्या में होता है। ऐसे में भारी वाहन के इंटरलॉकिंग पर उतरने की स्थिति में खतरा उत्पन्न हो सकता है। लोगों ने इंटरलॉकिंग व नाली के निर्माण कार्य की जांच कराए जाने व मानक के अनुरूप बनवाये जाने की मांग जिलाधिकारी से की है।

कार्यालय ग्राम पंचायत जुगैल वि0ख0–चोपन, सोनभद्र

पत्रांक– मेमो/सा0 आ0/2021–22 दिनांक– 13.08.2021

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जुगैल विकास खण्ड–चोपन सोनभद्र में विगत वर्ष के अधूरे कार्य एवं वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु मनरेगा/राज्य वित्त आयोग/चौदहवां–पन्द्रहवां वित्त आयोग/एस0बी0एम0/आर०जी0एस0ए0/अन्त्येष्ठि स्थल एवं अन्य शासकीय योजना के अन्तर्गत कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु सामग्री की आपूर्ति की जानी है, जिसके लिए निम्नवत निविदा प्रकाशित की जा रही है।

1	कार्य की अनुमानित लागत	विभिन्न कार्यों के लिए जी0एस0टी0 व अन्य कर सहित आंगणन के अनुसार निर्धारित परियोजना लागत।
2	आपूर्ति की अवधि	वित्तीय वर्ष 2021–22
3	निविदा प्रपत्र का मूल्य	1000 रू0 नकद
4	निविदा फार्म बिक्री व जमा करने की तिथि	दिनांक 14.9.2021 से दिनांक 16.8.2021 अप्रा0 2 बजे तक
5	निविदा फार्म बिक्री/जमा करने का स्थान	ग्राम पंचायत कार्यालय–पंचायत भवन
6	निविदा खोले जाने की तिथि व स्थान	दिनांक 17.08.2021 को पूर्वा0/अप्रा0 10 बजे ग्रा0पं0 कार्यालय।
7	जमानत हेतु धरोहर धनराशि	5.00 लाख (मु0 पांच लाख मात्र) रु0 का किसी राष्ट्रीयकृत बैंक से एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट ग्राम पंचायत जुगैल के नाम बंधक कर मूल प्रति जमा करना अनिवार्य है

नोट :– निविदा की शर्तें निविदा फार्म के साथ संलग्न है एवं ग्राम पंचायत कार्यालय पर चस्पा/उपलब्ध है जिसे ग्राम प्रधान/सचिव से प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधान/सचिव
ग्राम पंचायत–जुगैल
चोपन–सोनभद्र

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व बच्चों का कराया अन्नप्राशन

कानपुर देहात। सभापति उत्तर प्रदेश विधान मण्डल महिला एवं बाल विकास संयुक्त समिति श्रीमती सरिता भदौरिया की अध्यक्षता में अकबरपुर तहसील क्षेत्र के नरिहा गांव के प्राथमिक विद्यालय में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व बच्चों को अन्नप्राशन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर समिति की सभापति द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इस मौके पर समिति की सभापति द्वारा नाशरीन, सीतला, पूजा सिंह, रीता, शोभा को तिलक व माला पहनाकर फल, सब्जी से भरी टोकरी देकर गर्भवती महिलाओं को सम्मानित किया गया। वहीं बच्चों में जान्हवी, अर्वलाम, सिवन्या, प्रज्ञान, सृष्टि को अन्नप्राशन कराया गया।

जिला चिकित्सालय पुरूष व महिला एवं जिला कारागार का किया निरीक्षण

संवाददाता। कानपुर देहात

सभापति उत्तर प्रदेश विधान मण्डल महिला एवं बाल विकास संयुक्त समिति श्रीमती सरिता भदौरिया ने जिला चिकित्सालय पुरूष व महिला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने महिला वार्ड, बच्चों का वार्ड, इमरजेन्सी, जनरल वार्ड, उपस्थिति रजिस्टर, मरीजों का रजिस्टर आदि का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपस्थित मरीजों का हाल चाल लिया। उन्होंने मरीजों से पूछा कि कोई चिकित्सक आपसे रूपये तो नही मांग रहे, इस पर मरीजों ने बताया कि अस्पताल में सही प्रकार से इलाज हो रहा है, किसी प्रकार की कोई समस्या नही है तथा समय पर दवा आदि उपलब्ध रहती है। वहीं सभापति ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में सभी व्यवस्थायें दुरस्त रखे, समय से चिकित्सक अस्पताल में उपस्थित रहे, मरीजों का इलाज सही प्रकार से किया जाये, साफ सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाये, कोविड–19 नियमों का पालन शत प्रतिशत किया जाये। इसके पश्चात समिति ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों व बच्चों से हाल चाल लिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं बंदियों को समय से भोजन, नाश्ता आदि उपलब्ध कराया जाये, बच्चों को शिक्षा दिलायी जाये। सजायाफ्ता महिला बंदियों को यूनीफार्म उपलब्ध करायी जाये। वहीं उन्होंने महिला बंदियों द्वारा बनाये गये घरेलू उपयोग की वस्तुओं को देखा तथा सराहना किया।

इस मौके पर अकबरपुर रनियां विधायक प्रतिभा शुक्ला, रसूलाबाद विधायक निर्मला संखवार, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय, अनु सचिव यदुवीर सिंह, समीक्षा अधिकारी सौरभ सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी राकेश यादव, सीएमओ डा0 एके सिंह, बीएसए सुनील दत्त आदि उपस्थित रहे।

क्रास कंट्री प्रतियोगिता 15 को

कानपुर देहात। जिला क्रीडाधिकारी प्रदीप सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत वर्षो की भाति इस वर्ष भी खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ एवं जिला प्रशासन के निर्देशन में जिलाखेल कार्यालय द्वारा स्पोर्टस स्टेडियम कानपुर देहात में 15 अगस्त को एवं आजादी की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर आजादी का अमृत महोत्सव'' के उपलक्ष्य में क्रास कंट्री रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सपा ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

बांगरमऊ, उन्नाव। समाजवादी पार्टी द्वारा क्षेत्र के ग्राम सीताराम खेड़ा में मतदाता सूची में नाम बढ़वाने को लेकर बीते गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पार्टी के जिला महासचिव एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुरेश कुमार पाल ने नौजवानोंएबुजुर्गो एमाताओं एवं बहनों को अपने मताधिकार के प्रति सचेत किया और सभी से अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने हेतु निर्धारित फार्म भरकर बी एल ओ के पास जमा करने की अपील की।सपा नेता के कार्यक्रम मे पहुचने पर आयोजक ओमकार पाल क्षेत्र पंचायत सदस्य सहित समस्त ग्रामीणों ने मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया।जागरूकता कार्यक्रम मे जमाल अहमद ए दाऊद खांए ब्लाक अध्यक्ष अखिलेश यादवए विनय यादवए विधानसभा अध्यक्ष लोहिया वाहिनी प्रेम यादव आदि मौजूद रहे।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

यमुना किनारे गांवों में बनेगा बांधः सिद्धार्थ नाथ

●मंत्री ने बाढ़ प्रभावित गांव बक्शी मोड़ा, गोहठी, करेंहदा, मदारीपुर और मैनापुर का किया दौरा

प्रयागराज। प्रदेश की योगी सरकार किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में किसानों के हित के लिए ही कार्य किया है। यह बातें कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने शुक्रवार को बक्शी मोड़ा गोहठी करेंहदा मदारीपुर और मैनापुर में यमुना का जलस्तर बढ़ने से गांव में पानी भरने और आवागमन मार्ग का निरीक्षण करने के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे गांव में बांध बनाने की योजना सरकार की है। सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि शहर पश्चिमी का गांव काफी पिछड़ा इलाका था। पूर्व की सरकारों ने गांव वासियों के कुछ भी किया होता तो आज शहर पश्चिमी का गांव बाढ़ से प्रभावित न होता। कैबिनेट मंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन ने वहां नावों को भेजकर आवगमन सुलभ कराया है। दो दिनों से बारिश न होने से बड़ी तेजी से यमुना नदी से जलभराव घटने लगा। बक्शी मोड़ा में बारिश और बाढ़ से गिरे मकान को भी मंत्री ने जाकर

निरीक्षण करते कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह।

देखा। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद भी किया। बारिश की वजह से अभय निषाद का घर गिरने पर मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास के लिए एसडीएम सदर विवेक चतुर्वेदी को निर्देशित किया। गोहठी करेंहदा गांव में पीड़ित गांव वासियों ने काबीना मंत्री को बताया कि पुलिया न होने से दिक्कत होती है। इस पर मंत्री ने पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर को कहा कि पुल का प्रस्ताव बनाकर भेजें। यहाँ पर ऊँचा पुल बनाया जाएगा। मदारीपुर में आने वाले यमुना के पानी की स्थिति मंत्री ने देखी। बताया गया कि यह समस्या पिछले 20 से 25 सालों की है। जब भी भारी बारिश होती है तो हजारों किसानों की फसल नष्ट हो जाती है। फसल नष्ट हो जाने के कारण किसानों के समक्ष भुखमरी की समस्या आ जाती है। किसानों ने कहा ककरहा घाट यमुना के किनारे बांध बना दिया जाए तो समस्या का निराकरण हो जाएगा। किसान उत्पादन बढ़ाकर अपनी दुगुनी आय कर सकेगा। किसानों के अनुरोध पर शहर पश्चिमी में यमुना के किनारे बांध बनाने का सिंचाई विभाग को आदेशित करते हुए जल्द से जल्द प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। मंत्री ने आज कई गांवों का दौरा किया। मदारीपुर गांव में गांववासियों ने सिंगल लेन की सड़क से होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराया। जिस पर पीडब्ल्यूडी अधिकारी को सड़क चौड़ीकरण का प्रस्ताव शासन में भेजने को कहा गया। मैनापुर गांव में आयी बाढ़ से क्षतिग्रस्त पुल और धंसी सड़क का निरीक्षण भी किया। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से कहा कि स्थायी समाधान का मार्ग तलाश करें। जिससे भविष्य में गांव वासियों को बाढ़ से कठिनाई न हो। इस मौके पर रामजी शुक्ला एसडीएम सदर विवेक चतुर्वेदी जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी पीडब्ल्यूडी अभियंता आदि उपस्थित रहे।

लोक कल्याण के लिए डिप्टी सीएम ने शिव मंदिर में किया रुद्राभिषेक

●बाघम्बरी मठ और कीडगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर में किया पूजा

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने शुक्रवार को नाग पंचमी के मौके पर मठ बाघम्बरी गद्दी पहुंचकर भूतभावन भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। डिप्टी सीएम ने प्राचीन और पौराणिक शिव मंदिर में प्रदेश में सुख समृद्धि और प्रदेशवासियों के लोक कल्याण की कामना के लिए रुद्राभिषेक भी किया। श्री मठ बाघम्बरी गद्दी के महंत और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने रुद्राभिषेक और आरती कराई। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने महंत नरेंद्र गिरि को तिलक लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व महंत नरेंद्र गिरि ने डिप्टी सीएम को तिलक लगाकर और माला पहनाकर मठ में स्वागत किया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने अपने समर्थकों के साथ जमीन पर बैठकर मठ में प्रसाद ग्रहण किया। मठ बाघम्बरी गद्दी पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी का काफी पूराना मठ है। इसकी स्थापना लगभग 300 वर्ष पहले संत शिरोमणि महंत बाल गिरि महाराज ने की थी।

संगम स्थित बड़े हनुमान मंदिर की स्थापना भी उन्होंने ही की थी। हालांकि हनुमान जी की प्रतिमा को लेकर मान्यता है कि वह स्वयंभू मूर्ति है। डिप्टी सीएम के साथ महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी महामंत्री वरुण केशरवानी मौजूद रहे। इससे पूर्व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के कीडगंज स्थित मनकामेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान मनकामेश्वर का रुद्राभिषेक कर पूजन अर्चन किया। प्रदेश वासियों के उत्तम स्वास्थ्य और कल्याण हेतु प्रार्थना की।

मंदिर में भगवान शिव की पूजा करते डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या

उप मुख्यमंत्री ने सुनी जनता की समस्याएं

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री ने आज मंदिर जाने से पहले अपने अलकापुरी स्थित आवास पर क्षेत्रीय जनों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। समस्याओं के निदान के लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनता की समस्याओं का तत्काल निराकरण किया जाए। आशुतोष पांडेय वरुण केशरवानी राजेश केसरवानी दिलीप श्रीवास्तव अमर सिंह आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृहद मोबिलाइजेशन अमृत महोत्सव शिविर का आगाज

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

ग्रामीण विकास मंत्रालय और सुनहरा भविष्य विकास समिति की ओर से संचालित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना डीडीयूजीकेवाई प्रशिक्षण केंद्र गौहनिया की ओर से शुक्रवार को भारत की आजादी के अमृत महोत्सव का आगाज किया गया। इसी क्रम में 13 अगस्त से 19 अगस्त तक वृहद मोबिलाइजेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। आज यमुनापार के शंकरगढ़ में मोबिलाइजेशन किया गया। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद युवक युवतियों और उनके घरवालों को डीडीयूजीकेवाई योजना के कार्य और इसके उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें निःशुल्क प्रशिक्षण के साथ रहने खाने की भी निःशुल्क व्यवस्था और प्रशिक्षणोपरांत शत प्रतिशत नौकरी दिलाने का आश्वासन भी दिया गया। केंद्र के निदेशक डा आशुतोष त्रिपाठी ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान स्टेट हेड प्रवीण द्विवेदी सेंटर मैनेजर सूर्य प्रकाश त्रिपाठी एमआईएस शुभम विश्वकर्मा ट्रेनर अनुराग कुमार एवं अमित पांडेय की टीम ने गांवों में जाकर मोबिलाइजेशन शिविर लगाया।

अल्पसंख्यक वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रही सरकारः मंत्री नंद कुमार नंदी

● मंत्री ने शादी अनुदान योजना के लाभार्थियों को दिया स्वीकृति पत्र

प्रयागराज। अल्पसंख्यकों के हितों का ध्यान रखना सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। योजना के माध्यम से अल्पसंख्यकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी सबका साथ सबका विकास एवं सबका विश्वास की नीति के साथ कार्य कर रहे हैं। यह बातें सूबे के नागरिक उड्डयन और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने शुक्रवार को सर्किट हाउस सभागार में कहीं। वह अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के तत्वावधान में आयोजित उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक वित्तीय एवं विकास निगम लिमिटेड द्वारा संचालित टर्मलोन शैक्षिक ऋण योजनान्तर्गत

लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित करते मंत्री नंदी।

चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित कर रहे थे। साथ ही उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग द्वारा संचालित अल्पसंख्यक वर्ग के गरीब अभिभावकों हेतु अल्पसंख्यक पुत्री शादी अनुदान योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021 22 के लाभार्थियों को भी स्वीकृति पत्र सौंपा। इस अवसर पर मंत्री ने बटन दबाकर सभी लाभार्थियों के खाते में आनलाइन धनराशि ट्रांसफर की। वहीं मंत्री नंदी द्वारा जनपद के 20 लाभार्थियों को टर्मलोन के तहत 81 लाख दस हजार रूपये एवं शादी अनुदान के तहत 50 लाभार्थियों को 20 20 हजार रूपये का स्वीकृति पत्र दिया गया। मंत्री नंदी ने कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक वर्ग के लोग आर्थिक सहायता के माध्यम से अपने कार्य क्षेत्र का चयन कर अपने हुनर के अनुसार खुद का कार्य कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर अल्पसंख्यक वर्ग के अभिभावकों को सरकार द्वारा बेटी के शादी के लिए अनुदान दिया जा रहा है।

शिक्षिकाओं को शोध कार्यों के लिए अनुदान राशि मिली

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि की शिक्षिकाओं को शोध कार्यों के लिए रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट योजनांतर्गत अनुदान की स्वीकृति प्राप्त हुई। प्रो. नीलम पाठक, डॉ. नीलम यादव, भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक विभाग की डॉ. गीतिका एवं डॉ. सिंधु सिंह को शोध के लिए अनुदान राशि मिली। प्रो. पाठक को बायोकेमिकल एण्ड मोलीक्यूलर करैक्टराइजेशन ऑफ जीजीफ्स स्पिसीज एण्ड एल्यूसीडेशन ऑफ बायोएक्टिव पोटेंशियल विषय पर 7 लाख 85 हजार, डॉ. नीलम को इंवेस्टीगेशन एण्ड इवेल्यूएशन ऑफ नोवेल ड्रग बेस्ड ऑन पोलीहर्बल एक्ट्रेक्टस फॉर लीवर कैंसर विषय पर 3 लाख 65 हजार, डॉ. गीतिका को आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस बेस्ड ईईसी मोनीटरिंग फॉर नियोनेटल इनटेनसिव केयर यूनिट ऑफ जेपेनीज इनसेफिट्राइटिस पर 4 लाख 87 हजार 500 व डॉ. सिंधु सिंह को सिंथेसिस ऑफ डोप्ड बीएटीआईओथ्री बाय सोलिड स्टेट सेरेमिक रूट एण्ड कैरेक्टराइजेशन फॉर केपेसिटर एप्लीकेशन्स विषय पर 3 लाख 55 हजार की अनुदान राशि स्वीकृत हुई।

क्विक न्यूज

वित्तीय योजनाओं को लेकर लिए गए अहम निर्णय

प्रयागराज। ओणम का त्योहार देश भर में उत्साह से मनाया जाता है। अभिनव वैश्विक स्मार्टफोन वीवो ने ओणम उत्सव के उत्साह को बढ़ाते हुए हाल ही में शुरू किए गए वीवो एक्स साठ वी इक्कीस और वाई सीरीज मॉडल पर विशेष उपहार और रोमांचक ऑफ़र की घोषणा की है। वित्त योजनाओं के साथ ग्यारह अगस्त से तेईस अगस्त दो हजार इक्कीस तक मेनलाइन चैनलों पर उपलब्ध होंगे। नीचे उल्लेखित आकर्षक ऑफर्स का लाभ ले सकेंगे। यह ऑफ़र पच्चीस अगस्त तक वैध होंगे। उपभोक्ता केंद्रित होने के नाते इसका उद्देश्य केरल के सबसे बड़े उत्सव के आनंद को दोगुना करना है। बेहतर प्रदर्शन के अनुकूल सही कीमत प्रदान करते हैं। वीवो इंडिया के निदेशक ब्रांड स्ट्रेटेजी निपुण मार्या ने कहा रोमांचक ऑफर्स के साथ लोग स्मार्टफोन को आसानी से ले सकेंगे।

खराब मौसम भी नहीं रोक पाया सपाइयों का उत्साह

अम्बेडकरनगर। समाजवादी युवजन सभा का पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष बनने के उपरांत पहली बार गृह जनपद डॉक्टर सन्दीप सिंह सनी का जिले की सीमा यादव नगर से लेकर राजेसुल्तानपुर तक जगह-जगह सपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। खराब मौसम के बावजूद उत्साहित सपा कार्यकर्ताओं का जोश देखने लायक था, सपा कार्यकर्ता यादव नगर से लेकर राजेसुलतानपुर तक जगह-जगह फूल माला लेकर इकट्ठा हुए थे और नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. सन्दीप सिंह सनी के पहुँचते ही उनका माल्यार्पण कर गर्मजोशी से स्वागत किया। भव्य स्वागत से अभिभूत प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर सन्दीप सिंह सनी नें कार्यकर्ताओं के मान सम्मान का पूरा भरोसा दिलाते हुए मिशन 2022 को कामयाब बनाने का आह्वान किया। भाजपा की केंद्र एवं प्रदेश सरकार के कुशासन से जनता काफी हैरान व परेशान है शीघ्र ही इन जन विरोधी सरकारों से छुटकारा पाना चाहती है और सपा की तरफ हसरत भरी निगाहों से देख रही है, जनता के आशीर्वाद एवं कार्यकर्ताओं की कठिन मेहनत के बूते सपा 2022 में प्रचंड बहुमत के साथ माननीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में सरकार बनाएगी।

संस्कृति और समृद्ध विरासत होगी प्रदर्शितः पुनीत

प्रयागराज। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तमाम कार्यक्रम आयोजित होंगे। भारत की सांस्कृतिक विविधता का जश्न देश भर की स्थानीय कलाओं और कलाकारों के समर्थन के लिए प्रस्तुत किया। देश का कुल्हड़ कलेक्शन उत्तर प्रदेश की गरिमा का सम्मान करने वाला खास तौर पर बनाया गया। कुल्हड़ भारतीय कलाकार समुदायों के समर्थन में सम्मान दर्शक कदम उठाते हुए टाटा टी प्रीमियम स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रस्तुत कर रहा है अनोखा कलेक्शन। देश का कुल्हड़ स्थानीय भारतीय कारीगरों के काम को बढ़ावा देने वाला स्टार्टअप रेयर प्लैनेट के साथ मिलकर यह पहल चलायी जा रही है। जगह जगह के कलाकारों ने अपने हाथों से रंगे हुए अनूठे कुल्हड़ों की बिक्री से मिलने वाला पैसा उन कलाकार समुदायों के समर्थन में मददगार साबित होगा। जो वर्तमान स्थिति की वजह से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। बिहार की मधुबनी लोककला महाराष्ट्र की वारली चित्रकला पंजाब के फुलकारी पैटर्न्स ओडिशा के पटचित्र यूपी की सांझी कला आदि के कलाकार ने अपने हाथों से बनाए हुए चित्रों से इन कुल्हड़ों को सजाया है। प्रेसिडेंट पुनीत दास ने कहा भारत की विविधतापूर्ण संस्कृति और समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाला एक अद्वितीय है।

आस में भटक रहा है पीड़ित कि मुझे मिलेगा न्याय

अम्बेडकरनगर। कुछ वर्ष पूर्व जब प्रदेश में आनलाइन शिकायत प्रणाली शुरू की गयी तो यह बताया गया कि जनता की समस्याओ के निस्तारण में पारदर्शिता आएगी व लोगों को उचित समाधान मिलेगा.लेकिन लाल फीता शाही के चक्कर में इस सिस्टम में भी भष्ट्राचार ने अपनी जगह बना ली है.जिससे जनता खुद को ठगा महसूस करने लगी है। अकबरपुर तहसील गाँव के रूकनुद्दीनपुर का है जहां पीड़ित ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ न्याय की मांग की है। रूकनुद्दीनपुर निवासी राम सरन करीब दो माह पूर्व गाँव के ही भगवानदास यादव पुत्र राम कुबेर पर अपनी खतौनी की भूमि को हड़प कर उस पर जबरदस्ती खेती करने के बाबत आनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी पीड़ित राम शरन का आरोप है कि इस शिकायत के बाद न ही कभी कोई अधिकारी मौके पर आया और न ही कोई जिम्मेदार पीड़ित से मिला।

सिंचाई विभाग के ठेकेदार के अधूरा काम करने से डूबी किसानों की आठ सौ बीघे फसल

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

सिचाई विभाग की लूट घसोट के चलते व ठेकेदार की लापरवाही के कारण करीब आठ सौ बीघे धान की फसल जलमग्न होकर नष्ट होने के कगार पर खड़ी हो गई है शीघ्र ही इस जल प्रलय को नहीं रोका गया तो भारी तबाही होगी। सैकड़ो किसान भुखमरी के शिकार हो जायेंगे। यह मामला टांडा विकास खंड के गाँव नाऊसांडा रूसतमपुर का है। प्रभावित किसानों ने डीएम को प्रार्थना पत्र देकर जल्द से जल्द इस जल प्रलय रोकवाने का निवेदन किया है।

गाँव वासियों ने बताया कि बगल के गाँव गौहनिया के पास से सरकारी नाला गया हुआ है इस नाले की सफाई का कुछ दिन पहले टेंडर निकाला गया था। राम पुर टांडा निवासी ठेकेदार ने आधा अधूरा काम कराकर काम समाप्त कर दिया। गाँव निवासियों ने जब ठेकेदार से घटिया काम की शिकायत की तो ठेकेदार ने कहा कि जैसा विभाग ने कहा था मैंने उसी तरह काम करा दिया है.जहाँ शिकायत करना है जाओ कर लो। ठेकेदार के कराये गये काम का ये नतीजा आया कि पूरा नाले का सीधा प्रवाह बंद हो गया बरसात होने पर सही प्रवाह न होने के कारण नाले का पानी आसपास के खेतों में भरने लगा जिससे सैकड़ों बीघा खड़ी धान की फसल डूब गयी। गाँव निवासियों ने इस सबंध में उपजिलाधिकारी टांडा को प्रार्थना पत्र दिया था कि मामले में उचित कार्यवाही हो लेकिन उपजिलाधिकारी टांडा के यहाँ से कोई राहत नहीं मिल पायी। लगातार डूबती फसल देखकर किसान हैरान परेशान व खौफज़दा है गांव वासियों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अपनी फसल बचाने की मांग की है।

अपराध की जांच में मददगार हो सकता है डीएनए डेटाबेसः डा. कुमार

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

संसद में डीएनए टेक्नोलॉजी विधेयक लंबित है। इस बीच विशेषज्ञ भारत में डीएनए डेटाबेस को सफलतापूर्वक लागू करने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। इसके तहत गोपनीयता और डेटा की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बात करते हुए वह डेटा की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए जरूरी प्रावधानों पर भी जोर देते हैं। फिलहाल भारत में डीएनए टेस्टिंग की दर बेहद कम है सीमित स्केल पर की जाती है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के मुताबिक करीब तीस से चालीस डीएनए विशेषज्ञ पंद्रह से उन्नीस फोरेंसिक लेबोरेट्रीज में तीन हजार से कम मामलों को अंजाम देते हैं। इसका मतलब है कि डीएनए प्रोफाइलिंग के लिए जरूरी संसाधन का महज दो से तीन प्रतिशत काम ही होता है। डीएनए डेटाबेस राज्य और राष्ट्रीय स्तर का अपराध की जांच में मदद कर उन्हें हल करने में मददगार साबित हो सकता है।

प्रशासन की मौजूदगी में खड़ंजा लगवाया

संवाददाता। भीटी, अम्बेडकरनगर

महरुआ थाना क्षेत्र के एक महीना से रुका खड़ंजे का कार्य आज तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव तथा थाना अध्यक्ष विवेक कुमार वर्मा की मौजूदगी में पूरा कराया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान मुकुंदी पुर विकासखंड भीटी अंतर्गत थाना महरुआ क्षेत्र के मुकुंदी पुर गांव के खड़ंजे को लेकर बिपक्षी बजरंग बहादुर सिंह व वजंग बहादुर द्वारा जबरन अपनी दबंगई के बल पर रोक दिया था जिससे बारिश में लोगों को आने जाने मे दिक्कत हो रहा था और इस मामले को लेकर वहां अप्रिय घटना घटने की भी संभावना बनी हुई थी वही मुकुंदी पुर के प्रधान इसकी लिखित शिकायत एसडीएम संतोष ओझा को दी थी।

संतोष ओझा ने तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव तथा थाना अध्यक्ष महरुआ की मौजूदगी में जाकर उक्त खड़ंजा लगवाया गया जिससे आज महीनों से अधुरा काम रुका पड़ा था जो कि पूरा हो चुका वही तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव तथा थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि जो भी सरकारी काम में दखलंदाजी करेगा उसकी खैर नहीं होगी और शुक्रवार को थाना अध्यक्ष तथा तहसीलदार भीटी मौजूद होकर खड़ंजा का कार्य पुलिस बल की मौजूदगी में तथा सक्षम अधिकारी की मौजूदगी में किया गया वहीं प्रधान संयोगिता सिंह ने बताया कि अधिकारियों के समक्ष खड़ंजा का काम पूरा कराया गया जिससे ग्रामीणों को बारिश के समय आने जाने अब कोई दिक्कत नही होगी।

प्रोटोकाल के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

संवाददाता। अयोध्या

स्वतंत्रता दिवस समारोह कोविड.19 के दृष्टिगत भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा बचाव हेतु जारी विभिन्न दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुये परम्परांगत रूप से सादगीए हर्षोल्लासए आकर्षक ढंग से मनाने के निर्देश प्राप्त हुये है। इसके क्रम में जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा द्वारा स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम पर मण्डलध्जनपद में कार्यक्रम आयोजित करने हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। 15 अगस्त को प्रातः 6 बजे ग्राम्य स्वालम्बी विद्यालय खादी आश्रम द्वारा कोविड.19 प्रोटोकाल का पालन करते हुये 5 व्यक्तियों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये कताई एवं सर्वधर्म प्रार्थना सभा होगी। 8 बजे समस्त राजकीयए गैर राजकीयए पंचायत भवनोंए विद्यालयों आदि में ध्वजा रोहण किया जायेगा तथा राष्ट्रीय एकता अखण्डता पन्थ निरपेक्षताए सामाजिक समरसता तथा साम्प्रदायिक सौहार्द की भावना को बलवती बनाये रखने पर जोर दिया जायेगा। स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास एवं देश के अन्य भागों में शहीद हुये देश भक्तों के जीवन के प्रेरणा प्रसंग दोहराये जायेंगे तथा सभी कार्यक्रमों में मास्क लगाना एवं कोविड प्रोटोकाल का पालन करना अनिवार्य होगा। साढ़े 8 बजे अमर शहीदोंए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण होगा। 9 बजे जनपद की मलिन बस्तियोंए कुष्ठ आश्रमों में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। 10 बजे जिला चिकित्सालयध्महिला चिकित्सालयों मेंध्कुष्ठ आश्रमध्मूक बंधिर विद्यालय में फ्ल वितरित किया जायेगा। 11 बजे जिला कारागार में बंदियों को खानाध्फ्लध्मिष्ठान वितरण किया जायेगा। सायं 4 बजे कक्षा 9 से 12 तक के छात्र छात्राओं द्वारा आजादी के 75 वर्ष विषय पर निबंध प्रतियोगिता तथा आजादी के 75 वर्ष पर पेन्टिंगध्कविता की प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। सायं 5 बजे कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों द्वारा अपनी स्वरचित कविता आजादी के 75 साल के अमृत महोत्सव पर दो मिनट लाइफ परफेरमेंस आनलाइन किया जायेगा।

दिनांक 14 अगस्त 2021 को ही समस्त सरकारीध्गैर सरकारी भवनोंए महत्वपूर्ण चैराहों आदि को सफाई करते हुये भवनों पर प्रकाश की व्यवस्था की जायेगी। कार्यक्रमों में कोविड.19ध्मेडिकल प्रोटोकाल का पालन करते हुये जिसमें 50 से अधिक व्यक्ति भाग नही लेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु जिलाधिकारी द्वारा संयोजन भी नियुक्त किया गया है तथा सबसे इसका समय से अनुपालन करने के निर्देश भी दिये गये है।

सैनिक बन्धु की कलेक्ट्रट सभागार में बैठक 23 को

संवाददाता। अयोध्या

जनपद में आगामी 23 अगस्त को अपरान्ह 4 बजे जिला सैनिक बन्धु की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। बैठक में समस्त नामित सरकारीध्गैर सरकारी सदस्य प्रतिभाग करेंगे तथा सेवारत/भूतपूर्व सैनिकोंए वीरनारियों व उनके आश्रितों की समस्याओं पर चर्चा कर उनके समाधान व निस्तारण की व्यवस्था की जायेगी। ले0 कर्नल संजीव कुमारए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने यह जानकारी देते हुये जनपद के पूर्व सैनिकों व उनके परिजनों से आग्रह किया है कि वे अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु प्रार्थना पत्र के साथ बैठक में भाग लेकर इस अवसर का अधिकाधिक लाभ उठायें। बैठक के दौरान कोविड प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन किया जायेगा। सभी कोविड.19 के दिशा निर्देशों का अनुपालन करते हुये बैठक में भाग लें। यह जानकारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ले0 कर्नल संजीव कुमार ने दी है।

देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करेंः प्रो. रविशंकर

संवाददाता। अयोध्या

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आज 13 अगस्तए 2021 को दिन शुक्रवार को प्रातः 7: 30 बजे परिसर में फिट इंडिया फ्रीडम रन अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने अभियान का नेतृत्व करते हुए परिसर के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र.छात्राओं के साथ दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. सिंह ने सर्वप्रथम सभी को आजादी के 75वें वर्ष पर आजादी का अमृत महोत्सवष्ष् कार्यक्रम के अंतर्गत फिट इंडिया फ्रीडम रन अभियान में आये सभी लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहाकि इसका उद्देश्य यह है कि हम सभी अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दे। हम स्वस्थ रहेंगे तो समाज स्वस्थ रहेगा। इससे देश समृद्धि की ओर बढ़ेगा। कुलपति ने कहा कि हम सभी अपने कर्तव्यों से भली.भांति परिचित है। किन्तु उनका पालन पूरी तरीकें से नही करते है। इस अवसर पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन कर्तव्यनिष्ठा से करेंगे।

शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योगिक विज्ञान संस्थान के समन्वयक प्रो. एसएस मिश्र ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. मुकेश कुमार वर्मा ने दौड़ में प्रतिभाग करने वाले विश्वविद्यालय परिवार के विद्यार्थियों, अधिकारियों/ कर्मचारियों और शिक्षक गणों के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

इसमें मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. अजय प्रताप सिंह, कुलसचिव उमानाथ, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. शैलेंद्र सिंह, ओएसडी, कुलपति, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. आर के सिंह, प्रो. रमापति मिश्र, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल सिंह राना, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. अनुराग पांडे, डॉ. राजेश कुशवाहा, ई. परितोष त्रिपाठी, ई. विपिन पटेल, डॉ. आशीष पटेल, अनुराग सोनी, आलोक तिवारी, गायत्री वर्मा, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. वीरेंद्र वर्मा, डॉ. रामजी सिंह, डॉ. अनिल शर्मा, विवेक सिंह, देवेंद्र वर्मा. आशीष जायसवाल, मोहनी पांडे, स्वाति उपाध्याय, आनंद मौर्य, कुमार मंगलम सिंह, महताब आलम और कई विभागों के छात्र-छात्राएं, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भयानक विभीषिका

हिमाचल में भूस्खलन

हिमाचल में भूस्खलन भारत के सामने आने वाले पर्यावरणीय खतरों की एक और चेतावनी देता है। जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर-सरकारी समिति की रिपोर्ट एकदम सही समय पर आई है। बुधवार को हिमाचल प्रदेश के किन्नौर क्षेत्र में हुए भूस्खलन में कम से कम 10 लोग मारे गए तथा कई दर्जन घायल हुए। यह आने वाले वर्षों में भारत के समक्ष पर्यावरणीय खतरों के प्रमाणों की शुरुआत है जिनका उल्लेख रिपोर्ट में है। इस भूस्खलन से अनेक वाहन भारी मात्रा में मलबे के नीचे दब गए तथा राजमार्ग घंटों तक बंद रहा। यदि वाहनों से निकल कर बहुत से लोग एक बड़ी चट्टान के नीचे शरण न लेते तो मरने वालों की संख्या और ज्यादा हो सकती थी। इस साल भूस्खलन हिमाचल प्रदेश में भयानक विभीषिका का कारण बने हैं। 30 जुलाई तक 6 सप्ताह में राज्य के अनेक जिलों में 35 बड़े भूस्खलन हो चुके हैं। बादल फटने के कारण केवल लाहौल स्पिती में अचानक आई बाढ़ों की हालिया सप्ताहों में 11 घटनायें हो चुकी हैं जिसे ठंडा रेगिस्तान कहा जाता है। न केवल हिमाचल प्रदेश, बल्कि भारत के सभी पहाड़ी राज्यों ने पर्यावरण कानूनों की घोर अनदेखी की है। दशकों से जारी निर्वनीकरण और खनन के कारण पहाड़ियां और पहाड़ी ढलाने प्राकृतिक पेड़-पौधों से वंचित हो गए हैं। पहाड़ी क्षेत्र की परिस्थितिकी, खासकर हिमाचल प्रदेश में बहुत संवेदनशील है। वैज्ञानिकों के अनुसार खराब और ढीली हो चुकी मिट्टी, तीखी ढलानें और मानसून के दौरान भारी बरसात इस क्षेत्र को भूक्षरण का व्यापक रूप से शिकार बनाती हैं। चट्टानों और बड़े पत्थरों को मिट्टी में मजबूती से जमे होने का लाभ नहीं मिलता है जो पेड़ गिरने तथा नदियों के कारण ऊपरी सतह

क्षरित हो जाने के बाद ढीली हो जाती है। भूस्खलन रोकने के लिए मिट्टी की सतह मजबूत करना जरूरी है और यह काम ज्यादा पेड़ व झाड़ियां उगा कर हो सकता है। भूस्खलनों का एक और कारण अवैज्ञानिक विकास है। कुल्लू में हिमालयी पर्यावरण व विकास पर जीबी पंत इस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों का कहना है कि हिमालयी चट्टानें सेडीमेंट्री हैं तथा शताब्दियों तक उनके ऊपर से गुजरने वाले जल-प्रवाह ने उनको स्वरूप दिया है।

वे भंगुर भी हैं। पहाड़ों को काटने वाली सड़कें बनती हैं तो ऊपरी हिस्से स्वत: खिसक सकते हैं या पत्थर इतने ढीले हो जाते हैं कि किसी भी समय गिर सकते हैं। न केवल सड़कें, बल्कि बांध और कल्वर्ट बनाने, सुरंगे बनाने या खनन के लिए पहाड़ों में विस्फोट करने तथा निर्वनीकरण से भी पहाड़ की परिस्थितिकी अस्थिर होती है तथा दुर्घटनाओं का कारण बनती है। राज्य के ऊपरी हिस्सों में सीढ़ीदार खेती हाल में बढ़ी है तथा फसलों के चक्र में परिवर्तन के कारण पानी का प्रयोग भी बढ़ गया है। इस प्रकार पूरा हिमालयी क्षेत्र अस्थिर हो गया है। सरकार को टोपोग्राफी तथा उसके जोखिम पर व्यापक अध्ययन कराने चाहिए ताकि भूस्खलन रोकने के लिए आवश्यक इंजीनियरिंग उपाय किए जा सकें। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों से उन क्षेत्रों की पहचान करना भी जरूरी है जहां भूस्खलन होने या चट्टानें गिरने की संभावना अधिक है। ऐसे क्षेत्रों में नई बस्तियां बसाने से बचा जाना चाहिए। ड्रोन तकनीक का प्रयोग लगातार जोखिम वाले पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी के लिए किया जा सकता है तथा मोटर वाहनों को चट्टानें गिरने के पहले संकेत पर ही चेतावनी दी जा सकती है। महत्वपूर्ण रूप से ऐसे विकास कार्य नहीं किए जाने चाहिए जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हों। ऐसे कामों को हतोत्साहित कर उनके विकल्प तलाशे जाने चाहिए।

अवसरवादी हो गया है विपक्ष

अवसरवादी विपक्ष की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि वह ऐसे नेता का कद नहीं घटा सकता है जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में असाधारण रूप से बड़ा हो गया है।

वी के सक्सेना
(लेखक खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष हैं)

विपक्ष, आखिरकार एक स्थिति है और ठीक-ठीक कहें तो यह अवसरवादी स्थिति है। सत्ता के लिए अथवा चर्चा में बने रहने के लिए यह स्थिति अपनाने वाले लोग अपना कद इस सीमा तक गिरा लेते हैं कि महत्वहीन हो जाते हैं। वे इसका प्रयोग सर्वाधिक मामूली मामलों के लिए भी करते हैं क्योंकि उनको कोई नुकसान नहीं होना होता है। लेकिन वास्तव में वे सबकुछ खो देते हैं जिसमें न्याय की भावना तथा सही व गलत के बीच अंतर शामिल हैं। ऐसी गैर-जिम्मेदारी वाली स्थिति में सभी चीजें निशाना बन जाती हैं। इनमें उच्च प्राथमिकता वाली विकास पहलें, सामाजिक परिवर्तन लाने वाले कानून, युगान्तकारी परिवर्तन लाने वाले आर्थिक कदम तथा सार्वजनिक उपयोग वाले स्मारक प्रमुखत: निशाने पर रहते हैं। अवसरवादी विपक्ष की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि वह ऐसे नेता का कद नहीं घटा सकता है जो वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में असाधारण रूप से बड़ा हो गया है।

कांग्रेस और उससे मिलीभगत करने वाले आज इसी अवसरवादी स्थिति में आ गए हैं। विपक्ष के इस व्यवहार का एक प्रमुख उदाहरण उसके द्वारा सेंट्रल विस्टा परियोजना-सीवीपी को महत्वहीन बताने का प्रयास है। उसने इसे जनता के पैसे की ऐसे समय भयानक बरबादी बता दिया था, जब भारत वैश्विक महामारी के प्रभाव का सामना कर रहा है। कहा गया कि स्वास्थ्यरक्षा का बजट इसमें लगाया गया है तथा इस परियोजना के पर्यवरणीय दुष्प्रभाव होंगे। यह सब परियोजना को लटकाए रखने के लिए किया जा रहा था जैसा सभी विकास परियोजनाओं या जन-पक्षधर नीतियों के बारे में किया जाता है जो खासकर भारत में नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले सात साल से जारी कार्यकाल में हो रहा है। लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय और हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने उन सभी याचिकाओं और समीक्षा याचिकाओं को खारिज कर दिया जिनमें सीवीपी परियोजना स्थगित रखने की मांग की गई थी।

सीवीपी का लक्ष्य संसद की नई इमारत बनाने के साथ ही केन्द्रीय सचिवालय को एकजुट कर बेहतर समन्वय तथा सुचारु कामकाज के लिए 75,000 से अधिक कर्मचारियों को साथ लाना है। लेकिन कांग्रेस इस बात पर खामोश है कि उसने स्वयं 2012 में संसद की नई इमारत के लिए आक्रामक लाबींग की थी। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार व तत्कालीन पर्यावरण एवं वन मंत्री जयराम रमेश ने संसद की नई इमारत तत्काल बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा था कि वर्तमान इमारत 'पुरानी व बेकार' हो गई है। भारत में विपक्ष लंबे समय से न्यायपालिका का प्रयोग कर विकास धीमा करने का काम करता रहा है।

लेकिन हाल में न्यायपालिका ने इन प्रयासों को धक्का देते हुए मामूली प्रकृति के मामलों को न केवल फौरन खारिज किया, बल्कि इसके पैरोकारों पर दु:साहस के लिए भारी जुर्माना भी लगाया। यह याद करना उचित होगा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 11 मई, 2011 के आदेश में कठोर टिप्पणी की थी। मेधा पाटकर के नेतृत्व वाले नर्मदा बचाओ आंदोलन-एनबीए ने यह मामला दायर किया था। इस फैसले से इस विकास-विरोधी लाबी के कामकाज का तरीका पूरी तरह उजागर हो गया था। हालांकि, अदालतों द्वारा ऐसी निरर्थक याचिकाओं के खिलाफ गुस्सा स्वागत योग्य है, पर व्यापक राष्ट्रीय हित में उसे इन 'षडयंत्रकारी' याचिकाकर्ताओं से परियोजनाओं के विलम्ब का खर्च भी वसूल करना चाहिए। यह विकास-विरोधी समूहों के लिए बड़ा प्रतिरोधक होगा जो राष्ट्रीय महत्व वाली किसी परियोजना को रोकने का प्रयास करते हैं।

सीवीपी के खिलाफ मचा शोर-शराबा तथा उसके खिलाफ विरोध का तरीका नया नहीं है। यह ऐसे विकास-विरोधी गिरोहों की पहचान और विरासत प्रकट करता है जो देश में पिछले कई दशकों से सक्रिय हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य भारत को बड़ी विकास परियोजनाओं से वंचित कर अपने देश की छवि खराब करना है। दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति 'स्टेचू आफ यूनिटी' के मामले पर गौर करें जिसे अवधारणा के बाद से ही कठोर विरोध का सामना करना पड़ा था। साबरमती नदी परियोजना के खिलाफ भी दुष्प्रचार अभियान चला कर इसे अहमदाबाद की जनता के लिए 'विनाशकारी' बताया गया था। कई बार इसका विरोध सरदार सरोवर परियोजना-एसएसपी के मुकाबले कई गुना अधिक था। अंतरराष्ट्रीय विकास-विरोधी लाबी भी इस परियोजना को रोकने के लिए सक्रिय हो गई थी जिसका उद्देश्य पश्चिमी भारत के लिए जल-सुरक्षा सुनिश्चित करना था। इस प्रकार कई साल तक प्यासे समुदायों को पानी से वंचित रहना पड़ा। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हरी झंडी दिखाने के बाद यह परियोजना शुरू हुई, लेकिन उसकी लागत असाधारण रूप से बढ़ गई थी क्योंकि विकास-विरोधी इसे बहुत लंबे समय तक लटकाने में सफल हुए थे।

यह एक कटु यथार्थ है कि स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय महत्व का एक भी स्मारक नहीं बना था। लेकिन जब सरकार ने बड़े बांध, नाभिकीय व पनबिजली परियोजनायें, नदी जोड़ने वाली परियोजनायें, संसद की नई इमारत, पुल, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, विशाल मूर्तियां, आदि बनानी शुरू कीं तो यह विकास-विरोधी गिरोह परियोजनाओं को पटरी से उतारने के लिए अत्यधिक सक्रिय हो गया। कल्पना करें कि यदि पूर्व शासकों ने राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, लाल किला, इंडिया गेट या राजपथ न बनवाया होता तो कैसा लगता। ऐसे में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का राष्ट्रपति किसी मामूली स्थान पर रहता तथा प्रधानमंत्री 15 अगस्त को तिरंगा झंडा किसी महत्वहीन ढांचे पर फहराते। सर्वोच्च न्यायालय इमारत की नीव 1954 में डाली गई थी। सौभाग्य से उस समय कोई अवसरवादी विपक्ष नहीं था।

यदि वर्तमान समय जैसे दुष्टतापूर्ण अभियान उस समय चलते तो हमारे सम्माननीय जज आज कहां बैठते। हालांकि, ऐसे दुष्टतापूर्ण अभियानों से गुजरात में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार ने निपटने का काम किया। उसने रिकार्ड समय में भविष्योन्मुखी ढांचागत परियोजनायें पूरी कर दिखा दिया। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद केवल 17 दिन में मोदी ने सरदार सरोवर परियोजना-एसएसपी पूरी करने की हरी झंडी दिखा दी जो वर्ष 2000 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद लटकी हुई थी। इसके बाद परियोजना असाधारण गति से आगे बढ़ी और अंतत: 2017 में पूरी हुई। एसएसपी ने पश्चिमी राज्यों के करोड़ों लोगों के जीवन में असाधारण परिवर्तन किया।

साबरमती रिवर फ्रंट गुजरात व भारत की नई पहचान है। यह एक माडल है कि शहरी क्षेत्र से हो कर बहने वाली नदी का कैसे प्रयोग किया जा सकता है। स्टेचू आफ यूनिटी केवल तीन साल के रिकार्ड समय में पूरी हुई और आज यह इंजीनियरिंग आश्चर्य दुनिया भर के लोगों को अमेरिका की स्टेचू आफ लिबर्टी की तुलना में ज्यादा आकर्षित करता है। 2014 से 2019 के बीच केवल पांच साल में मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा नदी पहले के किसी भी समय की तुलना में ज्यादा साफ हुई है। उन्होंने नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, ग्रामीण स्वच्छता तथा रिकार्ड समय में जैविक उपचारों से वाराणसी को पहला ऐसा भारतीय शहर बना दिया है जहां से नदी में कोई सीवेज नहीं छोड़ा जाता है। निसंदेह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमारे समय के सर्वाधिक दूरदर्शी व परिणामोन्मुख व्यक्ति बने हैं। उन्होंने सीवीपी के रूप में भारत के सत्ता गलियारों की ढांचागत संरचना बदलने का कदम उठाया है। जनता को व्यापक लाभ वाली इस परियोजना का समर्थन करना चाहिए। पुरानी इमारतों के रखरखाव पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बजाय केन्द्रीय सचिवालय में पार्किंग समस्या दूर करने, वीवीआईपी आवागमन से ट्रैफिक समस्या कम करने तथा सांसदों के लिए सुरक्षित संसद की इमारत जनता के लिए ज्यादा अच्छी बात है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र और एक सर्वाधिक जीवन्त समाज के रूप में हमे बहुआयामी व बहुक्षेत्रीय विकास पर ध्यान देना चाहिए। हमें सु:ख और दु:ख में समान व्यवहार करने के साथ ही एकपक्षीय विरोध के दबावों से निपटना सीखना होगा जिनका उद्देश्य न केवल देश का विकास रोकना, बल्कि उसके लोकप्रिय नेता को पद से हटाना है।

देशद्रोह की अवधारणा के व्यावहारिक पहलू

लोकेश सिंघल
(लेखक चंडीगढ़ उच्च न्यायालय में अधिवक्ता व हरियाणा सरकार में अपर महाधिवक्ता हैं)

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का एक समूह जब्त कर लिया है, जिसे प्रभावी रूप से ऐतिहासिक केदारनाथ मामले में पांच-बेंच के फैसले की समीक्षा करने का काम सौंपा गया था, जहां इसने अपनी संवैधानिकता को बरकरार रखा था। भारतीय दंड संहिता की धारा 124-क के तहत देशद्रोह का कानून बनाया गया है जिसके तहत कानून द्वारा स्थापित सरकार के खिलाफ नफरत, अवमानना और असंतोष को भड़काने पर दण्ड दिया जाता है।

इस कानून को चुनौती विपक्ष द्वारा बनाई गई एक गूंजती कथा के बीच आती है कि सत्तारूढ़ शासन ने देश में असंतोष और आलोचना को दबाने के लिए कानून का दुरुपयोग किया है। एक राजनीतिक बहस में नहीं जाना, देशद्रोह के कानून और संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के इतिहास में एक फ्लैशबैक इस विषय पर कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए सोमरस को दिखाने के लिए पर्याप्त होगा।

भारत में राजद्रोह का कानून, अन्य कानूनों की तरह, अंग्रेजों द्वारा इंग्लैंड में कॉमन लॉ से आयात किया गया था और अखंड भारत पर ब्रिटिश सरकार के शासन को बनाए रखने के लिए अनुकूलित किया गया था। भारतीय संस्करण इंग्लैंड में अपने समकक्ष से बहुत अलग था जहां इसे सरकार के खिलाफ हिंसा भड़काने या विद्रोह के रूप में परिभाषित किया गया था। इंग्लैंड में, यह सिर्फ बदनामी थी जिसने दो साल की सजा को आकर्षित किया और इसलिए जमानती थी। भारत में, यह आजीवन कारावास को आकर्षित करने वाला एक गंभीर अपराध है और इसलिए गैर-जमानती है। हालांकि, आपातकाल लगाने से ठीक पहले 1974 में इंदिरा गांधी द्वारा अपराध को संज्ञेय बना दिया गया था। देशद्रोह को संविधान में पत्र में जगह नहीं मिली है, लेकिन अनुच्छेद 19 (2) में भावना से इसे स्वीकार किया गया है। इसकी संवैधानिकता को अनुच्छेद 19 (1) (ए) में अधिनियमित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ चुनौती दी गई है। यहां यह विज्ञापित किया जाएगा कि अनुच्छेद 19 (2), जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों की गणना करता है, मुक्त भाषण की जांच करता है, जिसमें सार्वजनिक

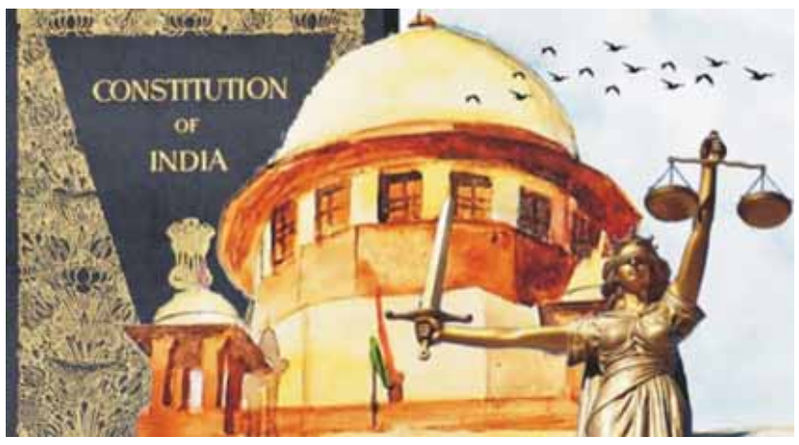

व्यवस्था को भंग करने की प्रवृत्ति है, जो देशद्रोह के सामान्य कानून समकक्ष है। इस प्रकार, हालांकि देशद्रोह का संविधान में कोई उल्लेख नहीं है, लेकिन केदारनाथ फैसले में व्याख्या के अनुसार, सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर संविधान को इसके हल्के रूप में आशीर्वाद मिला है। मूल अनुच्छेद में सार्वजनिक व्यवस्था का प्रतिबंध नहीं था, इसे 1951 में संविधान में प्रथम संशोधन द्वारा जवाहर लाल नेहरू द्वारा जोड़ा गया था, जिसे सरदार पटेल का पूरा समर्थन प्राप्त था, जो अनिच्छुक रियासतों के साथ नव स्वतंत्र भारत के एकीकरण का नेतृत्व कर रहे थे।. पटेल ने नेहरू को लिखा, ''संविधान सभा ने संविधान में बहुत आदर्शवादी प्रावधानों का मसौदा तैयार किया था जो व्यावहारिक विचारों में निहित नहीं थे।'' इस प्रकार पहला संशोधन तीन प्रतिबंधों को जोड़ने में आया- सार्वजनिक व्यवस्था, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध और अपराध के लिए उकसाना। यहां संशोधन की पृष्ठभूमि देना आवश्यक हो जाता है : यह मुख्य रूप से श्यामा प्रसाद मुखर्जी को कानूनी रूप से वश में करने के लिए किया गया था, जो नेहरू-लियाकत समझौते की कड़ी आलोचना कर रहे थे और अखंड भारत के ध्वजवाहक थे, जो कि भारत-पाक पुनर्मिलन की मांग कर रहे थे। यहां तक कि गांधी, जिनकी विरासत कांग्रेस का पहला परिवार दावा करता है कि उनका उपनाम अपनाकर उन्हें निजी तौर पर विरासत में मिली है, कानून की किताब से राजद्रोह को मिटाने के पक्ष में नहीं थे। 1922 में, देशद्रोह के आरोप में दोषी ठहराते हुए गांधी ने कहा : ''स्नेह को कानून द्वारा निर्मित या विनियमित नहीं किया जा सकता है। अगर किसी को किसी व्यक्ति या व्यवस्था से कोई लगाव नहीं है, तो उसे अपनी नाराजगी को पूरी तरह से व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, जब तक कि वह हिंसा के बारे में विचार, प्रचार या उत्तेजना नहीं करता है।'' जाहिर है, यहां तक कि गांधी का भी विचार था कि असहमति व्यक्त करना एक अपराध हो सकता है यदि उसमें हिंसा भड़काकर कानून द्वारा स्थापित सरकार को नष्ट करने की प्रवृत्ति हो।

कानून को बनाए रखने के लिए एक और तर्क यह है कि 1962 में केदारनाथ के फैसले ने पहले से ही इंग्लैंड में अपने पैतृक प्रावधान से मेल खाने के लिए कानून को कमजोर कर दिया है, केवल उन कृत्यों का जो हिंसक तरीकों से सरकार को नष्ट करने या सार्वजनिक अव्यवस्था पैदा करने का प्रभाव रखते हैं। देशद्रोह की परिभाषा के अंतर्गत आएगा; अनुच्छेद 19(2) में देशद्रोह की भावना को पढ़ना। आइए दूसरे आख्यान का मुकाबला करें। राजद्रोह पर अक्सर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के प्रावधानों के तहत आरोप लगाया जाता है। इसे 1967 में कांग्रेस द्वारा सोलहवें संशोधन के संरक्षण के तहत अधिनियमित किया गया था, जिसने अनुच्छेद 19 (2) के लिए भारत की संप्रभुता और अखंडता प्रतिबंध को जोड़ा। भारत अभी भी अनुचित रूप से महत्वाकांक्षी राजनेताओं की तुष्टिकरण और अलगाववादी राजनीति से जूझ रहा था जब सोलहवां संशोधन लाया गया था क्योंकि पंजाब, नागालैंड और द्रविड़ राज्य अपने प्रधान मंत्री के सपनों को पूरा करने के लिए अलग गणराज्य की मांग कर रहे थे।

राजनीतिक व्यवस्थाएं भले ही बदल गई हों, लेकिन राष्ट्रीय अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाले मुद्दे आज भी काफी हद तक वही हैं और इसलिए, कानून अच्छा है। हालांकि, पक्षपात और दुरुपयोग के आरोपों को विफल करने के लिए राजद्रोह को असंज्ञेय अपराध बनाने का मामला बनाया जा सकता है।

आप की बात

टोक्यो में सफलता

1996 का एटलांटा ओलंपिक भारतीय ओलंपिक इतिहास को दो हिस्सों में बांटता है। 1996 से पहले का वो हिस्सा जब इक्का-दुक्का मौकों को छोड़ कर हमें पदक सिर्फ हॉकी में मिलते थे और वह भी कभी-कभी। दूसरा हिस्सा 1996 से शुरू हुआ जब हमें हॉकी के सिवा अन्य खेलों में भी पदक मिलने लगे। 1996 के एटलांटा ओलंपिक से अब तक हमने हर ओलंपिक में कम से कम एक पदक ज़रूर जीता है। संसाधनों की कमी, ग़रीबी और पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब; खेलोगे कूदोगे बनोगे खराब वाली मानसिकता के कारण हम खेलों में पिछड़े ही रहे। रही सही कसर क्रिकेट ने पूरी कर दी जो देश में खेलों का पर्याय बन गया। लेकिन धीरे-धीरे कुछ माहौल बदला। सरकार सुविधाएं तो ज़्यादा नहीं बढ़ा पाई लेकिन पदक विजेताओं को सम्मान, इनाम और प्रोत्साहन मिलने लगा। लेकिन अभी भी हम खिलाडी तैयार नहीं कर रहे थे बल्कि नैसर्गिक एवं जन्मजात प्रतिभावान खिलाड़ियों के भरोसे ही थे। नए खिलाडी तैयार करने और नैसर्गिक खिलाड़ियों की प्रतिभा तो तराशने के लिए जुलाई 2014 में केंद्र सरकार टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम लायी। टोक्यो ओलंपिक में हमारी सफलता में इस योजना का बहुत बड़ा हाथ है।

– **बृजेश माथुर,** गाज़ियाबाद

समुद्री सुरक्षा का सवाल

9 अगस्त को पीएम मोदी ने संरा सुरक्षा परिषद की उच्चस्तरीय खुली परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुये समुद्री व्यापार और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से समाधान के लिये पांच सिद्धांत पेश किए, जिनमे वैध समुद्री व्यापार की बाधाओं को दूर करने, समुद्री विवादों का निपटारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों के आधार पर, प्राकृतिक व आतंकियों द्वारा उत्पन्न खतरों का मुकाबला वैश्विक समुदाय मिलकर करे, समुद्री पर्यावरण एवं संसाधन का संरक्षण तथा समुद्री संपर्क को प्रोत्साहित किया जाएए। सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री ने कहा महासागर हमारी साझा विरासत और समुद्री मार्ग अंतरराष्ट्रीय व्यापार की जीवन रेखा हैं। वैध समुद्री व्यापार की बाधाओं को दूर करके ही वैश्विक समृद्धि समुद्री व्यापार के सहज संचालन से होगी। समुद्री व्यापार में बाधा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिये खतरा है। वहीं रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने समुद्री अपराधों से निपटने के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ में ही विशेष ढांचा बनाने की बात कही। पुतिन ने कहा कुछ देशों में क्राइम सिंडिकेट, समुद्री डाकू और आतंकवादियों से लड़ न पाने के कारण समुद्री डकैतियां और समुद्री जहाजों को बंधक बनाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

नारी सर्वत्र शोषण की शिकार

नारी की स्थिति हमारे देश में ही सोचनीय नहीं है। दुनियां के कई देशों में नारी उत्पीड़न की शिकार हो रही है। हाल ही में अमेरिका में न्यूयॉर्क के गवर्नर द्वारा कई महिलाओं के यौन उत्पीड़न की खबर आई जो एक संपन्न और सुशिक्षित राष्ट्र में शर्मनाक है। स्वच्छंद यौन संबंध भी अमेरिका में यौन अपराधों की वजह बनते हैं। इस मामले में समय के साथ ही अमेरिकी कानूनों में बदलाव जरूरी है ताकि नारी की अस्मिता बरकरार रह सके। दिखावे के नाम पर नारी सम्मान और कथित सभ्यता का भंडा फुटता नजर आ रहा है। अमेरिका जैसे देश में न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो पर 11 महिलाओं के यौन उत्पीड़न का अपराध साबित हो गया है। जांचकर्ताओं ने गवर्नर कार्यालय को महिलाओं के काम करने लायक नहीं बताया। अब एंड्रयु के खिलाफ महाभियोग की तैयारी हो रही है। वाकई ऐसी रिपोर्ट चिंताजनक है। आज महिलाओं को लोग घरों से बाहर बड़ी हिम्मत करके काम पर भेजते हैं। मजबूरी में महिलाएं दिन/रात की ड्यूटी करती है मगर जब उनके साथ ऐसे मामले होते हैं तो सोचने को मजबूर होना पड़ता है।

– **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

इस सदन की शुचिता भंग हो गई जब कुछ सदस्य बैठे रहे और कुछ सदन के भीतर मेजों पर चढ़ गए।

– **एम वेंकैया नायडू**
सभापति राज्यसभा

20 वर्षों में हमने 1 ट्रिलियन डॉलर अधिक खर्च किया। अफगान नेताओं को एक साथ आना होगा और अपने राष्ट्र के लिए स्वयं लड़ना होगा।

– **जो बाइडेन**
अमेरिकी राष्ट्रपति

पेगासस विवाद पर चर्चा करने के लिए हमारी लगातार अपील बहरे कानों को नहीं सुनाई दी और इस मुद्दे को लोकसभा में नहीं उठाया गया।

– **अधीर रंजन चौधरी**
लोकसभा में कांग्रेस के नेता

सीएम की जीरो टॉलरेंस नीति को झुठला रही नौकरशाही?

● पैकफेड संस्था ने नगर पंचायत की टाइल्स को उखाड़ी, खुद का कार्य कराया चालू

● साल भर पहले नगर पंचायत हरगांव ने सूर्यकुंड परिसर में लगवाई थी टाइल्स

संवाददाता। सीतापुर

योगी सरकार सूबे में जीरो टॉलरेंस नीति के खूब दावे करती है, मगर उसके इन दावों को सरकारी मशीनरी झुठलाने में तुली है। यही नहीं भ्रश्टाचार को बढ़ावा देने के लिए तरह-तरह से जतन भी कर रही है। अब नगर पंचायत हरगांव के नामचीन सूर्यकुंड को ले लीजिए। यहां के कुंड के सौंदर्यीकरण को साल भर पहले लाखों के बजट से मंदिर परिसर में टाइल्स लगवाए थे, मगर नगर पंचायत के लगवाए गए टाइल्स को उखाड़ पैकफेड संस्था ने बगैर नगर पंचायत प्रशासन को सूचना दिए अपने टाइल्स लगवाने शुरू कर दिए। जब इसकी जानकारी नगर पंचायत के जिम्मेदारों को लगी तो उसने सरकारी नुकसान का आंकलन कर उसे नोटिस भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही कार्यदायी संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की भी कवायद शुरू हो गई है, हालांकि जानकारी मिलने के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने कार्य को रूकवा दिया है। अब हम आपको पूरे मामले से रूबरू कराते है। दरअसल, राजा विराट की नगरी हरगांव स्थित त्रिशूल मन्दिर का इतिहास महाभारत काल से भी प्रचीन है, पाण्डुपुत्रों ने वनवास के समय में अर्जुन ने किन्नर का भेष बनाकर यहीं

सीतापुर-हरगांव कुंड में हो रहा निर्माण कार्य

निवास किया था। युगों युगों तक प्रचीन यहां की पवित्र भूमि में आज भी महाभारतकालीन दुर्लभ वस्तुऐं प्राप्त होती हैं जो भारत के गौरवशाली स्वर्णिम अतीत को दर्शाती हैं। प्रसिद्ध राजा हरिश्चंद्र ने इस शहर की स्थापना की थी, हिन्दू का सूरज कुंड नाम का एक पौंड है, कार्तिक पूर्णिमा के महीने में एक मेला का आयोजन किया जाता है। इस सूरजकुंड परिसर को संवारने के लिए साल भर पहले लाखों की लागत से टाइल्स लगवाए गए थे। इस कार्य को पूरा हुए एक साल भी नहीं बीता था, उसी कार्य को पर्यटन विभाग ने भी प्रस्ताव बनाकर कार्य को स्वीकृत कर लिया। इस कार्य की जिम्मेदारी पैकफेड संस्था को मिली थी। बताते है कि कार्यदायी संस्था ने बगैर नगर पंचायत प्रशासन को जानकारी दिए, उसके द्वारा लगवाई गई टाइल्स उखड़वा दी, यही नहीं उसी जगह पर अपनी टाइल्स लगवाने का काम भी शुरू कर दिया। लेकिन जब इसकी जानकारी जिला प्रशासन को नहीं लगी तो उसने तहकीकत की। लेकिन जब नगर पंचायत हरगांव के अधिशाासी अधिकारी ने समूचे मामले की रिपोर्ट स्थानीय निकाय प्रभारी अधिकारी को दी, तो उनकी रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया। दरअसल, पर्यटन विभाग के जिस कार्य को पैकफेड संस्था द्वारा कराया जा रहा है, वो कार्य साल भर पहले नगर पंचायत ने कराया था, उनके द्वारा लगवाए गए टाइल्स को उखडवाकर दोबारा कार्य कराया जा रहा है। वो भी नगर पंचायत प्रशासन को बगैर सूचना दिए। अब नगर पंचायत प्रशासन कार्यदायी संस्था पर कार्रवाई के लिए नुकसान का आकलन कर उन्हें नोटिस देने की तैयारी शुरू कर दी है। यही नहीं उनके खिलाफपुलिस में केस भी दर्ज कराया जाएगा, हालांकि जानकारी मिलने के बाद नगर पंचायत प्रशासन ने कार्य को रूकवा दिया है। अब सवाल यह है कि जब साल पहले ही टाइल्स लगे थे, तो वहां पर कार्यदायी संस्था को उसे उखाड़कर दूसरे टाइल्स लगाने की जरूरत क्यों आन पड़ी, कहीं ऐसा तो नही भ्रश्टाचार को बढ़ावा देने के लिए यह सब कुछ किया गया है।

खुदकुशी का प्रयास या फिर ड्रामा!

● मृतक आश्रित में नौकरी न मिलने पर महिला ने उठाया कदम, मृतक आश्रित की नौकरी पाने को लगा रही थी चक्कर

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर-आत्मदाह के प्रयास से हाथ में पकड़े पेट्रोल

क्या वाकई नौकरशाही बेलगाम हो गई, न्याय पाने के लिए फरियादी अफसरों की चौखट पर दस्तक दे रहे है मगर उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। शायद यही वजह है कि सीतापुर में फरियादी खुद की जान देने का अमादा है। गुरूवार जिले के हॉकिम कार्यालय की चौखट पर एक बुजुर्ग के आत्मदाह की कोशिश के बाद अगले दिन यानी शुक्रवार को पालिका कार्यालय परिसर में मृतक आश्रित महिला ने खुद पर पेट्रोल छिड़क कर खुदकुशी करने का प्रयास किया। उसने यह कदम मृतक आश्रित में नौकरी न मिलने पर उठाया, लेकिन मृतक आश्रित महिला के खुदकुशी करने की जिस तरीके से तस्वीर सामने आई है, उससे तो यह लगता है कि उसने अफसरों को डराने के लिए उसने सिर्फ नौटंकी की है, हालांकि जिम्मेदार का कहना है कि उनके चार्ज संभालने के बाद उनके स्तर पर कोई फाइल लंबित नहीं है, जो पांच मामले पेंडिंग है, उनके आश्रितों ने दावेदारी नहीं की है। अब पूरा मामला जान लीजिए, दरअसल शहर के वाल्दा कॉलोनी के फिरोज की साल भर पहले पालिका में सफाई कर्मचारी के पद पर तैनाती के दौरान मृत्यु हो गई थी। निधन के बाद परिवार के आश्रित को कोटे में नियुक्ति दिए जाने का प्राविधान है। आहिस्ता-आहिस्ता एक बरस बीतने को है, लेकिन उसे मृतक आश्रित कोटे में नौकरी नहीं मिल पा रही है। जबकि वो लगातार अफसरों के चौखट पर दस्तक दे रही है। नौकरी न मिलने से परेशान मृतक आश्रित महिला मीना शुक्रवार की सुबह पालिका कैंपस पहुंची। वो अपने साथ एक बोतल में पेट्रोल साथ लगाई थी। ईओ कार्यालय के समक्ष पहुंचते ही उसने बोतल में आए पेट्रोल को अपने ऊपर छिड़क लिया। बाद में बोतल को अपने आंचल में छिपा लिया। सबसे आश्चर्यजनक पहलू यह है कि जिस वक्त महिला ने खुद पर पेट्रोल छिड़ा, उस उसके इर्दगिर्द तमाम लोग खड़े थे, लेकिन जिस तरह से उसने यह ड्रामा किया, उसे देखकर किसी ने बचाने की भी कोशिश नहीं है। इस विभाग में खलबली मच गई।

लोकेशन और फुटेज ने दिखाया सलाखों का रास्ता...

पुलिस ने मिश्रिख के कमलापसंद व्यापारी से लूट का किया खुलासा

● 72 हजार नगद व असलहों सहित तीन गिरफ्तार

● गैरजनपदीय गैंग के बाकी सदस्यों की तलाश जारी

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर-खुलासा करते एएसपी एनपी सिंह

छह अगस्त को मिश्रिख इलाके में कमला पसंद पान मसाला व्यापारी से हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी एन पी सिंह ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि इस वारदात में शामिल तीन शातिर बदमाशों को दबोच कर उनके कब्जे से लूटी गई नकदी में से 72 हजार नगद, एक बाइक, तीन तमंचे व अन्य सामान बरामद कर लिया गया है जबकि इनके फरार साथियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है बताते चलें कि मिश्रीख कोतवाली अंतर्गत औरंगाबाद निवासी आरिफ पुत्र अरशद अली कमला पसंद पान मसाला एजेंसी में सेल्समैन का काम करता है 6 अगस्त को जब वह वसूली के बाद बैंक होकर वापस जा रहा था तभी रास्ते में तीन बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने उसे गोलियों से जख्मी कर नगदी से भरा बैग छीन लिया था जिसमें तीन लाख रुपए होना बताया गया था खुलेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देती इस वारदात को पुलिस ने भी चुनौती के रूप में ही लिया था नतीजतन आनन-फानन में टीमें गठित कर बैंक के बाहर लगे सीसीटीवी की फुटेज और स्थानीय मोबाइल टावर की लोकेशन खंगाली जाने लगी इसके आधार पर पुलिस के हाथ तीन शातिर बदमाशों के गिरेबान तक पहुंच गए एएसपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों का नाम रामू पुत्र भालू उर्फ राजू नीरू पुत्र किशोरी कंजड़ तथा राज कपूर पुत्र दिनेसी कंजड़ सर्व निवासी ओमपुरी मजरा नानकगंज झाला कोतवाली देहात हरदोई है जबकि इनके दो फरार साथियों में से एक इन्ही के गांव का वीरू पुत्र किशोरी है जबकि दूसरे का नाम नन्हू पुत्र लाखन निवासी मकरंद नगर कन्नौज है जो फिलहाल हरदोई बिलग्राम के पास गांव में रहता है उन्होंने बताया कि इनके 2 या उससे अधिक साथी है जिनका पता लगाया जा रहा है एएसपी ने बताया कि यह गैर जनपद का संगठित गिरोह है जिन पर हरदोई के साथ सीतापुर जिले में भी तमाम मुकदमे दर्ज हैं सफलता आखिर करने वाली टीम में इंस्पेक्टर मिश्रिख मनोज कुमार एसआई रोहित दुबे व ऋषभ यादव तथा परमिंदर अमित कुमार शगुन अशोक कुमार रामकृष्ण आदि आरक्षीगण और स्वाट सर्विलांस टीम से एसआई अजय रावत व मनीष सिंह तथा रवि, उमेश राहुल कुमार, आनंद कुमार और सोहनपाल शामिल रहे।

जिला कार्यालय पर हुई मासिक बैठक...

बूथ को मजबूत कर बनाएंगे सपा सरकार: हरजीत सिंह

सीतापुर-सम्बोधित करते सपा के प्रदेश उपाध्यक्ष

संवाददाता। सीतापुर

● अधिवक्ता महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने बूथ मजबूत करने की कही बात

शुक्रवार को सपा कार्यालय पर मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अधिवक्ता महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हरजीत सिंह ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हर कार्यकर्ता अपने बूथ को मजबूत करने का काम करें जिससे 2022 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जा सके। जिलाध्यक्ष क्षत्रपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिवक्ता शोषण हो रहा है, फर्जी मुकदमें लिख रहे है, जिससे अधिवक्ता समाज में भी रोष है। बैठक में बूथ को मजबूत कर व सपा की नीतियों को जनजन तक पहुंचाने की बात कही गई। इस मौके जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सभा के सुधीर शर्मा, दिनेश मौर्या, राजकुमार गुप्ता, नरेन्द्र पाल सिंह, महेन्द्र सिंह, अनूप बाजपेयी, अमित राठौर, सरताज खां, एजाज खां, मोइन खां, रामऔतर यादव, रामकुमार मिश्रा, जय सिंह यादव, शेखर यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

इंटरनेशनल यूथ डे पर राजश्री मेडिकल कॉलेज में भव्य समापन समारोह आयोजित

बरेली। राजश्री मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली में इंटरनेशनल यूथ डे के अवसर पर दो दिवसीय यूथ प्रतियागिताओं का आयोजन किया गया जिसका कल भव्य समापन समारोह संस्थान के सभागार में आयोजित हुआ । दो दिवसीय इस कार्यक्रम में पहले दिन संस्थान के चेयरमैन श्री राजेन्द्र कुमार अग्रवाल ने सरस्वती वंदना के मधुर वंदन के साथ माँ सरस्वती का दीप प्रज्जावलित करके कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। संस्थान के डीन डॉ0 वी0के0 अग्रवाल ने समारोह में आये सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर राजश्री मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन ने कृत्रिम गर्भाधारण लैब (इन्ट्रायूटरेन इन्सेमिनेषन) का भी उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान की नयी तकनीक अब राजश्री अस्पताल में उपलब्ध है जहां बॉझपन की समस्त समस्याओं का इलाज उपलब्ध रहेगा। इंटरनेशनल यूथ डे पर राजश्री मेडिकल कॉलेज परिसर में विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं जैसे फुटबाल, बॉलीवॉल, बॉस्केट वॉल, कबड्डी, खो-खो, टेबिल-टेनिस, चैस, कैरम तथा बैडमिन्टन आदि का आयोजन किया गया। इसके अलावा वॉक फॉर डिग्निटी, रंगोली, स्पीच कम्पटीषन तथा सेलफी कम्पटीषन जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ । प्रतियोगिताओं में इंस्टीट्यूट के लगभग सभी छात्र-छात्राओं ने बढ चढ के भाग लिया व अपने जौहर दिखाये । इस अवसर पर राजश्री मेडिकल कॉलेज संस्थान की ऐकडमिक एडवाइजर मिस तूलिका अग्रवाल ने कहा कि हाल ही में सम्पन्न हुए ओलम्पिक खेलों में विजयी प्रतिभागियों को राजश्री परिवार के यूथ बिग्रेड द्वारा यह एक सम्मान समारोह है जिसमें राजश्री के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभाओं का अवलोकन कराया। संस्थान के चेयरमैन श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी ने छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों को मेडल्स, सर्टिफिकेट एवं ट्राफी प्रदान कर प्रोत्साहित किया। उन्होनें जूनियर स्टूडेंट्स को अपने सीनियर्स के साथ प्रतिद्वंदिता रखने की भी सलाह दी। इंटरनेशनल यूथ डे के इस अवसर पर समारोह में उपस्थित अतिथि कवि, लेखक व प्रसिध कलाकार मूनीस अहमद खान को उनके विलक्षण प्रतिभाओं के लिये, नृत्यांगना सुश्री मेघा सक्सेना एवं गायिका सुश्री निषी मलिक को संगीत मे विशेष योगदान के लिये संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नृत्यांगना सुश्री मेघा सक्सेना ने अपने नृत्य की महनोहक झलक प्रस्तुत करके मौजूदा श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया। समापन समारोह में संस्थान के फार्माकोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ0 एच0के0 सिंह ने कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए संस्थान की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की विषेशज्ञ डॉ0 शहला जमाल को बधाई दी तथा मौजूदा सभी गणमान्य आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। समारोह में संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, वॉयस चेयरपर्सन डा0 मोनिका अग्रवाल, सेक्रेटरी राकेश अग्रवाल, मैनेजिंग डॉयरेक्टर रोहन बंसल, ऐकेडमिक एडवाइजरमिस तूलिका अग्रवाल, सी0ओ0ओ0 रिशभ बसंल ,संस्थान के डीन डॉ0 वी0के0 अग्रवाल, डॉ0 अर्जुन सिंह के साथ-साथ समस्त डॉक्टर्स, स्टाफका प्रोगाम सफल बनाने में विशेष योगदान रहा ।

संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाकर मां-बेटी ने की आत्महत्या

बरेली । संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा कर मां बेटी ने आत्महत्या कर ली । उनकी लाश घर में ही पाई गई स घटनास्थल पर जहरीले पदार्थ के पैकेट भी बरामद हुए । सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी ।शहीदपुर थाना क्षेत्र के परा मोहल्ला निवासी मुकेश शर्मा की 37 वर्षीय पत्नी कल्पना और 18 वर्षीय बेटी हर्षिता ने आज सुबह पति के ड्यूटी पर जाने के बाद घर में ही जहरीला पदार्थ खा लिया जिससे उनकी मौत हो गई । हर्षिता के कपड़े बाथरूम में पाए गए । दोनों की लाशों के पास जहरीले पदार्थ के खाली पाउच भी थे। जिससे साफहो गया कि दोनों की मौत जहरीला पदार्थ खाने से हुई है। उनके परिजनों ने बताया कि मुकेश एनपी एग्रो फैक्ट्री में कर्मचारी है। उसका अपनी पत्नी कल्पना से लंबे समय से विवाद चल रहा था। जिसके चलते कल्पना अपनी मां और बेटी हर्षिता के साथ मोहल्ले में ही बने दूसरे मकान में रहती थी। जबकि मुकेश अपने बेटे लवी के साथ अलग मकान में रहता है। लवी की पत्नी भी उससे झगड़ा करके अपने मायके में ही रह रही है । 2 दिन पहले कल्पना ने मुकेश के पास आकर कहा कि अब वह किसी भी प्रकार का झगड़ा नहीं चाहती और बेटी के साथ उसके साथ ही मकान में रहेगी । जबकि उसकी मां अलग मकान में ही रहती रही । बताया जाता है कि आज सुबह ड्यूटी पर जाने से पहले मुकेश का कल्पना से फिर झगड़ा हो गया और मुकेश के ड्यूट पर जाने के बाद कल्पना और हर्षिता घर में अकेली रह गई । उन्होंने जहरीला पदार्थ खा लिया , जिससे दोनों की घर में ही मौत हो गई । कुछ देर बाद लवी ने उनकी लाशों को घर में देखा और घटना की सूचना अपने परिजनों को दी । कुछ देर बाद सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई । पुलिस ने मां बेटी की लाशों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी ।

विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचे युवा भाजपा नेता

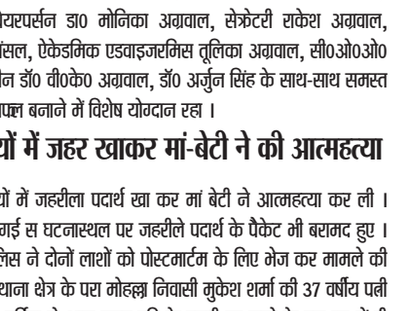

निघासन-खीरी। भाजपा युवा नेता आशीष मिश्रा मोनू ने क्षेत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में पहुंचे। नगर पंचायत निघासन की वार्ड नं 8 टापरपुरवा (पटेलनगर) में भाजपा की बैठक की गई। बैठक में पहुंचे मुख्य अतिथि भाजपा युवा आशीष मिश्रा मोनू भैया ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के लिए कार्य कर रही है। भाजपा की जो भी योजनाएं हैं वो गरीबों के हित के लिए कार्य कर रही है। इससे विरोधी सरकार घबराई हुई हैं। कहा कि विरोधी दलों के पास कुछ नहीं बचा है। विरोधी केवल जाति वाद की फूट डालना चाहते हैं लेकिन उनका फंडा चलने वाला नहीं है। बड़े बडे अपराधियों पर सरकार का डंडा चल रहा है। भाजपा सबका साथ सबका विकास की राह पर कार्य कर रही है और कहा कि आप आम जनता के नेतृत्व में फिर से 2022 में भाजपा की सरकार बनेगी। इसके बाद रकेहटी गांव के झोलहुपुरवा में कार्यकर्ताओं की बैठक में पहुंच कर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप लोग ही पार्टी की जड़ हो जिस प्रकार विशाल वृक्ष को जड़ों के सहारे की आवश्यकता होती है। ठीक उसी प्रकार पार्टी को आपकी आवश्यकता है। कार्यक्रम के बाद लोगों की समस्याओं को भी सुना जिसमें कुछ समस्याओं का मौके पर निस्तारण भी किया गया। इस दौरान भाजपा मंडल टीम के समस्त कार्यकर्ता व काफी लोग मौजूद रहे।

नहीं निकाला जाएगा मोहर्रम का कोई भी जुलूस

लखीमपुर-खीरी। मोहर्रम कमेटी और अजुमन-ए-हुसैनियां के अध्यक्ष मो. अब्बास नकवी ने बताया कि मोहर्रम में पांच मोहर्रम, सात मोहर्रम और आठ मोहर्रम को अलम का जुलूस इस बार नहीं निकाला जाएगा। वहीं 10वीं मोहर्रम का ताजियों का जुलूस जो शुक्लापुर से निकलते हुए बाजारगंज होते हुए बरबर चौराहे से कर्बला में समाप्त होता है। सरकार की गाइड लाइन और कोविड के चलते नहीं निकाला जाएगा। सभी लोग अपने अपने कार्यक्रम घरों और इमामबाड़ा में ही इमाम हुसैन का गम मनाएंगे। वहीं अब्बास नकवी ने अपने गम और गुस्से का इजहार करते हुए कहा कि राजनीतिक दलों की रैलियां सभाएं सहित अन्य कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं परंतु धार्मिक जुलूसों पर पाबंदी ये समझ से परे हैं।

फिट इंडिया फ्रीडम रन का हुआ शुभारंभ

● दौड़ व साइकिल रैली का हुआ आयोजन

● वाईडी कालेज के प्राचार्य ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

अमृत महोत्सव की श्रृंखला में युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की टैगोर इकाई के स्वयंसेवकों ने नोडल अधिकारी एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुभाष चंद्रा के निर्देशन में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 दौड़ एवं साइकिल रैली का आयोजन किया। फिट इंडिया फ्रीडम रन का शुभारम्भ प्राचार्य डा. डीएन मालपानी एवं एसोसिएट प्रोफेसर डा. नीलम त्रिवेदी ने हरी झण्डी दिखाकर किया।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने लखीमपुर शहर के ऐतिहासिक स्थल शहीद श्री राज नारायण मिश्र पार्क तथा भारतीय संविधान शिल्पी डा. भीमराव अम्बेडकर पार्क तक दौड़ एवं साइकिल रैली का आयोजन कर उनको नमन करते हुये फिटनिश का डोज आधा घंटा रोज का संकल्प लिया। इसे जनभागीदारी से जन आंदोलन बनाने के लिये लोगों को प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर विजय प्रताप सिंह, मोहम्मद आमिर सहित शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूजा अर्चना कर किया शुभारंभ

लखीमपुर-खीरी। ओयल में जिओ प्वाइंट में जिओमार्ट की लांचिंग की गई। मुख्य अतिथि के रुप में समाजसेवी विमलेश भदौरिया ने पूजा अर्चना व फीता काटकर जिओ मार्ट का शुभारम्भ किया। श्री भदौरिया ने बताया कि रिलायंस डिजिटल शापिंग का यह कार्य बहुत ही सराहनीय है। इस कार्य से ओयल की जनता को अब ऑनलाइन शॉपिंग करने का बेहतरीन मौका रिलायंस डिजिटल ने दिया है। जिसका यहां की जनता अधिक से अधिक लाभ उठा सकती है। सभी को एक ही छत के नीचे रह कर सारे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध हो जाएंगे। इस दौरान लखीमपुर जेसीएम रविंद्र यादव, जागेश सिंघल, जिओ प्वाइंट मैनेजर अभिषेक वर्मा, असिस्टेंट मैनेजर अयंकर सिंह अमन, संतोष तिवारी, टीचर कमलेश सिंह, शिवांकर सिंह, शिवबालक वर्मा, सचिन वर्मा व सईद अहम सहित कस्बे के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैम्पियन से नवाजा गया डाइट

डीएम ने डाइट प्राचार्य को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के राज्य नोडल पर्सन डा. अनिल कुमार दुबे द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन ग्रीन चैम्पियन वर्चुअल कार्यशाला आयोजित हुई। अध्यक्षता खीरी डीएम डा. अरविंद कुमार चौरसिया ने वर्चुअल जुड़कर की। कार्यशाला में डीएम डा. अरविन्द कुमार चौरसिया ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) द्वारा किये हरित प्रयासों पर प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डा. ओपी गुप्त को डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैम्पियन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस सम्मान हेतु भारत के 400 शिक्षण संस्थानों को चिन्हित हुए। जिसमे प्रदेश के 60 शिक्षण संस्थानों को यह सम्मान प्राप्त होगा जिनमें जनपद के डाइट खीरी को भी यह गौरव प्राप्त हुआ। समारोह वर्चुअल बैठक के जरिए हुआ। जिसमें राज्य नोडल पर्सन डॉ अनिल कुमार दुबे, बीएसए डा. लक्ष्मीकांत पांडेय, डायट संकाय सदस्य, निजी डीएलएड संस्थानों के प्राचार्य व स्टाफ, सभी एबीएसए, एसआरजी, एआरपी व विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानाचार्य-शिक्षक वुर्चअली जुड़ें। इसमें राज्य नोडल पर्सन ने प्राचार्य डायट खीरी के कार्यों की प्रशंसा कर उनके द्वारा चलाए कार्यक्रम 'वन ट्रेनी वन ट्री' को सराहा। समारोह में वर्चुचुली जुड़े बीएसए ने प्राचार्य (डायट) डा. ओपी गुप्त की प्रशंसा कर उनके नेतृत्व में कार्य करना गौरव बताया। डीएम कैम्प में सम्मान समारोह में एबीएसए शोभनाथ यादव, डायट प्रवक्ता श्रवण कुमार, सुमित शुक्ला, अनिल कुमार, पुलकित शर्मा, अतुल कुमार मिश्र, महेन्द्र वर्मा, धनंजय कुमार व सिद्धार्थ शंकर राव, निजी डीएलएड संस्थानों में महात्मा बुद्ध लोक कल्याण शिक्षण संस्थान, बाबू रामेश्वर दयाल डिग्री कालेज के निदेशक सुबोध मिश्रा अपने संकाय सदस्यों, मनमीत नगर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. कुलदीप कुमार उपस्थित रहे।

सीओ गोला को पुरस्कृत करेगा गृह मंत्रालय

● विवेचना में असल दोषियों का किया था खुलासा

● वर्ष 2012 में जौनपुर का है मामला

● पचास हजार रुपए व मेडल का मिलेगा ईनाम

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

गृह मंत्रालय द्वारा संजय नाथ तिवारी, क्षेत्राधिकारी गोला को गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट विवचेना हेतु मेडल से सम्मानित किये जान का निर्णय लिया गया है। संजय नाथ तिवारी वर्ष 1996 के सीधी भर्ती के उप निरीक्षक पद पर नियुक्त होकर पुलिस में सेवारत हैं। वर्ष 2011 में एसटीएफ में सेवा के दौरान आउट आफ टर्न पदोन्नत होकर निरीक्षक के पद पर नियुक्त हुए तथा वर्ष 2020 में पुलिस उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नत होकर वर्तमान समय में जनपद खीरी में क्षेत्राधिकारी गोला के पद पर नियुक्त हैं।

संजय नाथ तिवारी द्वारा वर्ष 2012 में जनपद जौनपुर के थाना कोतवाली में निरीक्षक के पद पर नियुक्त रहते हुए थाना कोतवाली जनपद जौनपुर की विवेचना सम्पादित की गई। विवेचना को अतिसूक्ष्मता, अत्यन्त लगन व कर्मठता से सम्पादित करते हुए वैज्ञानिक साक्ष्यों, एफएसएल, मोबाइल सीडीआर की सहायता से नामजद अभियुक्तों की नामजदगी गलत पाकर प्रकाश में आये अभियुक्त नीरज सिंह व रूपा सिंह को गिरफ्तार करते हुए उनके विरूद्ध आरोप पत्र प्रेषित किया गया। इस पर न्यायालय द्वारा परीक्षण उपरान्त अभियुक्त नीरज सिंह को आरोप में आजीवन कारावास तथा रूपये 20000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। इससे जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा तथा पुलिस विभाग की छवि उज्जवल हुई।

श्री संजय नाथ तिवारी को इसी विवेचना के निस्तारण हेतु पूर्व में पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा प्रथम स्थान के रूप में चयनित करके 50000 रूपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है तथा अब गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्ट विवेचना हेतु मेडल से सम्मानित किया जाने का निर्णय लिया गया।

ग्राम सचिवालयों में अधिकारी करेंगे जनता की समस्याओं का निदानः डीएम

संवाददाता। चित्रकूट

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने ग्राम पंचायतों में कार्यालय सचिवालयों को क्रियाशील बनाने को प्रधान, सचिव, लेखपाल, किसान सहायक, रोजगार सेवक, बीट सिपाही, बिजली कर्मचारी, बैंक सखी एवं जनसेवा केन्द्र के कर्मी को सवेरे दस से शाम पांच बजे तक मौजूद रहकर जनता के कार्य करने एवं नियमित रूप से प्रत्येक दिन बैठने के निर्देश दिये हैं।

शुक्रवार को जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुकल ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिवालय में निर्धारित रोस्टर के अनुसार सभी कर्मचारी समय से मौजूद रहकर जनता के कार्य करेंगे। बैंक सखी व बीट सिपाहियों के बैठने का समय सवेरे दस से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। कोई अधिकारी-कर्मचारी किसी कारण किसी दिन अवकाश पर रहे तो वह अपने जिला स्तरीय अधिकारी को अनुवार्य रूप से जानकारी दे। सचिवालय में मौजूद कर्मियों को भी सूचित करें। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों व खण्ड विकास अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों व तहसीलदारों से कहा कि कोई बैठक बुलानी हो तो अपरान्ह दो बजे के बाद ही बुलायें।

ग्राम स्तरीय अधिकारी, कर्मचारियों के गांव में बैठने के दिन कोई बहुत जरूरी जांच हो तो अपरान्ह दो बजे के बाद ही जांच करने जायें। बीडीओ अपने ब्लाक के ग्राम सचिवालय में कम से कम पांच सचिवालयों में मौजूदगी की जांच वीडियो कॉल के माध्यम से करें। सचिवालय में सभी कर्मचारियों के नाम, पद नाम, मोबाइल नम्बर, बैठने का दिनांक, सचिवालय की दीवार पर अनिवार्य पर लिखा रहेगा। किसी कार्यवस कर्मचारी के तबादले पर उसके स्थान पर आये नये कर्मचारी का नाम व मोबाइल नम्बर तत्काल दर्ज करने का दायित्व ग्राम पंचायत सचिव का होगा। सचिवालय के दीवार पर दिनवार डे व अधिकारी का नाम और मोबाइल नम्बर अनिवार्य रुप से अंकित करें। सचिवालय में दो रजिस्टर होंगे। पहले रजिस्टर में किसी व्यक्ति के समस्या लेकर आने पर उस विभाग का कर्मचारी नहीं है तो वह अपनी समस्या अंकित करेगा। उपस्थित अधिकारी की जिम्मेदारी होगी कि तत्काल संबंधित विभाग को समस्या से अवगत कराएं। दूसरा रजिस्टर निरीक्षण का होगा। जो भी अधिकारी गांव में भ्रमण को जाते हैं वह सचिवालय में जाकर विभाग संबंधित कार्यों को देखकर रजिस्टर में टिप्पणी अंकित करेंगे। गांवों में बनाई छह समितियों के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम, मोबाइल नम्बर, समितियों के कार्यों का उल्लेख दीवार पर पेन्ट से लिखवाया जाये।

घर-घर श्रद्धापूर्वक मनाया गया नागपंचमी का त्यौहार

जालौन (**उरई**)। शुक्रवार को नागपंचमी का त्योहार नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में पारम्परिक ढंग से मनाया गया। इस मौके पर नागों की पूजा के साथ नाग को दूध पिला कर नुकसान न पहुचाने की प्रार्थना की गई।

श्रावण शुक्ल पंचमी को नागपंचमी पर्व के रूप में मनाया जाता है।सनातन परंपरा में पंच तत्वों के साथ पशुओं, पेड़ों को भी पूजने की परंपरा है। इस तरह नागों की पूजा का विशेष महत्व है। भगवान शिव तो उन्हें आभूषण की तरह गले में ही धारण करते हैं। नागों को एक मायने में इंसानों का मित्र माना जाता है।

वे चूहों को खाकर उनकी संख्या सीमित रखते हैं। बड़ी संख्या में चूहे होने पर वे फसलों और अनाज को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा बरसात के मौसम में नागों के घरों में पान भर जाने के कारण वह जमीन पर विचरण करने लगते हैं। ऐसे उनके प्रकोप से बचने के लिए लोगों नागपंचमी के मौके पर उन्हें दूध पिला नुकसान न पहुचाने की प्रार्थना करते हैं। नागपंचमी के मौके पर घरों में भोजन बनाकर घर के मुख्य द्वार पर नाग की आकृति बनाकर उनकी पूजा की गयी।

ट्रेनिंग ले रही छात्राओं, महिलाओं से जिलाधिकारी ने किया संवाद

● **कास्टमेटिक ज्वेलरी उद्यमी प्रशिक्षण शिविर**

संवाददाता। जालौन (उरई)

इंडियन बैंक इंटेंसिटी ट्रेनिंग सेंटर में 13 दिवसीय कॉस्मेटिक ज्वेलरी उद्यमी प्रशिक्षण में जिलाधिकारी ने जाकर व्यवस्थाओं को परखा और ट्रेनिंग ले रहे हैं छात्राओं व महिलाओं को आवश्यक सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी।

शुक्रवार को जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने खंड विकास कार्यालय परिसर में बनी इंडियन बैंक ट्रेनिंग सेंटर में जाकर व्यवस्थाओं को देखा जिसमें 13 दिन से चल रहा कास्मेटिक ज्वेलरी के प्रशिक्षण के बारे में 12 वें दिन वहां ट्रेनिंग कर रहे हैं महिलाओं व बालिकाओं के साथ बातचीत की और उनसे पूछताछ की जिसमें उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं मिली और सब कुछ ठीक-ठाक पाया गया तो वहीं जिलाधिकारी ने ट्रेनिंग ले रही बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी और कहा कि महिलायें ट्रेनिंग लेकर खुद अपना रोजगार कर सकते हैं तथा काम धंधा कर स्वयं आत्मनिर्भर बनें। इसमें काम बेहतर करने पर बैंक से लोन लेकर अपना कार्य और बढा सकते हैं वहीं संस्था के निदेशक विकास कुमार साह ने बताया कि ग्रामीण विकास मंत्रालय से स्वीकृत कोर्स से यह ट्रेनिंग चल रही है जिसमें ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे युवा पुरुष महिलाओं बालिकाओं के लिए कई तरह की योजनाएं जिन्हें इन योजनाओं की जानकारी चाहिए वह सेंटर पर आकर जानकारी व ट्रेनिंग ले सकते है।

महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण के साथ होगा स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों का आगाज

उरई (**जालौन**)। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में स्वतन्त्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गयी। कार्यक्रम के अनुसार सर्वप्रथम प्रातः छह बजे गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण, ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान, प्रातः सात बजे नगर में स्थित 18 महान विभूतियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, आठ बजे सरकारी, गैर सरकारी भवनों पर ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान, नौ बजे शासन की विकास योजना का प्रचार-प्रसार विकास भवन उरई, 09:30 बजे क्रासकन्ट्री रेस इन्दिरा स्टेडियम से शुरू होकर कालपी रोड पर, 10 बजे सभी विद्यालयों व कार्यालयों में वृक्षारोपण, 10:30 बजे नर नारायण सेवा संस्थान स्टेशन रोड द्वारा गरीब, निराश्रितों को भोजन वितरण, प्रातः 11 बजे चुर्खी रोड, श्मशान घाट एवं जिला प्रशासन द्वारा नियत स्थानों पर वृक्षारोपण, 11:30 बजे गांधी चबूतरा ठड़ेश्वरी मन्दिर एवं क्षत्रसाल इण्टर कालेज जालौन में फल वितरण कार्यक्रम होगा।

बालमित्र कक्ष में संवारेंगे बहका बचपनः एसपी

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने कोतवाली कर्वी परिसर में बालमित्र कक्ष शुभारम्भ किया। शुक्रवार को एसपी धवल जायसवाल ने कोतवाली कर्वी में बालमित्र कक्ष का शुभारम्भ कर कहा कि नाबालिगों के साथ होने वाली छेड़छाड़, अपहरण व लैंगिग अपराध के पीड़ितों की काउंसिलिंग को बालमित्र कक्ष बनाया गया है। बच्चों में पुलिस को लेकर बहुत डर होता है। बालमित्र कक्ष में बाल कल्याण अधिकारी सादे कपडे पहनकर उन बच्चों से बातचीत कर काउंसलिंग करते हैं। अपराध की दुनिया में आये नाबालिग के बहके बचपन को बालमित्र कक्ष में संवारा जायेगा, ताकि वे अपराधी न बनें। थानों में बालमित्र कक्ष एक स्कूल के कमरे जैसा नजर आता है। इसमें विभिन्न प्रकार की किताबें, खिलौने भी रखे जायें, ताकि काउंसलिंग दौरान बच्चों को डर ना लगे।

हमारे पुराने दिन लौटा दें मोदीः नरवाल

संवाददाता। चित्रकूट

कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल व प्रदेश महासचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने संयुक्त प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के निर्देश पर नौ अगस्त को महात्मा गांधी के अंग्रेजों भारत छोड़ों की तर्ज पर भाजपा गद्दी छोडो अभियान की शुरुवात की है। ये अभियान गांव से लेकर जिला मुख्यालय तक जारी है।

शुक्रवार को कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल व प्रदेश महासचिव पुष्पेन्द्र सिंह ने संयुक्त प्रेसवार्ता में कहा कि कोरोना काल में कांग्रेस ने जिस मुखर ढंग से सरकार का विरोध जताया है। उससे प्रदेश में कांग्रेस ही एक मात्र पार्टी है जो भाजपा का विरोध कर सकती है। क्षेत्रीय दलों में भाजपा का विरोध करने का साहस नहीं है। कांग्रेस ही भाजपा को सत्ता से हटा सकती है। अन्य दल तो किसी न किसी रुप में भाजपा के दबाव में आ जायेंगे। कांग्रेस ही प्रदेश में एक मात्र विकल्प है। जनता कांग्रेस के पक्ष में तेजी से लामबन्द हो रही है।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि देश-प्रदेश में जिस तरह से महंगाई बढी है। लोग कहने लगे हैं कि मोदी हमारे पुराने दिन ही लौटा दो, हमे नहीं चाहिए अच्छे दिन। आज गैस सिलेंडर एक हजार रुपये से ज्यादा व पेट्रोल-डीजल सौ रुपये से ज्यादा तथा सरसो का तेल 220 रुपये प्रति किलो मिल रहा है। ऐसे में लोग कहने लगे हैं कि हमारे पुराने दिन ही अच्छे थे।

शिवालयों पर नागदेवता की पूजा अर्चना की गयी

राठ (**हमीरपुर**)। नागपंचमी के पर्व जगह- जगह शिवालयों में पहुंच भगवान शिव के साथ नाग देवता की पूजा अर्चना की गई। वहीं महिलाओं ने अपने घर के दरवाजों पर नाग देवता का चिन्ह अंकित कर उनसे कृपा बनाये रखने की कामना की। पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव की भक्ति आराधना के लिए महत्वपूर्ण माने जाने वाले सावन माह का धार्मिक लोगों में बड़ा महत्व है। इस पूरे माह ही लोग देवों के देव महादेव की भक्ति आराधना में डूबे रहते हैं। मान्यता है कि भगवान शिव की आराधना के दौरान लोगों ने उनके प्रमुख आभूषणों में एक नाग देवता की उपेक्षा कर दी। जिससे नाग देवता नाराज हो गये और उन्होंने पृथ्वी वासियों को अपना आक्रोश दिखाना शुरू कर दिया। जिस पर भगवान शिव ने उनके गुस्से को शांत करते हुये सावन माह की पंचमी के दिन नाग देवता की ही विधिवत पूजा अर्चना किये जाने का आश्वासन दिया। जिसके कारण आज सावन माह की पंचमी के मौके पर श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जाकर नाग देवता की पूजा की वहीं महिलाओं ने अपने अपने घरों के दरवाजों पर नाग देवता का चित्र बना उनकी पूजा करने के बाद उन्हें दूध पिलाया।

बेहतर पुलिसिंग के लिए पुलिस इंसपेक्टर अरुण पाठक सम्मानित

संवाददाता। चित्रकूट

तीर्थक्षेत्र का नाम पूरे देश में रोशन करने वाले जिले में तैनात पुलिस इंस्पेक्टर अरुण कुमार पाठक को जांच में उत्कृष्टता के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए चुना है। पूरे देश में 152 पुलिस अधिकारियों में काबिल पुलिस अफसरों में माने जाते हैं। शुक्रवार को जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने पुलिस इंस्पेक्टर अरुण कुमार पाठक को शाल व श्रीफल देकर सम्मानित किया। अरुण कुमार पाठक अब तक 70 से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं। पुलिसिंग कैसे बेहतर हो इससे संबंधित तमाम किताबें लिख चुके पाठक इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुराछात्र हैं। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने कलेक्टेऊट स्थित सभाकक्ष में इंसपेक्टर अरुण पाठक को शाल भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय की ओर से उत्कृष्ट विवेचना को लेकर पाठक को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

485 ग्राम स्मैक के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

बांदा। जनपद में पुलिस ने 485 ग्राम स्मैक के साथ महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। यह महिला लंबे समय से नशीले पदार्थों का व्यवसाय कर रही थी। बरामद स्मैक की कीमत 56 लाख रुपये है। इस महिला ने बांदा जनपद के समस्त डिग्री कॉलेज इंटर कॉलेज मैं स्मैक का जाल बिछा रखा था इस महिला ने बहुत सारी अन्य महिलाओं को इस कारोबार में लगा रखा है। सूचना पर पुलिस ने पपरेंदा तिराहे के पास गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी पुलिस के लिए बहुत बड़ी है क्योंकि इसमें नई जनरेशन ज्यादा से ज्यादा स्मैक की शिकार हो रही थी।

अपर पुलिस अधीक्षक महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बांदा जनपद में लगातार शिकायतें मिल रही थी और सूत्रों से जानकारी आ रही थी की बांदा में इसमें का काफी कारोबार फैला हुआ है।

कोरोना-19 संक्रमण की तीसरी लहर से बचाव को बांटी सर्विलांस किट

संवाददाता। चित्रकूट

कोरोना की तीसरी लहर से बचाव को सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। पिरामल स्वास्थ्य के सहयोग से शुक्रवार को विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में स्वास्थ्य कर्मियों को सर्विलांस किट बांटी गई। मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी की अध्यक्षता में पिरामल स्वास्थ्य संस्था के पदाधिकारियों, आईसीडीएस के अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों की बैठक में लोगों को कोरोना की तीसरी लहर से बचाने के मुद्दे पर चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी ने कहा कि आम जनता को तीसरी लहर से बचाने को सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य, आईसीडीएस और विभिन्न सहायक एजेंसियों को अपने तरीके से कोरोना की तीसरी लहर से बचाव के लिए कार्य करना चाहिए। मुख्य विकास अधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सर्विलांस किट बांटी। पिरामल स्वास्थ्य के डिस्ट्रिक्ट ट्रांसमिशन मैनेजर कमल भट्टाचार्य ने बताया कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए ही यह सर्विलेंस किट बांटी जा रही है। यह किट ग्राम पंचायतों में आशा और एएनएम को दी जायेगी। डीटीएम ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक में पिरामल स्वास्थ्य के खंड परिवर्तन अधिकारी एएनएम आशा और आशा संगिनी को सर्विलांस किट से आशा, आशा संगिनी और एएनएम की सुरक्षा होगी। इसके साथ पल्स ऑक्सीमीटर से लोगों की आक्सीजन की मात्रा चेक करने मे सहायता मिलेगी।

संगठन को मजबूत बनाने पर दिया जोर

संवाददाता। राठ (**हमीरपुर**)

भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष विकास बाबा श्रीवास्तव ने कहा कि युवा ही देश की दिशा व दशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। जिस पर हमें भी अपनी शक्ति का परिचय देते हुये आगामी समय में होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज करा कर हर सीट से अपनी पार्टी के प्रत्याशी को जिताने का कार्य करना है।

इसके साथ ही उन्होंने युवा संकल्प यात्रा की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान नवनियुक्त क्षेत्रीय मंत्री कुणाल अहिरवार स्मृति चिन्ह भेंट भेंट कर जोर शोर से उनका स्वागत किया। इस मौके पर भाजयुमों जिलाध्यक्ष रविराज सिंह बुंदेला, जिला महामंत्री स्वदेश राजपूत, आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

उरांव ने मिशनरियों के खिलाफ चलाया था आन्दोलनः राजमणि

संवाददाता। मानिकपुर (**चित्रकूट**)

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदेवराम उरांव के जीवन पर लिखी पुस्तक का विमोचन विधायक कोरांव राजमणि कोल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि विधायक ने जगदेवराम उरांव के बारे में बताया कि वे गरीब शोषित, पिछड़े वर्गों के लिए हर तरह से आवाज बुलंद करते थे। देश में इसाई मिशनरियां गरीब परिवार के लोगों को शादी, नौकरी व रुपयों का लालच देकर इसाई बनाने का काम करते थे। तब पूरे देश में जनान्दोलन चलाकर लोगों को जागरूक किया था। वे कहते थे चाहे उनकी जान क्यों न चली जाये। वे इसाई मिशनरियों को बेनकाब करेंगे। उरांव ने जीवन भर गरीब, असहाय लोगों की सेवा कर समाज में उचित सम्मान दिलाने का कार्य किया है। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह बचपन से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और भाजपा के कार्यकर्ता हैं। प्रदेश की योगी व केन्द्र की मोदी सरकार गरीबों के उत्थान को कार्य कर रही है। पिछड़े व्यक्ति के पास भी सरकार सहायता और सहयोग कर रही है। ब्लाक प्रमुख अर्जुन कुमार मिश्र ने कहा कि पाठा क्षेत्र में गरीब परिवार के लोगों को अपनी समस्याओं के लिए भटकना नहीं पडेगा। ब्लाक आकर लोग उनसे समस्या बता सकते हैं। भाजपा नेता जगदीश गौतम ने कहा कि सरकार गरीब आदिवासियों के लिए कार्य कर रही है। अपना जीवन तन-मन-धन आदिवासियों को समर्पित किया। संचालन रामप्रताप मिश्र ने किया। इस मौके पर संभाग संगठन मंत्री सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, भाजपा नेता जितेन्द्र मोहन शुक्ल, अजय कुमार तिवारी, ललित पाण्डेय, दिनेश सोनी, नीलकमल शुक्ला, कमलाकान्त उपाध्याय, रामपाल मिश्र, रामाधार मिश्र, सचिन पाण्डेय, निहीं प्रधान शंकर कोल, भाजपा नेत्री प्रतिभा जायसवाल आदि मौजूद रहे।

बैठक से गायब जल निगम अधिशाषी अभियंता को किया जवाब-तलब

संवाददाता। हमीरपुर

शासन की प्राथमिकताओं एवं विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक मे जिलाधिकारी डा. ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर जाने तथा बैठक में अनुपस्थित रहने पर अधिशासी अभियंता जल निगम एवं सहायक निबंधक सहकारिता (एआर कॉपरेटिव) से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी सामुदायिक शौचालय क्रियाशील हैं अथवा नहीं, इसकी जांच की जाय तथा जांच आख्या उपलब्ध कराई जाए। क्रियाशील होने पर उसको देखरेख करने वाली स्वयं सहायता समूह की संबंधित महिलाओं को समय से मानदेय का भुगतान किया जाय। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के पास विद्युत का बजट उपलब्ध है वह अपने विभाग के बकाए विद्युत बिल का तत्काल भुगतान कर दे। । सरकार समर्थित विभिन्न प्रकार की योजनाओं में बैंकर्स द्वारा प्राथमिकता के साथ लोन दिया जाए । नई सड़कों का निर्माण कार्य समयबद्ध व गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों की पेंडेंसी शीघ्र निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि कोई भी अन्ना पशु सड़कों पर नहीं दिखना चाहिए ,इसको बीडीओ तथा पशुपालन विभाग द्वारा सुनिश्चित किया जाए अन्यथा की स्थिति में कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए, इस मौके पर जननी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ,टीकाकरण ,102 एंबुलेंस सेवा तथा 108 एंबुलेंस सेवा के रिस्पांस टाइम की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि 100 दिन का काम पाने वाले असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का श्रम विभाग में पंजीयन किया जाए।

जिलाधिकारी ने ऑक्सीजन प्लांट का किया निरीक्षण

संवाददाता। बांदा

संयुक्त मण्डलीय जिला चिकित्सालय में स्थापित मेडिकल के ऑक्सीजन प्लाण्ट एवं 103 शैय्यायुक्त जिला चिकित्सालय बांदा के मेडिकल ऑक्सीजन प्लाण्ट का जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह द्वारा निरीक्षण किया गया। 103 शैय्यायुक्त जिला चिकित्सालय बांदा में गैट्रान इन्जीयिरिंग कम्पनी द्वारा निर्मित मेडिकल ऑक्सीजन प्लाण्ट स्थापित हो गया है तथा क्रियाशील भी हो गया है। जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जिला महिला चिकित्सालय एवं ट्रामा सेन्टर को उक्त प्लांट से जोड़ने हेतु आक्सीजन पाइप लाइन शीघ्र डलवाई जाए, ताकि मरीजों को सुविधा मिल सके। मण्डलीय चिकित्सालय में टाटा कम्पनी द्वारा मेडिकल ऑक्सीजन प्लाण्ट स्थापित किया गया है। उक्त प्लांट से लगभग 200 बेड कवर होंगे। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि तत्काल प्लांट से सम्बन्धित इंजीनियरों से सम्पर्क स्थापित कर प्लांट को अविलम्ब क्रियाशील कराया जाए तथा प्लांट में प्रथक से आक्सीजन सिलेण्डर भरने हेतु बूस्टर लगवाया जाए, ताकि भवष्यि में तकनीकी खराबी होने पर भरे हुए आक्सीजन सिलेण्डरों का उपयोग किया जा सके।

बाल्मीकि आश्रम के सामने से डीएफओ ने हटवाया अतिक्रमण

चित्रकूट। प्रभागीय वनाधिकारी कैलाश प्रकाश के निर्देश पर उपप्रभागीय वनाधिकारी आरके दीक्षित की अगुवाई में बाल्मीकि आश्रम लालापुर के सामने मुख्य मार्ग के दोनों ओर अतिक्रमण हटाया गया। शुक्रवार को रैपुरा रेंज में स्थित बाल्मीकि आश्रम के सामने मुख्य मार्ग के दोनों ओर सड़क किनारे बांस-बल्ली के सहारे किये गये अस्थायी अतिक्रमण को रेंजर राधेश्याम दिवाकर व वन दरोगा जेपी सिंह ने रैपुरा थाना पुलिस व राजस्व टीम के सहयोग से खाली कराया। सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटवा दिया।

अतिक्रमण हटने से सड़क चौड़ी होने के साथ हादसे होने के आसार कम हो गये हैं। बाल्मीकि आश्रम ऐतिहासिक स्थल है। आये दिन दर्शनार्थियों की भीड़ उमडती है।

आप की सरकार बनने पर बिना गारंटी के देंगे 10 लाख का लोन

संवाददाता। चित्रकूट

शुक्रवार को आप जिलाध्यक्ष संतोषीलाल शुक्ला ने कर्वी विधानसभा अध्यक्ष युवराज सिंह, उपाध्यक्ष कंचन पटेल, महासचिव अभय सिंह, सचिव सलोने सिंह, यूथविंग की जिम्मेदारी सौंपी है। वीरेन्द्र सिंह को यूथविंग कर्वी ब्लाक अध्यक्ष बनाया है।

शुक्ला ने कहा कि दिल्ली में जिस तरह युवा शक्ति ने व्यवस्था परिवर्तन के लिए हाथ में झाड़ू, सिर पर टोपी पहनकर आम आदमी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाकर व्यवस्था परिवर्तित की है। उसी प्रकार युवा शक्ति संगठित होकर इस बार जिले की दोनों विधानसभा में 2022 का चुनाव जीतकर जनता को बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला सुरक्षा जैसी तमाम सुविधाएं दिलाने का काम करेंगे।

नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष यूथविंग युवराज सिंह ने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल सरकार युवाओं को रोजगार मेला लगाकर नौकरी देती है। पढाई के लिए दस लाख रुपये का लोन बिना किसी गारंटी के देती है। इस बार चित्रकूट समेत पूरे प्रदेश में युवाहित के लिए काम करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार बनायेंगे।

क्षेत्र में जारी है अवैध शराब का कारोबार

मौदहा (**हमीरपुर**)। कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर छापा डाल दो व्यक्तियों को अवैध शराब और एक व्यक्ति को एक किलो गांजा समेत गिरफ्तार कर जेलभेजा। अवगत हो कि नगर समेत क्षेत्र में अवैध रूप से शराब व गांजा का धंधा काफी अरसे से फल फूल रहा है। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार की शाम नगर के सिंचाई विभाग के पीछे रहने वाले अच्छेलाल पुत्र परशुराम निवासी राजू नगर कबरई, जनपद महोबा को एक किलो सूखे गाने गांजे समेत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया। ईधर कोतवाली पुलिस ने निवासी कोतवाली क्षेत्र मौदहा के कपसा निवासी पप्पू को दस लीटर तथा ग्राम डीहा डेरा निवासी देवीदीन पुत्र रामाधार को पांच लीटर अवैध शराब समेत अलग-अलग गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

अंतर्जनपदीय गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

● चार दिन के अंदर डकैती की घटना का खुलासा

संवाददाता। रायबरेली, ऊंचाहार

पुलिस अधीक्षक का ऊंचाहार कोतवाल विनोद सिंह पर भरोसा आखिरकार कामयाब रहा। चार दिन पहले बहेरवा बाजार में हुई डकैती की घटना का न सिर्फ खुलासा हो गया है अपितु डकैती का माल समेत चार डकैतों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ज्ञात हो कि चार दिन पहले क्षेत्र के बहेरवा बाजार में एक घर में धावा सशस्त्र डकैतों ने बड़ी घटना को अंजाम दिया था। इस घटना से सनसनी फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने घटना स्थल का निरीक्षण करके घटना के खुलासे की जिम्मेदारी ऊंचाहार कोतवाल को सौंपी और उनके सहयोग के लिए फॉरेंसिक , सर्विलांस समेत कुल चार टीमों को लगा दिया था। पुलिस ने इस वारदात को चुनौती के रूप में स्वीकार करते हुए रात दिन सुराग रसी , मुखबिरी और आधुनिक तकनीक के सहारे चार दिन के अंदर डकैतों पर पुलिस पहुंच गई । डकैतों के इस अंतर्जनपदीय गिरोह का न सिर्फ पुलिस ने खुलासा किया अपितु डकैती में लूटे गए सामान को भी बरामद कर लिया है । बरामद हुए समान की पहचान पीड़ित परिवार कर ली है। पुलिस ने बताया कि ,सोमवार को फरीदपुर निकट बहेरवा चौराहा स्थित एक घर में पीछे की ओर से घुसकर परिजनों को बंधक बनाकर लूट की घटना को अंजान देने वाले बैखौफ बदमाशों को पकड़ने के लिए चार टीमें गठित की गई थी। इस घटना के बाद से क्षेत्र में सनसनी फैली हुई थी। इस घटना की पड़ताल करने पुलिस अधीक्षक स्वयं फॉरेंसिक टीम व एसओजी टीम के साथ घटना स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे थे। ऊंचाहार पुलिस ने खासी मशक्कत के बाद चार बदमाशों को लूट के सामान के साथ महिमापुर के पास से गिरफ्तार किया है। जिनकी पहचान सरताज पुत्र मो. सईद निवासी फाटक भीतर कस्बा थाना ऊंचाहार, मुदस्सिर पुत्र मुनउवर निवासी कासिमपुर कटरा थाना हथगांव जनपद फतेहपुर, मो. गुलाम गौस उर्फ छोटू पुत्र अजमेरी निवासी बद्दमिया का पुरवा थाना ऊंचाहार देहात जनपद रायबरेली, पिंटू कौशल पुत्र राम गरीब निवासी मदारीगंज थाना ऊंचाहार जनपद रायबरेली के रूप में की गई है। जिनके विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अभियुक्तों से पूंछतांछ करने पर उनके द्वारा बताया गया कि अभियुक्त तालीम शेख जो थाना भदोखर का गैंगेस्टर हैं जिनके विरुद्ध न्यायालय द्वारा गैर जमानती वारंट जारी किया जा चुका था। जिसके कारण वह न्यायालय में आत्मसमर्पण करना चाहता था। उसको अपने वकील जमानत हेतु पैसा देना था। इसलिए उसने हम लोगों को साथ लेकर योजनाबद्ध तरीके से सोमवार की रात को ऊंचाहार थाना क्षेत्र के बहेरवा चौराहा स्थित उमेश शुक्ल के घर में घुसकर असलहा से धमकाते हुए बन्धक बनाकर लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। बदमाशों ने बताया कि कुछ रुपए और जेवरातों का आपस में बटवारा किया गया था। और कुछ जेवरात ऊंचाहार के काव्यानी ज्वेलर्स के मालिक पिंटू कौशल को पंद्रह हजार रुपए में बेंच दिया गया था। जिस पैसे को लेकर तालीम शेख ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था।

एनटीपीसी ऊंचाहार ने कृषि आधारित अपशिष्ट से बिजली उत्पादन करके शुरू की नई पहल

संवाददाता। ऊंचाहार

एनटीपीसी के उत्तरी क्षेत्र में सबसे पहले ऊंचाहार परियोजना ने एक नई पहल की शुरुआत करते हुए कृषि आधारित अपशिष्ट से बिजली बनाने का नया प्रयोग किया है। जलवायु परिवर्तन के कारण विद्युत उत्पादन के प्राकृतिक संसाधनों की धीरे-धीरे हो रही कमी को ध्यान में रखते हुए एनटीपीसी ऊंचाहार में कृषि आधारित अपशिष्ट को बायोमास पेलेट के रूप में उपयोग में लाने के लिए पेलेट आपूर्तिकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई।इस बैठक में विशेष रूचि लेते हुए पेलेट आपूर्तिकर्ताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। परियोजना के समूह महाप्रबंधक कमलेश सोनी की उपस्थिति में बायोमास पेलेट निर्माण और आपूर्ति से संबंधित मुद्दों पर खुली चर्चा की। महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण) अरिंदम बनर्जी, महाप्रबंधक (अनुरक्षण) एस के झा, अपर महाप्रबंधक अंबर कुमार और सी एस मिश्रा के साथ-साथ ईंधन प्रबंधन और रसायन विज्ञान विभाग के अन्य अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें अधिकारी: डीएम

● जनसुनवाई में जिला अधिकारी ने सुनी जनसमस्याएं

जनसुनवाई करते हुए डीएम — पायनियर

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज जनसुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय में कोविड.19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड.19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंए मास्क लगाएं तथा साफसफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान देंए 18 वर्ष से ऊपर आयु के सभी व्यक्ति अपना कोविड टीकाकरण अवश्य कराएं। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष नाली विवादए भूमि पर अवैध कब्जेए वसीयतए भूमि की पैमाइशए शौचालयए राशनए आवास आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईए जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाएए शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाएए इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुधीर रुंगटाए अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राकेश कुमार सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

मोबिलाइजेशन कैंप लगाकर आयोजित किया गया अमृत महोत्सव

संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

भारतीय स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित परियोजना पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत अमृत महोत्सव का आयोजन पारिजात युवक समिति बाराबंकी द्वारा रायबरेली जनपद की ग्राम सभा सेंहगो में मोबिलाइजेशन कैंप लगाकर किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित क्षेत्रीय विधायक राम नरेश रावत ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य गरीब, असहाय वर्ग के बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। जो बीच में शिक्षा को ड्रॉप आउट कर चुके हैं और बेरोजगार भी हैं उनको प्रशिक्षित करके रोजगार दिलाना मुख्य उद्देश्य है जिससे उनके जीविकोपार्जन में कठिनाई का सामना ना करना पड़े। उन्होंने यह भी बताया कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है काम को सही ढंग से करने के लिए प्रशिक्षित होना अनिवार्य है जिसके लिए पारिजात युवक समिति आवासीय प्रशिक्षण की निशुल्क व्यवस्था कर रही है। वही परियोजना प्रबंधक आनंद कुमार ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि पारिजात युवक समिति सफदरगंज बाराबंकी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना का संचालन किया जा रहा है जिसमें 4 माह का प्रशिक्षण देने के पश्चात तुरंत काम से जोड़ने का प्रावधान है। प्रशिक्षण में किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा यह प्रशिक्षण पूरी तरह निशुल्क है। वहीं राम शंकर रावत, स्वामीनाथ व सिद्धार्थ सिंह ने बच्चों का नामांकन फार्म भरवाया तथा संस्था के डायरेक्टर जगजीत सिंह द्वारा कार्यक्रम में आए हुए लोगों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे हो ग्राम सभा के सेंहगो के पूर्व प्रधान साहब दीन रावत ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की। इस कार्यक्रम में विनोद कुमार चौधरी पूर्व प्रधान, देवता दीन पूर्व प्रधान, अमनजीत, राकेश कुमार रावत, सहदेव पटेल अध्यक्ष कोआपरेटिव, राम कुमार, राम निहोरे, मान सिंह, भाजपा युवा महामंत्री राम शंकर गुरुजी व सैकड़ों ग्रामवासी मौजूद रहे।

विविध न्यूज

फिट इण्डिया फ्रीडम रन के तहत एस एस बी 62 वीं वाहिनी ने आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

श्रावस्ती, भिनगा। फिट इण्डिया फ्रीडम रन के तहत एस एस बी 62 वीं वाहिनी मुख्यालय भिनगा में कमान अधिकारी रविन्द्र कुमार राजेश्वरी के नेतृतव में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया इस दौरान उन्होंने बताया कि समाज के सभी नागरिक वह चाहे शहरी क्षेत्र हो या फिर ग्रामीण क्षेत्र अपने स्वास्थ्य तथा शरीर को हिष्ट पुष्ट बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति को फिट रखना अति आवश्यक है जिसके लिए हमें नियमित रूप से योगा तथा शारीरिक गतिविधियों को करना चाहिए एफिटनेस की डोजएआधा घण्टे रोजएके स्लोगन के साथ संबंधित सीमा चौकियों पर कार्यक्रम का आयोजन कर मिनी मैराथनएयोगाए फुटबॉल मैच तथा रुट मार्च निकाल कर लोगो को जागरूक किया गया।मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रथमएद्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले क्रमिको एवं टीमो को कमान अधिकारी ने पुरुष्कृत कर सम्मानित किया गया।इस दौरान उप कमाण्डेन्ट संदीप कुमार जेटलीएनिरीक्षकध्संचार सुरेश कुमारएउप निरीक्षक विकास कुमारएमहेन्द्र सिंह तोमर सहित वाहिनी के भारी संख्या में जवान मौजूद रहे।

11 माह बाद डीएम के आदेश पर कब्र से निकाला गया शव

श्रावस्ती,जमुनहा। मल्हीपुर थाना अंतर्गत ग्राम फत्तेपुर में 11 माह पूर्व एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गईए परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। पिता की शिकायत पर डीएम के निर्देश के बाद पुलिस ने शव को क़ब्र से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मल्हीपुर थाना के ग्राम पंचायत जमुनहा भवनियापुर के मजरा फत्तेपुर निवासनी शेहराबानो पत्नी हाशिम अली की 11 माह पूर्व इलाज के दौरान संदिग्ध हालत मे मौत हो गई थी। परिजनों ने मायके वालों को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया था। अंतिम संस्कार के लगभग एक माह बाद मृतका के पिता अख्तर अली निवासी गांव बहुबुलिया थाना रिसिया जिला बहराइच ने डीएम श्रावस्ती को तहरीर देकर ससुरालीजन पर उसकी पुत्री की हत्या कर शव को दफ्नाने का आरोप लगाया जिसके बाद डीएम के आदेश पर थाना प्रभारी निरिक्षक दद्दन सिंहए जमुनहा नायब तहसीलदार डाक्टर अवनीश कुमार फत्तेहपुर पहुँच गए और कब्र खुदाई कर शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरिक्षक दद्दन सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का स्पष्ट होगा।

17 बोटे खैर के साथ एक पिकअप बरामद

श्रावस्ती, जमुनहा। बीती रात ककरदरी जंगल में वन माफिया द्वारा अवैध रूप से खैर की लकड़ी काटकर पिकअप से लादकर ले जायी जा रही थी इस दौरान मुखबिर की सूचना पर वन विभाग व पुलिस की टीम ने लकड़ी सहित पिकअप को पकड़ लिया। वन विभाग द्वारा संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लकड़ी को कब्जे में लेकर बरामद वाहन को को सीज कर दिया गया है। ककरदरी वन रेंज के परसा डेहरिया पुलिस चौकी के पास रात करीब 8 बजे वन रक्षक एशेषमणि मिश्राएविपिन कुमारएमाली रामधीरज व पुलिस सिपाही रिंक नाथए वीरेंद्र गुप्ता व ज्ञान चंद्र संयुक्त रूप से गस्त कर रहे थे। इस दौरान भिनगा रासी बैराज मार्ग पर एक पिकअप वाहन आता दिखाई दिया। आशंका होने पर टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया। लेकिन वाहन चालक वाहन रोकने के बजाय तेजी से भागने लगा। वन व पुलिस विभाग की टीम ने पीछा करते हुए पिकअप को रासी बैराज के पास पकड़ लिया । मौका पाकर पिकअप चालक व पिकप में बैठे अन्य लोग मौके से फरार हो गए। बरामद पिकअप से खैर के 17 बोटे लदे मिले जिसे वन विभाग ने लकड़ी सहित पिकअप को अपने कब्जे में ले लिया और जांच के दौरान नाम प्रकाश में आने के बाद आरोपी मनोजए गणेश व महाजन निवासी बेलसवाएनिसार निवासी रतनपुरवा थाना मल्हीपुर के खिलाफवन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पिकअप को सीज कर दिया। इस संबंध में रेंजर भास्कर पांडे ने बताया कि 17 बोटे खैर की लकड़ी को कब्जे में लेकर पिकअप को सीज कर दिया गया है।

कुम्हडौरा के दंगल में देवेश ने लगाई 24.8 फीट लंबी छलांग, बब्बन व राहुल के मध्य रोमांचक रही कुश्ती

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

क्षेत्र के कुम्हड़ौरा गांव स्थित काली मंदिर परिसर में नाग पंचमी के मौके पर गत वर्षों की भांति स्व.शिवप्रताप सिंह स्मृति विराट दंगल एवं कूद प्रतियोगिता का आयोजन अजय प्रताप सिंह पप्पू द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजद नेता अशोक सिंह समेत जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह पप्पू लोहिया, डायरेक्टर सुनील भदौरिया, पूर्व ब्लाक प्रमुख रामबहादुर सिंह, दिव्यांबर सिंह, बबलू बाजपेई, विमल तिवारी,जिला पंचायत सदस्य अजय सिंह, सुनील कुमार, उपस्थित रहे। आयोजित हुई कूद प्रतियोगिता में अम्बरपुर के देवेश ने 24.8 फीट लम्बी छलांग लगाकर पहला स्थान प्राप्त किया।उन्हें इनाम के रूप में साईकिल व एक हजार रूपये नगद दिया गया।ऐंधी निवासी प्रदीप ने 23.6 फीट तथा रालपुर निवासी अफरीदी ने 23.5 फीट छलांग लगाकर दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया।इन्हें क्रमश: पंखा, मोबाइल व पांच-पांच सौ रूपये नगद दिए गए। कुश्ती में बल्दीराय का पुरवा निवासी वीरेंद्र व झबरा के राहुल के मध्य कांटे की टक्कर रही। खेल बराबरी का होने के चलते दोनो पहलवानों को बराबर बराबर नगद पुरस्कार ग्यारह-ग्यारह सौ रूपये दिए गए। दूसरी कुश्ती बब्बन सिंह निवासी झबरा तथा राजेश सिंह निवासी फत्तेहपुर के मध्य हुई जिसमें बब्बन ने जीत हासिल की।झबरा के राहुल ने फत्तेहपुर के अनिल सिंह को पटखनी देकर जीत हासिल की।इस मौके पर शैलेंद्र सिंह,राजू सिंह,युवराज सिंह, मुन्ना सिंह चौहान, राजकरन सिंह, जगदीश सिंह, ऋषुराज सिंह, गामा सिंह चौहान ,बबलू तिवारी, राजू पाल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। वहीं धन्नीपुर में आयोजित कूद प्रतियोगिता में गोपालपुर निवासी योगराज सिंह ने प्रथम व शाहपुर निवासी राघवेंद्र सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

नदी में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत

अमेठी। जिले के थाना पीपरपुर के नेवढ़िया गांव के पास मालती नदी में शुक्रवार को नहाने गए पांच लोग डूबने लगे जिसमें वहां उपस्थित लोगों ने तीन को बचा लिया लेकिन दो लोगों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पीपरपुर थाना प्रभारी रतन सिंह ने बताया कि अनिल यादव ;26द्ध निवासी टिकायेट का पुरवा और मल?लहू ;28द्ध ग्राम नेवढ़िया पानी के तेज बहाव में बह गये जिनकी गोताखोरों की मदद से तलाश की जा रही है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि संतोष पालए शिवकुमार पाल और राजेश पाल निवासी नेवढ़िया को सुरक्षित बचा लिया गया है।

शिवगढ़ ब्लाक सभागार में ग्राम प्रधानों की बैठक सम्पन्न

शिवगढ़,रायबरेली। शिवगढ़ ब्लॉक सभागार में अखिल भारतीय पंचायत परिषद उत्तर प्रदेश अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष दीपक चौधरी की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों की बैठक सम्पन्न हुई,जिसमें ब्लॉक कमेटी का गठन किया गया। विदित हो कि शुक्रवार को ब्लॉक सभागार में अखिल भारतीय पंचायत परिषद उत्तर प्रदेश अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष दीपक चौधरी की अध्यक्षता में ग्राम प्रधानों की बैठक आयोजित की गई,जिसमें ब्लॉक कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अनिल वर्मा को ब्लॉक अध्यक्ष, बदावर ग्राम प्रधान शिव प्रसाद द्विवेदी को ब्लॉक महामंत्री, ओसाह ग्राम प्रधान मनोज त्रिवेदी को ब्लॉक उपाध्यक्ष, रमेश मौर्य को कोषाध्यक्ष, कामिनी सिंह को मीडिया प्रभारी, इसी क्रम में राजकुमार यादव व भौसी प्रधान लीलावती को पदाधिकारी नियुक्त किया गया। जिला पंचायत सदस्य विनय वर्मा,गूढ़ा प्रधान रामादेवी, प्रधान पुत्र अंकित वर्मा सहित लोगों ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

एनसीसी कैडेट्स व एनएसएस स्वयंसेवकों ने मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

दयानंद पीजी कॉलेज बछरावां में एनसीसी एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने आजादी के अमृत महोत्सव में शुक्रवार को इंडिया फ्रीडम रन अभियान का शुभारंभ योगा के द्वारा किया। इस कार्यक्रम का मूल मंत्र था फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज। इसके उपरांत महाविद्यालय में स्थापित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के शिला स्तंभ एवं मूर्तियों की साफसफाई की गई एवं पुष्प अर्पित किए गए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र श्रीवास्तव एवं चीफ प्रॉक्टर डॉ कल्पना श्रीवास्तव के नेतृत्व में आओ राष्ट्रगान गायें अभियान के बारे में जागरूक किया गया। आजादी की 75 वीं वर्षगांठ पर ग्रीटिंग मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके निर्णायक परीक्षा प्रभारी डॉ शिशिर श्रीवास्तव एवं एनसीसी एएनओ गर्ल्स डॉ विनय सिंह थीं। इस प्रतियोगिता में हिमांशु ने प्रथम, शिवानीने द्वितीय और तनु शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन एनसीसी एएनओ डॉ विष्णु चंद्र श्रीवास्तव एवं एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ शालिनी श्रीवास्तव ने किया। वहीं इस अवसर पर डॉ सत्येंद्र सिंह राठौर, राहुल, आदि ने महती भूमिका अदा की। दिव्या, अर्पिता, रितिका, प्रिंसी, आदि उपस्थित रहे।

प्रधानाध्यापक कक्ष का उद्घाटन

लालगंज,रायबरेली। कंपोजिट स्कूल मटेहना के प्रधान अध्यापक कक्ष का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम प्रवीण बाजपेयी, ए.आर.पी. धर्मेंद्र कुमार मनोज शर्मा, आशीष जी समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

जनपद में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा: एडीएम

● 15 अगस्त को ध्वजारोहण के साथ ही आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

संवाददाता। अमेठी

अपर जिलाधिकारी (वि0भ्रा0) एसपी सिंह ने बताया कि जनपद में स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त की पूर्व संध्या को समस्त सरकारी भवनोंए इमारतों में स्वतंत्रता से जुड़े ऐतिहासिक स्मारकों को प्रकाशमान किया जाएगा तथा 15 अगस्त को पूर्वाहन 8:00 बजे समस्त सरकारीए अर्द्ध सरकारी भवनों, राजकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण के साथ झंडा अभिवादन व राष्ट्र गान का भावपूर्ण गायन एवं कार्यालयाध्यक्षों द्वारा संबोधन जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बलिदान से संबंधित प्रकरणों पर प्रकाश डाला जाएगा। जनपद के नगर पालिकाध्नगर पंचायतों में स्थित मूर्तियों की साफ सफाई एवं माल्यार्पण किया जाएगा इसके लिए समस्त अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। प्रात: 9.00 बजे जिलाधिकारी महोदय द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण किया जाएगा। प्रात: 10.00 बजे से शिक्षा संस्थाओं में झंडारोहण राष्ट्रगान तथा विद्यालयों को ऑनलाइन के माध्यम से संक्षेप में स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास बताया जाएगा और देश पर शहीद हुए देश भक्तों के जीवन के प्रेरक.प्रसंग दोहराये जाएंगे। प्रात: 11. 00 बजे जिला चिकित्सालय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को मिष्ठान एवं फल वितरण का कार्यक्रम तथा जगदीशपुर व गौरीगंज में प्रसूता व नवजात शिशु को उनके घर तक वाहन से जाने का कार्यक्रम किया जाएगाए इसके साथ ही वृद्धाश्रम में मिष्ठान एवं फल वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह कोविड.19 को दृष्टिगत रखते हुए शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परंपरागत रूप से मनाया जाएगा।

शिशुओं में शारीरिक वृद्धि के आकलन के लिए प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए सुपरवाइजर — पायनियर

संवाददाता। अमेठी

जनपद के विकास भवन के सभागार में आगामी वजन दिवस पर सैम मैम शिशुओ के डाटा को ध्यान में रखते हुए ई एंड वाई ने मुख्य सेविकाओं की शिशुओ में शारीरिक वृद्धि के आकलन की रिफ्रेशर ट्रेनिंग एवं पोषक ट्रैकर को सुदृढ़ करने हेतु प्रशिक्षण आयोजित की गईए जिसमें महिला एवं बाल विकास के 35 सेक्टर सुपरवाइजर ने प्रतिभाग कियाए प्रशिक्षण का आयोजन ई एंड वाई के सहयोग से आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में प्रमुख भूमिका में डॉ निधीश कुमार मिश्रा एवं डॉ गीतांजलि कुमारी मास्टर ट्रेनर के रुप में उपस्थित रहे और ई एंड वाई के मनीष शर्मा एवं यूपीटीयू के रविंद्र के सहयोग से पोषण ट्रैकर को कैसे सुदृढ़ किया जाए एवं फील्ड में मुख्य सेविका को क्या.क्या समस्याएं आ रही हैं उनके समाधान के बारे में सभी सेक्टर सुपरवाइजर को बताया गया इस ट्रेनिंग में डीपीओ डॉ विनय सिंह एवं ई एंड वाई के प्रभाकर एवं जिला स्तरीय टीम लीड पीयूष मोहंती भी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने मनरेगा योजना की समीक्षा की

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कल देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) योजना की समीक्षा किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान खामियां पाए जाने पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी बहादुरपुर के माह अगस्त का वेतन रोकने तथा खंड विकास अधिकारी सिंहपुर व अमेठी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने विकासखंड जामों अंतर्गत इसी वर्ष में कराए गए 5 बड़े कामों जिनकी एमबी हो गई है उन कामों की के लिए 5 टीमें बनाकर जांच कराने तथा 3 दिवस के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखंड भेटुआ अंतर्गत 3 गांवों में मनरेगा योजना से कराए गए कार्यों की टीम गठित कर जांच कराने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉण् अंकुर लाठरए समस्त खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

कायाकल्प योजना में बरौन व कमालगंज सीएचसी को किया गया चयनित

● सीएचसी बरौन ने मंडल में हासिल किया आठवां स्थान

संवाददाता। फर्रुखाबाद

बेहतर चिकित्सीय सुविधाए साफ-सफाई के लिए जिले के दो सामुदायिक केन्द्र बरौन और कमालगंज को कायाकल्प अवार्ड योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2020-21के लिए चयनित किया गया है। इसमें बरौन सीएचसी 77.8 प्रतिशत अंक पाकर आठवें और कमालगंज 71.9 फीसदी अंक पाकर मंडल में अठारवें स्थान पर रहा। जिसके लिए सीएचसी को सात्वनां पुरस्कार स्वरूप एक लाख रूपये मिलेंगे। यह कहना है जनपदीय क्वालिटी सलाहकार, डॉ. शेखर यादव का। डॉ शेखर ने कहा कि इस योजना के तहत केन्द्र सरकार की ओर से साफसफाई, बेहतर रखरखाव व सेवा प्रदान करने वाले अस्पतालों का चयन किया जाता है। इसके तहत राज्य स्तर पर पहले स्थान पर रहने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 10 लाख व दूसरे स्थान रहने वाले 6.5 लाख रुपये की धनराशि अवार्ड के रूप में दी जायेगी। डॉ शेखर ने कहा कि सरकारी चिकित्सालयों को स्वच्छता के साथ अन्य सुविधाओं से लैस करने के लिए कायाकल्प अवार्ड योजना वर्ष 2019.20 से शुरू हैं इस योजना के तहत इसमें तय मानकों के सापेक्ष 70 प्रतिशत उपलब्धि तक सांत्वना पुरस्कार देने का प्रावधान हैं।अस्पताल को सात थीमैटिक एरिया जिसमें अस्पताल का रखरखावए साफसफाई, वेस्ट प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण सपोर्ट सुविधाएं हायजीन पर खरा उतरना पड़ता हैं। कोरोना संक्रमण के चलते कायाकल्प योजना के राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए टीम द्वारा वर्चुअल एक्सटर्नल असेसमेंट किया गया था। कायाकल्प अवार्ड योजना में सबसे पहले चिकित्सालय का आंतरिक मूल्यांकन किया गया । इसके बाद राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन द्वारा गठित राज्य स्तरीय टीम द्वारा प्री असेसमेंट की प्रक्रिया अपनायी गयी। अंततः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा ही गठित राज्य स्तरीय टीम ने निरीक्षण किया तब टीम द्वारा कायाकल्प चेक लिस्ट के मानकों के अनुसार हुए कार्यों की प्रशंसा की गई। उनके द्वारा राज्य को रिपोर्ट प्रेषित की गई। इसके बाद अस्पताल को कायाकल्प अवार्ड के लिए चयनित किया गया। बरौन सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ शोभित शाक्य ने बताया कि अस्पताल मे स्वच्छता व बेहतर रखरखाव के लिए हरसंभव कोशिश जारी है। सांत्वना पुरस्कार मिलने से वह निराश नहीं हैं। यह अवार्ड पूरी टीम को बेहतर काम करने के लिए प्रेरित करेंगी आगे और अच्छा प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए अस्पताल प्रबंधन हमेशा आगे रहता है। यह सभी चिकित्सकों, कर्मचारियों की लगन व मेहनत के कारण ही संभव हो पाया हैं।

रामनगर बनेगा प्रदेश का माडल ब्लॉकः यशकांत

बस्ती। रामनगर का चौमुखी विकास की पहल शुरु हो गई है। इसके पहले चरण में जन आवश्यकताओं और उनकी सुविधा को देखते हुए 64 सड़क और 12 पुलिया निर्माण का प्रस्ताव ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह ने नवागत जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी को जिला पंचायत कार्यालय में दिया। जिलाध्यक्ष ने सभी प्रस्ताव को अनुमोदन देने की हामी भरते हुए कहा कि रामनगर ब्लॉक से उनके पुराना रिष्ता है। इसी ब्लॉक के सम्मानित जनता ने उन्हें जिलाध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाया। कहा कि यह उनकी भी जिम्मेदारी है कि वह अपने कर्मस्थली क्षेत्र रामनगर का विकास करुं। वहीं ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि उनका प्रयास होगा कि वह रामनगर ब्लॉक को जिला पंचायत अध्यक्ष और क्षेत्र की जनता के सहयोग से ब्लॉक को माडल बनाना है। कहते हैं कि ब्लॉक का निजाम काफी बिगड़ चुका हैं, लगता ही नहीं कि इस ब्लॉक क्षेत्र में पिछले पांच साल में कोई जनहित का खास हुआ। एक तरह से ब्लॉक को बीडीओ, पंचायत सेक्रेटरियों, एडीओ और बाबूओं के सहयोग ब्लॉक को लूटने का कार्य किया गया। जनता दरबार में जिस तरह की षिकायतें मिल रही है।

युवोत्सव 2021 से सम्मानित हुए प्रदीप सिंह

प्रमाण पत्र प्राप्त करते सपा युवा नेता — पायनियर

संवाददाता। संतकबीरनगर

● पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में किया सम्मानित

समाजवादी पार्टी के युवा नेता/यूथ आईकान प्रदीप सिंह सिसौदिया को बृहस्पतिवार को लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने युवोत्सव 2021 का प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदीप सिंह को जनपद संतकबीरनगर की बड़ी जिम्मेदारी देते हुए युवाओं को प्रेरित किये जाने की जिम्मेदारी दी। प्रदीप सिंह को युवोत्सव 2021 से सम्मानित होने पर उनके शुभचिन्तको सहित समाजसेवियो एवं समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। प्रदीप सिसौदिया ने अखिलेश यादव को सावन मास में भगवान शिव के पसंदीदा रूद्राक्ष का वृक्ष और पूर्व राष्ट्रपति मरहूम डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम के पुस्तक मेरे सपने का भारत उपहार में दिया और 2022 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संयोजन नेशनल अवार्डी एवं समाजसेवी हेमंत यादव और पूर्व राज्यमंत्री के0पी0यादव ने किया। संत कबीर नगर से परवेज मंसूरी, पवन कुमार यादव, अरुण कुमार पाल, आमिर जाफर भी कार्यक्रम में पुरस्कृत हुये।

विविध न्यूज

प्रभारी जिला जज ने न्यायिक अधिकारियों के साथ की बैठक

संतकबीरनगर। आगामी 11, सितम्बर 2021 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के तैयारियों के बावत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/प्रभारी जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वशिष्ठ ने जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक पीठासीन अधिकारियों के साथ बैठक ली। उक्त बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत में ऐसे मामले जैसे भरण पोषण, वैवाहिक मामले, लंबित एवं प्री-लिटिगेशन मामले, स्थानीय विधियों के अंतर्गत समनीय वाद, वन अधिनियम, किरायेदारी, पुलिस अधिनियम के चालान, मोटर अधिनियम, मनोरंजन कर, बांट माप, प्रचालन अधिनियम, दुकान वाणिज्य अधिकारी, गृहकर, जलकर, राशन कार्ड, दाखिल खारिज, मेंडबंदी संबंधित प्रकरण आदि का सुलह समझौते के आधार पर ज्यादा से ज्यादा मामलों का निस्तारण कराने के विषय मे चर्चा की गई। बैठक में अपर जनपद न्यायधीश एससी एसटी दिनेश प्रताप सिंह, अपर जनपद न्यायाधीश पाक्सो जैनुद्दीन अंसारी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट शिखा रानी जायसवाल, सिविल जज सीनियर डिवीजन महेंद्र कुमार सिंह, सचिव जिला प्राधिकरण हरिकेश कुमार, सिविल जज सीनियर डिवीजन एफ्टीसी श्वेता श्रीवास्तव, सिविल जज जूनियर डिवीजन दीपक कुमार सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रभात कुमार दुबे, सिविल जज जूनियर डिवीजन एफ्टीसी अजित कुमार तथा सिविल जज जूनियर डिवीजन एफ्टीसी-द्वितीय मो0 फराज हुसैन उपस्थित रहे।

पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल नें कोर्ट में किया समर्पण, मिली जमानत

फर्रुखाबाद। आचार संहिता उलंघन के मामले में गैर जमानती वारंट जारी होनें पर पूर्व एमएलसी नें कोर्ट में समर्पण कर दिया। जिसके बाद कोर्ट नें उन्हें जमानत दे दी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रवीन कुमार त्यागी ने पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल समेत दो लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। दरअसल वर्ष 2017 में हुए विधान सभा चुनाव के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े बसपा नेता पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल की लाल दरवाजे के निकट सेवावृत रसोई माँ रसोई चल रही थी। जिसके चलते उड़न दस्ता प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा नें शहर कोतवाली में मनोज आचार संहिता उलंघन के मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमे सीजेएम नें पूर्व एमएलसी मनोज अग्रवाल के खिलाफगैर जमानती वारंट व मधुपाल सिंह पुत्र राम सिंह निवासी कलान शाहजहाँपुर व संजय आनन्द पूर्व बसपा नेता व के खिलाफ जमानती किये थे। उसी मामले में पूर्व एमएलसी नें अधिवक्ता डॉ0 दीपक द्विवेदी के साथ जाकर सीजेएम् कोर्ट में समर्पण किया। सीजेएम नें सुनवाई के बाद उन्हें जमानत दे दी।

पानी भरने के विवाद में युवक को मारी गोली

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के ग्राम नन्दपुर में शुक्रवार की सुबह हैण्ड पम्प में पानी भरने को लेकर सगे भाईयों ने 50 वर्षीय अधेड़ को गोली मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिये जिला चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सक ने उसे कानपुर के लिये रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार नन्दपुर गांव निवासी राजाराम रैदास का पुत्र कमलेश रैदास के यहां कुछ महमान आये थे आज सुबह गांव के ही घसीटे पासवान के घर के बगल में हैण्डपम्प लगा था तभी कमलेश का महमान पानी भरने गया तभी वहां मौजूद घसीटे के पुत्र श्रीनाथ व विश्वनाथ पासवान गाली गलौज करने लगे जिसका विरोध कमलेश ने किया तो विश्वनाथ ने उसे गोली मार दी जिससे कमलेश बुरी तरह घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग खड़े हुये। सूचना पाकर घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल हो तत्काल सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय भेजते हुये हमलावर दोनों भाइयों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उधर इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने अधेड़ की हालत गंभीर देखते हुये कानपुर के लिये रेफर कर दिया।

अलग-अलग जगह वृद्ध महिला समेत तीन ने खाया जहर

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत वृद्ध महिला, किशोरी समेत तीन लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया जिन्हें उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां दो की हालत गंभीर देख कानपुर के लिये रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के आईटीआई निवासी वृजेश बाजपेई की 55 वर्षीय पत्नी कमला बाजपेई ने आज सुबह घरेलू कलह के चलते जहर खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। इसी प्रकार हुसैनगंज थाना क्षेत्र के हैबतपुर गांव निवासी सिद्धु का 35 वर्षीय पुत्र धोनी ने मानसिक तनाव के चलते जहर खा लिया जबकि किशनपुर थाना क्षेत्र के अंजना भैरव गांव निवासी पुस्सू की 17 वर्षीय पुत्री निर्मला को आज सुबह उसकी मॉ ने डाट डपट दिया इसी बात से क्षुब्ध होकर उसने जहर खा लिया। कुछ समय बाद जब तीनों की हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने उन्हें सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिये जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने कमला बाजपेई व धोनी की हालत चिंता जनक देखते हुये कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिये रेफर कर दिया।

कुश्ती में जमकर हुई धरपटक

चौडगरा (फतेहपुर)। मलवां विकास खण्ड के पहुर गांव मे बाबा गरीबदास कुटी मे नागपंचमी मे अवसर पर कुश्ती का आयोजन किया गया। कुश्ती मे गांव क्षेत्र के युवा पहलवानो ने दांव आजमाया। धरपटक मे एक दूसरे को शिकस्त देने की होड़ और रोमांचक कुश्ती देख दर्शकों मे भी जोश भर गया। दर्शक तालियो से पहलवानो का उत्साह बढ़ाते रहे। कुश्ती की शुरुआत समाजसेवक लल्ला सिंह ने दोनो पहलवानो मे हांथ मिलाकर करवाया। इस दौरान प्रमुख रूप से अभिषेक सिंह उर्फ साधू, अरविंद सिंह, श्यामू सिंह, प्रधान नीरज सिंह, प्रभात शर्मा, हिमांशु भदौरिया, अमित पांडेय, पिन्टू परिहार आदि उपस्थित रहे।

महिला कृषक होंगे सम्मानित

बस्ती। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राजेश कुमार प्रजापति ने बताया है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद के विभिन्न फसलों में उच्च स्तर की उपलब्धता प्राप्त करने, नवीन तकनीक विकसित करने, नवाचार करने तथा कृषक उत्पादक संगठनों को बढावा देने एंव केन्द्र सरकार की योजनाओं में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कृषको को तथा महिला कृषको को सम्मानित किया जाएगा। इस संबंध मे उंन्होने कृषि, कृषि रक्षा, भूमि संरक्षण, मृद्रा परीक्षण, उद्यान, गन्ना, पशु चिकित्सा, मत्स्य, रेशम, तथा सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपने-अपने विभाग से दो-दो ऐसे कृषको को 15 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे कृषि विज्ञान केन्द्र, बंजरिया बस्ती प्रांगण में अपने साथ प्रतिभाग कराना सुनिश्चित करें।

अपात्रों के खातों में जा रहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का पैसा

संवाददाता। फतेहपुर

● कई जनप्रतिनिधि भी डकार रहे पीएम सम्मान निधि

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बड़े पैमाने पर जिले में गड़बड़ी सामने आ रही है। अपात्र योजना का लाभ उठा रहे हैं। इतना ही नहीं सैकड़ों की तादाद में ऐसे भी मामले हैं जहां पर पति-पत्नी के अलावा आयकर दाता भूमिहीन, कई जन प्रतिनिधि योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। पात्रता सूची से बाहर के लोगों की संख्या हजारों में है। जो सरकारी खजाना में सेंध लगाकर बैठे हैं। ऐसे लोगों का योजना से लाभान्वित होना विभाग स्वीकार कर रहा है और जांच करा कर कार्रवाई किए जाने की बात कर रहा है। देश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू होने के बाद पहले लघु एवं सीमांत किसानों को ही पात्रता सूची में रखा गया था लेकिन बाद में कुछ शर्तों को लगाकर सभी किसानों को पात्रता सूची में शामिल कर दिया गया लेकिन यह साफ हिदायत रही माननीय श्रेणी से दूर रहेंगे। पति-पत्नी, आयकर दाता नाबालिग, भूमिहीन के अलावा सरकारी कर्मचारी, इंजीनियर, पंजीकृत अधिवक्ता, पेंशनर व चिकित्सक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं ले सकेंगे। फरवरी 19 में जारी हुई योजना को लागू करने की अफरा-तफरी में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो गईं और जिन लोगों को किसान सम्मान निधि मिलना था उनमें बड़ी तादाद में लोग वंचित रह गए और हजारों की तादाद में ऐसे लोग शामिल हो गए जिन्हें अपात्र होने के बावजूद किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। जिले में 387955 किसानों में करीब 42000 किसानों का संदिग्ध डाटा हटा दिया गया और 325598 किसानों को 03 दिन पहले प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 9वीं किस्त जारी की गई है। जो जानकारी सामने आ रही है उनमें बड़ी संख्या में अपात्रों को निधि का लाभ दिया जा रहा है। मजेदार बात तो यह है कि जिले भर में सैकड़ों की तादाद में ऐसे लोग भी निधि का लाभ ले रहे हैं जो भूमिहीन हैं। इसके अलावा आयकर दाता तथा माननीय भी योजना का लाभ ले रहे हैं। योजना में कोई भी सांसद, मंत्री, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत, सहकारी बैंक के अध्यक्ष लाभ नहीं ले सकते हैं लेकिन यहां जो आंकड़े सामने आ रहे हैं उनमें कई जनप्रतिनिधि योजना से आच्छादित हो रहे हैं। आंकड़ों की बाजीगरी में बड़े पैमाने पर राजस्व कर्मचारियों एवं फीडिंग करने वाली मशीनरी ने किस तरह से गड़बड़ी किया कि हजारों की तादाद में अपात्र योजना से लाभान्वित हो रहे हैं और सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। इनके जांच कराए जाने की बात की जा रही है। जांच हुई भी है इसमें गड़बड़ी सामने आई हैं। उप कृषि निदेशक राममिलन परिहार स्वीकार करते हैं कि बड़ी संख्या में अपात्र लाभ पा रहे हैं। उनकी छटनी का काम जारी है। अपात्रों से रिकवरी की जाएगी। जो मानक निर्धारित किए गए हैं उसके अलावा जिस भी व्यक्ति को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की धनराशि दी गई है उससे रिकवरी की जाएगी।

फांसी लगा फॉलोअर ने किया आत्महत्या

फतेहपुर। धाता थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में बीती रात मानसिक तनाव के चलते 35 वर्षीय फॉलोअर ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार देवरी गांव निवासी स्व0 राज कुमार का पुत्र बीरेन्द्र सिंह जो जालौन जनपद के पुलिस लाइन में फालवर था। बताते है कि 9 माह पूर्व वह घर वापस आ गया था उसके बाद नहीं गया इसी बीच उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया और बीती रात घर के अन्दर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं पोस्टमार्टम हाउस में मृतक का फुफेरा भाई राजेन्द्र सिंह ने घटना के बाबत जानकारी दी है।

गड्ढे में तब्दील सड़कों पर लबालब भरे पानी से राहगीरों की हुई मुसीबत

संवाददाता। सेमरियावा (संतकबीरनगर)

● बूधा-सरैया मार्ग व कांटे-मुण्डेरवा मार्ग के सड़कों की हालत दयनीय

विकास खण्ड सेमरियावा क्षेत्र के बुधा सरैया मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं इससे राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है आए दिन गड्ढे मे गिरकर लोग घायल हो जा रहे है। शासन प्रशासन के लाख प्रयास के बाद भी सड़के गड्ढा मुक्त नही हो रहे है। राष्ट्रीय राजमार्ग-27 को छोड़ कर जिले की अधिकांश सड़कें इतनी खराब है कि सड़कों से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अंजान बने पड़े है। दर्जनो गाव भेलवासी, रजापुर सरैया, सौरहा सिहोरवा .टडवा, पिपरा हसनपुर .आदि गावो को जोड़ने वाली बुधा- सरैया मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में राहगीरों का आवागमन बना रहता है। आए दिन इस मार्ग पर राहगीर गिरकर चोटिल हो जाते है समझ नही पाते सड़क कहा है गड्ढा कहा है। इसी तरह जनपद से होकर जाने वाली सड़क कांटे-मुन्डेरवा मार्ग इन दिनो हो रही बारिश की वजह से डामर सड़क क्षतिग्रस्त हो गई है। जिससे वाहन चालकों को आवागमन में बहुत ही परेशानीयो का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सड़क की मरम्मत करने की मांग की। राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर कांटे तिराहे से मुन्डेरवा होते हुए बस्ती फैजाबाद लखनऊ जाने वाली सड़क करीब एक माह से अधिक सड़क को टूटे हो गया। सड़क पर डामर उखड़ गया है तथा काफी गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क टूटकर बिखरने से दुपहिया वाहन चालकों के संतुलन बिगड़ कर गिरने की आशंका रहती है और कई दो पहिया वाहन गड्ढे मे गिरकर चोटिल भी हो चुके है तो वहीं चार पहिया वाहनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि रात्रि के समय दुर्घटना का अंदेशा रहता है। जिसे लेकर ग्रामीणों ने सड़क निर्माण विभाग से सड़क की मरम्मत करवाने की मांग की है। कांटे से बुधा कला की दूरी महज दो किलोमीटर होगा मगर इतनी ही कम दूरी मे कई गड्ढे होगे तो वही जगह-जगह टूटी सड़क लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। बारिश के मौसम में टूटी सड़कों के कारण मुसीबत अधिक बढ़ गई है, जिससे वाहन चालकों के साथ ही पैदल राहगीरों को भी निकलने में दिक्कतें आ रही हैं।

भाजपा नेता के प्रतिष्ठान पर विजिलेंस टीम ने मारा छापा विद्युत चोरी पकड़ी

फर्रुखाबाद। भाजपा नेता के प्रतिष्ठान पर विजिलेंस टीम ने छापा मारकर मीटर में गड़बड़ी कर चोरी से बत्ती जलाये जाने का मामला पकड़ा। यह देख आसपास के लोग इकट्ठे हो गये और परिवार के कुछ लोगों ने अपने ही परिवार के लोगों को बिजली चोरी करने की बात सामने आने पर डांटा। कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल हो गया। जानकारी के अनुसार अंकुर पांडे पुत्र बल्लू पांडे निवासी नई बस्ती जिनका रेलवे रोड पर प्रतिष्ठान है।शाम के समय विद्युत विभाग के एसडीओ विजिलेंस टीम के साथ मिली शिकायत के आधार पर अंकुर पांडे के प्रतिष्ठान पर पहुंचे स और जांच पड़ताल शुरू की जिसमें पाया गया की मीटर में गड़बड़ीकर चोरी से बत्ती जलायी जा रही थी। बिजली चोरी की बात सामने आने पर भाजपा नेता के अन्य परिवारी भी पहुंच गयेए और उन्होंने अपने ही पक्ष को बुराभला कहा कि शर्म नहीं आती है।

लाठी व ईंट से सिर कुचलकर महिला की हत्या

संवाददाता। फर्रुखाबाद

महिला की लाठी व ईंट से सिर कुचलकर बेहरहमी से हत्या कर दी गयी। हत्या के लगभग दो दिन बाद शव घर की छत पर लहुलुहान हालत में पड़ा मिला। पुलिस नें शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आरोपी पति को हिरासत में लिया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चांदपुर निवासी 45 वर्षीय महिला मालती कटियार पत्नी जबर सिंह का शव उसके ही घर की छत पर ग्रामीणों नें पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक अजय प्रताप, शहर कोतवाली पुलिस व, डॉग स्क्वॉड के साथ ही फिंगर्ड यूनिट की टीम भी आ गयी। परिजनों नें पुलिस को बताया कि मालती कटियार के कोई बच्चा नही हुआ तो उन्होंने फैजबाग निवासी अपने बहनोई की बेटी सोनम पुत्र विनोद को गोद ले लिया था। लेकिन फिर 10 वर्ष बाद मालती ने भी एक पुत्री डोली को जन्म दिया। लेकिन डोली बीमार रहती थी। बीते 6 महीने पूर्व डोली की लगभग 16 वर्ष की उम्र में मौत हो गयी। जबर सिंह शराब पीने का आदी था लिहाजा उसकी गोद ली हुई पुत्री सोनम अपने पिता के घर फैजबाग बाग चली गयी। जहाँ उसका विवाह हो गया। बीते सोमवार को हुए विवाद के दौरान जबर सिंह नें पत्नी को घर के सामने तालाब में धक्का दे दिया। चीखपुकार सुनकर पास में ही रह रही बड़ी बहन शांति देवी और उसके परिजनों नें आकर उसे बमुश्किल तालाब से सकुशल निकाला । बीते लगभग दी दिन पूर्व मालती से उसकी गोद ली हुई पुत्री सोनम से फोन पर बात भी हुई थी। शुक्रवार को उसका शव छत पर चादर से ढंका हुआ ग्रामीणों नें देखा। कुछ देर में भी मौके पर भीड़ लग गयी। मौके पर मौजूद पुलिस नें शव को कब्जे में लेकर आरोपी जबर सिंह को भी दबोच लिया। मालती के सिर में गंभीर चोट दिखी।

सम्मान लोगों के व्यक्तित्व को विकसित करता है: डीएम

बस्ती। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्कृति प्रसार समिति की ओर से सर्किट हाउस में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अपना कीर्तिमान स्थापित करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गरिमामयी उपस्थिति शिक्षाविद् डा0 आर.के. प्रताप, जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल एवं डीएम सौम्या अग्रवाल की रही। उन्होंने कहा कि प्रतिभा सम्मान समारोह के माध्यम से समाज में सृजनात्मक एवं रचनात्मक विकास होगा। यह सम्मान समारोह लोगों के व्यक्तित्व को विकसित करता है एवं निखारता है। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मेधा के बल पर लोग अपनी सांस्कृतिक कलाओं से समाज में अमिट छाप छोड़ते है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रतिभाशालियों के लिए यह 75वां स्वतंत्रता दिवस नई प्रेरणा एवं उर्जा का संचार करेगा। आजादी दिलाने में जिन वीर सपूतों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर किया देश के प्रति उनके त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेकर लेकर देश और समाज के लिए योगदान देना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

कार्यक्रम के संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर डां प्रमोद शर्मा ने कार्यक्रम की संचालन किया। उन्होने कहा कि बस्ती जनपद के लोग विभिन्न क्षेत्रों में एक गरिमापूर्ण स्थान प्राप्त किए हैं। उनका देश और समाज को आगे ले जाने में क्या योगदान हो सकता है इसी थीम पर यह कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में राजेन्द्र नाथ तिवारी को साहित्य, गणेश पांडेय पूर्व प्रिसिंपल को शिक्षा, विनोद उपाध्याय साहित्य, ज्योति शर्मा गंगा बचाओ अभियान, सत्येन्द्र नाथ मतवाला साहित्य, रंजना अग्रहरि लोक गायिका, डा.शिवा त्रिपाठी कवयित्री साहित्य, मयंक श्रीवास्तव समाज सेवा, गौहर अली पर्यावरण, रहमान अली रहमान साहित्य, डा. रमा शर्मा चित्रकला में विशेष योगदान हेतु संस्कृति प्रसार समिति द्वारा प्रशस्तिपत्र पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

अनाधिकृत लोगों का क्षेत्र पंचायत सदस्य व प्रधान संघ पर कब्जा

● बिना पंजीयन किसी भी संघ की विधिक मान्यता नहीं होतीः प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव

संवाददाता। बस्ती

पंचायत चुनाव और षपथ ग्रहण के बाद क्षेत्र पंचायत संघ और प्रधान संघ में अनधिकृत लोगों में पदाधिकारी बनने की होड़ लगी हुई है। ऐसे लोग जिला स्तर और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी बन गएं हैं, जो न तो प्रधान है और न बीडीसी ही। फिर भी कोई जिलाध्यक्ष तो को उपाध्यक्ष का पद लेकर घूम रहा है। इनमें अधिकतर पदाधिकारी अपनी पत्नियों के नाम का सहारा लेकर पदाधिकारी होने का दम भर रहे है। इस तरह के लोग अपने आपको गर्व महसूस करते है। लोगों को पद पाने की इतनी लालसा है कि यह भी नहीं देखते कि जिस संस्था के वे पदाधिकारी बनने जा रहे है, उसकी विधिक मान्यता है भी कि नहीं? क्यों कि कानून के जानकारों का मानना हैं कि बिना पंजीयन के किसी भी संस्था को न तो विधिक मान्यता मिलती, और न उसके पदाधिकारी को ही अधिकृत माना जाता है। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व एडीजीसी प्रेमप्रकाष श्रीवास्तव कहते हैं कि नियम कहता है कि अगर कोई संस्था बिना पंजीकरण के चुनाव कराकर पदाधिकारी चुनती है, उसे विधिक मान्यता नहीं मिलती, और न ही ऐसी संस्था को पैड छपवाने का अधिकार ही मिलता है। कहते हैं कि बिना चुनाव का कोरम पूरा किए अगर कुछ लोग एक होटल या कमरे में बैठकर जिलाध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुन लेते हैं, तो उस संस्था को अधिकृत नहीं माना जा सकता हैं। ऐसी संस्था के अधिकतर पदाधिकारी अनधिकृत रुप से अधिकारियों पर दबाव बनाने का काम करते है। वैसे ही अधिकतर क्षेत्र पंचायतों और ग्राम पंचायतों में ऐसे लोगों ने ब्लॉक और ग्रामों का कमान संभाले हुए हैं, जो न तो बीडीसी है, और न प्रधान ही चुने गएं है। इस तरह के लोगों पर जनता जनार्दन अभी से ही सवाल खड़ा करने लगी है। चूंकि अधिकतर क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायतों पर वह लोग काबिज है, जिन्हें बाहरी माना जाता है। फिर भी यह लोग इसे अपनी षान समझते है। यह पहली बार नहीं हैं, जब क्षेत्र पंचायतों और ग्राम पंचायतों पर अनधिकृत और बाहरी लोगों का कब्जा है। इससे पहले जो कार्यकाल बीता उसमें भी वही सब कुछ हुआ जो अब हो रहा है। जनता इसके लिए बाहरी लोगों को कम और सरकारी तंत्र को अधिक जिम्मेदार मानती है, जो इस तरह के लोगों को मान्यता देते हैं। दोनों पंचायतों में भ्रष्टाचार होने का यही सबसे बड़ा कारण आमजन मान रही है।

एंडरसन के पांच विकेट, भारत 364 पर आउट

इंग्लैंड की सजग शुरुआत

भाषा। लंदन

अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के पांच विकेट की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां भारत को पहली पारी में 364 रन पर रोककर पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में सजग शुरुआत करते हुए चाय के विश्राम तक बिना किसी नुकसान के 23 रन बनाए।

भारत ने अपने आखिरी आठ विकेट 97 रन के अंदर गंवाए। कप्तान विराट कोहली पहले दिन के आखिरी क्षणों में आउट हुए थे जबकि दूसरे दिन भारत ने सात गेंद के अंदर दोनों अविजित बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। भारत रविंद्र जडेजा (120 गेंदों पर 40) और ऋषभ पंत (58 गेंदों पर 37) के बीच छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी से 350 रन के पार पहुंचा। भारत चार विशुद्ध गेंदबाजों के साथ खेलने के लिए उतरा था। निचले क्रम में कमजोर बल्लेबाजी मैदान पर भी नजर आई और इन चार में से केवल एक गेंदबाज ही खाता खोल पाया।

इंग्लैंड के गेंदबाजों में एंडरसन ने फिर से अपना कमाल दिखाया तथा 62 रन देकर पांच विकेट लिए। यह 31वां अवसर है जबकि उन्होंने पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए। उनके अलावा ओली रॉबिन्सन (73 रन देकर दो), मार्क वुड (91 रन देकर दो) और स्पिनर मोईन अली (53 रन देकर एक) ने विकेट लिए। भारतीय पारी का आकर्षण सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का शतक रहा। उन्होंने 250 गेंदों पर 129 रन बनाए जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल है। उनके अलावा रोहित शर्मा (83), कोहली (42), जडेजा और पंत ही दोहरे अंक में पहुंचे। रोरी बर्न्स (नाबाद 11) और डॉम सिब्ली (नाबाद 11) पर इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत देने का दबाव था। इन दोनों ने चाय के विश्राम से पहले 14 ओवरों में किसी तरह को जोखिम नहीं लिया। भारतीय गेंदबाजों ने कुछ स्विंग और सीम हासिल की लेकिन बर्न्स और सिब्ली ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल दिख रही परिस्थितियों में उनका अच्छी तरह से सामना किया। भारत अभी इंग्लैंड से 341 रन आगे है। भारत ने सुबह तीन विकेट पर 276 रन से आगे खेलना शुरू लेकिन उसकी दिन की शुरुआत निराशाजनक रही। राहुल अपने कल के स्कोर में दो रन जोड़कर रॉबिन्सन की दिन की दूसरी गेंद पर कवर पर आसान कैच दे बैठे जबकि एंडरसन ने अगले ओवर में पहली गेंद पर अजिंक्य रहाणे (एक) को स्लिप में कैच कराया। इस तरह से कोहली, चेतेश्वर पुजारा और रहाणे की खराब फॉर्म जारी रही।

पंत ने रॉबिन्सन और एंडरसन दोनों पर चौके लगाकर उनका हौव्वा कम करने की कोशिश की। वुड पर मिडऑफ और कवर के बीच से लगाया गया चौका उनकी ताकत और बेफिक्र अंदाज का अच्छा नमूना था। लेकिन यही बेपरवाही पंत को भारी पड़ी और वुड की गेंद पर बेहद ढीला शॉट खेलकर उन्होंने विकेटकीपर जोस बटलर को कैच का अभ्यास कराया। पंत ने अपनी पारी में पांच चौके लगाए। जडेजा ने एक छोर से रन जुटाने की कोशिश की लेकिन केवल इशांत शर्मा (29 गेंदों पर आठ रन) ही उनका कुछ देर तक साथ दे पाए।

केएल राहुल अपनी योजना में स्पष्ट थे: रोहित शर्मा

भाषा। लंदन

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का मानना है कि केएल राहुल अपनी शतकीय पारी के दौरान दिमाग में बिना किसी विचार के साथ खेले और उन्होंने योजना का कार्यान्वयन शानदार ढंग से किया। रोहित ने भी 83 रन की आकर्षक पारी खेली और राहुल के साथ पहले विकेट के लिए 126 रन की भागीदारी निभाई। राहुल ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन नाबाद 127 रन बना लिए थे। रोहित ने गुरूवार को दिन का खेल समाप्त होने के बाद कहा, मैंने केएल को जब भी बल्लेबाजी करते हुए देखा है, उसमें शायद यह सर्वश्रेष्ठ पारी थी और वह पहली गेंद से आज दिन के अंत तक पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण बनाए हुए था। इस सीनियर खिलाड़ी ने कहा, किसी भी जगह ऐसा नहीं लगा कि वह भ्रमित था या कुछ ज्यादा सोच रहा था। वह अपनी रणनीति के बारे में काफी स्पष्ट दिख रहा था और जब आप अपनी योजनाओं पर भरोसा करते हो तो यह निश्चित रूप से कारगर होता है। मुझे लगता है कि आज उसका दिन था और उसने सही में इसका पूरा फायदा उठाया। रोहित की खुद की पारी ने नींव रखी और वह इस बात से भी खुश थे कि वह और राहुल दोनों नई गेंद का सामना करते हुए नियंत्रण बनाए रहे जिससे जोखिम भरे शॉट कम रहे। रोहित ने कहा, टेस्ट क्रिकेट की यही चुनौती है। आप भले ही बहुत सारे शॉट खेलते हो लेकिन जब आप जानते हो कि परिस्थितियां आपके खिलाफ है तो आपको खुद पर संयम बनाते हुए उन शॉट को कम खेलना होता है जो गैर जरूरी हो विशेषकर नई गेंद से। उन्होंने कहा, एक बार आप जब खेलने लगते हो और आपको पिच और स्थितियों का अंदाजा हो जाता है तो आप इनमें से कुछ शॉट को खेलने की कोशिश कर सकते हो।

विश्व कप विजेता अंडर-19 भारतीय कप्तान उन्मुक्त चंद ने संन्यास लिया

भाषा। मुंबई

अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त चंद ने शुक्रवार को खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। चंद अपनी यह सफलता सीनियर स्तर पर नहीं दोहरा सके। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने लगातार ट्वीट कर इस फैसले की घोषणा की। 28 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी कुछ यादगार वीडियो के साथ एक लंबा सा नोट भी लिखा। पूरी संभावना है कि चंद अपने अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के साथी समित पटेल की तरह अमेरिका में टी20 लीग में खेलेंगे। वहां पर खेलने के लिए उन्हें संन्यास की घोषणा करनी पड़ती क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अपने पंजीकृत खिलाड़ियों को विदेशी टी20 लीग में भाग लेने की अनुमति नहीं देता।

चंद ने नोट में लिखा, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से चीजें हुई थीं, उससे मैं अंदर से शांत नहीं था। मैं फिर भी उम्मीद की किरण देखता हूं और यादगार स्मृतियों के साथ बीसीसीआई को अलविदा कहता हूं तथा दुनिया भर में बेहतर मौकों की तलाश करूंगा। दांए हाथ के बल्लेबाज और ऑफ ब्रेक गेंदबाज चंद ने 2012 में भारतीय अंडर-19 टीम की अगुआई करते हुए विश्व कप दिलाया था जिसके बाद वह देश भर में सुर्खियों में आ गए। चंद फाइनल में मैन आफ द मैच रहे क्योंकि उनकी 111 रन की नाबाद पारी ने भारत को जीत की ओर अग्रसर किया था। पूर्व अंडर-19 कप्तान ने लिखा, क्रिकेट दुनिया भर में खेला जाता है और भले ही मतलब बदल जाए लेकिन अंतिम लक्ष्य हमेशा वही रहता है - जो शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेलना है। उन्होंने बीसीसीआई का भी आभार व्यक्त किया और अंडर-19 विश्व कप जीत को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा पल करार किया। चंद ने लिखा, बीसीसीआई को आभार जिसने मुझ जैसे क्रिकेटर को इतने सारे शिविरों, आयु ग्रुप और सीनियर बोर्ड टूर्नामेंट तथा इंडियन प्रीमियर लीग में खुद को अभिव्यक्त करने और अपना कौशल दिखाने का मंच प्रदान किया। उन्होंने लिखा, भारत में मेरी क्रिकेट यात्रा में कुछ शानदार पल रहे जिसमें देश के लिए अंडर-19 विश्व कप जीतना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा क्षण था।

क्विक न्यूज

शुभंकर काजू क्लासिक के पहले दौर के बाद संयुक्त 31वें स्थान पर

कैंट (ब्रिटेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा यहां काजू क्लासिक के पहले दौर के बाद दो-अंडर 70 का स्कोर बनाकर संयुक्त 31वे स्थान पर है। लंदन गोल्फ क्लब मे खेले जा रहे टूर्नामेंट मे शुभंकर ने इस दौरान चार बोगी और छह बर्डी लगाई। प्रतियोगिता मे भाग ले रहे अन्य भारतीय खिलाड़ियो मे गगनजीत भुल्लर (73) संयुक्त 85वे, एसएसपी चौरसिया (75) संयुक्त 115वे जबकि शिव कपूर (76) और अजितेश संधू (76) संयुक्त 127 वे स्थान पर है। शुभंकर के अलावा अन्य सभी भारतीय खिलाड़ियो को कट हासिल करने के लिए दूसरे दौर मे अपने प्रदर्शन मे काफी सुधार करना होगा। डेनमार्क के रिचर्ड ब्लांड सात अंडर के स्कोर के साथ तालिका मे शीर्ष पर है।

लाहिड़ी ने विंधाम चैम्पियनशिप में खराब मौसम के बावजूद अच्छी शुरूआत की

ग्रीन्सबोरो। टोक्यो ओलंपिक के बाद खेल रहे भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने विंधाम चैम्पियनशिप के खराब मौसम से प्रभावित शुरूआती दिन 16 होल तक तीन अंडर का स्कोर बना लिया था। लाहिड़ी ने 16 होल तक अच्छी शुरूआत करते हुए पांच बर्डी की लेकिन दो बोगी कर बैठे। फिर अंधेरा होने के कारण खेल रोकना पड़ा। तूफान के कारण दो घंटे सात मिनट खेल रोकना पड़ा जिससे 30 गोल्फर शुरूआती दौर पूरा नही कर सके। लाहिड़ी को दूसरे दिन दूसरा दौर शुरू करने से पहले दो और होल खेलने होंगे।

अदिति, त्वेसा ने स्कॉटिश ओपन में निराशाजनक शुरुआत की

डम्बर्नी लिंक्स (स्कॉटलैंड)। ओलंपिक मे शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने यहां स्कॉटिश ओपन मे पांच ओवर 77 के निराशाजनक स्कोर के साथ शुरुआत की जिससे वह पहले दौर के बाद संयुक्त रूप से 129वे स्थान पर है। भारत की एक अन्य खिलाड़ी त्वेसा मलिक एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 79वे स्थान पर है। स्थानीय गोल्फर मिशेल थॉम्पान सात अंडर-65 के कार्ड के साथ तालिका मे शीर्ष पर है। अदिति को कट हासिल करने के लिए दूसरे दौर मे अपने प्रदर्शन मे काफी सुधार करना होगा। अदिति ने दो बर्डी और सात बोगी लगाए जबकि त्वेसा ने तीन बर्डी और चार बोगी

ओन्स जाबेउर ने मांट्रियल में बियांका आंद्रेस्कू को हराकर उलटफेर किया

मांट्रियल। ट्यूनीशिया की 13वी वरीयता प्राप्त ओन्स जाबेउर ने नेशनल बैंक ओपन डब्ल्यूटीए टेनिस टूर्नामेंट के बारिश से प्रभावित मुकाबले मे दूसरी वरीय बियांका आंद्रेस्कू को 6-7 6-4 6-1 से शिकस्त दी। इस मैच मे दूसरे सेट के बीच मे बारिश से व्यवधान पड़ा जिससे एक घंटे तक मैच स्थगित रहा। बियांका से कुछ घंटे पहले साथी कनाडाई खिलाड़ी रेबेका मारिनो भी टूर्नामेंट के शुरू मे ही बाहर हो गई। जाबेउर अब दो अमेरिकी खिलाड़ियो डेनियले कोलिंस और जेसिका पेगुला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेगी। वही शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने मारिनो को 6-1 6-3 से हराया।

चेन्नईयिन एफसी ने युवा डिफेंडर देविंदर सिंह से करार किया

चेन्नई। दो बार की इंडियन सुपर लीग चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले शुक्रवार को भारतीय डिफेंडर देविंदर सिंह से एक साल का करार किया। देविंदर (25 साल) 2018-19 चरण से पहले लगी घुटने की चोट कारण इंडियन सुपर लीग के पिछले तीन चरण मे नही खेल पाए थे। जिससे वह वापसी के लिए बेताब होंगे। क्लब के सह मालिक विटा दानी ने कहा, भारतीय खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी ले रहे है तो हम देविंदर जैसे खिलाड़ी को शामिल कर अपने डिफेंस विभाग को मजबूत करके खुश है।

तीरंदाजी कोच को मस्तिष्काघात, स्थिति गंभीर

जमशेदपुर। दीपिका कुमारी और अतनु दास जैसे कई स्टार खिलाड़ियो को तैयार करने मे अहम भूमिका निभाने वाले द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता तीरंदाजी कोच धर्मेन्द्र तिवारी की स्थिति मस्तिष्काघात के कारण गंभीर बनी हुई है। टाटा तीरंदाजी अकादमी से जुड़े तिवारी के मस्तिष्क का गुरुवार को आपरेशन किया गया और अभी वह चिकित्सको की निगरानी मे है। एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने पीटीआई से कहा, सर की स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई। चिकित्सको ने कहा कि अभी उनमे केवल दो प्रतिशत सुधार हुआ है। आज उन्होने थोड़ा पलक झपकाई। रियो ओलंपिक के दौरान भारतीय टीम के कोच रहे तिवारी को बुधवार की सुबह मस्तिष्काघात पड़ा था और सीटी स्कैन से पता चला कि उनके मस्तिष्क मे कई जगह खून के थक्के जम गए है।

टी-20 विश्व कप में आईसीसी ने 15 खिलाड़ियों आठ अधिकारियों को लाने की अनुमति दी

भाषा। कराची

टी-20 विश्व कप

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आगामी टी 20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों को लाने की अनुमति दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि आईसीसी ने भाग लेने वाले देशों के लिए अपने अंतिम 15 खिलाड़ियों और कोच एवं सहयोगी सदस्यों के आठ अधिकारियों की सूची भेजने के लिए 10 सितंबर की समय सीमा तय की है।

इस अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, आईसीसी ने कोविड-19 और बायो-बबल (जैव-सुरक्षा) की स्थिति को देखते हुए टी20 विश्व कप में भाग लेने वाले देशों को अतिरिक्त खिलाड़ियों को टीम के साथ लाने की अनुमति दी है लेकिन इसका खर्च संबंधित बोर्डों को वहन करना होगा। उन्होंने कहा, आईसीसी सिर्फ 15 खिलाड़ियों और आठ अधिकारियों का खर्च वहन करती है। साल 2016 के बाद पहली बार हो रहे टी20 विश्व कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर तक ओमान और यूएई (दुबई, अबुधाबी और शारजाह) में होगा। आठ देशों की क्वालीफाइंग टूर्नामेंट को 23 सितंबर से खेला जाएगा जिसमें श्रीलंका, बांग्लादेश और आयरलैंड की टीमें भी शामिल है। इसमें से चार टीमें सुपर-12 चरण के लिए क्वालीफाई करेगी। अधिकारी ने बताया, यह अब बोर्ड पर निर्भर करता है कि वह कोविड-19 स्थिति को देखते हुए अपनी मुख्य टीम के साथ कितने अतिरिक्त खिलाड़ी रखना चाहता है। मुख्य टीम से अगर कोई खिलाड़ी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आता है या चोटिल होता है तो अतिरिक्त खिलाड़ियों में से कोई उसकी जगह ले सकता है। आईसीसी ने बोर्डों को सूचित किया है कि वे पृथकवास अवधि शुरू होने से पांच दिन पहले तक अपनी टीम में अंतिम समय में बदलाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा, बोर्ड को हालांकि 10 सितंबर तक अपनी टीम की सूची भेजनी होगी। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में होने था, लेकिन कोविड-19 की स्थिति के कारण आईसीसी ने इसे यूएई में स्थानांतरित कर दिया।

टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान में दो टी-20 खेलेगा इंग्लैंड

इस्लामाबाद। इंग्लैंड की टीम अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात में टी20 विश्व कप में खेलने से पहले पाकिस्तान में दो मैचों की टी20 क्रिकेट श्रृंखला खेलेगी। दोनों मैच पहले कराची में खेले जाने थे लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को कहा कि वह परिचालन और लॉजिस्टिकल कारणों से इस श्रृंखला को रावलपिंडी में करा रहा है। पिंडी क्रिकेट स्टेडियम 13 और 14 अक्टूबर को इन मैचों की मेजबानी करेगा। वर्ष 2005 के बाद इंग्लैंड पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रहा है। इंग्लैंड की टीम अगले साल सीमित ओवर की श्रृंखला और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों के लिए भी पाकिस्तान जाएगी। वहीं हीथर नाइट की अगुआई वाली इंग्लैंड की महिला टीम पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। बोर्ड के मुख्य कार्यकारी वसीम खान ने कहा, हम इंग्लैंड की पुरुष और महिला दोनों टीमों के स्वागत के लिए उत्साहित हैं। महिला टीम पहली बार पाकिस्तान का दौरा करेगी। इंग्लैंड की टीमें नौ अक्टूबर को पहुंचेंगी।

ओलंपिक पदक के बाद भारोत्तोलन में बढ़ी है लोगों की दिलचस्पी: मीराबाई

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में उनके रजत पदक जीतने के बाद इस खेल को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि निकट भविष्य में और अधिक महिलाएं इस खेल में शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। मीराबाई ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले महीने अपने इस कारनामे के बाद से उन्हें भारतीयों से जितना प्यार मिला है, उससे वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, टोक्यो से पहले ऐसा नहीं था लेकिन मैं पहली बार भारोत्तोलन में काफी अधिक रुचि देख रही हूं। इससे मुझे विश्वास है कि अगले ओलंपिक में अधिक महिलाएं भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। उन्होंने कहा, यह खेल काफी हद तक ताकत से जुड़ा है लेकिन भारोत्तोलन और अन्य खेलों के बीच बहुत अंतर नहीं है। मैं देख रही हूं कि बहुत से युवा विशेष रूप से महिलाएं इस खेल में दिलचस्पी ले रही हैं। तोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई के अलावा पीवी सिंधू और लवलीना बोरगोहेन ने भी पदक जीते जबकि महिला हॉकी टीम और गोल्फर अदिति अशोक चौथे स्थान पर रहे। मीराबाई से जब महिलाओं के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह सब कड़ी मेहनत से जुड़ा है और महिलाएं भी उतनी ही मेहनत कर रही हैं। हम सब इसका परिणाम देख रहे हैं। उन्होंने कहा, जब से मैं वापस (तोक्यो से) आई हूं, मुझे भारत के लोगों से ढेर सारा प्यार मिला है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा क्षण है। भारत के लिए पदक जीतना किसी सपने के सच होने जैसा है। मीराबाई ने रियो 2016 में अपने निराशाजनक प्रदर्शन को याद किया और वापसी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मैंने रियो में पदार्पण (ओलंपिक) किया था। मैं वहां जीत नहीं सकी हालांकि मैंने उस समय भी टोक्यो इतनी कड़ी मेहनत की थी।

खेल मंत्री ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2-0 लॉन्च की

नई दिल्ली। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत की। यह दौड़ 15 अगस्त से शुरू होकर दो अक्टूबर तक चलेगी। ठाकुर ने यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। यहां जारी विज्ञप्ति में ठाकुर ने कहा, इस दौड़ का आयोजन देश भर में 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर किया जाएगा जो इसे आगे देश के लगभग 750 जिलों के 75 गांवों में ले जाएगा। इसके साथ ही हमारा लक्ष्य देश भर के 7.50 करोड़ से अधिक युवाओं और नागरिकों तक पहुंचना है। यह कार्यक्रम देश भर में 75 स्थानों पर भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें पोर्ट ब्लेयर में सेलुलर जेल, लाहौल स्पीति में काजा पोस्ट, मुंबई का गेटवे ऑफ इंडिया और पंजाब में अटारी बॉर्डर जैसे प्रतिष्ठित स्थान शामिल है।

थॉमस डेनेर्बी भारतीय सीनियर महिला फुटबॉल टीम के कोच बने

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को घोषणा की कि थॉमस डेनेर्बी तत्काल प्रभाव से भारतीय महिला सीनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालेंगे। स्वीडन के 62 वर्षीय डेनर्बी इससे पहले भारतीय अंडर-17 महिला विश्व कप टीम की प्रभारी थे। उन्हें एएफसी एशियाई कप की तैयारी में मदद करने के लिए राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त किया गया है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत में अगले साल (2022) 20 जनवरी से छह फरवरी तक होगा। यूएफा प्रो डिप्लोमाधारी कोच ने एआईएफएफ से जारी विज्ञप्ति में कहा, मैं इस काम (भारतीय कोच) के लिए खुद को उपयुक्त मानने के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ का आभारी हूं। भारतीय सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के रूप में पदभार ग्रहण करना सम्मान की बात है। पिछले 30 वर्षों में कोच के तौर पर कई राष्ट्रीय टीमों के साथ काम कर चुके डेनेर्बी ने कहा, एएफसी महिला एशियाई कप के लिए लड़कियों को तैयार करना एक बड़ी चुनौती है। जीवन चुनौतियों के बारे में है, और मैं इन्हें पसंद करता हूं। उनकी देखरेख में स्वीडन की महिला राष्ट्रीय टीम 2011 में फीफा विश्व कप में तीसरे स्थान पर और 2012 के लंदन ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफल रही थी।

नीरज के कोच क्लॉस ने तकनीक में स्थिरता बनाए रखने की सलाह दी

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज का मानना है कि इस भाला फेंक खिलाड़ी ने अपनी तकनीक की अधिकांश कमियों को ठीक कर लिया है और अब उनकी कोशिश आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक उंचाइयों को छूने के लिए तकनीकी स्थिरता को बनाए रखने की होनी चाहिए।

चोपड़ा ने एक सफल सर्जरी के बाद 2019 में बार्टोनिट्ज के साथ काम करना शुरू किया था। जर्मनी के इस बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ ने कहा कि इस भारतीय युवा की तकनीक में कोई खामी नहीं है, लेकिन फिर भी उन पर ध्यान देने की जरूरत है। बार्टोनिट्ज ने जर्मनी से पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे शुरुआत में उनमें दौड़ने की गति, शरीर की सही स्थिति में ब्लाकिंग (भाले को गति देने में अहम) और एक युवा ताकतवर एथलीट के रूप में थ्रो को जल्दी फेंकने जैसी कुछ कमियाँ नजर आई थी। उनका फॉलो-थ्रू (भाला फेंकने के बाद शरीर की स्थिति) एक तरफ मुड़ने की जगह सीधा होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने उसे समझाया तब उसने सही तरीके से समझना शुरू कर दिया। इसमें कुछ भी नाटकीय नहीं था। भाला फेंकने का कोण सही होना चाहिए, अगर आप आगे फेंकना चाहते हैं तो आपको हवा की गति को जानने की जरूरत है। हमें सुधार जारी रखने के लिए कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। उन्होंने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि हमने कुछ सुधार किए हैं। कमियां थीं लेकिन हमने उन्हें दूर कर लिया है। यह पूछे जाने पर कि क्या अब कोई तकनीकी खामी नहीं है, बार्टोनिट्ज ने कहा, हमें हर समय तकनीक पर काम करना होगा, इसे जारी रखना होगा और इसे स्थिर बनाना होगा। उन्होंने कहा, आप प्रशिक्षण के दौरान अच्छा कर सकते हैं लेकिन प्रतियोगिताओं के दौरान मानसिक स्थिति अलग होती है। अगर आप वही काम करना चाहते हैं जो आपने प्रशिक्षण के दौरान किया है, तो आपको (प्रतियोगिता के दौरान) एकाग्रता बनाए रखने के साथ आत्मविश्वास से भरा होना चाहिए। जर्मनी के इस कोच ने कहा कि चोपड़ा के बारे में अच्छी बात यह है कि वह एक हरफनमौला एथलीट है क्योंकि वह स्प्रिंट (तेजी से दौड़ना), कूद और अन्य अभ्यासों को अच्छी तरह से कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2019 में चोपड़ा को अपनी निगरानी में लिया तो उन्हें पता था कि हरियाणा के इस लड़के में दुनिया में शीर्ष भाला फेंकने वाला बनने का गुण है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन था, हर कोई निश्चित था क्योंकि कुछ लोग जूनियर स्तर पर बहुत अच्छा करते हैं लेकिन बाद में प्रदर्शन को बरकरार नहीं रख पाते है। उसने (विश्व जूनियर चैंपियन बनने के बाद) हालांकि शानदार तरीके से उसे जारी रखा। इसलिए, सभी को यकीन था कि उसका भविष्य उज्ज्वल है। चोपड़ा ओलंपिक के क्वालीफिकेशन में जर्मनी के जोहानेस वेटर से आगे शीर्ष पर रहे। वेटर स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में तोक्यो गए थे लेकिन नौवें स्थान पर रहे। बार्टोनिट्ज ने कहा कि चोपड़ा के लिए स्वर्ण जीतना कभी भी एक वास्तविक लक्ष्य नहीं था। उन्होंने कहा, ओलंपिक से पहले दूसरे खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर रजत या कांस्य जीतने का एक वास्तविक मौका था, लेकिन स्वर्ण नहीं। किसी ने भी स्वर्ण पदक के बारे में नहीं सोचा था।

भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने फिडे ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई किया

चेन्नई। भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने 25 अक्टूबर से आठ नवंबर तक रीगा, लातविया में आयोजित होने वाली फिडे ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई कर लिया है। नासिक के इस खिलाड़ी ने हाल ही में संपन्न शतरंज विश्व कप 2021 में शीर्ष आठ में पहुंचने के बाद फिडे ग्रां प्री 2022 के लिए भी क्वालीफाई किया है। उनके पास प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स 2022 में अपना स्थान पक्का करने के लिए दो मौके हैं। कैंडिडेट्स 2022 में खिलाड़ी विश्व चैंपियन को चुनौती देने के लिए क्वालीफाई करेगा। गुजराती हाल ही में सोची में विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। वह ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद के बाद ऐसा करने वाले केवल दूसरे भारतीय शतरंज खिलाड़ी है। उन्होंने मीडिया विज्ञप्ति में कहा, मुझे विश्वास था कि मैं पिछले एक साल के अपने प्रदर्शन के दम पर ग्रैंड स्विस लीग के लिए क्वालीफाई कर लूंगा। बोर्ड के ऊपर क्लासिक शतरंज खेलना बहुत अच्छा अहसास था। उन्होंने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा गर्व का क्षण होता है और इस बार जब मैं क्वार्टर फाइनल में पहुंचा तो यह और भी खास था। मैं अपने ओवरऑल प्रदर्शन से खुश हूं और अगले टूर्नामेंट के लिए उत्साहित हूं। मेरा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ शतरंज खेलना और कैंडिडेट्स 2022 के लिए क्वालीफाई करना है। स्विस लीग में 114 खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें भारत का प्रतिनिधित्व गुजराती के अलावा ग्रैंडमास्टर आनंद, ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा और ग्रैंडमास्टर बी अधिबान करेंगे।

गुवाहाटी में असम के राज्यपाल जगदीश मुखी ने राज भवन में टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को सम्मानित किया।

सही चुनाव करें

आशीष फर्नांडो बता रहे हैं कि कैसे कृत्रिम मेधा छात्रों को बेहतर कॉलेजों व कंपनियों में प्रवेश करने के लिए सशक्त बना रही है

चयन- विकल्पों का समुद्र होने से - पाठ्यक्रम, शहर, देश, अवधि, अवसर और भविष्य की कैरियर संभावनाएं - सही कॉलेज और नौकरी खोजने में समय, गहन शोध और काम के अंतहीन घंटे लगते हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) बिजली की तीव्र गति से जानकार निर्णय प्रदान करके छात्रों को इस भारी और समय खाने वाली प्रक्रिया से पार पाने में मदद कर सकती है।

हालांकि भारतीय शिक्षा समुदाय धीरे-धीरे आटोमेशन की ओर बढ़ रहा है, मगर एआई ने छात्रों को सही संस्थान और नौकरी खोजने में मदद करके खाई को पाटना शुरू कर दिया है। वर्चुअल असिस्टेंट, स्मार्ट टेक्स्ट मैसेजिंग, वैयक्तिकृत पाठ्यक्रम और इमर्सिव क्लासरूम टीचिंग जैसी तकनीकें छात्रों के लिए संस्थानों में आवेदन करना और अध्ययन करना आसान बनाती हैं। ऐसे कई ऑनलाइन एप्लिकेशन हैं जो सेवाएं प्रदान करते हैं जो नौकरी चाहने वालों को अपने रिज्यूमे में सुधार करने, प्रासंगिक नौकरियों को लक्षित करने और साक्षात्कार के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करते हैं।

कई भारतीय स्टार्ट-अप छात्रों व स्नातकों को उनके घरों की सुविधा के साथ बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए एआई प्रौद्योगिकियों की पेशकश कर रहे हैं, खासकर महामारी के दौरान। यहां कुछ लोकप्रिय एआई टूल दिए गए हैं जो उच्च शिक्षा के भविष्य को अनेक तरीकों से बदल रहे हैं।

स्मार्ट क्वेरी बॉट्स और चैट-एकीकृत प्लेटफार्म

विदेशों में स्थित संस्थानों में आवेदन करते समय, प्रत्येक छात्र के पास ऐसे प्रश्न होते हैं जिनका वे उत्तर देना चाहते हैं। जैसे 'विदेश में अध्ययन करने में कितना खर्च होता है?' , 'मुझे किन विश्वविद्यालयों में आवेदन करना चाहिए?', या यहां तक कि 'मुझे कौन सी परीक्षा देनी चाहिए?' बुद्धिमान स्वचालित सहायता चैटबॉट उपकरणों को अपनाए जाने से प्रवेश पारिस्थितिकी तंत्र में तेजी से अपना रास्ता बना रहे हैं। ये वो उपकरण हैं जो छात्रों को आसान ऑनबोर्डिंग और आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से मार्गदर्शन करने में सहायता करते हैं।

एआई का उपयोग प्रवेश प्रक्रिया के दौरान प्रशासनिक गतिविधियों को स्वचालित करने के लिए भी किया जाता है, जिसमें वीजा प्रक्रिया, छात्र आवास व्यवस्था और पाठ्यक्रम पंजीकरण शामिल है, जो छात्रों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है।

एआई-आधारित अनुशंसा उपकरण

कॉलेज आवेदन मंचों के लिए एआई-प्रेरित अनुशंसा इंजन नयी पसंद हैं। तकनीकी मंच मशीन लर्निंग एल्गोरिदम द्वारा संचालित व्यक्तिगत सिफारिशें और सुझाव प्रदान करते हैं। यह छात्रों को अपने पाठ्यक्रम विनिर्देशों और परिणामों को बेहतर तरीके से समझने व उनका विश्लेषण करने का मौका देता है, जिससे कि उन्हें सही विकल्प चुनने और एक आकर्षक और व्यावहारिक छात्र अनुभव सृजन में मदद मिलती है।

कुछ एआई प्लेटफॉर्म योग्य छात्रों के साथ छात्रवृत्ति व अनुदान का मिलान कर सकते हैं और दो मिलियन से अधिक उपयोगकर्ताओं को अलर्ट प्रदान कर सकते हैं। वे निगमों, गैर सरकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और व्यक्तियों को उनके छात्रवृत्ति कार्यक्रमों को डिजाइन करने, लॉन्च करने, प्रबंधन और ट्रैक करने में भी मदद करते हैं।

वीडियो उपकरण

वर्तमान में, कई देशों में यात्रा प्रतिबंध अभी भी लागू हैं। और शैक्षणिक संस्थान संवादात्मक वेबिनार और पैनल चर्चा के माध्यम से दुनिया भर में संभावित छात्रों से जुड़ने के लिए वीडियो टूल का उपयोग कर रहे हैं।

कुछ स्टार्ट-अप छात्रों को उनके वीजा साक्षात्कार के विभिन्न पहलुओं के लिए तैयार करने में मदद करने हेतु वीडियो साक्षात्कार विश्लेषण उपकरण भी प्रदान करते हैं। वीडियो साक्षात्कार विश्लेषक (वीआईए) एक ऐसा उपकरण है जो चेहरे की गतिविधियों, भावनाओं व व्यवहार संबंधी विशेषताओं का अध्ययन करता है। यह छात्र को मॉक इंटरव्यू का त्वरित विश्लेषण प्रदान करता है। इससे छात्र को यह समझने में मदद मिलती है कि वे अपने साक्षात्कार में किन पहलुओं में सुधार कर सकते हैं।

वर्चुअल व संवर्धित वास्तविकता

संवर्धित रियलिटी (एआर) और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) का तेजी से उपयोग एक अनुभवात्मक डिजिटल प्रवेश प्रक्रिया बनाने के लिए किया जा रहा है। वे वर्चुअल खुले दिवस और परिसर के दौरे प्रदान करते हैं, जिससे संभावित छात्रों को अपने घरों में रहकर परिसर को अनुभव करने और अपनी पसंद का विश्वविद्यालय चुनने का अवसर मिलता है।

एआई का उपयोग करके नौकरी हेतु आवेदन करें

हालांकि संगठन बेहतर प्रतिभा को काम पर रखने के लिए एआई का उपयोग कर रहे हैं, मगर तकनीक का उपयोग प्रतिभा को लाभ पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है।

चैटबोट्स

स्वचालित उत्तर और चौबीसों घंटे सहायता की पेशकश करने वाले वार्तालाप चैटबोट नई नौकरी तलाशने वालों के लिए मददगार साबित हुए हैं। वे कर्मचारियों को सही व्यवसाय खोजने और नए गिग्स हासिल करने में मदद करते हैं। ये बॉट नौकरी पाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने में मदद करने हेतु उम्मीदवारों के आवेदनों का प्रबंधन भी करते हैं।

एआई सहायक

कुछ एआई सहायक नौकरी चाहने वालों को मैसेजिंग इंटरफेस के माध्यम से उनके साथ बातचीत करके, वेब को लगातार खंगालते हुए और उन्हें स्थिति की सिफारिशें भेजकर रोजगार खोजने में मदद करते हैं। व्यक्ति के उत्तर के आधार पर, ये सहायक एआई का उपयोग अपने ज्ञान को ठीक करने के लिए करते हैं कि साधक नौकरी में क्या चाहता है और उसके अनुसार अपनी सिफारिशों में सुधार करते हैं।

रीज्यूमे विशेषज्ञ

नौकरी चाहने वालों को आदर्श रिज्यूमे तैयार करने में मदद करने हेतु कुछ प्लेटफॉर्म एआई का भी उपयोग करते हैं। टूल उन्हें यह पता लगाने में सक्षम बनाता है कि कौन से कीवर्ड का उपयोग करना है और कंपनियां किन लक्षणों की तलाश कर रही हैं, इसमें उनकी कमजोरियों व क्षमताओं को तलाशने तथा उनके रिज्यूमे को संपादित करने में सहायता करता है।

वर्तमान प्रक्रियाओं को बदलने के लिए संस्था और संगठन के नेताओं को अपना दृष्टिकोण बदलने और एक अलग मानसिकता अपनाने की आवश्यकता है। इस बदलाव को लाने में समय लगता है। सबसे पहले, हमारे पास खास किस्म के डेटा या टूल की कमी हो सकती है, या हम पाते हैं कि कुछ समझदारियां हमारे लिए काम नहीं करती हैं। हालांकि, परिवर्तन की संस्कृति स्थापित करके और परीक्षण और सीखने का दृष्टिकोण अपनाकर, एआई का उपयोग न केवल ड्राइव करने के लिए किया जा सकता है, बल्कि करियर के विकास को भी बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

(लेखक आईस्कूल कनेक्ट के संस्थापक और सीईओ हैं।)

एक नेतृत्व विहीन संघर्ष

महामारी ने रोग नियंत्रण से संबंधित महत्वपूर्ण कार्यों के प्रबंधन और अपने लोगों को संसाधन उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी निभाने में केंद्र, राज्य और स्थानीय सरकारी निकायों (नगर निगम और पंचायतों) के बीच सहज समन्वय

जैसे ही हम महामारी की तीसरी लहर की संभावना के करीब पहुंच रहे हैं, गांवों में पर्याप्त तैयारी इसके प्रभाव को कम करने में मूलभूत होती है, कहना है 'श्रीष खरे' का।

के महत्व को प्रकट किया है। ग्रामीण स्तर पर, स्थानीय अधिकारी कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई लड़ने और राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा शुरू की गई विभिन्न सहायता योजनाओं को क्रियान्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले साल, 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाते हुए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर के सरपंचों के साथ बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि पंचायतों की प्रगति अंतत: राष्ट्र के विकास को कैसे सुनिश्चित करेगी, खासकर कोविड -19 के समय में। .

इस संघर्ष के समय में सरपंचों का नेतृत्व और मार्गदर्शन निश्चित रूप से ग्रामीणों के लिए आशा की किरण बन गया है। सरपंचों के निर्देश पर इलाज और जांच की सुविधा उपलब्ध कराने, जागरूकता पैदा करने और प्रोटोकॉल को बनाए रखने का काम किया जाता है। हालांकि, देश के कई गांव इस समय एक नेता के अभाव में जीवित हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में लगभग 15 ग्राम पंचायतें, जो दक्षिण में कर्नाटक की सीमा बनाती हैं, एक ही नाव में नौकायन कर रही हैं।

हालाँकि, 16 जनवरी को, सोलापुर जिले में लगभग 650 ग्राम पंचायतों के चुनाव हुए थे, और परिणाम 18 जनवरी को घोषित किए गए थे। यह देखते हुए कि इन पंचायतों में कई सरपंच सीटें आरक्षित थीं और आरक्षित समुदाय के किसी भी प्रतिनिधि ने चुनाव नहीं लड़ा था। कई गांव आज बिना सरपंच के हैं। आम तौर पर ऐसी स्थिति में एक महीने के भीतर नए चुनाव कराने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होती है, लेकिन कोविड-19 के कारण दोबारा चुनाव नहीं हो सका. एक नेता के बिना, इन गांवों के निवासियों के लिए कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई और भी कठिन हो गई है।

इन 15 गांवों में से, सांगोला ब्लॉक के सात गांवों के लिए कोविड -19 की दूसरी लहर के प्रसार को रोकना सबसे कठिन हो गया था, जिसमें शामिल थे, एग्लावेवाड़ी, बुरांगवाड़ी, बोपसेवाड़ी, खिलरवाड़ी, निजामपुर, हनमंतगांव और तरंगवाड़ी। इन गांवों के अलावा बरसी ब्लॉक के जहानपुरा की ग्राम पंचायतें, नॉर्थ सोलापुर ब्लॉक में खेड़, मोहोल ब्लॉक में बोपले और शेंगलेवाड़ी, मंगलवेधा ब्लॉक में गणेशवाड़ी, साउथ सोलापुर ब्लॉक में राजूर और तकली और मलशीरस ब्लॉक में येलिव को भी सरपंच का इंतजार है. . जैसे-जैसे मामले बढ़ रहे थे, जिला प्रशासन सरपंचों की सहायता से सख्त कदम उठा रहा था।

हालांकि, इन 15 गांवों में संस्थागत नेतृत्व की कमी के कारण प्रोटोकॉल के पालन से लेकर उपचार के प्रावधान तक के मुद्दे पैदा हो रहे थे।

''कोविड -19 प्रोटोकॉल के बाद, अब तक फिर से चुनाव कराने की सलाह नहीं दी जाती है। हालाँकि, एक बार स्थिति में सुधार होने पर, सरपंचों को चुनने का निर्णय तुरंत किया जाएगा, क्योंकि उनकी अनुपस्थिति ने निस्संदेह वायरस के खिलाफ जिले की लड़ाई में बाधा उत्पन्न की है'', सोलापुर के सरपंच मिलिंद शंबरकर ने कहा।

पहली और दूसरी लहरों के दौरान सोलापुर जिला राज्य के साथ-साथ देश में सबसे कमजोर क्षेत्रों में से एक था। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, जिले में 20,000 से अधिक सक्रिय मामले थे, जबकि जमीन पर, 1.5 लाख से अधिक लोग कोविड -19 से संक्रमित थे, और इस लेख को लिखते समय 3,500 से अधिक मौतें दर्ज की गईं। ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने इस आबादी का एक बड़ा हिस्सा बनाया।

सोलापुर के सांगोला प्रखंड के रहने वाले मिलिंद कोहली ने सरपंच की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सरपंचों की मौजूदगी से बीमारी खत्म नहीं होती, लेकिन इसके प्रसार को रोकने के लिए उचित उपाय किए जाते. सरपंचों ने राज्य सरकार के समन्वय से परीक्षण करने और बेहतर और समय पर उपचार प्रदान करने की योजना बनाने का प्रयास किया होगा।

''वर्तमान में कोई परीक्षण, उपचार या निगरानी नहीं है। अगर यह दूसरा रास्ता होता, तो वे अपने सरपंच से उनके स्वास्थ्य की निगरानी के लिए दवाएं और चिकित्सा उपकरण जैसे ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर प्रदान करने का आग्रह करते'' मिलिंद ने बताया।

सोलापुर के पंडारपुर कस्बे में केमिस्ट की दुकान रखने वाले संदीप बेलवलकर ने बताया कि दूसरी लहर के दौरान सर्दी, खांसी और बुखार से प्रभावित लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है. उनके अनुसार, परीक्षण की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड -19 सकारात्मक मामलों में वृद्धि हो रही थी। उनका मानना है कि ऐसे समय में सरपंच की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। सरपंच के बिना, आवश्यक कार्यों को करने के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वय करने वाला कोई नहीं है। ''कई लोग बीमार थे। एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत हो चुकी है, लेकिन हमें नहीं पता कि ये आंकड़े दर्ज किए गए या नहीं।''

जैसे-जैसे हम तीसरी लहर की संभावना के करीब पहुंच रहे हैं, शहरों और गांवों में मजबूत तैयारी मौलिक है। इस प्रकार, प्रशासन को स्थिति की तात्कालिकता पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए और सर्वोत्तम संभव कदम उठाना चाहिए। सरपंचों के बिना, कोविड -19 की तीसरी लहर से लड़ने का तौर-तरीका धूमिल प्रतीत होता है।

कविता

''ये मेरा हिंदुस्तान है''

डा. राज सिंह

प्रकाश ये अनंत है
दिशा में दिग दिगंत है
ये वाक्य में हलंत है
और अग्नि सा ज्वलंत है

प्रत्यक्ष का प्रमाण है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये साधना का तूर्य है
दैदीप्यमान सूर्य है
दिशाग्रजों में पूर्व है
अनादि है अपूर्व है

राष्ट्र ये महान है
ये प्यारा हिंदुस्तान है

रंति देव की व्यथा है ये ,
शिवि दधीचि की कथा है ये
शिवा का भाल ढाल है
सह्याद्रि का चट्टान है

स्वयं राष्ट्र गान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये बज्रधारी शक्र है
कर में सुदर्शन चक्र है
दुराराध्य सा वक्र है
ये परसु सहित सर्वत्र है

अचूक राम बाण है
ये प्यारा हिंदुस्तान है

अहं ब्रम्हास्मि सा अलख
ज्ञान की इसमें है झलक
अचिन्त्य की पुकार है
ये चेतना का ज्वार है

प्रभात का गुमान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

ये वेदों का ज्ञान है
साधकों में ध्यान है
नृपों में स्वाभिमान है
संशयों का निधान है

ये धरा का मान है
ये मेरा हिंदुस्तान है

मैं बुरी कुक नहीं हूं

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर का भोजन के साथ रिश्ता इस बात का महत्वपूर्ण हिस्सा है कि वह कौन हैं और वह समय के साथ विकसित हुई हैं

अपनी पहली फिल्म दम लगा के हईशा के लिए 12 किलो वजन बढ़ाने से लेकर अपनी अगली फिल्म टॉयलेट : एक प्रेम कथा के लिए सारा अतिरिक्त वजन घटाने और अपनी प्रत्येक फिल्म के साथ अपना आकार बदलने तक, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर भोजन और स्वस्थ आहार के साथ एक लंबी यात्रा पर हैं। जैसा कि अभिनेत्री ने हाल ही में एक डिजिटल फूड शो के लिए पास्ता पकाने में अपना हाथ आजमाया, भूमि अपने सबसे अच्छे भोजन गंतव्य व यादों की चर्चा करती हैं और भोजन के साथ उनका रिश्ता क्यों इस बात का अहम हिस्सा है कि वह कौन हैं।

भूमि यू गॉट शेफ्ड - सीजन 3 के फिनाले एपिसोड में दिखाई देंगी, जो पॉकेट एसेस के लाइफस्टाइल चैनल गोबले के साथ-साथ यूट्यूब पर भी रिलीज होगा।

अपने खाना पकाने के अनुभव को साझा करते हुए, भूमि कहती हैं, ''वैसे यह एक वर्चुअल एपिसोड था जिसमें मैंने शेफ रणवीर बरार के साथ खाना बनाया था और मुझे कहना होगा कि भले ही मुझे लगा कि खाना बनाना इतना कठिन काम है, लेकिन अगर आपको सही तरीके से निर्देशित किया जाता है, तो वास्तव में ऐसा नहीं है। मैं बिल्कुल भी रसोइया नहीं हूँ, मैं एक जबरदस्त फूडी हूं! लेकिन जब मैंने पास्ता पकाना शुरू किया, तो निश्चित रूप से शेफ ने मेरा मार्गदर्शन किया, लेकिन मैंने अच्छे पास्ता का एक हिस्सा बनाना सीख लिया।''

वह आगे बताती हैं, ''मुझे लगता है कि मैं उतनी बुरी कुक नहीं हूं जितना कि मैंने सोचा था कि मैं हूं। हमने पास्ता पकाया क्योंकि एपिसोड की थीम इटैलियन फूड मेमोरी थी, यह स्वादिष्ट थी। क्या मैं यह कह सकती हूं कि कुछ चीजों का संयोजन कभी गलत नहीं हो सकता, और हमारा पास्ता उन्हीं चीजों में से एक था। हमने पास्ता के एक हिस्से को मक्खन, लहसुन, मशरूम और शतावरी सॉस में पकाया ... यह मुंह में पानी लाने वाला था! मुझे कहना होगा कि पास्ता बहुमुखी व्यंजनों में से एक है, इतने आसान स्वादिष्ट संयोजनों के साथ , यदि आप उनमें से किसी एक को पकाना सीखते हैं, तो मेरा विश्वास करें, आप पास्ता के एक भोजन से अपने सभी दोस्तों व परिवार को प्रभावित कर सकते हैं! जब मैंने आखिरकार इसे बनाया तो मैं बहुत उत्साहित थी। हां! (वह हंसती है)।''

यह पूछने पर कि भूमि का पसंदीदा भोजन गंतव्य क्या है? भूमि कहती हैं, ''भोजन गंतव्य मेक्सिको और जापान होगा। लेकिन मैं हमेशा मेक्सिको की भोजन यात्रा पर दांव खेलती हूं, क्योंकि भारत में, हम मैक्सिकन और दक्षिण अमेरिकी भोजन की सर्वोत्तम किस्म नहीं मिलती है। जब मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करना शुरू किया और मैं मेक्सिको गयी तो मुझे उनके भोजन और संस्कृति से बहुत प्यार हो गया। जापानी भोजन और अखिल एशियाई व्यंजन हमें अभी भी यहां भारत में मिलते हैं। मुझे जापानी खाना भी बहुत पसंद है, स्वादिष्ट, जायकेदार फिर भी बहुत सारे स्वस्थ विकल्प हैं जो व्यक्ति को एशियाई भोजन के साथ मिल सकते हैं। ''

अपनी सर्वश्रेष्ठ भोजन स्मृति के बारे में पूछे जाने पर भूमि ने न्यूयॉर्क के एक उपनगर की कहानी याद की। उस याद को साझा करते हुए भूमि बताती हैं, ''यात्रा करने के लिए न्यूयार्क मेरे पसंदीदा शहरों में से एक है। मैं जब भी वहां होती हूं तो लंबी सैर करती हूं। मुझे पिज्जा बहुत पसंद है और न्यूयॉर्क में हर ब्लॉक में एक पिज्जेरिया है। आपको विश्वास नहीं होगा कि मैं उनमें से हूं जो हर ब्लॉक के सभी बेहतरीन पिज्जेरिया में जाएगा और एक अलग टॉपिंग के साथ एक ताजा टुकड़ा खाएगा! मैं तब एक बच्चे जैसा महसूस करती हूं और वास्तव में मेरे दोस्त मेरे इस तरह के पागलपन पर हंसते हैं। लेकिन वे टॉपिंग इतने अच्छे होते हैं, कि मैं उन्हें कैसे मिस कर सकती हूं? (हंसते हुए)।''

चूंकि काफी कायान्तरण होते हैं, इसलिए भूमि अच्छी दिखने और फिट रहने के लिए लगातार खुद पर काम कर रही हैं, जो कि सौंदर्य व्यवसाय का एक हिस्सा है, अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उनका दिमाग स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रशिक्षित है।

भूमि इशारों में कहती हैं, ''शुरुआत में, मेरे लिए, यह एक खास ढंग से देखने के लिए वजन बढ़ाने और कम करने का काम करना था। लेकिन जब से मैंने एक अभिनेत्री के रूप में अपनी यात्रा शुरू की, मैंने महसूस किया, हमारा रूप भोजन, व्यायाम व स्वस्थ आदतों का एक संयोजन है जिसे हम जीवन भर बनाए रख सकते हैं।

उदाहरण के लिए, मेरे ट्रेनर ने हमेशा कोर को मजबूत बनाने और मेटाबॉलिज्म और इम्युनिटी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। मुझे लगता है कि महामारी के दौरान हम सभी प्रतिरक्षा के महत्व को समझ गए हैं। अपने आहार में, मैं हमेशा प्रोटीन और कार्ब्स का एक अच्छा संयोजन बनाए रखती हूं। बेशक, मुझे विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया जाता है लेकिन मुझे लगता है कि कोई शॉर्टकट नहीं है जो आजीवन परिणाम प्रदान करता है, यह हमेशा एक क्रमिक प्रक्रिया है। भोजन के साथ मेरा रिश्ता समय के साथ विकसित हुआ है। ''

अभिनेत्री के पास फिल्मों की एक दिलचस्प श्रृंखला है जिसमें बधाई दो, मिस्टर लेले और रक्षा बंधन शामिल हैं।

-आईएएनएस